

PUBLISHED BY AUTHORITY

नई बिस्ली, शनिवार, मार्च 5, 1983 (फाल्गुन 14, 1904) NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 5, 1983 (PHALGUNA 14, 1904)

'स भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

# भाग III—खन्द्र 1 [PART III—SECTION 1]

ज्ब न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं द्वित्वारां and Auditor General, the Union 'ablic Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग ःल्ली--110011, दिनांक 2 फरवरी 1983

सं० ए० 12019/3/80-प्रणा० II—इस कार्यालय की शिख्यक अधिसूचना दिनांक 26 नवम्बर, 1982 के अनुक्रम :चिंब्र, संघ लोक सेवा आयोग एतद्द्वारा संघ लोक सेवा के कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुसंधान सहायकों का आयोग के कार्यालय में 5-2-1983 से 83 तक की अग्रेतर अवधि के लिये अथवा इन भित आधार पर भरे जाने नक जो भी पहले हो, में न अधिकारी (भाषाएं) के मंबर्ग बाह्य पद भर र पर नियुक्त करने हैं।

कुमारी के० बन्धोपाध्याय

**म**० ल० धागङपांडे

ां∶० घोष

**ा० बी०** कोइट

्० एन० शर्मा

उपयुक्त व्यक्तियों को यह जान लेना चाहिये कि उनकी किन्छ अनुसंधान अधिकारी (भाषाण) के पद पर नियुक्ति विल्कुल तदर्थ आधार पर है और इसमें उन्हें किन्छ अनु-1- '86 GI/82 संधान अधिकारी (भाषप्रं) के ग्रेड में आमेलन अथवा वरि-ण्ठता का कोई हक नहीं मिलेगा।

> य० रा० गांधी अवर सचिव (प्रशा०) **हते** सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 20 जनवरी 1983

मं० ए० 32014/4/80-प्रणा० 11—इम कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 4-11-1982 के अनुक्रम में सचिव, संघ लोक मेबा आयोग एतद्द्वारा इस कार्यालय के स्थायी संपदा पर्यवेक्षक श्री आर० पी० सिंह को 25-1-83 से 24-4-1983 तक तीन माम की अग्रेतर अबधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संपदा प्रवन्धक एवं बैटक अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापश रूप में कार्य करने के लिये निय्नत करने हैं।

 श्री आर० पी० सिंह अवगत भर लें कि संपदा प्रबन्धक एवं बैंटक अधिकारी के पद पर उनकी तदर्थ नियुक्ति

(4137)

से उन्हें नियमित विलियन अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का स्वतः हक नहीं मिलेगा।

> आई० सी० कम्बोज अनुभाग आधिकारी **कृते** सचिव, संघ लोक सेवा भ्रासीग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 जनवरी 1983

सं० ए० 11016/1/81-प्रणाणा — संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अविध के लिये अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

ऋ०सं०	नाम	अवधि
-	०के० ढींगरा	5-1-83 से 4-4 <del>-</del> 83 तक
2. जीत	ा राम	11-12-82 से 1-2-83 तक

उपर्युक्त अधिकारी कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० आ० सं० 12-1-74 सी०एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शतों के अनुसार ६० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

3. एन० एम० एल० भटनागर 6-12-82 से 1-1-83 तक

## दिनांक 22 जनवरी 1983

मं० ए० 32014/1/82-प्रशा०III—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा श्रायोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायकों को प्रत्येक के सामनें निर्दिष्ट अवधि के निये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, नदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

ऋ०सं० नाम	पदोन्नति की अवधि
सर्वश्री	
1. एम० के० राय	4-1-83 से 4-4-83 तक
2. डी० पी० अरोड़ा	5-1-83 से 4-4-83 तक
<ol> <li>प्रमोद बिहारी</li> </ol>	1-1-83 से 1-2-83 तक
4. জী০ टী০ रामनानी	1-1-83 से 31-1-83 तक
5. ए०के० शर्मा	11-12-82 से 31-1-83 तक

## दिनांक 1 फरवरी 1983

सं० ए० 32014/1/82-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग के संबर्ग में स्थानापन्न वरिष्ठ नैयक्तिक सहायक (के० स०

स्टे॰ से॰ का ग्रेड ख) श्री तरसेम सिंह (अ॰ जा॰) को राष्ट्रपति द्वारा 10-1-83 से 9-4-83 तक, अथवा आगामी आदेगों तक जो भी पहले हो, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आक्षार पर उसी संवर्ग में निजी साचिव (कें॰ स॰ स्टे॰ से॰ का ग्रेड क) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियक्त किया जाता है।

## दिनांक 4 फरवरी 1983

सं० ए० 32014/2/83-प्रशा० 1—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के चयन ग्रेड वैयक्तिक पहायक श्री आर० पी० डंग को राष्ट्रपति झारा 10-1-1983 से - 9-4-1983 तक अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ आधार पर विष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्प नियुक्त किया जाता है।

वरिष्ठः वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी और नदर्थ आधार पर है और इससे उन्हें के० स० स्टे० से० के ग्रेड ख में विलयन का अथवा उक्त ग्रेड में वरिष्ठता का कोई हक नहीं। मिलेगा।

> य० रा० गांधी अयर सचिव (प्रशा०), संघ लोक सेवा आयोग

## प्रवर्तन निदेशालय

## विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम

नई दिल्ली-110003, दिनांक 3 जनवरी 1983

सं० ए.०-4/23/82—इस निदेशालय के निम्नलिखित महायक वरिष्ट आशुलिपिक एतद्हारा इस मुख्यालय के निम्नलिखित कार्यालयों में प्रवर्तन अधिकारियों के पद पर स्थानापन्न रूप में उनके नाम के सामने लिखी तारीख से और आगामी आदेशों तक नियुक्त किये जाते हैं:---

ऋ○₹	ं० नाम और पदनाम	प्रवर्तन अधि- कारी के रूप में नियुक्ति की तारीख	सैनानी का स्थान
1	2	3	4
	श्री आर० के० अजमानी,	13-8-82	 जालंधर
	सहायक	(पूर्वाह्न)	
2.	श्री एम० एस० गुप्ता,	25-8 <del>-</del> 82	हैदरावाद
	सहायक	(पूर्वाह्म)	
3.	श्री गुरुबचन सिंह,	18-11-82	जालंधर
	सहायक	(पूर्वाह्न)	
4.	श्री जे०एस० लयर,	13-11-82	मुख्यालय
	वरिष्ठ आशुलिपिक	(पूर्वाह्न)	

1	2	3	4
5.	श्रीं ए० के० नारंग,	13-11-82	मुख्यालय
	सहायक	(पूर्वाह्न)	•
6.	श्री जे०सी० मेहना,	13-11-82	दिल्ली क्षेत्रीय
	सहायक	(पूर्वाह्न)	कार्यालय
7.	श्री के०सी० रस्तागी,	13-11-82	<b>मुख्</b> यालय
	सहायक	(पूर्वाह्न)	
8.	श्री के०बी० अनथाकृष्णन	[26-11-82	कार्लाकट
	सहायक -	(पूर्वाह्म)	
9.	थी <mark>आर</mark> ० एन० मदान,	16-11-82	दिल्ली क्षेत्रीय
	म <b>हाय</b> क	(पूर्वाह्स)	कार्यालय
10.	श्री वी० पी० गोगिया,	13-11-82	भु <b>ख्या</b> लय
	सहायक	(पूर्वाह्न)	
		•	

सं ० ए०-4/24/82--इस निदेणालय के तदर्थ आधार पर निमुक्त निम्निविद्धत प्रवर्तन अधिकारी, मुख्य प्रदत्तन अधिकारी एतद्द्वारा निम्निविद्धत गर्यालयों में मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद एर स्थानापक रूप में उनके नाम के कामने तिर्खा तार्र ख से और आगामी आदेणों तक नियुक्त विश्वे जाते हैं:---

क्र०मं० नाम श्रौर पद नाम	मुख्य प्रवर्तन ऋधिकारी के रूप मेंनियुक्ति की तारीख	सैन तो या स्थान
सर्वश्री		
1. र्वा० बोस,मुख्य प्रवर्तन	13-11-82	मुख्यालय
ग्रधिकारी <b>(तदर्थ</b> )	(पूर्वाह्न)	
2. वाई०एस० के० माधव	17-11-82	हैंदराबाद
राव, प्र० श्र०	(पूर्वाह्न)	•
3. ए० के० मित्रा,प्र०प्र०	6-12-82	मुख्यालय
	(पूर्वाह्न)	
4. वं⊹०बं⊹० सरवसे, प्र० प्र०		वम्बर्ध
,	(पूर्वा <b>ह्न</b> )	_
<ol> <li>गोकल चन्द</li> </ol>	29-11-82	व <b>म्बर्ध</b>
	(पूर्वाह्म)	
ग्रार० एन०	चोपड़ा, उप नि	देशक (प्रशासन)

## कन्द्रीय ससर्वता आयोग

## नई दिल्ली (दनांक 8 फरवरी 1983

सं० 2/22/82-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त एतद्-द्वारार्श्वा ग्रार० कें ० रेहानी, स्थायी निजी सहायक, केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग को प्रिट निजी सहायक (तदर्थ) के पद पर र० 650-1040 के वेतनमान में दिनांक 17-1-83 से 5-3-1983 तक या श्रगले श्रादेश तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> जुष्ण लाल मल्होता ग्रवर सचिव **कृते** केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त

गृह मंद्रालय कां० एवं प्र० सु० विभाग केन्द्राय ग्रन्वेषण ब्यूरी नई दिल्ला, दिनांक 8 फरवरी 1983

मं० वं 10-26/66-प्रशा०-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री वं 10 एन० द्विवेदी, विश्ष्ट लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों को दिनांक 31-1-1983 के पूर्वाह्न से दिनांक 28-2-1983 तक या नियमित नियुक्ति होने तक जो भा पहले घटित हो, के लिये तदर्थ आधार पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में स्थानापन उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० आए०-14/72-प्रणा०-5--राष्ट्रपति अपने प्रसाद सं श्रा ग्रार० के० वर्मा, लोक ग्रभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरोको दिनांक 27--1-1983के पूर्वाह्म सं दिनांक 28-2-83 तक या नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहले घटित हो, के लिये तदर्थ ग्राधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में स्थानापन्न विरुट्ठ लोक ग्रभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं एस० | 32 | 72-प्रशा० - 5- - राष्ट्रपति, अपने प्रसाद से आ एस० पा० श्रीवास्तव, लोक अभियोजद, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों को दिनांक 28-1-1983 के पूर्वाल्ल से दिनांक 28-2-83 तक या नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहछे प्रदित हो, के लिये तक्ष्यं आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों में स्थानापन्न विरुट्ठ लोक अभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 15 फरवरी 1983

मं० ए० 19025/1/82-प्रणा०-5—राष्ट्रपति एतद्द्वारा ज्ञापन संख्या ए० 12025/1/81 प्रणा०-5 धिनांक 6-7-82 के द्वारा नियुक्ति प्रस्ताव के पैरा 1(ii) का गर्तानुसार श्रो जुबैर हुसैन, वरिष्ठ लोक ग्रिभियोजक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता की सेवायें तत्काल से समाप्त करते हैं।

ग्रार० एस० नागपाल प्रज्ञासनिक <mark>प्रधिकारी (स्था०)</mark> केन्द्रीय श्रन्वषण व्यूरो

# महानिदेशालय केन्द्राय पुलिस बल नई दिल्ली, विनांक 9 फरवरी 1983

सं श्रां दो 1781/83-स्थापना--राष्ट्रपति डाक्टर त्रिनोद कुमार को अस्थायी कप में आगामी श्रादेश जारी होने तह कन्द्रीय रिजर्व पुलिय बल में जी डी ओ अ ग्रेड-H (डा एच पा / अस्पनी कमांडर) के पद पर 24 जनवरी, 1983 पूर्वाह्म से डाक्टरी परोक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं। सं० ग्रो० दो० 1783/83-स्थापना—राष्ट्रपितः डावर्टर श्रीकृष्ण पटरुलू कोका को ग्रस्थाया रूप से ग्रागामा श्रादेश जारी होने तक केन्द्राय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ग्रो० ग्रेड II (डा०एस० पो०/कम्पनी कमाण्डर ) के पद पर 24 जनवरी, 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरा परीक्षण में ठंवा पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

## दिनांक 11 फरवरी 1983

मं० ग्रो० दो० 1782/83 स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर बा० के० राय को श्रस्थाया रूप से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रोय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ग्रो० ग्रेड II (डो०एस०पो०/कम्पना कमाण्डर) के पद पर 24 जनवरी, 1983 ग्रपराह्म से डाक्टरो परीक्षण में ठाक पाये जाने की गर्त पर नियुक्त करते हैं।

## विनांक 14 जनवरो, 1983

सं० श्रो० दो०-1480/80 स्थापना--मेजर के० एल० गांधो ने श्रपनो पुनः नियुक्ति की श्रवधि समाप्त होने के फल-स्वरूप केन्द्रोय रिजर्व पुलिस बल में महायक कमाण्डेंट ए० डब्ल्यू० एस० 3 गोहाटा (श्रासाम) का कार्यभार दिनांक 26-1-83 (श्रपराह्न) को स्याग दिया ।

सं० ग्रो० दो० 1785/83 स्थापना—राष्ट्रपति, डा० धननजय पिगुंग्रा को ग्रस्थाई रूप से ग्रागाम ग्रादेश जार होने तक केन्द्रीय रिजर्व गुलिस बल में जनरल ड्यूटा भ्राफिसर ग्रेड II (डी॰एस॰पी॰/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर 24 जनवरी, 1983 पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त किया है।

ए० के० सूरी, सहायक निदेशक (स्थापना)

# भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली: 110011 दिनांक

सं० 11/43/80 प्रण० 1—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की दिनांक 28 मई, 1982 की प्रधिसूचना सं० 11/43/80 प्रणा० 1 के अनुक्रम में हिमाचल प्रदेश शिमला में जनगणना कार्य निदेशालय के कार्यालय, अधिक्षक श्री दीनानाथ शर्मा की सहायक निदेशक जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अवधि को तारीख 28 फरवरा, 1983 तक वर्तमान शर्तों के अधीन सहर्य बढ़ाते हैं।

. 2. श्रीः शर्मी का मुख्यालय शिमला मे होगा।

## दिनांक 9 फरवरी 1983

मं 11/100/79 प्रशा । I—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक मेवा के हरियाणा संवर्ग के श्रिधकारी श्रीर हरियाणा, चर्ण्ड, गढ़ में जनगणना कार्यालय में, प्रतिनियुक्ति के श्रिक्षार पर उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद पर कार्यरत श्री श्री० पो० भारढाज को तारीख 24 जनवरी, 1983 के पूर्वाह्न से हरियाण। सरकार को प्रत्यार्वीतत करते हैं ।

पी० पर्यमनाभ, भारत के महारजिस्ट्रार

## वित्त आयोग

## नई दिल्ली, दिनांक 8 फरवरी 1983

मं० 8 वि० भ्रा० 2 (31)-ए० /82--भ्रायिक कार्य विभाग, नई दिल्ली से स्थानान्तरण होने पर श्रो जी० रंगा एक, भारताय प्रशासन सेवा (तिमलनाडु: 64) निवेशक को श्राठवें जित श्रायोग में 3 फरवरा, 1983 के पूर्वाह्न से श्रगला श्रादेग होने तक 2500-2750 रु० के वेतनमान में संयुक्त सचिव के पद पर नियुक्त निया गया है।

सुखवासा लाल माथुर, प्रवर सचिव (प्र०शा०)

# वित्त मंत्रालय ग्राधिक कार्य विभाग

## बैंक नोट मुद्रणालय

देवास (म॰प्र॰), दिनांक 9 फरवरी 1983

मं० बो० एन० पी०/सी०/5/83--इस कार्यालय का ग्रिधमूना के बो०एन०पी०/सी०/5/82 दिनांक 4-12-82 के श्रनुकम में निम्नलिखिन अधिकारियों का तदर्थ नियुक्तियों का अविधि दिनांक 31-3-83 तक या सहायक कार्य प्रबंधक का श्रेणा में पदों के प्रत्यावितित होने और इन पदों के नियमित रूप में भर जाने, तक, जो भी पहले हो, बढ़ोई जाता हैं।

ऋ०सं० नाम	पव जिस पर त <b>दर्थ</b>
	नियुक्ति की गई
सर्वश्रा	
1. वो ० वैंकटरमणी	तकनीकी प्रधिकारी
	(मुद्रण एवं प्लेट निर्माण)
2. ग्रार०सी० प्रग्रवाल	—-य <b>था</b>
<ol> <li>श्रशोक जोशः</li> </ol>	<del></del> -यथा
4. ए० डी० देशवाण्ड	<i></i> ₹ <b>4</b> (
<ol> <li>एस० के० गुक्ता</li> </ol>	यथा
	मु०वै० चार,
	महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परिक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार का कार्यालय, क्रान्ध्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 9 फरवर। 1983

 सं० प्रणा० I/8-132/82-83/392—श्री ग्रार० वी० चक्रवर्ती, लेखा ग्रधिकारी महालेखाकार का कार्यालय, ग्रान्ध्र प्रदेश सेवा से 31-1-83 प्रपराह्न निवृत्त हुए ।

बो० मेसन, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा<sup>-</sup> )

महालेखाकार का कार्यालय, उत्तर प्रदेश इलाहबाद, दिनांक 7 फरवरी 1983

सं० प्रणा० I/II-144/अधिसूचना/7781--श्री श्रार० एत० शर्मा स्यायी लेखा श्रधिकारी कार्यालय महालेखाकार -3 उत्तर प्रदेश इलाहबाद सेवा निवत्ति की श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 जनवरी, 1983 (श्रयराह्म) से सेवा निवृत्त हो गय हैं।

> एस० जे० एस० श्राहलूबालिया, वरिष्ठ उप महालेखाकार प्रशासन

कार्यात्रय निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा सेवायें नई दिल्ला- 11001 दिनांक, 10 फरवरी 1983

मं० 5334/ए० प्रशासन/130/82---निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा मेवायें, श्रा धार० एम० खत्ना स्थायी अनुभाग अधिकारी (ब्राइट) को, लेखायरीक्षा श्रधिकारी रक्षा मेवायें, इलाहाबाद के कार्यालय में, दिनांक 25-1-1983 (पूर्वाह्न) से, स्था-नापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी के रूप में ध्रगले आदेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> भगवान शरण तायल संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा रक्षा सेवाऐं

# रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक नई दिल्ली-110066, दिनांक 9 फरवरी 1983

सं० प्रणा० 1/1172/1 जिल्द 1—इस विभाग का ग्राधि-सूचना सं० 1/1172/1/जिस्ट 1 दिनांक 24-9-1982 जो भारताय रक्षा लेखा सेवा के ग्राधिकारियों (प्रतिनियुक्ति पर) की उक्त सेवा के वरिष्ठ प्रणासनिक ग्रेष्ठ (वेतनमान रुपये 2250/-125/2-2500) के स्तर -II में, स्थानापन्न के रूप में, "ग्रनुक्रम नियम के श्रधीन" नियुक्ति से संबंधित है के संदर्भ में, पैरा 1 ग्रार 2 के बाद निम्नलिखित को पैरा 3 के रूप में जोड़ें:—

"3 उपर्युक्त कम सं० 5 पर श्री बी० जी० जोशी श्राई० डी एए०एस० की नियुक्ति वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड स्तर —II में स्थानापन्न के रूप में अनुक्रम नियम के अधीन" दिनांक 20-7-1982 में आएम्स में केवल छा माह की अवधि के लिए दो गई थी। राष्ट्रपति, श्रव श्री बी० जी० जोशी को "अनुक्रम नियम, के अधीन" दियों गये लाभ को दिनांक

10-1-1983 के बाद भी अगली अवधि के लिय, श्रागामी करा पर्यन्त किन्तु श्रधिक से श्रीधक दिनांक 31-3-1983 तक सहर्षे बढ़ाते हैं।

सं० प्रशा० 1/1175/1/जिल्द-1—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा केखा सेवा के एक ग्रधिकारी श्री के० शंकर (जो कृषि एवं सहकारिता विभाग, नई दिल्ली में, निदेशक, लेखा (उर्वरक) के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं) की उक्त सेवा के कृतिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (वेतनमान रुपये 1500-60-1200-100-2000) रुपये में स्थानापन्न के रूप में बिनांक 21 जुलाई 1982 (पूर्वाह्न) से 20 जनवरी, 1983 (ग्रपराह्न) तक "ग्रनुक्रम नियम के ग्रधीन" सहर्ष नियुक्त करते हैं।

म्रार० के० माणुर रक्षा लेखा म्रपर महानियंत्रक (प्रशासन)

#### रक्षा मंत्रालय

# भारतीय आर्डनैन्स फैक्टरियां सेवा आर्डनैन्स फैक्ट्री बोर्ड कलकत्ता, दिनांक 5 फरवरी 1983

सं० 7/जी०/83—दिनांक 1-8-82 से छः मासकी सेवा वृद्धि की समाप्ति पर श्री एन० एम० पटेल, डी०डी०जी० श्री०एफ० एस०ए० जी० स्तर II में दिनांक 31 जनवरी, 1983 अपराह्म में सेवा निवृत्त हुए ।

सं । II/जीं । /83—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अधि-कारियों को सीनियर डी॰ए॰डी॰जीं । /प्रबंधक के ग्रेड में उनके सामने दर्शाया गई तारीखों से पृष्टि करते हैं:

क०सं०	नाम व द्रेड	पद	पुष्टीकरण की	तारीख
1	2		3	3
सर्वर्श्र	ì			
1. ई०ए	० द्रूटर (मेट)/ड	प महाप्रबन्ध	का 1 भार्च,	1976
(सेव	ा निवृ <del>श</del> ्त)			
2. बी०	विद् <b>यांत</b> (मेट)/उप	। महाप्रबंधक	1 मार्च,	1976
3. एस०	पी० मल्लिक (इंज	ੀਂ) ਤਖ-	1 मार्व,	1976
महाः	प्रबन्धक			
4. एच०	म्रो० गुप्ता, (इंजी	ਾ)/ਤਥ	1 मार्च,	1976
_	<b>। बन्ध</b> क			
5. एस <b>॰</b>	एम० एस० सुन्दरा	न (इंजीं≀)/	1 मार्च,	1976
	हाप्रदन्धक	i	+	
	के० कोटक (इंजी) <i> </i>	-		
7. सुदश	न कुमार (केमि०)	/ उपमहाप्रबन		1976
8. ए०ए	स० पोपर्ला (सोटी)	)/उप-	1 मार्च,	<b>197</b> 6
महाप्र	<b>ब</b> न्धक			
9. एस०	के० जुनेजा (इंजी)	)/ ਤਖ-	1 मा <b>र्च</b> ,	1976
-	<b>।बन्धक</b>			
10 श्रार	० एस० बिन्द्रा (इंर्ज	ੀ)/ਤਧ-	ा भप्रेस,	1976
महाः	प्रव <del>न</del> ्धक			

11. श्रो ०एस० झावर (इंजी)/उप महाप्रबन्धक

ा श्रप्रैल, 1976

1	2		3.	1	2		, 3	
12.	<b>धा</b> र० के० घोष (एनर्टी)/	1 भ्रप्रैल,	1976	37.	र्वा० के० खोसला (इंजी)/	1	जनवरी,	1978
	उप-महाप्रबन्धक (ग्रवकाण प्राप्न)				उप-महाप्रबन्धक			
13.	्राप्त र एत् ६ गुप्ता (इंजी)/उप-महाप्रबन्ध	१क 23 <b>ग्राप्रै</b> ल	, 1976	38.	<b>प्राई</b> ०पील मिश्रा (ईजी)/	1	जनवरीं,	1978
14.	श्चार० एन० वाबू (इंर्ज≀)/	1 मई,	1976		उप-महाप्रबन्धक			
	उप-महाप्रबन्धक			39.	एम० संख्य (इंजी)/	1	फरवर्राः,	1978
15.	एस० रामारतन्म (इंजी) /उप-प्रहा-	1 म <del>ई</del> ,	1976		उप-महाप्रबन्धक			
	प्रबन्धेक			40.	मी० म्रार० घीष (इंजी) /	1	फरवरी,	1978
16.	र्पा ०एल० वस्सा (इंजी) /इय-महा-	1 जून,	1976	T /	उप-महाप्रबन्धक (श्रमकाश प्राप्त)		r	
	प्रबन्धक	٠,		√ 41.	ग्रार०सं:० चावला (इंजा)/	1	फरवरी,	1978 -
17.	सी० नरसिम्हालु (६र्जः)/उप-महाप्रबन्ध	वक 1 भितम्	बर, 76		उप-महाप्रबन्धक (श्रवकाण प्राप्त)			
	र्का० के० सर्मा (मेट) /उप-महाप्रवन्धव			42.	र्जा०सी(०ग्रज्ञा (इंजी)/	I	फरवरी,	1978
	एस० सम्पथ (एलर्टा)/उप-महाप्रबन्धक				उप-महाप्रवन्धक (अवकाण प्राप्त)		<del></del>	1 OPE O
	एस० के ० राक्सेना (इंजीं) उप-महा-			43.	जी ०एफ० मैस्कारारेन्हास (इंजी)/	1	मार्च,	1978
۷0.	प्रबन्धक	। जून,	19/7		उप-महाप्रबन्धक (श्रवकाश प्राप्त) टी०एन० नेन (इंजी)/	1	मई,	1978
	त्राप्यक्त स्रार० एम० द्रिपाठं≀( इंजी)/	। जुलाई,	10	44.	उप-महाप्रअन्धक (श्रवकाश प्राप्त		₹15,	19/8
21.	उप-महाप्रबन्धक	ા ખુખાક,	1977	15	एस० ग्रार० चक्रवर्ती (मेट)/		त्तस	1978
	जं:०के०राव(इंजी:)/	1 को ज <del>यार्</del> ज		40.	उप-महाप्रबन्धक	1	जून,	10/0
<b>22</b> .	उप-महाप्रसन्धतः	ा लो जुलाई	1977	1 (2	डी०पी०गोनल (केमि०)/	1	ग्रगस्त,	1978
0.0	*	1 सितम्बर,	1055	- <del>1</del> O·	उप-महाप्रबन्धक	•	*******	1070
۵۵.	उप-महाप्रबन्धक	1 (2002-42)	19/7	.1.7	बा० लाल (केमि०)/	1	सितम्बर	. 1978
2.1	पीरुएन० होनप (इंजी)/	1 ग्रस्तृबर,	1077	17,	उप-महाप्रबन्धक			
<u>⊿</u> .ŗ.	उप-महाप्रवन्धक	- '' '' ''	13//	48.	के० श्रार० पर्मनाभन (केमि०)/	1	ग्रक्तूबर	1978
2.5.	ঢ্লত मुखर्जी (एनटो)/	1 श्रक्तूबर,	1977		उप-महाप्रबन्धक		• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	
2.,,	उप-महाप्रबन्धक (स्रवकाश प्राप्त)	0.4		49.	एस० मुखर्जी (मेट)/	1	श्रक्तूबर	1978
26.	र्सः । प्रार० गुप्ता (एलटी)/	८ श्रक्तूबर,	1977		उप-महाप्रबन्धक			
	उप महाप्रबन्धर	<b>4</b>	- 0	. 50.	र्ट:० वेंकटस्वर्लू (इंजी)/	26	नत्रम्बर,	1978
27.	बीरिं जीर विश्वास (मेट)/	८ अन्तूबर,	1977		उप-महाप्रबन्धक			
	उप-महाप्रबन्धक	•		51.	एम०एम० भ्रहमद (इंजो)/	1	जनवरी,	1979
28.	के० के० ग्रोवर (मेट)/	8 शक्तूबर,	1977		उप-महाप्रबन्धक			
	उप-महाप्रबन्धक (श्रवकाश प्राप्त)				जे० सैन (केमि०)/ उप-महाप्रबन्धक			
29.	के० के० चन्द (एनटी)/	८ श्रक्तूबर,	1977	53.	ग्० के० चौंबाल (केमि॰) <i> </i>	1	फरवरी,	1979
	उप-महाप्रवन्धक				उप-महाप्रबन्धक		æ	
30.	के० जे० पप्पाचन (एनटः()/	1 नवम्बर,	<sup>1</sup> 1977	54.	के० नन्द कुमार (केमि०)/	1	श्रर्भेत,	1979
	उप-मह≀प्रबन्धक				'उप-महाप्र <b>ब</b> रधस		۴.	
31.	एच० पं∶० ग्रस्थाना (मीर्टी)/	1 नवम्बर,	1977	55.	দ্লত্पীত मिर्श्वः (इंजीः)/	1	मई,	1979
	उप-महाप्रबन्धक		_		उप- <b>महाप्रबन्ध</b> क			
32.	गृम ० पं≀० गुप्ता (इंजीं)/	1 नवम्बर,	1977	5 6.	ाम्स० पी० कुलकर्णी (इंजी)/		जून,	1979
	उप-महाप्रबन्धक				उप-महाप्रजन्धक (अवकाण प्राप		च्या गर्म	1070
33.		.7 नवम्बर,	1977	57.	एल० एन० श्रीरमण (मेट)/	1	जुलाई,	1979
	उप-महाप्रबन्दक	r.			उप-महाप्रबन्धक	0.1	जुलाई,	1070
		1 दिसम्बर,	1977	5 8.	मुम्नू लाल (ए.नर्टा)/	اند	ગુના છે,	1373
	उप-महाप्रबन्धक - रू- — र्- <del>वे</del> ( <del>-र</del> ्-रः) /	٠			उप-महाप्रबन्धक 	21	जुलाई,	1979
35.		1 जनवरी,	1978	5 9.	त्रारक संकि गुप्ता (सोटी)/ उप-महाप्रबन्धक (श्रवकाश प्राप्त)	υı	Lann	13/3
	उप-महाप्रबन्धक क्षेत्र रिक्ट (होरी) /	, pr <del>esi</del> .	V 7% 4m		ज्ञान सिह (ंजंंा०)/	1	अगस्त	, 1979
36.	11	1 जनवरंः, '	1978	60.		,	, , , , ,	,
	उप-महाप्रबन्धक 				उप-महाप्रवन्धक			<del>- · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·</del>

1 2		3	
61. एच० पी०एस० ग्रहसुवालिया (इंजी) उप महाप्रबन्धक	1	ग्रगस्त,	1979
62. डी० के० सरकार (एनटी)/	1	सितम्बर,	1979
उप-महाप्रबन्धक 63. डी० के० दे० भरकार (केमि०)/ उप-महाप्रबन्धक	1	सितम्बर,	1979
64. एम० एम० मेनन (एनटी)/ उप-महाप्रबन्धक (श्रवकाश प्राप्त)	1	सितम्बर,	1979
65. श्रार० पद्मनाभन (इंजी)/ उप-महाप्रबन्धक	1	जनवरी,	1980
66. के० पी० सिंह (इंजी)/ उप-महाप्रबन्धक	1	फरवरी,	1930
67. ए० के० रस्तोगी (इंजी)/ उप-महाप्रबन्धक	1	फरवरी,	1980
68. श्रार० के० श्रगरवाला (केमि०)/ उप-महाप्रबन्धक	1	मई,	1980
69. डी० के० दासगुप्ता (मेट)/ उप-महाप्रबन्धक	1	श्रगस्त.	1980
70. एम० बनर्जी (मेट)/ उप-महाप्रबन्धक	1	श्रक्तूबर,	1980
71. एम० एम० म्रग्रवाल (इंजी)/ उप-महाप्रवन्धक	1	दिसम्बर,	1980

र्वा० के०मेहता, निदेशक, स्थापना

कलकत्ता-700069, दिनांक 3 फरवरी 1983 मं 3/83/ए०/ई०--1---वार्धक्य निवृत्ति श्रायु प्राप्त कर श्री सनत कुमार सिन्हा, मौलिक एवं स्थायी सहायक/स्थाना-पन्न सहायक स्टाफ श्रपक्षर दिनांक 31-1-1983. (श्रपराह्न) से सेवा निवृत्त हुए ।

श्री०भ्रार० श्रय्यर डी०डी०जी०/काॉमक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियन्त्रक, श्रायात एवं निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1983 श्रायान तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण स्थापना

सं० 6/1232/77-प्रणासन "राज"/976—सेवा निवृत्ति की भ्रायु होने पर, संयुक्त मुख्य निश्ंत्रक श्रायात-निर्यात, के काथिलिय, बम्बई में क्यू०ए०एम०जे०एम० भ्रत्मीया निर्यंत्रक, श्रायात तथा निर्यात को 31 दिसम्बर, 1982 के भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति वी गई है।

सं० 6/1405/83-प्रशासन "राज"/977—सेवा निवृत्ति की ऋाq होने पर. संयुक्त मुख्य नियंत्नक, श्रायान निर्यात के कार्यालय, बम्बई में भार० एल० सरोच नियंत्रक, भायात तथा निर्यात, को 31 दिसम्बर, 1982 भ्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की श्रनुमति दी गई हैं।

## दिनांक 11 फरवरी 1983

सं० 6/1380/82-प्रणा० (जी) 1978-सेवा निवृत्ति की श्रायु होने पर, श्री एम० एम० खोसला केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 4 के श्रिधकारी श्रीर इस कार्यालय में श्रायात श्रीर निर्यात के स्थानापन्न नियंत्रक को 31 जनवर्रत, 1983 (अपराह्म) से सरकारी सेवा से निवृत्त होने को श्रनुमित दी गई है।

वी० के० मेहता, उप मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, श्रायात-नियति

वाणिज्यिक जानकारी तथा ग्रंकसंकलन महानिदेशासय कलकत्ता-700001, दिनांक 7फरवरी, 1983

सं० एस्ट-1/1 (1) 83/883- कार्मिक तथा प्रशासनिक मुधार विभाग, गृह मलालय के पत्न सं० 13028 (33)/82 प्राई०ई०एस० तारीख 31-12-1982 के प्रनुसरण में, एक वर्ग-2 ग्रिधकारी श्री एस० ग्रार० सेनगुप्त ने, वाणिष्यक जानकारी तथा श्रंकसंकलन महानिदेशालय, कलकत्ता में, 31 जनवरी, 1983 के श्रपरान्ह में सेवा से निवृत्त श्री एम० सी० मुकर्जी के स्थान पर, 1 फरवरी, 1983 के पूर्वाल्ल में, विष्ठ उप-महानिदेशक, भा० ग्रा० से० वर्ग-2 के पद का भार ग्रहण कर लिया है।

## धिनांक 10 फरवरी 1983

सं ० एस्ट-1/26 (3)82/961—भारतीय श्रार्थिक सेवा (चतुर्थ स्तर) के एक स्थायी श्रिधिकारी तथा वाणिज्यिक जानकारी तथा धंकसंकलन महानिदेशालय, कलकत्ता के एक स्थानापन्न वरिष्ठ उप-महानिदेशक (भा० भा० से० विताय स्तर), श्री एम० सी० मुखर्जी, वार्धक्य की आयु पाकर, 31-1-1983 के श्रपराह्म में सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

डी० सी० दत्ता महानिदेशक

उद्योग मंत्रालय ग्रौद्योगिक विकास विभाग विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिस्ली, दिनांक 8 फरवरी 1983

सं० ए० 19018(109)/73-प्रणासन(राज०) खण्ड-2--राष्ट्रपति विकास भ्रायुक्त, (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के उप निदेशक (इलेक्ट्रानिक्स) श्री वी०के० ग्रार० प्रभु को उसी कार्यालय में दिनांक 22--1-83 (पूर्वाह्न) से अपने आदेशों तक, निर्देशक, ग्रेंड-2 (इलेक्ट्रा-निक्स) के रूप में तक्ष्यं आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए० 19018(248)/76-प्रशासन (राज०)-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा सस्थान, बगलौर के लघु उद्योग संवर्व्यंन श्रिधिकारी (श्राई ०एम० टी०) श्री के० एस० गोविन्थ
राजन को लघु उद्योग सेवा संस्थान, इंबौर में विनांक 19
जनवरी, 1983 (पूर्वाह्म) से, ध्रगले श्रादेशों तक, सहायक
निदेशक ग्रेड-1 (श्राई०एम० टी०) के रूप में नियुक्त करते
हैं।

## दिनांक 14 फरवरी 1983

सं० ए० 19018 (169)/75-प्रशासन (राज०) खण्ड 2-राष्ट्रपति, विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली के सहायक निदेशक, ग्रेड 1 (यांत्रिकी) श्री श्रार० एल० गर्ग को विनांक 14 जनवरी, 1983 (पूर्वाह्म) से, तीन मास के लिए, इसी कार्यालय में, उपनिदेशक (यांत्रिकी) के रूप में तथर्ष श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

> मी०सी० राय उप निदेणक (प्रशा०)

# पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन अनु०1)

नई दिल्ली, दिनांक 10 फरवरी 1983

मं० प्र०1/1(892)—स्थायी किनष्ठ प्रगति प्रधिकारी तथा सहायक निदेशक (ग्रेड-2) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य कर रहे श्री लोकेश प्रसाद निवृत्तमान श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31-1-1983 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एसं० बालासुक्रमणियन, उप निदेशक (प्रशासन) **कृते म**हानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

# इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय (खान विभाग ) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 फरवरी 1983

सं० 943 डी०/ए० 19012 (2-एस० के०एम०)/75/19 बी०-तेल ग्रीर प्राकृतिक गैस ग्रायोग में स्थायी रूप मे भर्ती होने के फलस्वरूप डा० एस० के० मिश्र ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक भूभौतिकाविद के पद को 30-9-82 के ग्रपराह्न से त्याग दिया है।

सं० 951 छी/ए०19012 (4न्नार०मार०)/82-19 बी०--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के कनिष्ठ तकनीकी सहायक (ड्रिलिंग) श्री राम सूरत रायको ड्रिलर के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता, में आगामी आदेश होने तक 16 दिसम्बर 1982 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

## दिनांक 5 फरवरी 1983

सं ० 1192 खीं ०/ए० 32013 (ए०ध्रो०)/80-19ए०— भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के प्रणासनिक ध्रधिकारी श्री प्रेम नाथ सरकारी सेवा मे 31 मार्च, 1981 (प्रपराह्न) से वार्त्वस्यनिवर्तन पर निवृत्त हो गये।

## दिनांक 7 फरवरी 1983

सं० 1252 वी०/ए० 19012 (4-प्रार०एस०पी०)/82-19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ सकतीकी राह्मयक (ड्रिलिंग) श्री रमा शंकर प्रसाद को ड्रिलर के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द०रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 23 विसम्बर, 1982 के पूर्वाह्म में नियुक्त किया जा रहा है । एस० के० मुखर्जी

महानिदेशक

# भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 7 फरवरी 1983

सं० ए० 19011 (194)/76-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नित मिनित की सिफारिण पर श्री ध्रार० एम० उमाठे स्थार्थ किनष्ठ खनन भूविज्ञानी को भारतीय खान ब्यूरो में विरुठ खनन भूविज्ञानी के पद पर दिनांक 24-1-1983 (पूर्वाह्न) से पदोन्नित प्रदान की गई है।

व० घ०मिश्र कार्यालय ग्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

# विज्ञान क्रीर प्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन कन्मता-700019, दिनांक 7 फरवरी 1983

सं० 29-8/83 स्था०--श्री के० के० चक्रवर्ती, स्थाई कार्यात्व अधीकक को, राष्ट्रीय एटलस एवं थिमेंटिक मानचिवण संगठन में 2 फरवरी, 1983 (पूर्वात्व) से अन्य आदेश होने तक पूर्णत: अस्थाई एवं तदर्थ रूप में प्रणासनिक अधिकारी के पद पर नियक्त किया जाता है।

ज्ञा० कुदन संयुक्त निदेशक

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण कलकता-12, दिनांक 7 फरवरी 1983

मं० एफ् 30-8/83—स्था०/2642—-वरिष्ठ प्राणिधिज्ञान सहायक, श्री  $\dot{z}$  के० चक्रवर्ती को मुख्यालय, भारतीय

प्राणि सर्वेक्षण, कलकसा के कार्यालय में रु० 650-1200 विश्वनमान में सहायक प्राणिविश्वान (समृष्ट ख) के पद पर 31 दिसम्बर, 1982 (पूर्वाह्न) में अगल आदेश तक, अम्थायी रूप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया गया। इा० बी० के० टिकादर निदेशक

नई दिल्ली दिनांक 4 फरवरी 1983

सं० ए० 19020/24/79-प्रशासनों-I--राष्ट्रपति ने डा० एस० के० सूरी को 18 मई, 1982 के पूर्वाह्न में श्रागामी आदेणों तक कनिष्ठ स्टाफ सर्जन (दन्त चिकित्सा) के पद पर पूर्णतया तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है।

तिलोक चन्द जैन, उप निदेशक (प्रशासन)

कृषि मंत्रालय राष्ट्रीय शकरा संस्था (खाद्य विभाग)

कानपुर, दिनांक 22 जनवरी 1983

नं० ईस्ट 10 (1)/72-II-8632-श्री श्रो० एस० भटनागर, जो वर्तमान में राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में कल्याण श्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं, उनका स्थानान्तरण कल्याण श्रधिकारी के उसी पद पर तत्काल से किया जाता है।

नौ० राय खरियावाला निदेशक

ग्रामीण विकास मंत्रालय विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद दिनांक 9 फरवरी, 19,83

मं० ए० 19024/2/82 प्रः शी—श्री एम० एन० मोहिन्दू विरिष्ठ रसायनज्ञ को क्षेत्रीय एगमार्क प्रयोगणाला गाजियाबाद में दिनांक 17-12-1982 (पूर्वाह्न) से प्रगले ब्रादेश होने तक या जब तक पद्द नियमित ब्राधार पर भरा जाता है, दोनों में से जो भी पहले हो, तीन महीने की ब्रावधि के लिये पूर्णतया तद्दर्थ ब्राधार पर नियुक्त किया गया है।

गुरमेल राम भाटिया, संयुक्त कृषि विपणन सलाहकार **कृते** कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085,दिनांक 8 फरवरी 1983

मं० वीं०/377/सीं०ई०डीं०/स्था० II/153— श्री शमराव वेणुगोपालन वैज्ञानिक श्रधिकारी/एस०डी० पद का पद 2—486 GI/82 भार 21-10-1982 ग्रयराह्म को ऐच्छिक सेवा निवृत्तिः पर छोट विमा।

पी० एन० कृष्णामृति, नियंत्रक

बम्बई 400085-दिनांक 19 जनवरी 1983

मं० पी०ए० 79/(4)/80 आर० III—नियंत्रक भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री भीमणंकर विष्यनाथ भागुडे, सहायक को सहायक कार्मिक अधिकारी (650-960 रुपये) पद पर कार्य करने हेतु इस अनुसंधान केन्द्र में 7-12-82 (पूर्वाह्र) से 7-1-1983 (अपराह्न) तक की समयाविध्र के लिए तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

बी० सी० पाल उपस्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग नरौरा परमाणु विद्युत परियोजना टाउनी, दिनांक 1 फरवरी 1983

्र प्रश्निक्षा ०/प्रशा०/(244)/82-एस०/1605— इस परियोजना के सुरक्षा ग्रिधिकारो श्रो एस०सी० भगेश्रा ने, उनका स्थानान्तरण राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना कोटा को होने पर, ग्रपने पद का कार्यभार दिनांक दिसम्बर 28,1982 के ग्रपराह्म में छोड़ दिया।

> श्रार० के० बाली प्रशासन श्रधिकारी-III

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 19 जनवरी 1983

सं० ए०-32013/12/82 ई०ए०--राष्ट्रपति, ने निम्न-लिखित श्रधिकारियों को दिनांक 20-9-82 से ग्रथवा पद का कार्यभार ग्रहण करने की वास्तविक तारीख से, इनमें से जो भी बाद में हो श्रौर श्रन्य द्यादेण होने तक वरिष्ट विमान क्षेत्र के श्रधिकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है:--

ऋम सं० नाम	तैनाती का स्टेशन
1 2	3
सर्वेश्री	
1. ए०के० वासु	मुख्यालय
2. स्रार० एस० चोपड़ा	्बम्बर्द
3. पी०मी० गोयल	नागर त्रिमानन प्रशिक्षण केन्द्र,
	इलाह्बाद
<ol> <li>मील्पुन० प्रमाद</li> </ol>	बम्बई
5.  एच० एम० ईजरील	ति <b>रुचिरापल्ल</b> ं।
<ol> <li>र्डा०एन० घोष</li> </ol>	मुख्यालय
7. डी० के० सेन	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र,
	इलाहाबाद
8. बी०एस० ग्ररोड़ा	प्रतिनियुक्ति पर लीबिया
9. बी० के० दुग्गल	प्रतिनियुक्ति पर लीबिया

	··
1 2	3
10. ए० के० सिन्हा	कत्रक्ता(एस० ए०एस० हिम्रो)
11. वंश्विप्सव गर्म्भीर	उदयपुर
12. पी०ए० रघुनाथन	मंगलौर ॄै
13. एस० वीं ० प्रग्रवाल	विल्ली <sub>]</sub>
14. एच० एल० गृप्ता	नागपुर]
15. सी० के० कुट्टीकु <sup>ु</sup> णन	<b>बम्बर्ध</b>
16 ग्रार०सी० खुराना	दिल्ली 

## धिनांक 3 फरवरी 1983

मं० ए० 19011/86/80 ई० 1—महानिदेशक नागर विमानन के कार्यालय के श्री एस०सी० जोशी, सहायक निदेशक, विमानमार्ग श्रौर विमान क्षेत्र (योजना) निवर्तन श्रायु प्राप्त कर छेने पर दिनांक 31 जनवरी, 1983 श्रपराह्म से मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

## दिनांक 4 फरवरी 1983

सं० ए० 19011/20/80 ई॰ I—श्री एस० डी॰ बहल क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, दिल्ली दिनांक 5 जनवरी, 1983 ग्रयराह्न से केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48 (क) के अन्तर्गत स्वेच्छापूर्वक सरकारी मेवा मे निवृत्त हो गए हैं।

मुधाकर गुप्ता, उप निदेशक (प्रणा०)

## नई दिल्ली, दिनांक 4 फरवरी 1983

मं० ए० 32013/7/81ई०सी०—इस विभाग की दिनांक 31 दिसम्बर, 1982 को अधिसूचना संख्या ए०32013/7/81ई०सी० के कम में राष्ट्रपति ने श्री बी०पी० भगत को जो इस समय वरिष्ठ संचार स्टेशन श्रिधकारी के रूप में तदर्थ ग्राधार पर वैमानिक संचार स्टेशन बम्बई में कार्यरत है, दिनांक 20—9—1982 से और श्रन्य श्रादेण होने तक वरिष्ठ संचार श्रिधकारी के ग्रेड में नियमित श्राधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/3/82 ई०सी०—राष्ट्रपति, ने निम्न-लिखित तकनीकी अधिकारियों को उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से छः मास की श्रवधि के लिये वरिष्ठ तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेंड में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर नैनात किया ।

ऋ०सं० नाम	वर्तमान	जिस स्टेशन	कार्यभार
	तैनाती	पर तैनात	ग्रहण करने
	स्टेशन	किया गया	की तारीख
1. श्ररण कुमार	क्षे० निदेशक,	क्षे० निदेशक,	27-9-82
		नई दिल्ली	(श्रपराह्न)
2. वी० सुक्रमण्यिन			27-12-82
	स्टेशन, मद्रास	ा <i>स्टे</i> शन, मद्राक	प (श्रपराह्न)

मं० ए० 32014/2/81ई०सी० (पार्ट)- महातिदेशक नागर विमानन सं वैमानिक रांवार स्टेशन, महात सं सम्बद्ध श्री के०के० नम्मबुदरी तकनीकी सहायक को दिनांक 4-3-82 (पूर्वाह्म) से महायक तकनीकी श्रधिकारी के ग्रेड में नदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है श्रीर उन्हें वैमानिक गंचार स्टेशन, मगलूर में तैनात किया है।

## दिनांक 7 फरवरी 1983

सं० ए० 32014/2/82 ई०सं० (खण्ड) 3—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित संचार सहायकों को प्रत्येक के नाम के सामने वी गई तारीख से छः मास की अवधि के लिये नागर विमानन विभाग में ६० 650—1200 के वेतनमान में सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्य आधार पर नियुक्त किया और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है:—

1 2 3 4 5	
सर्वश्री	
1. एम०भी०	
मुलमुले वस्बई राजकोट 30–11	-82
(पूब	ह्मि)
2 कृपाल सिंह दिल्ली डो०जी०सी० 16-10	-82
ए०, नई दिल्ली (पूर	ह्मि)
3. ग्रार० डी० राम दिल्ली वाराणमी 30-10	
***	न्त्रि)
4. बी॰एम॰	
गुला <b>टी</b> लखनऊ लखनऊ 2 <b>8</b> —12	
	ह्नि)
5. जे०एच० नायर बम्बई त्रीची 30—10 /	
1 * 1	न्ति)
6. श्रीमती प्रीति-	0.0
कुन्दू कलकत्ता कलकत्ता 2—11	−82 र्ाह्म)
्र. ७. एस०पी० वसा-	·(南)
वदा भावनगर विजयवादा 16–1	-83
- · · ·	र्गह्ह)
१४ 8. जी० एरम्ना नागपुर नागपुर 131	
	ਜ਼ਿ)
9. जे०बी० कृष्ण बम्बई अंगलौर 26-11	٠,
	हिं
10. जे॰एस॰बेदी दिल्ली ग्रमृतसर 27-12-	
1.1	ह्यि)
11. जै०घोष मी०ए०टीसी मी०ए०टीसी०12-11	
इलाह्बाद इलाह्बाद (पूर	हित्र)

				<u></u>
1	2	3	4	5
1 <b>2</b> .	के०वी०			
	भास्करन	त्रिवेन्द्रम	त्निवेन्द्रम	20-10-82
	_		_	(पूर्वाह्न)
13.	एस०बी०पुन्ना	हैंदराबाद	हैदराबाद	19-10-82
	राव			(पूर्वाह्म)
	एस० बी०एल०			
	त्यागी'	दिल्ली	वाराणसः	8-12-82
				(पूर्वाह्न)

## जे०सी० गर्ग, सहायक निदेशक प्रशासन

निरोक्षण व लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा व केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नई दिल्ली, दिनांक 9 फरवरी, 1983

सं० 4/83—वार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त होने पर श्री के० डी० मठने निरीक्षण व लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा व केन्द्रीय उत्पादन णुल्क) के नई दिल्ली स्थित मुख्य कार्यालय से दिनांक 31—12—82 (ग्रपराह्न) से निरीक्षण ग्रिधिकारी (सीमा व केन्द्रीय उत्पादन णुल्क) ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार त्याग दिया।

## दिनांक 14 फरवरी 1983

सं० 5/83—वार्धक्य के कारण सेवा निर्वत्त होने पर श्री रिमन्द्र सिंह ने, निरीक्षण व लेखा पराक्षा निदेशालय सीमाणुल्क व केन्द्रीय उत्पादन णुल्क) के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय मे दिनांक 31—1—83 से निरीक्षण श्रिष्ठिकारी (सीमा व केन्द्रीय) उत्पादन णुल्क ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार त्याग दिया ।

ब० च० रस्तोगी निरीक्षण निदेशक

# निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० 27-ईई/बी० (3)/69 ई०सी०-2--केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के निम्नलिखित ग्रिधिकारी वार्धक्य (58 वर्ष) की श्रायु प्राप्त करने पर विनांक 31 विसम्बर, 1982 (दोपहर बाद) को सेवा निवृत्त हो गये हैं:—

क्रमांकः श्रधिकारी का नाम पदनाम एवं कार्यालय का नाम जहां से वे सेवा निवृत्त हुए ।

1	2	3
<b>सर्वश्री</b> 1. एल० र	डी० भटिया	कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) वातानुकूलन मण्डल सं० 2,
		कें०लो० नि० वि० नयी दिल्ली।

1 2	3
2. वी०डी० गुप्ता	कार्यपालक श्रभियन्ता (विद्युत) लखनऊ केन्द्रीय विद्युत मण्डल, के०लो० नि० वि०, लखनऊ,
<ol> <li>पी०ए० चावला</li> </ol>	(उ० प्र०) कार्यपालक श्रभियन्ता (विद्युत)
	सफदरजंग विद्युत मण्डल, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली ।
4. श्रों०पी० शर्मा	कार्यपालक इंजीनियर (सिविल निर्माण मण्डल सं० 5, के०लो०, नि० वि०, नई दिल्ली।
<del></del>	

नीना गर्ग , उप निदेशक (प्रशासन) **कृते** महानिदेशक निर्माण

राष्ट्रीय परीक्षण ग्रह महा निदेशक का कार्यालय कलकला, दिनांक 8 फरवरी 1983

सं० जी० 318/v—महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता, श्री एन० एन० मिन्ना प्रधान लिपिक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई गाखा, को दिनांक 10-12-82 (पूर्वाह्न) से, श्रन्य श्रावेश के न होने तक, उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) श्रेणी II के पद पर नियमित रूप से नियुक्त करते हैं।

ए० बेनर्जी उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह

# विधि, ग्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर मैं० लीडिंग चिट फंड एण्ड फाइनेन्स प्रा० लिमिटेंड के विषय में

नई दिल्ली, दिनांक 3 दिसम्बर 1982

सं० 4185/22460—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की छप धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैं० लीडिंग चिट फण्डएण्ड फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर मैं० हिमाचल गेटल इन्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड के विषय में नई दिल्ली, दिनांक 17 पिसम्बर 1983

सं० 3748/23205— कम्पनी श्रधिनियम 1956 कि धारा 560 की उप धारा (5) के श्रनुसरण में एसद्वारा सूर्यना दी जाती है कि मैं० हिमाचल मेटल इंन्डस्ट्रीज प्रा० लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर लिमिटेड के विषय में दिनोंक 5 जनवरी, 1983

सं० 2881/36—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के श्रनुसरण में एतद्हारा सूचना दी जाती है कि श्रार० एल० श्रोबोराय एण्ड कं० प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई।

र्डा० एन० पेगूं, सहायक रजिस्ट्रार श्राफ कम्पनीज, दिल्ली

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर लिमिटेड के विषय में नई दिल्ली, दिनांक 16 फरवरी, 1983

सं० 4067/4322 कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण एनद् द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसमें ज्यौति फार्मीस्यूटिकल वक्से प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

डी० एन० पेंगू सहायक रजिस्ट्रार श्राफ कम्पनीज दिल्ली एवं हरियाणा

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 भ्रौर इन्दिरा रवर एस्टेट प्राष्ट्रवेट लिमिटेड के विषय में

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रिटिंग एण्ड एजुकेशन पिंक्लकेशन फाउंडेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कोंचीन, दिनांक 8 फरवरी 1983

सं० 2406/लिक्नि/560(5)/1357/82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरफ में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि प्रिटिंग एण्ड एजूकेशनल पिल्लिकेशन फाउंडेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम भाज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गयी है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रीर कामिशियल ट्रांस्पोट लिमिटेड के विषय में

कोंनीन, दिनांक 8 फरवरी 1983

सं० 2381 लिक्बि/560 (5)/83—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप धारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि कामिश्रायल ट्रांस-पोर्ट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर चेबुमुडी एस्टेट्स लिमिटेड के विषय में

कोचीन, दिनांक 8 मार्च, 1983

सं० 2191लिक्वि/560 (5)/1387/83—-कम्पनी ग्रिध-नियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनु-सरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि चेबुमुडी एस्टेट्स लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

> के० पञ्चापकेशन, कम्पनियों का रुजिस्ट्रार, केरल

कम्पनी ऋधिनियम, 1956 ऋौर ऋपेक्ष कार्माशयल एण्ड फाईनान्सीयल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1983

सं० 1669/560/ सी० पी०—कम्पनी ऋधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ऋनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आपेक्ष कॉर्माश्यल एण्ड फाईनान्सीयल कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० बी० मास्टर, सहायक प्रमण्डल पंजीयक गुजरात, ग्रहमदाबाद

द्यायकर ग्रायुक्त का कार्याक्य तिरुबनन्तपुरम, दिनांक 23 नवम्बर, 1982

सं० 125(1)/ए०डी०एम०/जी०/82-83---श्रायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की 124वीं धारा की उपधारा (1) के श्रनुसार मुझे प्रदक्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए में आयकर आयुक्त, तिरुवनन्तपुरम, एतद्द्वारा आयकर कार्यालय, सी०बोर्ड, तिरुवल्ला का कार्यभार समाप्त करता हूं, जो आदेश सी०सं० 1(209)जी०एल०/80-81,

तारीख 27-6-1980 के प्रनुसार श्रायकर ग्रायकत, केरल-11 एरणाकुलम ने सृजन किया था।

यह म्रादेश तारीख 1-12-1982 से प्रवृत्त होगा। एम० म्रार० मेनोन म्रायकर म्रायुक्त

कोचीन, दिनांक 15 जनवरी 1983 ग्रादेश

विषय : संस्थापना स्नायकर भ्रधिकारी श्रेणी "वी" के पदोक्षति ।

सी मं० 2/एस्ट/कोण/82-83--श्री ए० एम० ग्रली, ग्रायकर निरीक्षण ग्रायकर ग्रायुक्त का 'कार्यालय, कोचीन को 650-1200 के वेतनमान में ग्रायकर ग्रायकारी, श्रणी' 'बी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये, ग्रायकर ग्रायुक्त तिरुवनन्तपुरम के निदेशानुमार कार्यभार संभालने की तारीख से नियुक्त किया जाता है।

- 2. वह दो वर्ष की अवधि तक परिवीक्षा पर होगा।
- 3. उपर्युक्त पद की नियुक्ति बिल्कुल सामयिक है। यह पदोन्नित किसी सूचना के बिना समाप्त करने लायक है। यह पदोन्नित पदोन्नत ग्रिधिकारी को पदोन्नत ग्रेड में भ्रयना वरीयता या उस पद में जारो रखने का कोई ग्रधिकार प्रदान करना नहीं है।

दिनांक 24 जनवर्। 1983 आदेण

विषय : 'स्थापना ग्रायकर ग्रधिकारी--श्रेणी "बी" के पदोन्नति

सी० सं० 2/एस्ट/कोण/82-83-श्री ग्रार० राजगोपालन ग्रायकर निरीक्षण, ग्रायकर कार्यालय, कोट्ट्यम को रु० 650-1200 के वेतनमान में ग्रायकर ग्रिष्ठिकारी, श्रेणी "बी" के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए, ग्रायकर ग्रायुक्त तिस्वनन्तपुरम के निदेणानुसार कायभार संभालने की तारीख से या 1-2-1983 से जो तारीख बाद में ग्राता है, नियुक्त किया जाता है।

- 2. वह दो वर्ष के ग्रवधि तक्त परिवीक्षा पर होगा।
- 3. उपर्युक्त पद की नियुक्ति बिल्कुल सामयिक है। यह पदोन्नति किसी सूचना के बिना समाप्त करने लायक है। यह पदोन्नति पदोन्नत ग्रिशकार) को पदोन्नत ग्रेड में अपनी वरीयता या उस पद में जारी रखने का कोई ग्रिधकार प्रदान करता नहीं है।

जी० श्रार० पटवर्धन श्रायकर ग्रायुक्त कोचीन

प्रायकर विभाग

सहायक भ्रायकर आयुक्त निरीक्षण का कार्यालय एरणाकूलम रेज

आयकर.

एरणाकुलम दिनांक 4 दिसम्बर 1982 ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 124 (2) के ग्रिधीन विशेष ग्रादेश

संसो०श्रार० 26/ए०डी०एम०/एरणाकुलम/82-83- श्रायकर श्रिधिनियम 1961 को धारा 124 (2) के श्रधीन जारी किए गए श्राकर श्रायुक्त, केरल, कोचीन का श्रादेश सी०सं० 1(9) (बी) जी०एल०/73-74 तारीख 12-7-73 के श्रनुसार मुझे प्रदत्त श्रिधिकारों का प्रयोग करते हुए में एतद्द्वारा 13-12-1982 के पूर्वाह्न से निम्नलिखित मामले का क्षेत्राधिकार, श्रायकर श्रिधकारी बी-बार्ड, एरणाकुलम को सींपता हं ।

जी०ए० स्रार० नं०	नामतथा निर्धारिती का पता
एस॰ 893	श्रीमित शालिनी सदाशिवन, श्री एस० राम <b>वन्द्र</b> न के द्वारा वित्ता ज्वल्लरी, ब्रोडवे एरणा- कुलम, कोचीन-II

पी० जे० तोमसकुट्टी महायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) एरणाकुलम रेंज, एरणाकुलम कोचीन-682016

## प्रक्ष कार्यं टी : धुन् : एक :----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुभना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, नागपुर

नागपूर, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निदोश सं. आई.ए.सी./ए.सी.क्यू./203/82-83---यतः मुक्ते, एस. व्हि. आर. प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मून्य 25,000 रु. से विश्वास करें

और जिसकी सं प्लाट नं 618 है, जो पाचपायली हाउनसीं ग एक्वी स्कीम, चल्ता नं 347, प्लाट नं 287 सी एस व 2269 नागपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर (डाकूमेन्ट सं 3840/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 3 जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिकत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिकत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विभिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी पन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीना निम्नीलियत व्यक्तियों, वर्षां :--

- 1 श्रीमती रामसाखी पत्नी श्री पुरूषोत्तम गुप्ता,
   11/243, साऊतरगज, कानपुर।
  - श्रीमति अनिता पत्नी भनशाम दास सेसारीया 3/199 विष्णूपूरी कानपूर
  - 3. श्रीमती ममता पत्नी श्री अशोक क्मार अग्रवाल 254, पांडूनगर कानपूर

(अन्तर्क)

- 2. 1. श्री रमेश वासवानी
  - 2 श्री राजेन्द्र वासवानी दोनों पुत्र श्री धरमचंद वासवानी जीवन ज्याती, कडबी चौक, नागपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृशांकित सम्मृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्थम के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बक्षीय बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताकरों के
  पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवम् के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

## अनुसूची

नजूल प्लौट नं . 618, पाचपावनी हाऊसीं ग एक्वीझीशन स्किम, चल्ता नं . 347, सी . एस नं . 2269नागपू**र एरीया** 15087 स्ववेफीट ।

> एम . व्हि . आर . प्रसाद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रूजे, नागपूर

तारील ः 30-11-1982 मोहरि ध प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 30 नवम्बर 1982

निद्येष सं. आर्ड.ए.मी./ए.सी.क्यू./201/82-83--यतः मुक्ते, एम. व्हि. आर. प्रसाद,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित नाकार मृत्य 25,000/-एउ. से अधिक हैं

और जिसकी सं. म. नं. 406 का आधा हिस्सा 3 है, जो वार्ड नं. 60, स नं. 24, न्यू कालांनी कानपुर में स्थित (और उसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपूर (अकुमेट सं: 3903/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गितफल को लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का ।न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अस्तरण के लिएत य पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्वदेय से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उचत जिम्मियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व मी कामी करने या उससे अबने थी शृविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना 'खाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री पाँदथ राम चिमणदास हार्डवियर मचेंट भंडारा इतयारी रांड, नागपर।
- (अन्तरक)
  2. श्रीमती साबरा बेगम पत्नी शवीर अहमद अन्सारी
  दरोगा मस्जीद के पास, कामती ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों क्स सम्बक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह वे 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अकोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

#### अनुसुची

मू. मकान नं. 406, /03 वार्ड नं. 60 स. न. 24, न्यू कालौनी का आधा हिस्सा।

एम. व्हि. आर. प्रसाद सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नागपूर

मृतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिकरें, अर्थात् ः—

तारीन : 30-11-1982

## प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.---

**आयकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्थर

जालन्धर, दिनांक 27 जनवरी 1983

निर्दोश नं ए. पी. नं 3907--यतः मुक्ते, जे एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जन 1982

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूरियधा के लिए;

- गुरशरन सिंह पुत्र जसवंत सिंह वासी मकान नं . 14 ग्राचानक प्राप्त ग्राची तहादण नगर, जातन्थर । (अन्तरक)
- श्री सरक सिंह प्त्र काबूल मिंह वासी गांव फहलाही तहसील फगवाडा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है। . (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (यह व्यक्ति, जिनके बार में अथोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अविध, ओ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बब्ध किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुसुची

सम्पत्ति 1/5 मकानः नं 13 जो गूरुनानक पूरा जालन्धर मं स्थित है। जैसा कि विलेख नं 1917 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे, जालन्धर

जतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-गुके जनुसरण क्रं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 27-1-1983

मोहारः

प्रकृप आई० टी• एन० एस•----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** धारा 269-ध (1) के अधीन मृचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 जनवरी 1983

निर्देश नं. ए. पी. नं. 3908—स्तः मुभ्ने, जे. एल. गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के पूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्बह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त्रिक का से क्षिया नहीं किया गया है:—

- (का) जन्तरण के हुइ किसी आप की बाबरत, अलक अधिनियम के अधीन कर दोने के अल्लाइक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिया के लिए;

नतः अध, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
3—486 GI/82

 श्री गुरशारन सिंह पृत्र जसवन्त सिंह वासी मकान नं 14 गुरुनानक पुरा, गुरुत्तेग बहादूर नगर, जालन्धर ।

(अन्तरक)

2. सवर्ण कार पत्नी खरक सिंह वासी मकान नं. 13 गुरुनानक पूच, मुरुतेग बहादूर नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. औसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना चारी करके पृवाँक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दूबारा, अधोहरताकरी के पास लिसित में किए या सकेंगे।

स्पद्धीक रण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उसक अधिनियम, के अध्याय 20-क़ में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## अनुसूची

सम्पत्ति 1/5मकान नं. 13 गरानानक पुरा जालन्धर में स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं. 2473 दिनांक जुलाई, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रोज, जालन्धर

तारीस : 27-1-1983

प्ररूप आई. टी. एत्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-मु (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 जनवरी 1983

निवर्षेश नं. ए. पी. नं. 3909--यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. जैसाकि अनुसूची में लिखा है तथा जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्थर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन; तारीख अगस्त 1982 को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सांपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्दरेश्य से उत्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री गुरशरन सिंह पुत्र जसवंस सिंह वासी मकान नं 14 गुरु नानक पुरा, गुरु तेग बहादूर नगर, जालन्धर।
- (अन्तरक)
  2. श्री अजीत सिंह, जसवीर सिंह सपूत्र खरक सिंह
  वासी मकान नं. 13 गुरुनानक नगर, गुरुतगे
  बहादूर नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती) '

- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरिश में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पच्छीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त स्पिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स् ची

सम्पत्ति 1/5 मकान नं. 13 गुरुनानक पुरा जालन्धरं में स्थित है। जैसा कि विलेख नं. 3122 दिनांक अगस्त, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख : 27-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

## 269-व (1) के बधीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निव<sup>\*</sup>श नं. ए. पी. नं. 3910---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- इस के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गिदड़वाहा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गिदढ़वाहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह तिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छश्यमान प्रतिफल से, एसे छश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उथ्वरेष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नागत, उनत् अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक से दायिए में कमी करने ना उच्चे अपने में सुनिधा के सिद्ध; श्रीष्ट्र/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्त्रों, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ∴——  कुमारी करनैल काँर पुत्री भाग सिंह गांव गिवढ़-वाहा, जिला फरीवकाट ।

(अन्तरक)

 श्रीमती दयाल कौर विभवा हरबंस सिंह बोसी गांव गिदढ़बाहा, जिला फरीदकोट ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध हैं)

को यह सूचना चारी करके पूबाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पव्हीकरण: --- इसमें प्रबुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 560 दिनांक जून-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिवढ़वाहा ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज, जालन्धर

तारीस : 28-1-1983

मोहर 🗧

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निद<sup>े</sup>श नं. ए. पी. नं. 3911---यतः मुक्ते, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रूड. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो मलोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जून 1982

को पूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथात नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतै: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अधीत् :---

 श्री दारा सिंह पुत्र उज्जागर सिंह वासी मण्डो हरजी राम-मलोट ।

(अन्तरक)

2 श्रीमती सुरजीत कार पत्नी प्रताप सिंह ट्रक आनर, बासी अर्वश नगर-मलाट ।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 मों लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मों सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि राखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीक रण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>†</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>†</sup>।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति औसा कि विलेख नं. 757, दिनांक जून-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 28-1-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 जनवरी 1983

िनद<sup>र्भ</sup>श नं. ए. पी. नं. 3912~~यतः मुफ्ते, जे. एल. गिरधर,

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

आरे जिसकी सं जैशाकि अनुसूची में लिखा है तथा जो मनसाक ला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय मानसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अ्थित् :---  श्री अब कामार पूत्र शमशोर सिंह आक जैन आपल मिल्ज, मानसा ।

(अन्तरक)

- 2. श्री अगरवाल काटन आपल मिल्ज । टेक सन्द पुत्र छज्र सम 2 साधू राम पुत्र छज्रू मल 3 सरूप चन्द पुत्र सम प्रसाद 4. ससारी लाल पुत्र जीउना मल 5. प्रदीप क्रुमार पुत्र ससारी लाल 6. श्रीमित चम्बली पत्नी गोपी चन्द वासी मानसा । (अन्तरिती)
- 3 जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति मं रूचि राखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अभोहस्ताकर)
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति जमीन 1/5 आंक 4 कनाल 17 मरले जो गांव मानसा कलां में स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं. 2078 दिनांक जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रुजे, जालंधर

तारीस : 27-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन र<sup>\*</sup>ज, जालन्धर

जालन्थर, दिनांक 27 जनवरी 1983 निवर्षेश नं. ए. पी. नं. 3913——यतः मुक्ते, जे. एल.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्थाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रहन से अधिक हैं

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा कला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारो के कार्यालय मानसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने क कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान

प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तशितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से खनत प्रन्तरण विखित में वास्तविक कप से कचिन नहीं किया गया है। ----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कसी करने या उससे अवने में सुन्धि के लिए अर्रि/या
- (ब) ऐसी किसी आय या गुँकसी धन या अन्य अस्तियाँ को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुसिह्मत अपिन्ति, अधीन, निम्नुसिह्मत अपिन्ति, अधीन,

 मोहिन्द्र कुमार पुत्र शमकोर सिंह आंक जैन आपल मिल्ज, मानसा ।

(अन्तरक)

- 2. श्री अग्रवाल काटन आपल मिल्ज टेक चन्द पृत्र छज् राम 2. साथ राम पृत्र छज् मल 3. सराप चन्द्र पृत्र राम प्रसाद 4. संसारी लाल पृत्र जीउन्ना मल 5. प्रदीप कुमार पृत्र संसारी लाल 6. श्रीमित चम्बली पत्नी गोपी चन्द वासी मानसा । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि राखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पूर्वों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुरा है।

#### न्त्र्या

सम्पित्त जमीन 1/5 आंक 4 कनाल 17 मरले जो गांव मानसा कलां में स्थित ही जैसा कि निलंख नं. 2079 दिनांक जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में लिखा गया है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरोक्षण)** अर्जन <u>र</u>ोज, जालन्धर

तारीय : 27-1-1983

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्थर, दिनांक 27 जनवरी 1983 निद<sup>क्</sup>ष नं ए. पी. नं 3914---यतः मुक्ते, जे एल गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसािक अनुसूची में लिखा है तथा जो मानसा कलां में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्या-लय मानसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

16) के अधीन, तारील जून 1982 की पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरिक (अन्तरिकां) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 श्री जोगिन्द्र कुमार पुत्र शमशेर सिंह आंक जैन आपल मिल्ज, मानसा ।

(अन्तरक)

- अग्रवाल काटन आपल मिल्ज । टेक चन्द पृत्र छज् राम 2 साधु राम पृत्र छज् मल 3 सरूप चन्द पृत्र राम प्रसाद 4 संसारी लाल पृत्र जीउनना मल 5 प्रदीप कुमार पृत्र संसारी लाल 6 श्रीमति चम्बली पत्नी गोपी चन्द वासी मानसा । (अन्तरीति)
- जैसा कि उत्पर न 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- जो व्यक्ति संपरित में रूचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी)
   जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

## वन्स्ची

सम्पत्ति जसीन 1/5 आक 4 कनाल 17 मरले जो गांव मानसा कलां में स्थित है। जैसा कि विलेख नं 2080 दिनांक जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्त अधिकारी मानसा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रजे, जालन्धर

तारीच : 27-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 जनवरी 1983

निवोश नं. ए. पी. न. 3915--यतः मुक्ते, जं. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो मानसा कालां में स्थित है (और इससे उपावद्य में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय मानसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अस्तिरती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री सूरिन्द्र कुमार पुत्र शमधोर सिंह आंक जैन आपंग विल्ला, मानसा ।
- (अन्तरक)
  2. श्री अग्रवाल काटन आपल मिल्ज, श्री टेक चन्द पुत्र
  छज् राम, 2. साधू राम पुत्र छज् मल, 3. सरूप
  चन्द पुत्र राम प्रसाद, 4. ससारी लाल पुत्र जीजना
  मल 5. प्रदीप क्रमार पुत्र संसारी लाल, 6.
  श्रीमीत चम्बली पत्नी गोपी चन्द वासी मानसा ।
- जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुग्धि रखता है।
  (यह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्ये :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अगिध, जो भी अग्रीध गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सरनेख में 45 दिन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्स्ची

सम्पत्ति जमीन 1/5 आंक 4 कनाल 17 मरले जो गांव मानसाकलां में स्थित हैं। जैसा कि विलेख नं 2081 दिनांक जून, 1982 को रिजम्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में लिखा गया है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख : 27-1-1983

प्ररूप, आर्ह, टी., एन्., एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 27 जनवरी 1983

निद्देश नं. ए. पी. न. 3916—स्वतः मुझे, जे. एल. विकास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो मानसा कलां में स्थित है (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय मानसा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1982

को पूर्विक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अम्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- '(ख)' एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री शमशोर सिंह पुत्र बरीज लाल आफ जैन आयल सिल्ज. मानसा ।
  - (अन्तरक)
- 2. अगरवाल काटन आयल मिल्ज 1. टेक चन्त पृत्र छज् राम 2. साध् राम पृत्र छज् मल 3. सरूप चन्त पृत्र राम प्रमाद 4. संसारी लाल पृत्र जीउना मल 5. प्रदीप क्रमार पृत्र संसारी लाल 6. श्रीमित चम्बेली पत्नी गोपी चन्द वासी मानसा । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुपि रखता है।
  (वह व्यक्ति, जिनके बार में अक्षोहस्ताक्षरी
  जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकीं।

स्पष्टोकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही।

#### अन्स्ची

सम्पत्ति जमीन 1/5 आफ 4 कनाल 17 मरले जो गांव मानसा कला में स्थित ही जैसा कि विलेख नं. 2082 विनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में लिखा गया है।

> जे. पूल. गिरधर स**क्षम प्राधिकारी** महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जज रॉज, जालन्धर

तारीख : 27-1-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 27 जनवरी 1983

निदशे नं. ए. पी. नं. 3917—यतः मुझे, जे. एल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त, अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो काटकपूरा में स्थित है (और इससे उणाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकाट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन जून, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पृन्द्रह प्रतिश्वत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इए से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिधा के लिए:

अत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, वर्षात :---

1. श्रीमति वरिन्द्र कार पत्नी कर्म सिंह वासी काटकपरा ।

(अन्तरक)

2. श्री काला राम पुत्र कर्म चन्द म्यूनिसपल कमिश्नर कोटकपुरा ।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनसूची

सम्पत्ति 1 प्लाट  $9^{\frac{1}{2}}$  मुख्बे गज जो कोटकपूरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं. 1000 दिनांक जून, 1982 को रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिखा गया है।

जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जानन्धर

तारीख : 27-1-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 27 जनवरी 1983

निदोश नं. ए. पी. नं. 3918—यतः मुझे, जं. एल.

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो

कार जिसका सं जिसाक अनुसूची म लिखा हु जा काटेपूरा में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित ही), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन जून, 1982 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमित वरिन्द्र कार पत्नी कर्म सिंह वासी कोटकपूरा ।

(अन्तरक)

- 2 श्री चुनी लाल पूत्र काला राम म्यूनिसपल कमिश्नर वासी काटकपूरा । (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिराके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के अअपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से कि 45 दिन को भीका उक्त स्थापर सम्मित मों हितबद्ध कियी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकीने।

स्पष्टीकरण: --इसमी प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनिशम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति प्लाट 9<sup>1</sup> सुरख्ये गज जो कांद्रकपूरा में स्थित है जैसा कि विलेख नं. 1001 दिनांक जुन, 1982 को रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में लिया गया है ।

> जे. एत. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालस्थर

तारीव : 27-1-1983

## प्रकृष् आर्घा, टी. एन. एस ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 27 जनवरी 1983

निद्देश नं. ए. पी. नं. 3919---यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो फिरोजपूर करेंट में स्थित ही (और इससं उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय फिरोजपूर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जन, 1982

को पूर्वोक्स संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाकित्व में कमी करने या उससे क्ष्मने में सूविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना किहए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री बैंज नाथ पुत्र राम नाथ, वासी कोठी नं. 146-पी, सन्त लाल रोड, फिरोजपूर कॉट। (अन्तरक)
- श्री कन्सी लाल पुत्र जुगल कशोर, वासी बंगला नं ...
   146, सन्त लाल रोड, फिरोजपुर कर्ट ।
   (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रसता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवबुध है)

को यहं सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ा-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

रपष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि त्रिलेख नं. 1579 दिनांक जून 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी फिरोजपुर में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्तम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

त्त्रीख : 27-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

## आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निवोश नं. ए. पी. नं. 3920--यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो मलाट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलाट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अप 1982

को पूर्वे कित संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत अधिक है और अंतरिक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अय उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---

 श्री कस्तूरी लाल, कश्वभीरी लाल, क्षेत्रल कृषण पत्र कार चन्द, वासी मलाट ।

(अन्तरक)

 श्रीमती सावित्री देवी पस्नी जसवंत सिंह, वासी मलाट।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिसा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में ग्रीच ग्लता है।
   (वह व्यक्ति, जिसके बारों में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितवव्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस गूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील रो 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वास अक्षेत्रस्ताक्षरों के पास लिखित मों किए जा सकोगी।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### **मन्**स्ची

मम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलख गं. 591, दिनांक जून 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीब : 28-1-1983

## प्रस्य बाइं.टी.एन.एस.----

सामकर की धनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निद्या नं ए. पी. नं 3921—यतः मुझे, जे. एल गिरधर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा हैं जो मलाट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलोर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1982 को पूर्वों कत सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और म्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिबक करने क किए तय ग्री प्रति-का प्राप्त हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में बुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री मुख्तयार सिंह पुत्र वीर सिंह, मुख्तार-ए-आम, जगरूप सिंह पुत्र कपूर सिंह वासी मलोट । (अन्तरक)
- 2. श्री बख्शीश सिंह पुत्र गुरचरनजीत सिंहं वासी मलाट ।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

क्ये यह सूचना आरी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## **त्रनुसूच**ी

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 603 दिनांक जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा ।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रजे, जालन्धर

तारीख : 28-1-1983

मोहर 🐠

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निदंश नं. ए. पी. 3922--यतः मुझे, जे. एल. गिरधर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो मलोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलोट में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौट्र/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था छिषाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, सुर्थातः  नानक चन्द पुत्र दरवार च-द मार्फत नागपाल बुन हाउस मलोट ।

(अन्तरक)

2. श्री वलबीर सिंह पुत्र जंग सिंह वासी मलाट ।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुज्य रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके दारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

## अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 675, दिनांक जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा ।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

त्रारीख : 28-1-1983

मोहर

## प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निदंश नं. ए. पी. न. 3923--यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुठ से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो मलोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलोट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य है कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे कचने में सृविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय् या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

- 1. श्रीमती सुरजीत कौर पत्नी बलदेव सिंह, वासी दानेवाला, तिह. मलोट, जिला फरीदकोट। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती सुरश रानी पत्नी दया कृष्ण, राजरानी, पत्नी पवन कुमार, प्रकाश कौर पत्नी साधु सिंह, वासी मलोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिमके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए चा सकोंगे।

स्युक्त शब्दों अरेर पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है [8]

#### अनुसूची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख न . 740, दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा ।

> जे े एल . गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज , जानन्धर

तारीख: 28-1-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई॰ टो॰ एन॰ एस॰--

म्रायहर मधिनियम 1981 (1981 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालन्धर

गालन्धर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निदंश न. ए. पी. न. 3924--यतः मुझे, जे. एल. म्रायकर म्रिबिनियम, 1961 (1951 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रविनियम' बहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन पक्षण प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो मलोट में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकार कार्यालय मलोट में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, णसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत से अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) और ग्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेम्य ए उक्त अन्तरण निचित म वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ति शिरा पकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः श्रव, उनत अधिनियम की मारा 269-म के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम को साट 269-च को उपनारा (1) के सधीन, निस्नसिधित व्यक्तियों, स्थात् र---5---486 GI/82  श्रीमती गुरिंदियाल कौर पुत्री अर्जन सिंह वासी मलोट ।

(अन्तरक)

 श्री बलवंत सिंह पुत्र चंद सिंह दासी मलाट ।

(अन्तरिती)

- 3. जैसा कि उत्पर न. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां शुरू करता हो।

प्रश्न सम्पति के प्रवेत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस पुत्रता के राजरत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामीज से 30 दिन की अविधि; जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस विना व राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संभ्यति में हित-बद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताखरी के अस किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताखरी के

स्मब्दीकरण:--इंसमें प्रयुक्त कब्दी भीर पदों का, जो उक्त श्रिवियम, कै अध्याय 20-क में परिशाबित हैं, वही अर्थ दोगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्ची

सम्पति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं . 747, दिनांक जुन, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलोट में लिखा।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); अर्जन रोज, जालन्धर

तारीब : 28-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निर्दोश नं. ए. पी. नं. 3925--यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो मलोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल से पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती विसो विधवा श्री अर्जन सिह, वासी मलोट।

(अन्तरक्र)

 श्री बलवन्त सिंह पृत्र श्री चन्द सिंह, वासी मलोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुधि रखता हो।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपहित में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वनुसूची

सम्परित तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं. 748 विनांक जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मलोट ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज जालकार

**तारीब : 28-1-1983** 

मोहर 🛭

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सुबना

#### भारत सरकार

अर्जन रांज, जासन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निर्दोश नं. ए. पी. नं. 3926--यतः मुझे, जे. एल गिरधर, भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है); की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारीको, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व• से अधिक है और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो मलोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी कै कार्यालय, मलोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जून, 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य सेकम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूरुय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्म लिखित उद्देश्य में उत्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में खिरत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1/) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--  श्रीमती प्रमिला पत्नी श्री मंगत राम, वासी मलोट।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा रानी पत्नी श्री मिथन लाल, मार्फत बंसल मशीन स्टोर, मलोट। निरमल, गुरदीप अब राजा मिथन ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. जो ध्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबष्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विभ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्थाखीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुया है।

## ममुस्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 834 दिनांक, जून, 1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मलोट ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीब : 28-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.- - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निर्देश नं. ए. पी. नं. 3927--

यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो मलोट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मलोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——  श्री जैमल सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह , वासी मलोट।

(अन्तरक)

 श्री गुरचरन सिंह पृत्र श्री गुरबख्दा सिंह, वासी मलोट।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अन्सूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख़ नं. 866 दिनांक जून, 1982 को रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, मलोट ने लिखा है।

> जे एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 28-1-1983

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

# आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिगांक 28 जनवरी 1983

्र<mark>िनद</mark>्शिनं. ए. पी. नं. 3928—यतः मुझे, जे. एल. गरथर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित हैं (और इससे उपाबध्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कामलिय मुक्तसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुन 1982

को पूर्वीक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचिता बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरफ (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

(स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हीं भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के हिए;

अतः अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

- श्री निरंजन सिंह पुत्र मान सिंह वासी मृक्तसर। (अन्तरक)
- 2. श्री बसंत सिंह पुत्र भाग सिंह वासी मुक्तसर। (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रम्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियस के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्सूची

मंपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि जिलेख नं 850 दिनांक जून-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मृक्तसर ने लिखा हो।

> जे. गुल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारीख : 28-1-1983

मोहर ः

प्ररूप आइ°. टो.; एन. एस.,-----

# भायकर पश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालधर

जालंधर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निदर्भेश नं ए. पी. नं 3929--यतः मुझी, जे एल. गिरधर,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अवित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिणत से प्रविक है घौर अन्तरक (प्रन्तरकों) और मन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित कहीं किया गया है।—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त कांधि-नियम, के अधीन कर देने के भग्तरक के वार्थित्य में कमी करने मा उससे बचने में तुविधा के सिए भीर/या
- (ख) एसी किसी भाग या किसी अन या भग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त भिनियम, या अन-कर भिनियम, या अन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के भयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविद्या के लिए।

मतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) की अभीन निम्नुलिखित व्यक्तियों , अर्थातः——

- श्री निरंजन सिंह पुत्र भान सिंह वासी मुक्ससर। (अन्तरक)
- श्री जसवंत सिंह रीटायर्ड कर्नल पुत्र भागसिंह वासी भाम तिह : मुक्तसर।

(अन्सरिती)

 जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

 अर्थे व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

**उक्त सम्पत्ति के ग्राजैन के** सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस पुचता के राजपन में प्रकाशन की तारी जा से 45 दित की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना का तामी जाने 30 दित की अन्धि, जो भी प्रनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस भूवता के राजस्त्र में प्रकाशन को जानीय से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोड्ड ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण :--इनने प्रपुक्त णाची सीर पदों का, जो उकत अधि नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही सर्व होगा, जो उन पटरान में दिया गया है।

# अन<u>ुस</u>्ची

संप**त्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 851 दिनांक** जून--1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मृक्तसर ने लिखा ह<sup>8</sup>।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त, (निरीक्षण), अर्जन रोज, जालन्धर

त्रीख : 28-1-1983

मोहर 🖰

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - - -

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, विनांक 28 जनवरी 1983

िनवर्षेक्षानं. ए.पी.नं. 3930 — यतः मृझो, जे.एल. विकास

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की दाबता, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तित्यों., अर्थात् :----

- श्री हरभजन सिंह पृत्र धमाला दुआरा मुस्तार-ए-आम भूपिन्द सिंह अहुजा पृत्र मदन लाल वासी न्यू गरन माकाँट, मुक्तसर।
  - (अन्तरक)
- श्रीमती हरजीत कार पुत्री कपूर सिंह वासी शेरगढ़ तहः मुक्तसर।

(अन्तरिती)

- जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अक्षोहस्ताक्षरीं जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध ही)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पस्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

# वक्त सम्पृतितः सै नुर्धनः से सम्पूर्ण में कोई भी मासोपः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकी।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषि**ट** हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 722 दिनांक जून-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> के एल गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालन्धर

तारील : 28-1-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) अर्जन र्जेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निद्धि नं. ए. पी. नं. 3931—यतः मुझे, जे. एल. गिरधर, अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से व्याणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उका अन्तरग लिखित में वास्तिक रूप से कथिन बहीं किया यथा है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

 श्री जगजीत सिंह, रनजीत सिंह पृत्र मुख्तयार सिंह वासी भगसर, तिह : मुक्तसर । (अन्तरक)

 श्री जगदेव सिंह पुत्र दियालिसिंह वाासी खुडहेलाल तिह : मुक्तसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के प्रवंत के तस्वत्व में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन को अत्रिध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर इक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन काकि इस्ता, प्रभोत्रकातरी के पात लिखित में किए जा सकेंगे।

हनक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-वियम के प्रव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं थे महोगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 890 दिनांक जून-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 28-1-1983

# प्रक्य आई. टी. एन. एस.-----

Commence of the control of the contr

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन मूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निद<sup>8</sup>श नं. ए. पी. नं. 3932--यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित गाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर, में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृहा, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्द अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनएकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
  प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
  था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा
  के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निजनलिसित व्यक्तियों, अर्थातः—

6-486GI/82

- श्री करनैल सिंह पुत्र निका सिंह वासी मुक्तसर । (अन्तरक
- 2 श्री बीरइन्दर सिंह, सुखचैन सिंह, नेमपाल सिंह पुत्र अर्जन सिंह, वासी फतेहवाला, तिह : मृक्तसर। (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके बारो में अधोहस्ताक्षरी जानतां है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 946, दिनांक जून-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 28-1-1983

प्रकृष बाई. टी. एन. एस.-----

ग्रायकर ग्र**ब्रिनियम, 1961 (1961 का 43)**। ही धारा 269 घ (1) के **ग्रबी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण</mark> अर्जन रोज, जालंधर

जालंधर, दिनांक. 28 जनवरी 1983

निद<sup>्</sup>श नं. ए. पी. नं. 3933—यतः मुझे, जे. एल.

गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रज्पये में अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में जम्मिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िज्ञी श्राय की बाबत, उक्त आंध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के बायर में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के जिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, ज़िन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री जगीर सिंह पुत्र निका सिंह, वासी मुक्तसर। (अन्तरक)
- 2. श्री इकबाल मिंह, गुरचरन सिंह पृत्र वाग सिंह गांय लाडुवाला डाकसाना गुरूहरसहाए जिला फिराजपुर। (अन्तरिती)
- जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
- जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
   (वह व्यक्ति, जिनके दारे में अधोहस्ताक्षरी
   जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारा कर हे पूर्वोक्त सम्पति के ग्रजैन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजयत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि ताइ में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) एस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जो सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त ग्राध-नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 947, दिनांक जून-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर,स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

तारीख : 28-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, जालधर

जालंधर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निद<sup>े</sup>श नं. ए. पी. नं. 3934--यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

आरं जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीक्त अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या खन-कर अधिनियम, या खन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना था, छिपाने में सर्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्रीमती गुरबचन कौर विधवा दलीप सिंह वासी मुक्तसर दुआरा सुखबीर सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी सकान नं. 4233, कोट कपूरा रोड-मुक्तसर।
- 2. श्री गोपी राम पुत्र निआमत राए, वासी मुक्तसर। (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उजपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर डक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

व्यक्ति तथा संपत्ति जैसा कि विलेख नं 1084 दिनांक जून-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज, जालन्धर

तारीख: 28-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निद<sup>ेश</sup>्चनं. ए. पी. नं. 3935—यतः मुझे, जे. एल.

।गरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मुक्तसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर गें रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्रीमती गुरबचन कार विधवा दलीप सिंह वासी मुक्तसर दुआरा सुखबीर सिंह पुत्र दलीप सिंह वासी मकान नं 4233, काट कपूरा रोड-मुक्तसर। (अन्तरक)
- 2. श्री रोशन लाल पुत्र गोपी राम वासी नथूरोम स्ट्रीट मकान नं. 454, मुक्तसर।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 में लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके दारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू कचता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-ब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं. 1093 दिनांक जून-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने लिखा ह<sup>7</sup>।

> जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण), अर्जन रोज, जालन्धर

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) । अधीन, निम्नुलिखत व्यक्तियों, अर्थातु:——

तारीख : 28-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 जनवरी 1983

नि**द**ेश नं. ए. पी. नं. 3936—स्तः मूझे, जं. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

आर जिसकी सं जैसा कि अनुसूची मं लिखा ही तथा जो मुक्तसर में स्थित ही (और इसमा अपाबद्ध अनुसूची मां और पूर्ण रूप मं वर्षणत ही), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुक्तसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाजार मूल्य असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण सों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मानिधित व्यक्तिसमों, अर्थात् :--

- श्रीमती सीता देवी पत्नी रामजी दास, मथुरा देवी पत्नी शाम लाल वासी मुक्तसर। (अन्तरक)
- 2. एन. डी. आईस फैक्टरी, अबांहर रोड, दूआरी संसर्स शाम लाल शगन लाल न्यु गरीन कारकीट, मुक्तसर। (अन्तरिसी)

जैसा कि उत्पर नं 2 में निखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

4. जा न्यांक्त सम्पत्ति में रूचि रखता है। (यह व्यक्ति, जिसके दार में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांख से 45 दिन की अविधि या तरगंतंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिर के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पारा लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विल्लेख नं 1219 दिनांक जून-1982 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर नं लिखा है।

> जं. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोजं, जालन्धर

तारील : 28-1-1983

मांहर :

(अन्तरक)

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रांज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निदर्भि नं. ए. पी. नं. 3937—यतः मुझं, जे. एल. गिरधर,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/ रहा से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची मों लिखा ही तथा जो म्क्तसर मो स्थित ही (और इत्यो उपाबद्ध अनुसूची मो और धूर्ण रूप मो विषित ही), रिजिस्ट्रीक्स अधिकारी के कार्यालय म्हत्त्वर सं रिजिस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जून 1982

को पृद्यों कर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तियक रूप से किथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अभीन कर दीने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बुधने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्री तंजा सिंह पुत्र बल्तावर सिंह वासी आलमगढ़ तहिः म्क्तसर।

 शीमली भीना बंदी त्रिक्षता व सुरिन्द क्रांगर, हरीय क्रांमार, रिविन्द्र क्रांमार पुत्र मिथन लाल वासी होपी बंसर, बैंक रोड, मुक्तसर ।

(अन्तरिती)

जैसा कि उत्पर नं. 2 मं लिखा है।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग मं संपत्ति है)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति मो रूचि रखता है।
 (प्रह व्यक्ति, जिनके दार मो अलाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मो हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन को तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों को पास निखित मों किए जा सकोंगे।

स्पारतीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलंख रं 1233 दिनांक जून-1982 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तसर ने निसा ह<sup>ै</sup>।

> जे. एल. गिरधर मक्ष्य प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ्अर्जन रोज, जालन्धर

कार्याख : 28-1-1983

माहर 🗓

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोंज, जालंधर जालंधर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निर्दोश नं. ए. पी. नं. 3938--यतः मुझे, जे. एल. गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जलाला-बाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जलालाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस जुलाई 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहों किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती विद्यावती विधवा और अमृतलाल, प्रेम चन्द, विजे क्रुमार समुत्र श्री मृन्शीराय वासी जलालाबाद। (अन्तरक)
- 2. श्री राम लाल पुत्र बिहारी लाल वासी जलालाबाद (अन्तरिती)
- 3. जैसा कि उत्पर नं 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति हैं)

 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है।
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति, जैसा कि विलेख नं . 1032 दिनांक जुलाई, 1982 को रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी जलालाबाद में लिखा है।

जे. एल. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायंकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, जालन्धर

तारीब : 28-1-1983

मोहर 🖫

प्ररूप आहा. टी. एन. एस. ------

आधकर व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आध 369-ष (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, जालंधर

जालंधर, दिनांक 28 जनवरी 1983

निद<sup>4</sup>श नं. ए. पी. नं. 3939---यतः मृक्षे, जे. एल. गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगबाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगबाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्योग्य से उज्ञत अन्तरण निम्नलिखित प्रद्योग्य से उज्ञत अन्तरण निम्नलिखित प्रद्योग्य से उज्ञत अन्तरण निम्नलिखित में दास्तिक कप से किंगत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने भी सविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए के जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाह:——

 श्रीमती प्रकाश कीर पत्नी श्री सुरिन्द्र सिंह वासी महत्त्वा मतनाम परा, फणत्या।

(अन्तरक)

- श्री अग्नर सिंह दासी सरका (हिगाचल)। (अन्तरिनी)
- जैसा कि उत्पर नं 2 मी लिखा है।
   (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में पंपति है)

जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रस्ता है।
 (वह व्यक्ति, शिनके बारो में अभोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्षेत्रे सह सूचना जारी करके पृद्धों क्ल सम्पृत्ति के ठर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (ख) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

संपत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं 595 दिनांक जून, 1982 को रजिस्टीकर्त्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

> जे. एलं. गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

सारी**ल** : 28-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेंट, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्दोध सं आर्घ. ए. सी /एक्यू / । /एस-आर-3/6-82/ 362--अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं 16-सी, है तथा जो पुसा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जन 1982

के अधान तारास जून 1982
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के हुँ सुए; और/या
- (क्ष) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखन अ्योक्तियों, अधीत :---7--486;GI/82

- श्री तेजभान चौधरी सुपृत्र चौधरी चन्दर भाग, निवासी-252, सेक्टर - 18, पंचकुला, पीन - 134109 ।
- (अन्तरक)
  2. श्री पांसर दाम सूपूत्र श्री भंजन लाल (एच-यू-एफ)
  निवासी-4410/15 बागला कटरा, नई सड़क,
  दिल्ली-6,

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास सिसिस में किए या सकोंगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्र. नं. 16-सी, भाग-बी, पसा रोड, स्थापित-संत गोदगी मार्ग, बारा बाजार मार्गण, नार्बन एक्सट नशन एरीया नई दिल्ली तादादी 420 वर्गगज।

> नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली, नर्द दिल्ली-110002

तारील: 25-1-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1 जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निद<sup>ा</sup>ंश सं. आर्घ. ए. सी. /एलप्./।/एस-आर-3/6-82/ 364--अलः म्फो, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपयं से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-राजोकरी, तहसील-महराली, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन शारील जुन 1982

को पूर्वो क्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बात्त में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का इतक, अक्त अधिनियम वे. अधीन कर उन के अन्तरण के दायित्व में कभी करणे या उसमे बचने में सृविधा के तिए; और/या
- (ख) ऐसा किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्नद अधिनियम, या धन-कार श्रीकीयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तियम, हारा क्वाड नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्विपाने में स्विशा की लिए;

बतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां अर्थात् :--

- श्री फूल सिंह और चैन सुख, सुपुत्र श्री राम सहाय, निवासी-ग्राम-राजोकरी, नई विल्ली।
- (अन्तरक) 2. सोनी फार्मस डॉ-130, साक्तेत, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

# उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षी ।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 4 बीघे और 12 विश्वे, खसरा नं. 283, आम-राजोकरी, नर्इ विल्ली, तहसील-महरौली, नर्इ दिल्ली।

नरन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्स (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ता**रीस : 25-1-1983** 

मोहरः

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रौज-1 जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्ह दिल्ली

नहीं दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निवाँश सं. आर्घ. ए. सी. /एक्यू. /। /एस-आर-3/6-82/. 364—अतः मुफ्ते, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है अपी जा ग्रामराजांकरी, नर्द

बार जिसका सं. कृषि मूं। महं तथा जा प्रामराजाकरा, नहं दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनासूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जून 1982

को पूर्वोक्त संपृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- श्री फूल सिंह और चैन सुख सुपुत्र श्री राम सहाय, निवासी - ग्राम - राजोकरी, तहसील - महरोली नई दिल्ली।
- (अन्तरक) 2. श्रीमती इन्द्र संती पत्ती श्री जं. कं. सोनी निवासी-ई-130 साकेत, नई दिल्ली,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यित्रतयों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यवित द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह ज़ाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: ---इसमा प्रयुक्त शब्दों आर एवा का, जा उपन अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय मी दिया गया हाँ।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 2 बिथं और 8 विद्यं, खसरा नं. 284/ 2, स्थापित-ग्राम-राजांकरी, तहसील - महराली, नई दिल्ली।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-1-1983

त्रुकप् , भार्द् , टी. एन् , एस , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सुरकार

# कार्यालय, बहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रंज-1

.शी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. ब्रिनिल्डग, इन्प्रप्रस्थ स्टेंट, नर्इ दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निदर्शि सं. आई. ए. सी. /एक्यू. /। /एस-आर-3/6-82/ 368—अतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

सायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- रु. सं अधिक है

अरि जिसकी सं. जी-2/13, है तथा जो मालवीयनगर नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबच अनुसूची में पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्द्रीकर्ता के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कंशित नृहों किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 कां 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में संविधा के लिए;

मतः अस उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात ह

- श्री आशा नन्ध सुपुत्र श्री कानु राम, निवासी, 13/ 261-62, दक्षिणपुरी, नद्दं विल्ली द्वारा अटानीं घेट प्रकाल।
- (अस्तरक)
  2. श्री हरी चन्द सुपुत्र श्री गायला राम, निवासी- जी2/13, मालवीय नगर, नह दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत् सम्पत्ति के मुर्चन् के संबंध में कोई भी साक्षेप् :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवद्ध किसी अन्त व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास लिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

# अनुसूची

प्रो. नं. जी-2/13, तादादी 125 वर्गगण, स्थित मालवीय नगर, नर्षे दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोष-1, विल्ली, नर्द विल्ली-110002

तारी**ख** : 25-1-1983

प्ररूप आहें ही एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में मुधीन सूचना

## भारत सहकार

कार्यालय, सद्धायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन <u>र</u>्ज-1 र्ज़ी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 25 जनवरी 1983

निवर्षा सं. आर्ड. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/6-82/ 369---अतः मुफ्ते, नरोन्द्र सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्रामराजांकरी, नर्द दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्य अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, नर्द दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जून 1982

जना पाराय जून 1902 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पृतित का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कृष से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण ते सुद्धै िकसी आय की बाबत, उन्नत वर्षिनियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरी वजने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिस व्यक्तियों, अर्थात्:——

- श्री फूल सिंह और चैन सुख सुपुत्र श्री राम सहाय, निवासी - ग्राम - राजोकरी, तहसील - महरौंथी, नहीं विख्ली।
- 2. वैद्याली इन्टरनंशनल, ए-52, फ्रॉन्ड्स कालानी, नर्द दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों वस व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियाँ द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहरू करी के पास निवास में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# वन्स्ची

कृषि भूमि तादादी 12 बिघे, लसरा नं. 289 (2-12), 292 (4-16), 293(4-12), स्थापित-ग्राम-राजोकरी, तह-रील-महरौली, नई दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ग्रीब : 25-1-1983

मोहर 🗄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1 जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निदर्श सं. आई. ए. सी. /एक्यू / । /एस-आर-3/6-82/ 370--अतः मुभने, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिय्म' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थाव्र सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भ्मि है तथा जो प्रायराजांकरी, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्य अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत तारीख जून 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल सो, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्त्रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण करें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- श्री फूल सिंह और चैन सुख सुपुत्र श्री राम सहाय, निवासी - ग्राम - राजांकरी, तहसील - मह्रायैली, नई दिल्ली।
- (अन्तरक) 2. सोनु फार्मस, बी-43, गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मृति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी वे पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्सूची

कृषि भूमि तादादी 12 जिघे और 18 जिश्वे, खसरा नं. 290(3-14), 291(7-2), 289(2-2), स्थापित-ग्राम-राजांकरी, तहसील-महरांली, नई दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-1-1983

मोहर 😲

# इक्ष्य बाई . टी. एन . एस . -----

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-1 जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निंद का सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/6-82/ 371—अतः मुक्ते, नरनेद्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-स के गधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जे ग्रामराजांकरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्य अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1982

को पृवांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशा से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति- फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबब, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या दससे क्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्थियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सुधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्म

- श्री फूल सिंह और चैन सुख सुपुत्र श्री राम सहाय,
   निवासी ग्राम राजांकरी, तहसील महरौली,
   नई दिल्ली।
- (अन्तरक) 2. रक्षा फामस, ग्राम राजांकरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त . अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूचीं

कृषि भूमि तादादी 14 बीघे और 8 बिश्वे, खसरा नं 288 (4-12), 287(4-16), 286(4-16), 293(0-4), मोटर के साथ ट्यूब-वैल, पाइप, तथा उसमें लगे हुए सामान, ग्राम-राजोकरी, नई दिल्ली तहसील-महरांली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 25-1-1983

मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस.------

आसकर अधितिसम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 25 जनवरी 1983

निर्दोश सं. आर्थ. ए. सी./एक्यू/।/एस-आर-3/6-82/372—यतः मुके, नरोन्द्र सिंह, आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के लक्षीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य

और जिसकी गं. 6/86 है तथा जो डब्ल्यू-ई-ए, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील जुन 1982

25,000/- रह. से अधिक **ह**ै

का 16) के अधान ताराय जून 1982 को पूर्वाकत संपरित का उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल के पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिनित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्म झास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिया, अर्थात् :---

- श्रीमती कृष्णा कुमारी (कृष्णा साहनी) निवासी-ज-9/37 राजोरी गाड<sup>35</sup>न, नद्द विल्ली । (अन्तरक)
- श्री हरीश चन्दर सुपुत्र एल. राम लुभाया (2) श्रीमती बुज सूरी परनी श्री बलदेव राज सूरी, श्रीमती उपा सूरी परनी श्री हरिकशन सूरी, सभी निवासी-80-81 मिनाक्षी गाउँन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपरित के अर्जन के संबंध में कोड़ आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वन्स्यी

ब्लाक नं 6, प्लाट नं 86, उब्ल्यू-ई-ए करोल बाग, नई दिल्ली 2-1/2 मंजिला मकान ताबादी 232 वर्गगज, ।

> नरन्त्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन र<sup>र्</sup>ज-।, विल्ली, नर्ह दिल्ली-110002

सारीस : <u>25-1-1983</u>

मोहर

शास्त्र आहु.दी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
अर्जन रंज-।, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निदाँ सं. आर्षः ए. सी./एक्यू/।/एस-आर-3/6-82/382—यतः मुभे, नरान्त्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-विजवासन, नर्ह दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्इ दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जुन 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य गास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----8—486 GI/82  श्री क्षिश राम सुपृत्र श्री रूरा, निवासी-ग्राम बिज-वाशन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुवर्शन सूरी पत्नी श्री प्रम नाथे सूरी निवासी-4-बी/3, गंगा राम हास्पीटल मार्ग, नर्ह विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्णीक्स संपरिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) ध्स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि मुस्तातील नं 27, किला नं 22 (2-8), मूस्सातील नं 54, किला नं 2 (2-0), ग्राम-बिजवारान, तहसील-महरौँली, नई दिल्ली ।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।, दिल्ली, नर्द्वां दिल्ली-110002

तारी**ख : 25-1-1983** 

# प्रकप बाई • टी • एन • एस • -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नई विल्ली

नक्षें दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निवर्षेश सं. आई. ए. सी./एक्यू/।/एस-आर-3/6-82/383—यतः मुक्ते, नरन्द्र सिंह,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक ही

आरे जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम जिजवाशन, तहसील-महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जन 1982

की प्राेक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विय से उक्त अन्तरण में लिखित बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क), अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नसिश्चित स्पृत्रितां... अर्थान:----

 श्री शिष राम सुपूत्र श्री रूरा, निवासी-ग्राम-विज-वाद्यन, नद्दं दिल्ली ।

(अन्तःरक)

 श्रीमती सुदर्शन सूरी पत्नी श्री प्रेम नाथ सूरी, निवासी-4-बी/3, गंगा राम हास्पीटल मार्ग, नद्दी दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब र 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि मुस्तातील नं. 27, किला नं. 12/2(3-12), 19(2-8), ग्राम-बिजवासन, तहसील-महसैली, नर्झ दिल्ली ।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारील : 25-1-1983

प्रकृप आहें, टी. एन्, एस्.-----

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

नर्ছ दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निवर्षे सं आई. ए. सी. /एक्यू/। /एस-आर-3/6-82/384—यतः मुक्ते, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवासन, नर्द दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्द दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन, तारीख जून 1982 को पूर्वोक्षत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्ष्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, ज्यांत्ः-- 1. श्री शिश राम सृपूत्र श्री रूरा, निवासी-ग्राम-विज-वाशन, नर्ह दिल्ली ॥

(अन्सरक)

 श्री प्रेम नाथ सूरी सूपृत्र श्री हंस राज सूरी, निवासी4-बी/3, गंगा राम ह्यस्पीटल मार्ग, नई विस्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाओंच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ख व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह\*, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि ताबाबी मुस्तातील नं 27, किला नं 19 (2-8), 22(2-8), ग्राम-बिजवासन, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक∦ आयकर्षे आयुक्त (निरी क्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली, नर्द दिल्ली-110002

तारीख : 25-1-1983

मोहर्ः

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 कर 48) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निद<sup>\*</sup>श सं. आई. ए. सी./एक्यू/।/एस-आर-3/6-82/ 385---यतः म्फे, नरेन्द्र सिंह,

अगयकर अधिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उनतः अधिमियम' सहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं।

और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विजवासन, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्नह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अपरने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1 श्री शिश राम सुपुत्र श्री रूरा, निवासी-ग्राम-विज-वाशन, नई दिल्ली ।
  - (अन्तरंक)
- श्री प्रेम नाथ सूरी सुपूत्र पं. हंस राज सूरी, निवासी-4 बी/3, गंगा राम ह्यस्पीटल मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पंद्रोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

कृषि भूमि मुस्तातील नं 27, किला नंः 13(4-16), ग्राम-विजवासम, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकार सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 25-1-1983

प्ररूप आई. टी. एम. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. धारा 269-घ् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।, नई क्लिंगी नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निद<sup>क</sup>रा सं. आई. ए. सी./एक्य/।/एस-आर-3/6-82/ 386--यतः मुक्ते, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसंके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन स्क्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रत. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हुं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से क्स के दश्वमान प्रतिकाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति को जिनत वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; आर्रिया
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26% के अधीन (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- श्री शिक्ष राम सुपूत्र श्री रूरा, निवासी-ग्राम-विज-वाक्षन, नई दिल्ली ।
- (अन्तरक)
  2. श्री प्रेम नाथ सूरी सूपूत्र श्री हांस राम सूरी,
  निवासी-4 बी/3, गंगा राम हास्पीटल मार्ग, नई
  दिल्ली।

(अन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारों, अधिहस्ताक्षरी के परि लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अनुसूची -

कृषि भूमि तादादी 2 बिधे और 8 बिश्वे, मुस्तातील नं. 54, किला नं. 2 (2-0), 3 मिन(0.8), ग्राम बिजवाशन, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारीख: 25-1-1983

# प्रस्य नार्षः टी. एन्. एस.-----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

## भारत सुरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज-।

र्जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्इ विल्ली

नर्इ विल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1983

निवाँश सं. आर्थ. ए. सी./एक्यू/।/एस-आर-3/6-82/393—जतः मुक्के, नरन्त्र सिंह,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त निर्मिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं आर-56, है तथा जो ग्रेटर की लाश-1, नर्ह दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विज्ञात है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून-1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की नावत, उक्त बीभीनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करूने वा उस्से ब्यने में स्विधा के निष्: बॉर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था किया में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) को अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ---  श्रीमती मालाबिका राय चौधरी, निवासी-एस-280 ग्रेटर कौलाश-1, नई विल्ली।

(अन्तरक)

2. मै. लारोन्स एण्ड मायो (इन्डिया) प्रा. लि. रिज-स्टर्ज औफीस 274 दादाभाई नारोजी रोड, सम्बद्धी

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ये :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्हित स्थितियों में से किसी स्थिति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- व्यूष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्युष्यक्षिरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्यों जौर पदों का, जो उसत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

## and di

एक मंजीला मकान आर-56, ग्रेटर कौलाश-1, नई दिल्ली-48, एरीया 300 वर्गगज, (250.83 वर्ग मीटर)[

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली, नक्षी दिल्ली-110002

तारीख : 31-1-1983

मोहर 🛭

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

अर्जन रिंज-।

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ<sub>्</sub>स्टेट, नर्ह दिल्ली

नर्ह दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्दोश सं. आर्ह. ए. सी./एक्यू/।/एस-आर-3/6-82/394—अतः मुफो, नरोन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000 / - रह. से अधिक ह<sup>e</sup>

और जिसकी सं. 1-48, है तथा जो जंगपुर एक्सटेंगन, नर्ह विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विज्ञार है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्ह विल्ली में भारतीय र जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रममान प्रतिफल से एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया:---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मिविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिसयों, अर्थात् :—  श्री जगवीश मितर भाटिया सुपुत्र स्व. श्री बालमुकुन्द भाटिया, निवासी-1-48 जंगपुरा एक्सटेन्शन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री निरन्दर दास चोपड़ा सुपुत्र स्व. श्री नरिसंह दास चोपड़ा श्रीमती वीना चोपड़ा पत्नी श्री नरिन्दर सास चोपड़ा, निवासी-ई-84 ग्रेटर कीलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

# अनुसूची

प्रो. नं. 1-48 जंगपुरा एक्सट नशन, नई दिल्ली, भूमि तादादी 200 वर्गगज,

नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।, दिल्ली, नर्हो दिल्ली-110002

तारीब : 31-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रिंज-।

भी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेंट, नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं. आई. ए. सी./एक्यू./।/एस-आर-3/6-82/395—अत: मुभ्ते, नरम्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-230, है तथा जो ग्रेटर कौलाश-।।, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जन-82

को पूर्वा कत संपत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

> (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जंतरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए; और/बा

एेसी किसी आय या किसी धन या अन्यू आस्तियों को जिन्हु भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट रहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कतः अब उक्त बिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन,, निम्नीलिसित व्यक्तियों, क्यांत :---  श्री अनक भारद्वाज , निवासी-52 , प्रेम मिलन , नेप्रन ली रोड , बाम्बे।

(अन्तरक)

2. श्री हरवंश लाल कर्ण, निवासी-ई-128 महिम्मव पुर, नियर आर. के. पुरम, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स संस्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थल्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुस्**ची

र्ছ-230 ग्रेंटर कौलाश-।।, एरीया 250 वर्गगज, नर्ह दिल्ली।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।, दिल्ली, नर्हो दिल्ली-110002

तारीब : 25-1-1983

माहर :

# प्ररूप माई॰ टी॰ एव॰ एत॰--

आयकर ब्रि**बियम, 1961 (1961** का 43) की ब्राया 269-**व** (1) के अधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।

जी-13, ग्राजन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टोट, नर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू./।/एस-आर-3/6-82/397—अतः मुक्ते, नरेन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 16, है तथा जो टोडरमल रोड, नई दिल्ली-1, में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्त बाजार प्रत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत में, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत एक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य कान्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रीधिनयम, या धन-कर श्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रवीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।——
9 —486GI/82

 श्री रूप लाल मक्कड़, निवासी-16-टांडर मल रोड, नई दिल्ली-1,

(अन्तरक)

 मैं. पुष्प कन्सट्रक्शन कं. प्रा. लि., ए-6, रिंग रोड, एन.डी. एस.ई. भाग-।, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सुवना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूत्रना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ।

# अनुसूची

मकान नं. 16, टोडर-मल रोड, नई दिल्ली-110001, एरीया 261.87 वर्गगज।

नरेन्द्र सिंहं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 29-1-1983

मोहर 🤞

प्ररूप आई. टी. एन. एस. - - - ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज-।

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्ध्रप्रस्थ स्टॉट, नर्झ दिल्ली

नर्ड दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्दोश सं. आर्घ. ए. सी./एक्य्/।/एस-आर-316-82/ 398---अतः स्फेरे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. हे अधिक है

जौर जिसकी सं. एस/53, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-।।, नई विल्ही मो रिश्वत है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मों पूर्ण रूप से विल्ही है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस जन 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्चह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिखित में वान्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए और/या
- (ल) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थं की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनियन व्यक्तियों, वर्धान् :--  श्री प्रेम कुमार सुपुत्र श्री हरी चन्द, निवासी-2542ए/21सी, चण्डीगत् ।

(अन्तरक)

2. में अन्ता पूणा इन्टरनंशनल प्रा. जि. एच -एस-27, कौलाश कालोनी, नई विल्ली 48

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

## यन् स्ची

प्लाट नं. एस/53 ग्रंटर कॉलाश-।।, नई दिल्ली एरीया 300 वर्गगज,

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीन : 25-1-1983

प्ररूप आहे. टी. एन. एस्. - - - - --

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रपस्थ स्टोट, नर्द्र दिल्ली

नक् दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्व**ेश** सं. आर्ड.ए.सी./एक्य्./1/एस-आर-3/6-82/ 396--अतः मुभ्ते, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रा. से अधिक है और जिसकी संख्या के-3 है तथा जो कौलाश कालोगी, नई विल्ली में स्थित है (और इससे उपाबवध अनस्ची में पर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील जून 1982 को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से., ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवास से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका ) और अन्तरिती

(अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यदेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बायत, उक्त मुभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्रीमती कौलाश मिलक पत्नी श्री खजान सिंह मिलक, निवासी-48, बाल्मीिक मार्ग, लखनऊ। (अन्तरक)
- 2. में. एसांसिएट्स, बी-47, एन. डी. एस. ई. 1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी वे पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## श्रनुसूची

मकान नं के-3, कौलाश कालांनी, नई विल्ली, तादादी 311 वर्गगज।

नरन्त्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।, विल्ली, नर्ष विल्ली-110002

तारीख: 25-1-1983

मोहर 🔞

प्ररूप आर्ध. टी. एन. एस. -----

THE REPORT OF THE PARTY OF THE

**आवकर अधिनियम,** 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत संहकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)

अर्जन रिज-।

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रग्रस्थ स्टोट, नहीं विल्ली

नई विल्ली, विनांक 25 जनवरी 1983

ि निर्देश सं. आई.ए.सी. /एक्यू. /1 /एस-आर-3/6-82 / 418−–अतः भुक्ते, नरोद्ध सिंह,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं. डी-1/193 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित ही), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जन—1982,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूफ यह विश्वास करों का कारण है कि गथापूर्वोक्त गंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उस्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में अविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ण को, अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्रीमती सतवन्त कौर परनी श्री तरलोचन सिंह, नियासी-सी-।-ए/13 सी, जनकपुरी, नई दिल्ली द्वारा अटानी श्री मंगल की ढींगरा सूपृत्र श्री मोहरा मल, निवासी-90/12 मालवीया नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्री सुभाष चन्दर कालरा सुपुत्र श्री दिवान चन्दर निवासी- $\hat{\mathbf{r}}$ -1/104, लाजपत नगर, नर्ह दिल्ली। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्य । बाहियां शुरू करता हुं।

उक्क सम्मत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए पा सकेंगे।

स्पाध्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया मया है।

## अनुसूची

प्रो. नं. डी-1/193 लाजपत नगर, नक्द दिल्ली, एरीय। 100 वर्गगज,

नरंन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, विल्ली, न**र्झ दिल्ली-1**10002

ता्रीख : 25-1-1983

मोहन,

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।

जी-13, ग्राउन्ह फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेंट, गई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्दोश सं आई.ए.सी./एत्यू:/1/एस-आर-3/6-82/419—अतः मुफ्ते, नरन्द्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राथिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बी-107, हाँ तथा जो ग्रंटर कौलाश-।, नर्झ दिल्ली मो स्थित हाँ (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मो पूर्ण रूप से विणित हाँ), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नर्झ विल्ली मो भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीच ज्न-1982,

को पर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे ध्रममान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनक र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—  श्री एच. मी. कपूर, निवासी-बी-107, ग्रैटर कौलाश-।, नष्ट दिल्ली।

(अन्तरक)

2. में. मोहन एक्सपोर्ट इन्डिया प्रा. लि. 7-कम्युनिटी सन्टर, जमरूदप्र, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया ही।

# धनुसूची

2-1/2 मंजिला मकान नं. बी-107 ग्रैंटर कैलाश-।, नर्ह दिल्ली तादादी 1000 वर्गगज।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रॉज-।, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारीख : 25-1-1983

मोहरु 🕄

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।

जी-13, ग्राउन्ड फ्लोर, सी. आर. बिल्डिंग, इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्वोध सं. आर्घ. ए. सी./एक्यू/।/एस-आर-3/6-82/ 421—अतः मुक्ते, नरोन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूठ. से अधिक ही

आर जिसकी सं. 19, ब्लाक-172 है तथा जो जोर बाग, नई दिल्ली मों स्थित है (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मों पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुन 1982

को पूर्वीक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसर्यों, अर्थात् :--

- श्री दीपक कालेलकर (2) श्री सिद्धार्थ बी. कालेलकर, 22-जी-आई-जी-सी, इंग्डस्ट्रीयल एस्टेट, मकरपुरा रांड, बादोदरा-390010, (अन्तरक)
- 2. मैं. सेव एण्ड प्रास्पर प्रा. लि., 1101, नर्ह दिल्ली हाउस, 27-वाराखम्बा रोड, नर्ह दिल्ली-110001,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्ची

दो मंजीला मकान नं 19, जार बाग (ब्लाक नं 172) नई दिल्ली बना हुआ 1283 3 वर्गगज पर, 20 वर्ष पुराना और बुरी हालत में हैं।

> नरोन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रोज-।, दिल्ली, नर्झ दिल्ली-110002

तारीब : 25-1-1983

मोहर 🕆

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एवयू०/1/एस० श्रार०-3/6-82/424—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो डेरा मंडी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्वत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

(1) श्री भोन्दु सुपुत्र श्री बुख्न राम, बादले, रघबीर सुपुत्रगण श्री बीर भरायण, नियासी ग्राम हेरा मंडी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित सिमराट कौर पत्नी श्री मालविन्दर सिंह, निवासी ग्राम महल, जिला ग्रमृतसर, पंजाब । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृस्ची

कृषि भूमी तादादी 9 बीधे, 12 बिश्वे, मुस्तातील नं० 122, किला नं० 3(4-16), 4(4-16), डेरा मंडी, नई दिल्ली ।

> नरेंद्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनिणित व्यक्तियों, अर्थान :--

दिनांक 25-1-1983 मोहर: प्ररूप आईं.टी.एन.एस. ------

अयका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 6-82/425---श्रतः मुझे, नरेंद्र सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो याम डेरा मंडी नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री भींदु सुपुत्र श्री बुध राम (1/3 हिस्से) बादले. रघबीर सुपुत्रगण श्री विर शारायण, निवासी ग्राम डेरा मंडी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित सिमराट कौर पत्नी श्री मालविन्दर सिह, निवासी महल, जिला श्रमतसर।

(श्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यख्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 9 बीधे 12 बिश्वे, मुस्तातील नं० 122, किला नं० 1(4-16), 2(4-16), डेरा पंडी, न**६** दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आप्तन (निरक्षिण) श्रजेन रोज-I, नई दिल्ली

दिनांक 25-1-1983 । मोहर: प्ररूप् आई .टी .एन .एस .-----

म्रायक्तर स्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के धर्मीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

ेनई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर०-3/6-82/426—आतः मुझे, नरेंद्र सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने

का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार

मुख्य 25,000/- इ∙्से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जुन, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय मा किसी धन या भ्रम्य भारितयों को, जिन्हें मारतीय भायकर श्रिभियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, सक्त विधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त व्यथिनियम की धारा 269-ए की उपधारए (1) के अधीन जिम्मिलिखित व्यक्तित्वों, अर्थात् ६—— 10—486 GI/82 (1) श्री मोंदुं सुयुव श्री बुध राम, निवासी डेरा मंडी, तहसील महरौली, नई दिल्मी ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमति सिमराट कौर पत्नी श्री मालविन्दर सिंह, निवासी ग्राम महल, जिला ग्रमृतसर, पंजाब । (ग्रन्सरिती)

को यह तृषना जारी करके पूर्वों कत सम्मृतित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्==

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीच से 45 विन की सबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की सबित, जो भी सबित बार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित. बद्ध किसी भ्रष्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्छिक्षरणः --- इसमें प्रयूक्त खुन्दों और पकों का, भी उक्छ धिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिकारित हैं, वही भयं होगा जो उस भन्नाम में विधा गया है।

#### अनुसूची

कृषि भूमि 16 वीघे और 4 बिश्वे, मुस्तातील नं० 107, किला नं० 22 मिन (1-16), 23 (4-16), 24(4-16), 25(4-16) डेरा मंडी, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज I, नई दिल्ली

दिनांक 25-1-1983

प्ररूप आर्दः टी. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983
निर्देश मं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्चार०-3/
6-82/427—श्वतः मुझे नरेन्द्र सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का

कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उ**षित बाजार मूल्य**25,000/- रु. से अधिक **ह**ै

प्रौर जिसकी स० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम डेरा मंडी, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूष रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1982 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुर्इ िक सी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविभा के लिये; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् ८——

- (1) श्री भोंदु सुपुत्र श्री बुधराम, बादले, रघबीर ुपुपुत्र श्री बिर मरायण, निवासी डेरा मंडी, नई दिल्ली । (श्रन्तर क)
- (2) श्रीमति सिमराट कौर पत्नी श्री मालविन्दर सिंह, निवासी ग्राम महल, जिला श्रमृतसर पंजाब । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के अर्थन के लिए; कार्यवाहियों करता हूं।

चक्त सम्पत्ति को अर्जन् को सम्बन्ध् में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिसत में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि तादाधी 12 बीघे धौर 12 बिख्ले. मुस्तातील नं॰ 107, किला नं॰ 20(4-16), 21(4-16), 22 मिन॰ (3-0) डेरा मंडी, तहसील महरौली नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक 25-1-1983 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायक र आयुक्त (निरक्षिण)

भ्रजन रॅज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिमांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०/एक्यूं०/1/एस० ब्रार० 3/ 6-82/437—ब्रत: मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम आया नगर, तहसील महरौली नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रेनुस्भी में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनांक जून 1982

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ष्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में समिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु---- (1) श्री राजवीर राजपाल ग्रीर क्रुंग्ण सुपुत्रगण श्री भीम सिंह निवासी ग्राम ग्रामा नगर तहसील—महरौली नई दिल्ली।

(अन्सरक)

त्रवरंग कर्माशयल कं प्रा० लि॰ 219 (2) मैं० च एवेन्यू, कलकत्ता।. चिरुत्जाः. (अन्तरिती)

ेश सम्पत्ति के अर्जन के लिए को यह सूचना जारी करके पूर्वीद कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन का स्वयं पर 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यिष् भी भी सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवीद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुख्यी

1/4 हिस्से इषि भूमि खसरा नं० 1598 (2-12) 1599 (1-16) 1600/1(2-8) 1608 (4-11) 1886/2 (1-11) और 3/16 भाग खसरा नं० 1826 (4-16) 1536/2(2-4) स्थित ग्राम—श्राया नगर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-1, नई दिल्ली

निक: 25-1-1983

मोहार 🗵

# प्रकृप बार्ड हो एन एस .-----

भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/6-82/438—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाहें 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

ष्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम ग्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णिस है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून 1982

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक स्प से किथत नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री लखपत सुपुत्र श्री जोरा निवासी-ग्राम—श्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं ० नवरंग कर्माशयल कं ० ग्राम लि० 219 चितरंजन एवेन्यु० कलकत्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

# उन्त सम्पृतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/3 भाग कृषि भूमि तादादी 12 बीधे श्रौर 18 विश्वे खसरा नं॰ 1598 (2-12) 1599 (1-16) 1600/1 (2-8) 1608 (4-11) 1886 (2(1-11) ग्राम श्राया नगर; तहसील—महरौली नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 25-1-1983।

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.: -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० म्राई० ए० मी०/एक्यू०/1/एस० म्रार०-3/6-82/439—-भ्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम श्राया नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपावत श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रीीन दिनांक जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए;। और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः भवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निखिल व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

- (1) श्री ज्ञान चन्द श्रौर राज मल सुपुत्रगण स्व० श्री ब्रह्म सिंह निवासी ग्राम श्राया नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैं नवरंग कर्माशयल कं प्रा० लि 219 चिरन्जन एवेन्यू कलकत्ता । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/3 हिस्से कृषि भूमि तादादी 12 बीघे 18 बिण्वे खसरा नं० 1598 (2-12) 1599 (1-16) 1600/1 (2-8) 1608 (4-11) 1886/2 (1-11) ग्राम भ्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेंद्र सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-1; नई दिल्ली

दिनांक: 25-1-1983।

मोहर 🖫

प्ररूप आई., टी., एन., एस., -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०--श्रार०-3/ 6-82/440----श्रतः मुझे नरेंद्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राया नगर तहसील महरौली नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन दिनांक जून 1982

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है बार अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बणने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अभीन निम्नतिकित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- (1) श्री राजवीर, राजपाल श्रौर कृष्ण सुपुत्रगण श्री भीम सिंह, निवासी ग्राम श्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) मैं नवरंग कर्माशयल कं प्रा० लि॰, 219 चित्तरन्त्रन एवेन्यू०, कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुषुची

कृषि भूमि का 3/8 हिस्से तावादी 15 कीचे भीर 12 बिस्वे, खसरा नं० 1810/2(1-8), 1811 (4-16), 1824/1(3-18) 1825(4-16), 1840(0-14), स्थापित ग्राम श्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त निरोक्षण भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 25-1-1983 ।

मोहर 🛭

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निर्धिण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्वेश सं० भ्राई० ए० सी०/एवयू०/1/एस० भ्रार०-3/6-82/451—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ष्प्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भ्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिष्ठिक के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (स) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री रिचपाल सुपुत श्री मुंशी, निवासी ग्राम श्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) मैं व्ययंग कमसीयल कं लिं, 219 चिर्ज्जन चितरंजन एक्ट्रा, कलकता (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

1/6 हिस्से कृषि भूमि तादादी 33 बीघे श्रौर 9 विस्थे, खसरा नं० 1814/2/2(1-10), 1814/2/2(4-4), 8123(4-5), 1824/2(0-17), 1837(4-14), 1838(4-9), 1839/2(2-3), 1840/1(3-8), 1841(2-3), 1891(1-9), ग्राम श्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 25-1-1983।

प्रश्य आई. टी. एव. एस. ------

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सृष्ता

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 6-82/452--श्रतः मुझे नरेन्द्र सिह

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

त्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम श्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन दिनाक जून 1982 को पूर्वों वत संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्रयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त- विक स्था से काथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की शबत, उक्त किमियम, के क्षीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी भारते या उसमें बनते में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निक्नितिकत व्यक्तियों, अधीत् ध---

- (1) श्री ब्रह्मप्रकाश सुपुत श्री मुंशी, निवासी ग्राव ग्राया नगर, तहसील गहरौली, गई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैं नवरंग कमस्यिल कं प्रारक्त लिं, 219 चित्तरन्जन एवन्यु० कलकसा। ('ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की वारी हुं हुं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया भया है।

# अनुसूची

1/6 हिस्से कृषि भूमि तादादी 33 बीघे श्रौर 9 बिस्बे, खसरा न० 1814/2/2(1-10), 1815/2/2(4-4), 1823(4-5), 1824/2(0-17), 1837(4-14), 1838(4-9), 1839/2(2-3), 1840/2(3-8), 1941(2-3), 1891(1-9), 1892(4-7). स्थापित ग्राम प्राया नगर, तहसील नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 25-1-1983

मोहर

प्रक्ष बाह्य, टी. एन्. एस.

जामकर अर्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-म (1) के जभीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यासम, सहायक जायकर जायकत (निर्धिक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० मार०-3/6-82/453—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

नायकर न्धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-क के मधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परिता, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से निधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम श्राया नगर, तहसील महरौली, नई बिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) दिनांक जून, 1982

को प्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए बय पाया ग्या प्रतिफल निम्नुलिखित उच्चेष्य से उस्त अन्तरण सिचित् में नास्त्रीयक स्पूर्ण के बिचत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई हिस्सी भाग की बाबत, उस्त विधिष्वम के अनीत भार दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे ब्युने में सुविधा के किए; ज़रि/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम 1922 के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री शिश पाल ग्रौर बादले मुपुत्रगण श्री राम रिख, निवासी ग्राम ग्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) मैं० नवरंग कमर्मियल कं० प्रा० लि० 219 चितरन्जन एवन्यु०, कलकत्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सृष्ना जारी करके पूर्वीवत संपृत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उक्त सुम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्2--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
  45 दिन की अविधिया तत्संबंधी अविकत्यों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी
  अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी का से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य व्यक्तित द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

# जनुसूची

1/6 हिस्से फृषि भूमि तादादी 33 बीघे ग्रीर 9 बिस्बे, खसरा नं० 1814/2/2(1-10), 1815/2/2(4-4), 1823(4-5), 1824/2(0-17), 1837(4-17), 1838(4-9), 1839/2(2-3), 1840/2(3-8), 1841(2-3), 1891(1-9), 1892(4-7), स्थापित ग्राम ग्राया नगर, महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह् सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 25-1-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. +--- ---

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० म्रार०-3/6-82/454—-म्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

यौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम ग्राया नगर, तहसील महरौली, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1982 को पूर्वोव्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोव्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था न जिया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्री शिश पाल ग्रौर बादले सुपुत्रगण श्री राम रिख, निवासी ग्राम ग्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मैं वितरंग कर्मासयल कं प्राव् लिव, 219 चितरन्जन एक्न्य, कलकत्ता।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ह्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

1/6 हिस्से कृषि भूमि तादादी 33 बीघे और 9 बिस्वे, खसरा नं 0.1814/2/2(1-10), 1815/2/2(4-4), 1823(4-5), 1824/2(0-17), 1837(4-14), 1838(4-9), 1839/2(2-3), 1840/2(3-8), 1841(2-3), 1891(1-9), 1892(4-7), स्थापित ग्राम ग्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 25-1-1983

प्ररूप. आर्ड. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/6-82/455—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भ्राया नगर, तहसील, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर उससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1982 को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से किथान नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान, में सूर्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री शिशा पाल श्रीर बादले गुपुत्रगण श्री राम रिख, निवासी-ग्राम-श्राया नगर, महरीलो, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) मैं नवरंग कर्माशयल कं प्रा० लि०, 219 चितरन्जन एवेन्यू, कलकत्ता । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस स 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अपोहस्नाक्षण के पास लिखित में किए.जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पतों का. ओ उन्नत अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया ही।

# अनुसूची

1/6 हिस्से कृषि भूमि तादादी 33 बीघे श्रीर 9 बिस्बे, खसरा नं० 1814/2/2(1-10), 1815/2/2(4-4), 1823(4-5), 1824/2(0-17). 1837(4-14), 1838(4-9), 1839/2(2-3), 1840/2(3-8), 1841(2-3), 1891(1-9), 1892(4-7), स्थापित-ग्राम-ग्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षण प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

दिनांक: 25-1-1983

प्रकृष चाईं । टी । एत । एस । ---

मायकर मिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भ्रार०-3/ 6-82/461--- प्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त प्रधिनियम<sup>े</sup> क**हा** गया की धारा 269-ख के भवीन शक्तम प्राधिकारी की, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति; जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है, भ्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-भ्राया नगर, तहसील--महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन जून 1982 को पूर्वोक्त सम्पति के उजित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकेश के लिए अक्तरित की गई है और मुझे पह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त स्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दुरप्रधान प्रतिकल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्दरह (म्रान्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अभ्तरण के लिए तब पाक गया प्रतिफल, निम्नलि**ख**न **छहेर**य से उक्त भ्रन्तरम लिखित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण ये हुई किसी भाष की बावल उक्त भ्रिक्षिनयम के अधीन कर देने के अन्तरक के दासिस्य में कमी करने या सससे स्वने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन था अन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम; या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपानें में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अब्बिधीन निम्नुलिखित स्युक्तियाँ अर्थात् ः— (1) श्री भोपन सुपुत्र श्री भोर, बसन्त लाल सुपुत श्री चेतन, निवासी-ग्राम-ग्रायानगर, तहसील-महरौली, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) मैं वितरन्जन एवेन्यू, कलकत्ता, द्वारा श्री जशपाल सिंह। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी क्यांक्तियों पर पूचना की तामील से 30 विन की धविधि, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूचोंकत क्यांक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनवद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे जा सकेंगे।

स्पव्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अब होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### यगसर्थी

कृषि भूमि तावादी 4 बीघे और 16 बिस्वे, खसरा नं० 1504/2(1-0), 1535/2(3-14), स्थापित—ग्राम—ग्राया नगर, तहसील महरौली, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जेन रेंज-<sup>1</sup>, नई दिल्ली

दिनांक: 25-1-1983

प्ररूप माई. टी. एत. एस.---

भावकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269=वं (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०भ्रार०-3/6-82/489---श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

धायकर प्रधिनियमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त धिक्षियम' कहा नवा है); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृश्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 16/10241 है तथा जो प्लाट नं० 90, बलाक-6, पदम सिंह रोड, नाईवाला में है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, डब्स्यू०-ई०-ए० करोल बाग, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की वर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्यापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्वह प्रतिशत प्रधिक है घोर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरन के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निकालिक उद्देश्य से उन्त सन्तरण लिखित में वास्त-विक कर से कवित नहीं किया यहा है:—

- (स) अन्तरण से हुई चिसी भाय की बाबत उसत अधि-बिवन के बजीन कर देने से बन्धरण के वाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के बिए। भौर/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नुलिखिल अधिनयों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती सुदेश भ्रानन्द पत्नी श्री विद्या सागर, निवासी-3309 रणजीत नगर, पूसा गेट, नई दिल्ली भौर (2) कंवल कृष्ण सुपुत्न श्री सादा नन्द, निवासी— मार्फत—सागर सिल्क एण्ड सारी, हरध्यान सिंह रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शान्ती श्ररोड़ा पत्नी स्व० श्री पुरन चन्द, निवासी—5—रामा पार्क, दिल्ली, (2) जुमारी उषा तनेजा, (3) श्रीमित बीना तनेजा, (4) जुमारी डिम्पल तनेजा (माइनर) निवासी—7—साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली, (5) श्रिनल खुराना (माइनर) निवासी—एल—45, देस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली, (6) मास्टर लिलत कुमार (माइनर) निवासी—बेगम बुज रोड, गेरठ, यू० पी० ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपव में एकाणन की टारील से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिटबढ़ लिसी अस्य स्थित द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सर्थेंगे:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हिसबद्ध किसी मन्य अविक वृतारा मुभाहस्ताकरी के पास सिवित में किए जा सकरें।

स्पाद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

### मन्सूची

प्रो० नं० 16/10241, प्लाट नं० 90, ब्लाक नं० 6, एरिया 230 वर्गगज, पदम सिंह रोड (नाइवाला) डब्ल्यू०— ई०-ए०-करोल वाग, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 29-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयधर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व् (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार सामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

िनर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/6-82/498--श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विस्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित जानार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसको संख्या इति भूमि है तथा जो ग्राम विजवाशन, तहसील-महरीली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन जून 1982

को पुबोन्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्ति तित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तिरितगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नोलिखित उद्देश्य से उदत अन्तरण किस्तित में वास्तीयक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अम्सरण से हुन्दै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी फिसा जाय या 'क्ली धन था अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िक्षया गया था किया जाना आहिये था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री कृष्ण मुपुत श्री रिजल सिंह निवासी ग्राम बिजवाशन, नई दिर्ल्स।

(धन्तरक)

(2) श्री म्रजीत कुमार बिशननोई सुपुत्र श्री सोहन लाल बिशनोई, निवासी सी-2/14 वसन्त विहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

नते यह स्थाना आरी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्षन संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितअब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरें।

स्वस्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्व्यों और प्रयों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### **जन्**स्वी

कृषि भूमि तादादी 8 बीघे श्रौर 16 बिश्वे, एम० नं० 120, किला नं० 7(2-8), 8(4-14), 99/1(1-12), चाइ (0-2), ग्राम बिजवाशन, तहसील—-महरौली, नर्इ दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

दिनांक : 25-1-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

# आयकर समिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के समीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-ा, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/

6-82/499—अतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आरा 269-ल के अधीन सजन प्रश्चिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर नम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रू॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम बिजवाशन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक का से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरक से हुई किसी धाव की बाबस, उक्त धांधिनियम के धांधीन कर देने के धन्तरक के बाधित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम को धारा 269 म के अनुसरण में, में, एक्त अधिनियम की वारा 269 में की उपचारा (1) को अधीन निम्निद्धित व्यक्तियों अधीत्यक (1) श्री भरतु सुपुत्र श्री दुली चन्द, निवासी-ग्राम-विजवाशन, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार विश्वनोई सुपुत स्व० सोहन लाल विश्वनोई, निवासी-ए-6/4, वसन्त विहार, नई दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

को यह सुबना कारी करके पुत्रीका सम्पत्ति के खर्बन है। लिए कार्यवादियां करता है।

उनत मम्मति ३ प्रवंत के तम्बन्ध में कोई भी धाक्षी :--

- (क) इत सूचना के उत्तरत्र में अकाशन को तारीख से 45 दिन को अर्धि अ तस्सम्स्टी व्यक्तियों पर म्वना की तापील से 39 दिन की श्रवित, को भी श्रवित बाद में समस्त होती हो, हे बीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति हार:
- (ख) उस प्लाम के राजान में धकायन की तारोग से 45 दिए के शीनंर उपन स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति हारी, प्रजीहस्ताक्षरी के पास बिविद्धत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टो हरण: — इसर्थ प्रयुक्त पन्दे। योर पदों का, जो उक्त ग्राधित्यम के अध्याय 20-क में परिमाणिय हैं, बहा अर्थ होगा जो उत्त प्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 6 बीचे श्रौर 2 बिश्वे, एम० नं० 120, किला नं० 14(4-12), 7(2-8), ग्राम बिजवाशन, तहसील-महरौली, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

दिनांक: 25-1-1983

∙मोहरः

प्ररूप बाइ<sup>\*</sup>. टी. एन. एस. ::---

अस्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/एस० प्रार०-3/6-82/500—ग्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह,

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या है),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रः. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या एस०-155 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण क्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1982

कां प्यांक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के एरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च स्यों से उक्त अन्तरण कि सिवत में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-श की उपभारा (1) को अधीन, रीनम्नलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात् रिक्स (1) श्रीमती शान्ती देवी पत्नी स्व० श्री जगदीश चन्दर ्धर्मा, निवासी एस-155, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिस्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति उषा खान्डपुर, परनी श्री शाम लाल खान्ड-पुर, निवासी-एस-155, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (धन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पृष्टि के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से
  45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
  स्वान की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>क</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **मृत्**ची

प्रो० नं० एस०-155, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली, एरिया 208 वर्ग गज।

> नरेंद्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

प्रकप **जार**\*, टी. एन एस. -----

भागकर जीविनग्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन मुखना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एम० भ्रार०-3/ 6-82/502---भ्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

आयकर क्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- का लेक्टिंग हैं

और जिसकी सं० एम-172 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रुधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूमान् प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कन् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (का) अन्तरण वं हुए किसी नाव की नावत अन्त निध-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरका को वायित्व में कभी करने या उससे तकने में सुविधा को लिए; कीर/का
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्म आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः सब, उक्त सिभिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीग, निम्नीलिखित स्यक्तियों, सर्थात् :--- (1) श्रीमित मोरन देवी पत्नी श्री रामनाथ तलवार, निवासी एम-253, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमित हरवंस कुमारी भासीन, मार्फत डी॰ बी॰ माद्रनी, निवासी ए-161 नेहरू नगर, जयपुर-6। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकित स्पष्टितयों में से किसी स्पवित दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकरी।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### धनुसूची

प्लाट नं० एम-172, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली एरिया-300 वर्गगज, नई दिल्ली।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 31-1-1983

मोहर 🖫

12-486 GI/82

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983
निर्देण मं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० श्रा॰० 3/
6-82/503-श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अथीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित वाजार मुख्य 25,000/-छ. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस-313, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूत्री में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्याक्षय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1982

को प्रोंक्त संपृत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह थिरवास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमिति चन्दर कान्ता कैंग, निवासी ई-317, ईस्ट भाफ कैलांग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कुणल मी० गुराना, भागीदार म० भुरामल राज मल सुराना (जेवेलरी मैन्युफैक्चर्स) लाल कटरा जयपुर-302003।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंसबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहेस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

मकान नं एस०-313, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली तादादी 300 वर्गगज ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रोज-I, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उन्द्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-

दिनांक: 25-1-1983

मोहर 🐠

प्ररूप गाई • टी • एन • एन •

भायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०-1/एस० ग्रार०-3/6-82/508—श्रतः मुझे, नरेन्द्र सिंह ग्रायकर श्रिशिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्वात् 'उक्त श्रीधिनियन' कहा गया है), की धारा 269-ग्र के श्रत्रीन नतन श्रीत्रकारी हो, प्रशृतिस्वाय करन का कारण है कि स्थावर नमित, जिनका निर्वा वाचार मूख्य 25,000/-स्पए संश्रीकृत

श्रौर जिसकी सं० 1-ई-/218 है तथा जो लाजपत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के हम के दृश्यमान अतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से क्रियमान प्रतिफल पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नशीं किया गया है:——

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर वेने के श्रन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; शीर/या.
- (अ) ऐसी किसी आय या किसी क्या या भ्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए।

- श्री कंवल नयन सुपुत्र श्री नियमत राय, निवासी 1-ई/218 लाजपत नगर, नई दिल्ली । (अन्सरक)
- (2) श्रोमित शकुन्तला रानी सरना परनी श्री गोपाल कृशन सरना, निवासी 1-ई/218 लाजपत नगर, नई विस्ली ।

(अन्तरिसी)

का यह स्वतः जारी करक पूर्वीक्त प्रसाति के प्रजीत के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है !

उनन सम्पत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की प्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी खंसे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवढ़ किक्षी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वब्दोकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दी योर पदी का, जा उक्त श्रीध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वेशी स्रयं होगा, जो उस ग्रध्यान में दिया गया है।

### अनसर्वी

सरकारी बना हुआ प्रो० नं०  $1-\frac{\pi}{2}$ /218 लाजपत नगर, नई दिल्ली ।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-], नई दिल्ली-110002

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधीतः——

दिनांक: 25-1-1983

महिर 🖰

# प्ररूप आहूर. टी. एन. एवा. - - - ----

# नावकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीत सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, तहायक नायकर नापुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-I, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 जनवरी 1983 निर्देश सं० अग्रई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० अगर०-3/ 6--82/511----श्रत मुझे, नरेन्द्र सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिलकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मलिकपुर

कोही, एलीयस रंगपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुन 1982 ।

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुर्इ किसी आयकी आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए आदि/बा
- (च) एसी किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1.957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था खिपाने में स्विधा के सिए:

ं जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जभीम निम्मसिसित स्वक्तियों, जर्थात् :-- (1) श्रीमित कलावती पत्नी श्री उदमी, निवासी रंग-पुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रो निरेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री जीत राम, निवासीरग-पुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्मान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्षं से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- नद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जथांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# **मन्**स्ची

1/3 हिस्से कृषि भूमि तादादी 34 बीघे ग्रौर 14 बिग्धे, खसरा नं० 1189(6-13), 1190(4-16), 1191(3-11), 1194/2(3-6), 1237/2(3-6), 1238(4-16), 1248(4-16), 1249(4-16), ग्राम मिलकपुर कोही, एलीयस, रंगदुरी, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 1 नई दिल्ली-110002

तारोख: 25-1-1983।

मोहरू 👙

रुपर्स**मधिक** है

# प्ररूप ब्राई ० टी० एन ० एस०

श्रायकर **प्रक्षितियम, 1981 (1981 का 43)** की धारा 269-**क (1**) के **प्रधी**त सूचना

### भारतः(सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 25 जनवरी 1983 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० श्रार०३/-6-82/512--श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण

है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 25,000/-

द्यौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम मलिकपुर कोही, एलीयस रंगपुरी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रुप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन दिनांक जून 1982

को पूर्वाश्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दुश्यमान श्रितिकल के लिए अस्तरित को गई है और मुझे यह विम्वास करने का लारण है कि यथापूर्वीयत सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रिकित स ऐसे दृश्यनान श्रिकित का अधिक है और अस्तरक (अस्तरिकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया ग्रिकिल, निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अस्तरण निखित में श्राह्मिक स्था के किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबद उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उदसे बचने में सुविधा के जिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया असा आ या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमति कलावती पत्नी श्री उदमी, निवासी रंगपूरी, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री सतवीर सिंह सुपुत्र श्री जीत राम निवासी ग्राम रंगपुरी, नई दिल्ली ।

(अन्सरिती)

को यह पूजना नाथ करते पूर्वता समिति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध ब्द में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी / के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं, अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### बनसची

1/3 हिस्से कृषि भूमि तादादी 34 बीघे भौर 14 विश्वे, खसरा नं 1189(6-13), 1190 (4-16), 1191 (3-11), 1194/2(3-6), 1237/2(2-0), 1238 (4-16), 1248(4-16), 1249 (4-16), ग्राम मिलक-पुर कोही, एलीयस रंगपुरी, नई दिस्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम अधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); भ्रजीन रोज-I, नई दिस्ली

विनोंक: 25-1-1983 ।

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 25 जनवरी 1983

. निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 6-82/513—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

श्रायत् ए श्राधितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-रंगपुरी, मिलकपुर कोही, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून, 1982।

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसं द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के किए;

(1) श्रीमती कलावती पत्नी श्री उदमी निवासी-रंगपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री राज सिंह सुपुत्र श्री जीत राम, निवासी-रंगपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

# अनुसूची

1/3 हिस्से pिष भूमि तादादी 34 बीघे और 14 बिघ्ने, खसरा नं० 1189(6-13), 1190(4-16), [1191(3-11), 1194/2(3-6), 1237/2(3-6), 1238(4-16), 1248(4-16), 1249(4-16), ग्राम मिलक-पूर कोही, एलीयस रंगपूरी, नई दिल्ली।

नरेन्द्र सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रोज 1, नई दिल्ली

जतः जब, उक्त-अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित्ः—

दिनांक: 25-1-1983

मोहर

# সভ্ৰ আৰ্ছত হীত হৰত হয়ত—

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरोज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 25 जनवरी 1982

निदश सं० भाई० ए० सी० 6/एक्यू ०/1/एस० भार०-3/

6-82/515- श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,
शायकर विधित्तपम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वान करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजःर १६व 25,000/ ६० से श्रिधिक है
श्रीर जिसकी सं वी-5, है सथा जो राजिन्द्रा पार्क, नई दिस्ली
में स्थित है (श्रीर इसमे उपावत अनुमूची में पूर्व कप से
विजित है), रिजस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का
16) के श्रिधीन जून, 1982 ।

को पूर्वीकत समाति के जीवत बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान व्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्यक्ति का खिनत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान भतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पण्डह ब्रिश्तत से प्रधिक है भीर अन्तरक (धन्तरकों) बीर बम्बरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिये तय पाया गया व्रतिफल, निम्निसिधिन उद्देश्य से उन्त प्रण्तरक जिल्लित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; आहु/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी बन या अध्य बास्तिकों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम; 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिसी बारा प्रकट नहीं किया थ्या था किया जाना चाहिए था, छिपाने म सुविधा के लिए;

- (1) श्री श्रोम प्रकाश गुप्ता सुपुत्र श्री हुब लाल गुप्ता (2) श्रीमित नीलम गुप्ता परिन श्री श्रोम प्रकाश गुप्ता दोनों निवासी बी-5, राजिन्द्रा पाक पूसा रोड, गई दिल्ली।
- (2) मैं० श्रशोका बिल्डर्स एण्ड कन्स्ट्रक्टर्स, एवं स.क्.ं-दारी फर्म, जिसका रिजस्टर्ड श्राफिस है, 2-ई/6, झन्डेवालान, एक्स० नई दिल्ली, द्वारा भागीदाण श्रीमति संगीता गुष्ता पत्नी श्री राजीव गुष्ता निवासी-19, बनारसी धास इस्टेट, तिमाण पुण, दिल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूलता के राजपत्र में प्रकाशत की लारीज से 45 दिन की अवधि या तस्त्रंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की भवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दो तरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उन्त बिश्वियम के घड़्याय 20-क में परिजाबित है, वही अर्च होना, जो उस बड़्याय में दिया गया है।

### मयस्यी

4/5 हिस्से ग्रिविभाजित भूमि, स्थापित राजिन्द्रा पार्क पूसा रोड, नई दिल्ली ताबादी 1000 वर्ग गज (कुल भूमि 1250 वर्ग गज, में से )।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम श्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रोज I नई दिल्ली

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण -, मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अधीन, निप्तिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

दिनांक: 25-1-1983

# प्ररूप जाइ. टी. एन्. एस. -----

शायकर क्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज । नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० श्रार्ट० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्राप् ०-3/6-82/516—श्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या बी-5, है सथा जो राजिन्द्रा पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1983

प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मितिबत उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, था धनकार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा था वा किया जाना चाहिए था छिवाने में समिधा के लिए;

नतः अन, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नभीन, निस्नसिषित स्युक्तियों, अ्थात् :---

- (1) श्री श्रोम प्रकाश गुप्ता सुपुत श्री हुब लाल गुप्ता (2) श्रीमित नीलम गुप्ता पत्नि श्री श्रोमप्रकाश गुप्ता निवासी बी-5, राजिन्द्रा पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली।
- (2) श्रीमित संगीता गुप्ता पत्नी श्री राजीव गुप्ता, निवासी-19, बनारसी दास- ईस्टेट, तिमारपुर, विल्ली-7।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारो करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से विश्ली व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुस्ची**

1/5 हिस्से स्रविभाजित भूमि, स्थापित बी-5, राजिन्द्रा पार्क, पूसा रोड, नई दिल्ली, तादादी 250 वर्गगज, (कुल भूमि 1250 वर्गगज में से ) ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक: 25-1-1983

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कावलिय, सहायक वायकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई घिल्ली दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०/प्रार०-3/6-82/517—ग्रतः मुझे नरेन्द्र सिंह,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० ई 540 है, तथा जो ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई विल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 क 16) के ग्रधीन जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित शाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की पायतः, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कमी करने या उसते अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की ज़पधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसर्थों, अर्थात् :---

- (1) मैं० भाटिया अपार्टमेंट, ए-18, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली द्वारा भागीदार श्री एन० के० भाटिया, पी० के० भाटिया, अनिल भाटिया और सुनिल भाटिया तथा श्रीमति राज कुमारी भाटिया। (अन्तरक)
- (2) श्रीमिति ग्रल्था दत्ता पत्ति श्री बी० ए० एस० धत्ता, निवासी ई-540 ग्रेटर कैलाश, 2 नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध, किसी अन्य व्यक्तियाँ द्वारा अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अन्सूची

ग्रविभाजित हिस्से प्रो० नं० ई-540 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, दो बैंड क्म, दो वाथ ड्राईंग रुम, किचेन श्रीर 50 प्रतिशत ग्राउन्ड फ्लोर लान ।

> नरेन्द्र सिंह, सक्षम ग्रधिकारी, गहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज 1 नई दिल्ली

दिनांक: 31-1-1983 ।

मोहर:

13-486GI/82

प्रक्ष आहें. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली 31 जनवरी 1983

निर्देश मं० शाई० ए० सी०/एक्यू०/1-एस० आर०-3/ी 6-82/536---अतः मुझ नरेन्द्र सिंह,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदपात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल जे अधिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तान करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिएकी सं० एस-201 है, तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई विल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व क्ष्म में विजित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जून 1982

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर आधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु:——

(1) श्री राम सरन दास, निवासी मका नं० 33/ 13-14 रमेश नगर, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति निरूपमा जैन परिन श्री ग्रशोक जैन, निवासी ई-482, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिमाँ पर सूचना की दामील से 30 दिन की अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकंरण:-इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित वही यर्थ होगा जो उस ग्रष्ट्याय में दिया भया इर्ष

# अनुसुची

प्लाट नं प्स-201, तादादी 300 वर्गगज, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली ।

> नरेन्द्र सिंह, मक्षम ग्रधिकारी, महायक स्नायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेज 1 नई दिल्ली

दिनांक 31-1-1983 मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

जायकर **अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के जधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज पूना पूना-411004 दिनांक 11 जनवरी 1983

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लेट नं० 6, पहली मंजिल गंगा बिल्डिंग, प्लाट नं० 31 सं० नं० 43 ग्रीर 45, नवधरगांव है तथा जो ता० वसई० जि० ठाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबछ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत, ग्रर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 19-9-1982

को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफाल मं, एसे द्रियमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिचित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिचित में बास्तिक हम से कृषित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मैसर्स रोहीत एन्टरप्राईसेन, 11 टीनवाल बिल्डिंग, त्रिभुवन रोड, बाम्बे-400004।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित मेहरूनिमा नवाब अली जनकदीप 'A', प्लाट नं 103, श्रंधेरी (पश्चिम), बाम्बे 400058 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रींकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरण:---इसमी प्रमुक्त अन्यां और पदाँ का, जो उकती अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हौं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

# अनुसूची

पसैट नं० 6, पहली मिजल गंगा विलिंडग, प्लाट न० 31 मं० नं० 43 श्रीर 45 नत्रधर गांथ ता० वसई जिला धना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत न. 31 जी 10-9-1982 की सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के वस्तर में लिखा है )।

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 11-1-1983

मोहर 😘

प्रकृष धाई । टी । एन । एस -----

श्रीयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 जा 43) की बारा 269-घ (1) के घर्षीन मूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज पूना

पूना-411004, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० सी० ए० 5/आर 20/82-83---भत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लैट ने० 16, तिसरी मंजिल, निलगिरी, निवधर बिलेज है तथा जो ता० वसई जिला ठाणा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्मलय सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज पूना, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 10-9-1981

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किया जाय को वाबत, तका प्रधि-नियम के बधीन भए देने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविज्ञा के लिए; बीर/या
- (ख) ऐसी किसी धार या किये एन या खम्म साम्न्यों को जिन्हें भारतीय धान छ अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अखिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चया था या किया जाना आहिए का, कियाने में संबंधा के लिए;

श्रतः चव, उक्त प्रविनियम की बारा 269-ग के अनुसण में, में, उक्त प्रविनियम की बारा 269-ज को उबधारा (1) के सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्थात् ः— (1) मेसर्स रोहित एन्टरप्राईसेस, 11, सिनवाला बिल्डिंग, लिभूबन रोड, बाम्बे-400004।

(श्रन्तरक)

(2) श्री सुनील रघुनाथ लाड, 143, खोतांची वाडी, खंडेराव चाल, रू० नं. 14, बाम्बे-400004। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किराी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लैंट नं० 16, तिसरी मंजिल, निलगिरी विलेज नवघर, ता० वसई जिला ठाणा । क्षेत्र 555 स्केवयर फीट !

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 27 जो 10-9-1982 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा है।)

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: *7*-1-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. ----

श्रायकर ग्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

#### शास्त सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

पूना-411004, दिनांक 22 जनवरी 1983 निर्देश सं० सी० ए० 4/47 ईई/82-83—-ग्रत: मुझे शिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या दुकान नं० 2 गीतांजिल 'श्र' पार्टमेंट, प्लाट नं० बी-4, पर्वती है तथा जो पूना-9 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत श्रर्जन रेंज पूना, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 12-11-1982 ।

का 16) के अधीन दिनांक 12-11-1982 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
अतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उपत श्राधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य बास्तियों की, जिन्हें मारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हें सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रविनियम की धारा 269-म के अनुसरण स, में, एक्त श्रविनियम की श्रारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मेसर्स दाढे रूईकर विजय श्रपार्टमेंट, 22 मुकुंदनगर पूना-9 ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित स्नेहलता पी० मालवदकर 1509, शुक्रवार पेठ, पूना-2 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इन तूनना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जोभी अविध बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वह विशो यन्य अवित द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्याद्धीकरण --इसमें प्रमुक्त गव्दों प्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधें होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

दुकान नं० 2, गितांजलि ए स्रपार्टमेंट प्लाट नं० बी-4, पर्वती पूना-9 ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 784 जो 12-11-1982 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है । )

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 22-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

आयुक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

पूना 411001 दिनांक 19 जनवरी 1983

निर्देश सं० मी० ए० 5/37 ई०ई०/9/82-83—-ग्रत: मुझे, शशिकांत कुलकर्णी

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित पाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 5 गंगा प्लाट नं० 31 स० नं० 45 नवघर है तथा जो वसई जिला ठाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीयार्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय सहायक ग्रायकर आयुक्त ग्रजन रेंज पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक

कां पूर्विक्त सम्पत्ति के उषित वाजार मूल्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेद्शों से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अस्तरण से सुर्ध किसी आग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्ध् आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अमिक्तयों, अर्थात् :--- (1) मैंसर्स रोहित एन्टरप्राईसंस 11 टीनवाला विल्डिंग, विभुवन रोड, बाम्बे-4 ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री के० एन० कृष्णमूर्ति, 24, मुरली मालवीया रोड, विलेपार्ले (पूर्व) बोम्बे-57।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इसं सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमं प्रयुक्त राब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अगृत्ची

फ्लैंट नं० 5, "गंगा" प्लाट नं० 31, स० नं० 45, नवघर गांव ता० वसई जिला ठाना ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 47, जो 15-1-1982 को सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है।)

> णोशकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 19-1-1983

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा पुरुष-ज (1) के अधीन संघन।

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुवन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, सरस्वती, प्लाट नं० 40, स० नं० 43 प्रीर 45 ए है नथा जो ता० वसई जिला ठाणा में स्थित है (श्रीर इसमे उपावह श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिट्टीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायक के 16) के श्रधीन दिनांक 10-9-1982 को पूर्वोंक्त संपृत्ति के उच्चित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान श्रितफल के किए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त का उच्चित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एखे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध उसके दृश्यमान प्रतिफल का प्रवृद्ध प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और बंत्रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिक कन निम्नितियत उद्धेय से उच्च बन्त्रण सिवित में वास्तिक स्म से किथन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उनत प्रधिनियम, की धारा 269-घ के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) को अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अधीत् ः— (1) मैसर्स रोहित एन्टरप्राईजेज, 11, टीनवाला बिल्डिंग, त्रिभुवन रोड, बोम्बे ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० राजन ग्रीर एम० के० राजन घर नं० ! डोमनिक काबाल हाउम,, सहार बोम्बे-400099 । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रांबस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तार्रीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्यव्यक्तिकरणः ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विदा गया है।

#### असमधी

प्लाट नं० 11 सरस्थती, प्लाट नं० 40 स० नं० 43 ग्रौर 45ए, नवघर गांव ता० वसई जिला ठाणा । क्षेत्र 565 स्क्वे० फीट ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 24 जो 10-9-1982 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के खफ्तर में लिखा है । ) ।

गशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 19-1-1983 । मोहर शरूप आई. टी. एन. एस.----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

ार्यालय, सत्।यक भ्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज-पूना

पुना-4110004, दिनांक 18 जनवरी 1983

निर्देश सं० सी० ए०5/37/ईई/82-83— श्रतः मुझे शशिकांत कूलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 25,000/- रहत से अधिक है

भौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 18 तीमरी मंजिल सरस्वती प्लाट नं० 40, स० नं० 43 श्रौर 45-ए नवधर गांव है तथा जो ता० वसई जिला ठाणा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-9-1981

को प्रेमित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य बसके द्रयमान प्रतिकास से, एसे द्रयमान प्रतिकास का वन्त्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्निसित उद्वेषम से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की आबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया चाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, जक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स रोहित एन्टरप्राईजेज, 11, टीनवाला बिल्डिंग, तिभुवन रोड, बोम्बे-400004।
- (2) श्रीमित ममता सुधाकर श्रोलटीकर, पित भार० श्रार० केसकर, 12 यणोधन उमाकांत को० श्राप० हौसिंग सोसायटी, चन्दावरकर कास रोड, जोरी-वली (पश्चिम) जोम्बे-40092।

(भ्रन्तरिती)

(प्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ब्ध् किसी जन्य व्यक्ति ब्लारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छोकरणः स्थानं प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

प्लाट नं० 18, तीसरी मंजिल "सरस्वती" प्लाट नं० 40, स० नं० 43 भ्रौर 35-ए नवधर गांव ता० वसई जिला ठाणा । क्षेत्र :—450 स्क्षे० फीट।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं 171 जो 30-9-82 को सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा है । )

> शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, पूना

दिनांक: 18-1-1983

\_\_\_\_

प्ररूप . बार्ड \_ टी. एन . एस . -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त अयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-पूना

पूना-411004, दिनांक 20 जनवरी 1983 निर्देश सं० सी० ए० 5/37ईई/6/82—83—ग्रतः मुझे शिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या नं० 7 पहली मंजिल, गंगा बिल्डिंग प्लाट नं० 31, स० नं० 43 भौर 45 ए नवघर है तथा जो ता० वसई जिला ठाणा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में भौर पूर्णरूप से बिणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक आयकर श्रायुक्त अर्जन रेंज, पूना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-9-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 4.—486 GI/82 (1) मैसर्स रोहित एटरप्राईजेज, 11, टीनवाला बिल्डिंग, तिभुवन रोड, बोम्बे-400004।

(ग्रन्तरक)

(2) मेहरुनिसा नवा श्रली जनकदीप 'ए' फ्लैट नं० 103 श्रंधेरी (पश्चिम), बोम्बे 400058 ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन् को संबंध में कोई भी आक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अमुसुची

फ्लैंट नं० 7 पहली मंजिल गंगा बिल्डिंग प्लाट नं० 31, स० नं० 43 ग्रीर 45 ए नवघर गांव, ता० वसई जिला ठाणा क्षेत्र :— 565 स्क्वे० फिट) ।

(जैसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 33 जो 10-9-1982 को सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के वफ्तर में लिखा है )।

शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 20-1-1983। मोहर: प्रुरूपु आई. टी<u>.</u> एन<u>.</u> एस<u>.</u> ----

अगयअक्ष अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना पूना 4110001 दिनांक 19 जनवरी 1983 निर्देश सं० सी० ए०/37ईई/4/82-83—ग्रतः मुझे गणिकात कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लंट नं० 11 गंगा, प्लाट नं० 31 स० नं० 45, नवघर है तथा जो ता. बसई जिला ठाणे में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज पूना में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 20-9-1982 को पूर्वाक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनारी, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) कै अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मैसर्स रोहित एन्टरप्राईजेज, 11 टीनवाला बिल्डिंग, विभूवन रोड, बोम्बे-40004।

(ग्रन्तर)

(2) श्री बी॰ चन्द्रशेखर, 3 नवरत्न, 40, मोगल लेन, ए॰ टी॰ रोड, माहिम, बोम्बे-16।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

पलैट नं० 11 गंगा, प्लाट नं० 31 स नं० 45, धीलेज नवघर ता० वसई जिला ठाणे । क्षेत्र 565 स्क्ये० फीट।

(जैसे रिजस्ट्रीकृत नं० ग्रार 71 जो विनांक 20-9-82 को सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पूना के वफ्तर में लिखा है )।

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक 19-1-1983। मोहरः प्ररूप आई. टी. एन्. एस्. - = - - =-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, पूना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित् बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 3, गंगा बिल्डिंग, फ्लैंट नं० 31, स० नं० 43 ग्रौर 45 ए नवघर गांव है तथा जो ता० वसई जिला ठाणा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त ग्रर्जन रेंज, पूना में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन विनोक 10-9-1981

को पूर्वो कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुओ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल सो, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत, अक्स मुधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा

जतः अब् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसस्य में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के क्भीन निम्नसिक्ति व्युक्तियमें, अर्थात् ६—— (1) मेसर्स रोहित एन्टरप्राईजेज, 11, टीनवाला बिल्डिंग, तिभुवन रोड, बोम्बे-400004।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमिति मेहरुनिसा नवाव ग्रली जनक दीप ए, फ्लैंट नं० 103, श्रंधेरी (पश्चिम), बोम्बे-400058।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आर्री करके पूर्वीक्त सम्पर्ित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 3 गंगा बिल्डिंग फ्लैंट 31 स० नं० 43 भौर 45 ए नवधर गांव, वसई, जिला ठाणा ।

(जसे कि रिजस्ट्रीकृत नं० 31 जो 10-9-82 को सहायक प्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज, पूना के दफ्तर में लिखा है )।

शशिकांत कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी; सहायक ग्रायर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, पूना

विनांक : 19-1-1983 ।

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

**गावकार अधि**नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन सूचना

### नारक सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, पूना पूना-411001, दिनांक 20 जनवरी 1983

निर्देश सं०सी० ए० 5/37 ईई/8/82-83—-प्रतः मुझे शशिकांत कुलकर्णी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, तीसरी मंजिल, सरस्वती, त्लाट नं० 40, वसई हैं तथा जो पूना में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रजन रज पूना में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 10-9-1982

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था., छिवाने में सुविभा के िच्ए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) मैंसर्स रोहित एन्टरप्राईजेज, 11, टीनवाला बिल्डिंग तिभवन रोड, बोम्बे-400004।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री किरण रणछोड़दास लाखानी 9, विश्वजी को० श्रोप० सोसायटी लि० सरोजिनी नायडुरोड, मुलृंड (पश्चिम) बोम्बे-400080।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन की अवधि या तत्स्व मन्धी स्थानितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पृदों का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया ग्या हैं।

### प्रसम्ब

पत्तैट नं० 16, तीसरी मंजल, "सरस्वती" प्लाट नं० 40 स० नं० 45-ए, श्रौर 43 नवधर ता० वसई जिला ठाणा, क्षेत्र । 565 स्के० फिट ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत नं० 23 जो 10-9-1982 को सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना के दक्तर में लिखा है।)

शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

ं दिनांक 20-1-1983 । मोह⊤र∷ मु**रुष नाष**्ठ द्वीत **एग**ा पुरान्ताना

# भागकर वृषितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के अभीन सूचना

#### जारत तुरकार

# कार्यानय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित् वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 776 ए सदाधिव पेठ, श्रार० बी० कुमेठकर रोड हैं तथा जो पूना-30 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय महायक स्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज पूना में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 24-9-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात विश्वक है जौर अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्या प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण सिखित में अन्तरिक रूप से किया गया है:——

- (क) अन्तरण ये हुद्दै किसी जाय की जायत्, उक्त जहुँभीतयम वे जभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे क्वने में सुविभा के लिए; जार/या
- (क) एरेसी किसी नाम या किसी भूत वा अस्य नासिस्त्री को, चिन्हें भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त निभिन्यम, वा भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा ने निष्

अतः अव, उपल विभिनिय्य की भारा 269-म के अपूत्रण में, में, उकत अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (१) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात् ह—-

(1) मैसर्स ट्रॉपिकल बिल्डर्स 776 ए, सदाशिव पेठ पूना-30 ।

(भ्रन्तरक)

(2) मसर्स पन्नालाल एन० लुकंड 776 ए, सदाशिय पेठ, पूना-30 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पित्स के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उन्तु, सुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप 🖫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इस स्वता के उाजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया हैं।

#### कारच

दुकान नं० 776ए सदाशिय पेठ ग्रार० बी० कुमेठकर रोड पूना 30 क्षेत्र 675 स्क्ले० फुट।

> शशिकांत कुलकर्णी, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

विनांक: 4-1-1983

#### प्ररूप बाई • ही • एन • एस •-----

# मायकर अधिनियन; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के यथीन सूचना

#### पारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, विनांक 29 जनवरी 1983

निर्वेश सं० एफ० नं० 98/जून/82—-ग्रतः मुझे ग्रार० पी० पिल्से

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'खक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका मुख्य 25,000/- रुपये श्रौर जिसकी सं० श्रलहर कोवील, नारत रद वीदी मानामद्रर है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास (5) में डाकुमेंट सं० 1891/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 ('1908 का 16) के म्रधीन जुन 1982 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास मुच्य, उसके इदयमान प्रतिकल से, एसे इदयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और नंतरिती (नंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (व) एसी किसी जाय या किसी भन जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय अगयकर अभिनियम; 1922 (1922 का 11) यान्यकत अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमित कमला देवी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्रन

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सन्त्रति के प्रजैत के सम्बन्ध में कोई भी बालेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिल की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वत्वेहरण :---इसमें प्रयुक्त कर्को ग्रीर पदों का, को उक्त ग्रीधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिधाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय ग्रें विया गया है।

#### अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण श्रलहर कोयील नारत रद वीदी माना-मबरे, डाकुमेंट सं० 1891/82 ।

> म्रार०पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज I, मद्रास

कतः स्व, उक्त विधिनियम, की भारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्नलिस व्यक्तियों सर्थात् ह—-

दिनांक: 29-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1 मद्रास

मद्रास दिनांक, 29 जनवरी 1983

निर्वेश सं० एफ० नं० 89/जून/82—ग्रतः मुझे ग्रार० पी० पिरुलै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,0007- रा. स आवक है

प्रौर जिसकी सं० 6, 16, टी० एस० सं० 57/12, मदुर, है जो मद्रास में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजर्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मदुरें डाकुमेंट सं० 3291/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जून 1982 को पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कुट देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री के० ग्रार० वेनगटरामन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमित सैनदरवल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

# अनुसूची

भूमि भ्रौर निर्माण एस० सं० 6, 16, 57/12 महुरैं (डाक्मेंट सं० 3291/82) ।

ग्रार० पी० पिल्ली, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण), 'ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक 29-1-1983 मोहर: **ਪਿੱਦਲੀ** 

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सचना (1) श्रो एस० नारायनमूर्ती।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री एस० वरदराजू चेट्टीयार।

(श्रन्सरिती)

#### प्रारुव सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1 मद्रास
मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1983
निर्देश सं० एफ० नं० 52/जून/82—श्रतः मुझे श्रार०पी०

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवास 'उक्स अधिनियम' कहा गया है) कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 196/295, 211/296, दूसरा श्रगर हारम स्ट्रीट सेलम है, जो मद्रास में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यालय, सेलम डाकुमेंट सं० 2748/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुन, 1982 ।

को पूर्वोक्स संपर्तित के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्वोदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिभा के सिए;

को यह सूचना जारी करके पृविक्त सम्पृत्ति को वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था संकेंगे।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया भया है।

#### ब्नस्की

भूमि श्रौर निर्माण 196/295, 211/296, दूसरा श्रगरहाम स्ट्रीट, सेलम । (बाकुमेंट सं० 2748/82) ।

श्चार० पी० पिरुलै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I मद्रास

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन निम्मलिश्वित व्यक्तियों, अधित :--

दिनांक 29-1-1983 मोहर: प्ररूप बार्षः टी., एन., एस्.,-----

अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

#### भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश मं० एफ० नं० 67/जून/82-श्रतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी क्ये, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक ह<sup>4</sup> श्रीर जिसकी सं० 31 श्रीर 32, पेरीमेरी ऋम्म, सेलम है, जो मद्रास में स्थित है (ग्राँर इससे उपाबद्ध में ग्राँर पूण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सेलम डाकुमेंट सं० 2065/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जुन 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित काजार मूल्य से कम के रूश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एोसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्ति उददोश्य से उक्त अन्तरण लिक्कित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवध के लिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जभीन. निम्निंगिखित स्थितितयों, अर्थात :--- (1) श्रीमप्ति रत्तीनम्माल

(भ्रन्सरक)

(2) श्री एस० के० सेनकोट्टै कबुनटर

(भ्रन्तरिती)

को बह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पिटित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पस्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि और निर्माण एस० सं० 31 और 32, पेरीमरी कम्म, सेलम डाक्मेंट सं० 2065/82)।

न्नार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक 29-1-1983 मोहर:

15--486 GT/82

# प्रकल नाहाँ .टी. एन . एस . ------

होक्केट वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

#### भारत बरकार

# कार्यान्य, सहायक आवकर नागुक्त (निरीक्ण)

श्रर्जन रेंज-1, मब्रास

मद्रास दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश सं० एफ० नं० 133/जून/82—श्रतः मुझे आर० पी० पिल्ले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 248, 250, 233/2, ममील पट्टी, कम्म, नं० 46, गुठीमालम तालुक, हैं, जो नारथ एिरकाट डी० टी० में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ग्रामबुर डाकुमेंट सं० 1612/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1982।

को प्रांकित सम्मित्त के उचित बाजार मून्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वायत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हुं भारतीय आय-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या धन-कर मौधनियम, या धन-कर मौधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अध, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री ए० पी० राजेनदिरस्न

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमित कुरसीद बेहम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपृक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या स्त्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकनें।

स्पव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुसुची

भूमि श्रीर निर्माण सं० 248, 250, 233/2, ममीलपट्टी कम सं० 46, गुठीयालम तालुक, नारथ ऐरिकाट डी० टी० (डाकुमेंट सं० 1612/82)।

म्रार० पी० पित्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-I, मब्रास

**दिनांक 29-1-1983** 

प्ररूप आई ० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश सं० एफ० नं० 88/जून/82—श्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की प्राः 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/रु. संअधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 6, नल्लमुत्तु पिल्लै रोड, है जो मदूरें में स्थित है (ग्रौर इससे उपावड में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मदुरें डाकुमेंट सं० 3055/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त बन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री चेल्लदूरै ।

(भन्तरक)

(2) एस० एस० वेलू।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन कें कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

चक्त सम्पत्ति के मुर्जन के सुम्बन्ध में को**दे भी बाक्षेप**्र—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### मन्स्पी

भूमि श्रौर निर्माण दरवाजा सं० 7, नल्लमुसु पिल्ले ोड, मदुरै । (डाकुमेंट सं० 3055/82)।

> श्चार० पी० पिस्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-र्रे, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 29-1-1983।

मोहर 🗄

प्रकप बाह् .टी. एन्. एस . -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-घ (1) के अधीन सृष्ना

#### धारव सरकार

# कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1983 निर्देश सं० एफ०、नं० 28/जून/82—श्वतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 219, अम्मनकोइल स्ट्रीट, मद्रास-1 है, जो मद्रास डाकुमेंट सं० 269/82 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में. श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, छैगार पेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जून 1982

को पूर्वेक्त संपरित के उपित बाजार मूल्य से कम के दूसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :---

- (क) अन्तरण से हुक्ष किसी आय की शायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमति किरसन कुमारी।
- (अन्तरक)

(2) गनगरतनम् ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप्:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , ओ भी अवधि आब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वार;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ज्ध्याय में दिया ग्या

# अनुसूची

भूमिगर सं० 219, ग्रम्मनकोइल स्ट्रीट, मद्रास-1, (डाक्कुमेंट सं० 269/82) ।

श्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1़, मद्रास

दिनांक: 29-1-1983

# प्ररूप भाई । टी । एन । एस •--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म् (1) के अधीन स्थना

#### भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-I, मब्रास

मद्रास, विनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० एफ० सं० 22/जून/82—-प्रतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्ली

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'इसके परवात् 'उकत श्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- ६० से मधिक है

श्रीर जिसकी सं० 39, हालस रोड, कीलवाक, है, जो मद्रास-10 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, पेरीममेड डाकुमेंट सं० 842/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पख्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कियत नहीं किया गया है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/मा
- (का) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामे में, स्विधा के लिए;

अतः अध उन्त अधिनियमं की धारा 269-ए को अनुसरण में में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अधीत :—

(1) श्री लुवीस गिलाडी जेरारड

(भ्रन्तरक)

(1) श्री के० एम० सिवरनकरन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्बन्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो . उक्त ग्रिधिनियम के भाव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होना, जो उस ग्रद्धाय में दिया गया है।

#### अनुसूची

निर्माण सं० 39, हालस रोड, कीलवाक मद्रास-10, (डाकुमेंट सं० 842/82)।

> ग्रार॰ पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-ग्र, मब्रास

दिनांक: 25-1-1983

प्ररूप आइ र.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० एफ० नं० 128/जून/82—श्रनः मृझे, आर० पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 43, रितरदन रोड, पुरसैवाक्कम है, जो मद्रास-7, डाकुमेंट सं० 1860/82 में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (नारत) में भरतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जुन 1982

को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अनतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

कतः कव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरक भों, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री बसीर ग्रहमद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति एन० निसाली महाल (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उमत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्से बंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि सं० '43, रितरदन रोड, पुरसैवाक्कम मद्रास-7, (डाकुमेंट सं० 1860/82) ।

भ्रार० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-I, मद्रास

**दिनांक: 25-1-1983** 

प्रकृप आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, मद्रास मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1983

निर्देश सं० एफ० नं० 129/जून/82—अतः मुझे आर० पी० पिल्लै,

मायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत मिथिनियम' कहा गया है) की धारा 259-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 43, रिन्तरदन रोड, पुरसैवाक्कम मद्रास-7 (डाकुमेंट सं० 1861/82) है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबढ़ में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (नारत) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1982

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखिल मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबंत उक्क अभिनयम के अभीन अर दोने के अन्तरक के बायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

(1) भी पी॰ वशीर अहमद ।

(अन्तरक)

(2) कुमारी निकात फातिमा

(अन्त[रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से
  45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
  अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताकारी को पास लिखित में किए जा सकों ने।

स्वव्यक्तिरचा:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उच्च विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसुखी

भूमि दरवाजा सं० 43, रीन्तरदन रोड, मद्रास-7 डाकूमेंट सं० 1861/82

> ग्रार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विनांक: 25-1-1983।

# प्रकप आहें . टी . एन् . एच् . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश सं० एफ० नं० 53/जून/82---श्रतः मुझे ग्रार० पी० पिस्लै.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० श्रन्तदान पट्टी, सेलम है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सेलम डाकुमेंड सं० 2752/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्त्रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस, निम्नसिक्षित उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से किथ्त नहीं किया गया है ---

- (क) ज्लारक से हुई किसी आव की बाबत, उच्छा अधिनियम के अधीन कार दोने के जनारक के बाजिस्क में कभी करने या उससे न्यने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री भ्रार० रंनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० धीरमनी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्सि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त किथ-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूत्री

भूमि ग्रन्नदानपट्टी, सेलम । (डाक्समेंड सं० 2752/82 ।

> न्नार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक: 29-1-1983

पी० पिल्लै

# प्रकृष बाह्".डी..एव..एच..------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

# (1) श्री भार० रेगर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रार० वीरमनी

(भ्रन्तरिती)

#### ज्ञारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1983 निर्देल स० एफ० नं० 54/जून/82—ग्रतः मुझे ग्रार०

वायकर विश्वित्यमं, 1961 (1961 का 43) (तिवर्ध इस्में इस्कें पश्चात् 'उक्त वृश्वित्यम्' कहा वया हैं), की बारा 269-च के वर्धान सक्षम प्राप्तिकारों को यह विश्वतस करने का कराण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० श्रन्तदानक्ट्टी, कम्म, सेलम है, जो मद्रास में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सेलम डाकुमेंट सं० 2753/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1982।

को पूर्वों कत संपत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितियों के बीच प्रति विश्वा गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :——
16—486 GI/82

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिस में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

भूमि भन्नदानपट्टी ऋग्म, सेलम । (डाकुमेंट सं॰ 2753/82) ।

> आर० पी० पिल्लै० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-I, सद्रास

दिनांक: 29-1-1983

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. - -- -आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के वधीन सूचना

#### शारत सरकार

कार्यालय सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज- , मड़ास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1983

निर्देश सं० एफ० नं० 55/जून/82—-ग्रत: मुझे ग्रार० पी० पिल्लै

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रन्नदानपट्टी, कम्म, सेलम है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सेलम डाकुमेंट सं० 2768/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून, 1982

को पूर्वीक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निता:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामनिगम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० वीरमनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि ग्रन्दानपट्टी कम्म, सेलम । डाकुमेंट सं० 2768/82

न्नार० पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास,

दिनांक: 29-1-1983

प्रस्प आईं. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) प्रजीन रेज 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1983

निदेश सं ० 120/जून/82-यतः मुझे, ग्रार० पी । पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके परचाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० 249/6, का गिद पट्ट रैं, मिटसेनटर रोड, वेलूर है, रुजो वेलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्च: में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेलूर डाकूमें ट सं० 2291/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, (1908 (1908 का 16) के अधीन जून; 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त मध्यति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रतु प्रतिशत अधिक है भ्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए तय पाया गया त्रतिकत, निम्ननिखित **उद्देश्य से उक्त अन्तरण**ितिष्वत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त अधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व कें क्रमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात् :— (1) श्रीमती शारदामबाल

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रानी भ्रम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करा। हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण: — इसमें प्रयुक्त शक्दों ग्रीर. पदों का, को उक्त अधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिकालित हैं, वहीं ग्रथं होगा जो उस श्रष्टवाय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

निर्माण सं० 249/6, काणिदपट्ट रेंज, मिटसेनटर रोड $\iota$ वेलूर, डाकूमेंट सं० 2291/82

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज I, मद्रास

तारीखं : 29-1-83

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरौक्षण) श्रजन रैंज, 1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1983

निदेश सं० 12.1/जून/82—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्ले प्रायकर शिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- ६० से प्राधक है

श्रीर जिसकी सं० 249/7, कागिद पट्टरें, मिडसेनटर रोड, बेलूर हैं, जो वेलूर डाक्सेंट सं० 2292/82 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीवर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय वेलूर में रजिस्ट्रीवरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है प्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है बोर प्रन्तरक (भन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में क्षित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, डक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती शरवामबास

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रानी भ्रम्माल

(अन्तरिती)

को यह सुवता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रवंत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाण्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रवीहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्रब्दी तरम :---इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रवि-नियम के श्रव्याय 20-क में परिमाणित हैं, वड़ी धर्य होगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

# अनसर्ची

निर्माण सं० 249/7, कागिदपट्टरै, मिडसेनटर रोड, वेलूर डाक्मेंट सं० 2292/82

> श्चार० पी० पिल्ले सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज 1, मद्रास

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-य के बनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अथीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 29-1-83

प्रकम बाह्री, टी. एन. एस. ------

नायकर् निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1983 निदेश सं० 122/जून/82---यतः मुझे, ग्रार०पी० पिस्सै

**शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमे** इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 / रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 249/8, का गिदपट्टरें, मिडसेनटर रोड, वेलूर है, जो वेलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय वेलूर, डाक्मेंट सं० 2293/82 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1988 का 16) के प्रधीन जून, 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित् बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्बत में शस्तिब्क रूपु से कथित नहीं किया गया है..--

- (क) अन्तरण से **हुइ** किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, <u>भन्-भट वृधिरियम् , 1957 (1957 का 27)</u> के प्रमोचनार्ग वन्तरिती बुवासा प्रकट नहीं किया नवाभावाकिका प्रांता पाहिए वा, क्रियाने में स्विधाके निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती शरदामबाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सी० रनगनाथन

(श्रन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए पर सकेंगे।

स्पव्धीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ओर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

# अनुसूची

निर्माण सं० 249/8 कागिदपट्टरै, मिटसेनटर रोड, बेलूर (डाक्मेंट सं० 2293/82)

> भार० पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज 1, मद्रास

तारीख: 29-1-83

# प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सृपना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 29 जनवरी 1983

निवेश सं० 123/जून/82—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा संअधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 249/90, कर्गिदपट्टरें, मिटसेनटर रोष्ठ, वेलूर है, जो वेलूर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय वेलूर, डाकुमट सं० 2294/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीन जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती शरदामबाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रनगनाथ पिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी इस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि गा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

निर्माण सं० 249/9म, कामिद्यस्टर, मिटसेनटर रोड, वेलूर (डाक्मट सं० 2294/82)

> श्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज 1, मद्रास

ता**रीख**: 29--1--83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 जनवरी, 1983

निदेश सं० 124/जून/82-यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 249/9बी, कागितपट्टरें, मिटसेनटर रोड, है, जो वेलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय वेलूर डाकूमेंट सं० 2295/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्यक्तिया गया है :—

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की नावत, उपस्त अधिनियस के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सविधा के लिए;

आतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शरतामबाल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रनगनाथ पिल्लै

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवंत व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गका है।

#### अमुस्ची

निर्माण सं० 249/9बी, कागितपट्टरै, मिटसेनटर रोड, वेलूर डाक्मेंट सं० 2295/82)

ग्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख: 29~1-83

मोहर ः

प्ररूप आई. टी. एव. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1983

निदेश सं० 36/जून/82--यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 3, पुलिस किम शनसे प्रावास रोड एगमोर है, जो एगमोर में स्थित है (धौर इससे उपाबड़ अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती प्रधिकारी के कार्यालय पेरियमेट डाकू-मेंट सं० 875/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण घिषिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, एसे इस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती जोती वेनगटा जलम

(प्रन्तरक)

(2) श्री नागरत्तिनम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

भूमि भौर निर्माण सं० 3, पुलिस कमिधनर रोड, एगमोर, मद्रास-8 (डाक्मेंट सं० 875/82)

ग्रार० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 2-2-83

महितः :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मब्रास, दिनांफ 2 फरवरी 1983

निदेश सं० 71/जून/82—यतः, मुझे आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 764/4, कुटरालम क्रम्म, तेनकासी में स्थित हैं (और इससे उपाबद में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं ) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय तेनकासी डाकुमेंट सं० 1022/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1982

को पूर्वेक्सि संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नति**खित व्यक्तियों, अर्था**त् ः—— 17---486 GI/82 (1) श्रीपी० पालराजन

(अन्तरक)

(2) श्रीपी० पिरेमा

(अन्तरितीः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>1</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **श्र**नुसूची

भूमि और निर्माण सं० 765/4, कुट्टरालम कम्म, तेन-तेनकासी, डाइकुमेंट सं० 1022/82

> आर० पी० पिल्ली सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख~: 2-2-1983

मोहर ः

# प्रकष् बार्च , दी , एत् , एक . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के मुधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यांलय, सष्टायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मब्रास, दिनांक 2 फरवरी 1983

निदेश सं० 131/जून/82—यतः, मुझे आर० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाबार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 73, मूत्त्मारी चेट्टी स्ट्रीट मद्रास-1 है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (नारत) डाकुमेंट सं० 2028/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की यह है और मृश्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कल, निम्नसिक्ति उद्वेद्देय से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आव या किसी धन वा अन्य आस्तिवाँ करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए; और/या

(1) श्रीमती सैनाबू बीदा

(अन्तरक)

(2) श्री एस० एम० अहमद साहिब

(अन्तरिती)

च्ये यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्मृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् संस्पृतित को वर्जन् को ग्रास्नुत्थ में कोड् भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिप के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्मध्योकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण सं० 73, मुथुमारी स्ट्रीट, मद्रास । डाकुमेंट सं० 2028/82

> आर० पी० पिल्लें सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I मद्वास

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह——

तारीख: 2-2-83

प्ररूप आह्रां टी ्रा पुरु पुरु ,-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 फरवरी 1983

निदेश सं० 31/जून/82-अतः, मृझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 48, मिनट स्ट्रीट, मद्रास 1 है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय छैगारपेट डाकुमेंट सं० 290/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, जक्त, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य में अभी अर्ने या उससे बचने में सूजिधा के सिष्ट; और/शा
- (ब्) ऐसी किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भन्कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिये था खिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, नैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीतः—— (1) श्री धर्मजीत जिज्ञासु

(अन्सरक)

(2) श्रीमती चंपाबाई

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त, संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन संबंध में कोई भी वाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में विया गया ही।

#### न्त्र्यो

निर्माण सं० 98, मिनट स्ट्रीट, मद्रास-1 डाकुमेंट सं० 290/2

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मब्रास

तारीख: 2-2-83

# प्रस्प भाद⁴, दी. एत्. एस.—

कायकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, विनांक 31 जनवरी 1983

निदेश सं० 12136—यतः मुझे आर० पी० पिल्लैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 25,000 ∕ - रा. से अधिक हैं° और जिसकी सं. टी.एस. सं. 26 ही, जो पोल्लाची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोलाच्ची (डाकुमेंट सं० 1509/82) (आयटम 234) (सीरियल सं० 8-27) में भारतीय रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन जून, 82 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का यन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, शिम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उभरा अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के निए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात्:---

(1) श्री जे॰ प्रसन्न

(अन्तरक)

- (2) श्रीमती पुष्पलता और 19 अवरस
- (1) एस० पुष्पलता
   150, डाक्टर राजेन्द्रप्रसाद रोड, कोयम्बंट्र
  - (2) एस० वेनकटसुब्रमनियम 23, रामलिनगम स्ट्रीट, महालिंगपुरम, पोल्लाची

- (3) रा० कृष्नास्थामी सन आफ अलगाय घींडर, सुलेस्वरनपट्टी, पोल्लाची
- (4) राम पारवती वाईफ आफ पी० मारिमुत् सुलेस्वरनपट्टी, पोल्लाच्ची
- (5) रा० शयामला, डाक्टर आफ अलगापन, कमबर स्ट्रीट, महालिनगपुरम, पोल्लाच्ची
- (6) के० राजेसवरन ए० 57, विवेकानन्दर स्ट्रीट, महालिंगपुरम, पोल्लाची
- (7) बी० के० कृष्णत वानरायर समतूर, पोल्लाची
- (8) रा० शतमुहसुनदरम 8, कामराज रोड, कोयम्बट्टर
- (9) एस० कृष्नस्यामी ए० 45, नेरू रोड, भालिंगपुरम पोल्लाच्ची
- (10) पी० के० रामस्वामी
  21, कामराज रोड, महालिंगपुरम
  पोल्लाच्ची
- (11) कें विजयकुमार सन आफ कोमारस्वामी सिनगनस्लूर, पोल्लाच्ची
- (12) एन० मरणठम ए० 1, कन्नकी स्ट्रीट, भहालिंगमपुरम पोल्लाच्ची
- (13) आर० नारायनस्वामी ए० 11, कन्नकी स्ट्रीट, महालिगपुरम पोल्लाच्ची
- (14) पोच्चियम्माल 21, कामराज रोड, महालिंगपुरम, पोल्लाच्ची
- (15) एम० चोक्कॉलगम, सन आफ मुतु घौडर, अनसारी स्ट्रीट, अठुमलपेट
- (16) एस० पेरिनायगी, बाईफ आफ पी० सुन्दर—महालिंगम, ईमामकान स्ट्रीट, पोल्लाच्ची
- (17) एस० वी० पलनिस्वामी सन आफ वेनकटाचल घौडर, सिनगनल्लूर, पोल्लाच्ची
- (18) डी० मुतुकुमारस्वामी 12, वेनकटराजन रोड, महालिंगपुरम पोल्लाच्यी

- (19) एम० कनकवस्ली, 12, वेकटारमन रोड महालिंगपुरम, पोल्लाच्ची
- (20) एन० नमिसव यम, प्रिंसिपल एन० जी० राम, कालेज, पोल्लाच्ची

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ह<sup>6</sup>।

#### अम्स्ची

भूमि—टी॰ एस॰ सं॰ 261, पोल्लाच्ची (डाकुमेंट सं॰ 1509/80)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज I, मद्रास

तारीख: 31-1-83

मोहर:

प्ररूप ग्राई० डी• एन• एस०----

म्रायकर प्रविक्तियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मन्नास

मद्रास, दिनांक 27 जनवरी 1983

निवेश सं० 12150—यतः मुझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियमः 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

और जिसकी सं० टी० एस० नं० 8/807, कसुस्वामी रोड, है, जो कोयम्बदूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय कोयम्बदूर (डाकुमेंट सं० 2800/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 82

को पूर्वो क्ल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमुके दश्यमान

प्रतिकल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि युभापृषेक्ति संपृत्ति का उचित् भाजार मृल्य; उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐते दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकृत से प्रविक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ज्या प्रतिकत, निम्नोंचित्त उद्देश्य से उद्देन अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है न

- (क) अन्तरण से हुई किसो अध्य को बाबत उन्त बिधिनियम के धश्रीम कर देने के ब्राम्मणक के दायित्व में कमी करने या खससे बचने में सुविधा के लिए; बीय/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुसिधा के लिए;

नतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नितिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :----

(1) श्री एम० रामस्वामी

(अन्तरक)

(2) श्री बिकुलाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के 'लए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपा में प्रकानन की सारीख से
  45 दिन की अवधि मा सल्लम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की धविष, जो भी
  श्रविष बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीक से
    45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में दितकक्ष
    किसी अण्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोत्तक्वाक्षरी के पास लिखित
    में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### वन्सूची

भूमि और निर्माण—दी॰ एस॰ 8/807, कन्नुस्वामी रोड, कोयम्बट्टर (डाकुमेंट स॰ 2800/82)

आर० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 27-1-83

मोहर्

# प्रकप बाई • टी • एत • एत •--

# श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 क (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जनवरी 1983

निदेश सं० 12159-यतः मुझे आर० पी० पिल्लें बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 79, है, जो वेनकट सवर रोड, कोयम्बट्टर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 2529/82) में भारतीय राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उल्ल खिशिनयम के लग्नीन कर देने के बल्तरफ के दायिस्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए खोर/या
- (ख) ऐसी किसी आयया किसी घन या घ्रम्य भारितयों को, जिन्हें भारतीय धायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घनकर श्रिधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या ख्रियाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री एस० कोनम्माल

(अन्तरक)

(2) श्रीपी० मुलुस्वामी और अदर्स

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेंगे।

स्पतीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जा उकत ग्रविनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि और निर्माण—79, बनकटेस्वामी रोड, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2529/82)

आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

जत: अब, उक्त जीधीनवन की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीम, निम्नीसीबत व्यक्तियों, अधित :----

तारीख: 27-1-83

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1983

निदेश सं० 9871—अतः मुझे आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक हैं

और जिसकी सं० 73 सी० हैं, जो सालै रोड, चिनधामना तिची में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय बौ रैचूर (डाकुमेंट सं० 14 27/82)में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूत्रिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री रुकमनी अम्माल

(अन्तरक)

(2) श्री सदरन मरकनटैन सेलस कारपोरेणन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्धों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ममूस्ची

भूमि और निर्माण—73 सी०, सालै रोड, चिनथामनी, त्रिची (डाकुमेंटसं० 1427/82)

> आर० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 31-1-83

त्रकप नाइं. टी. एन. एस. - - - ----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1983

निदेश सं० 9844—यतः, मुझे आर० पी० पिहलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित आजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० 10, वेनकटेसवर नगर है, जो कुड्डालोर में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुड्डालोर (डाकुमेंट सं० 803/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, अधीन जन, 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एंसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ज) एसी किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणः भं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री वी० एन० श्रवनाचलम श्रीर श्रदर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जी० सिवप्रकाशन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायः;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया मया है।

# वम्स्ची

भूमि श्रौर निर्माण—10, वेनकटेसवर नगर, तिरुप्पा-पुलियुर कुड्डालोर (डाकुमेंट सं० 803/82)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-II, मद्रास

तारीख: 31--1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेज -II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1983

निदेश सं० 17385—यतः मुझे, श्रार० पी० पिरुलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 86, है, जो डाक्टर राधाकृष्णन् रोड, मद्रास-4

ग्रीर जिसकी सं० 86, है, जो डाक्टर राधाकृष्णन् रोड, मद्रास-4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मैं लापुर (डाकुमेट मं० 1076/82) में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून, 82

को पूर्वोक्स संपितत के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मुक्ते यह निक्रास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रितिफल से एसे ध्रयमान प्रितिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आप की बाबत उनत अधि-नियम के अधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
  - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में ,में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--18—486 G1/82

(1) श्रीवी० पच्चै

(मन्तरक)

(2) श्री रजनिकान्त जे० तुराखिया श्रीर श्रदर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भूमि और निर्माण---36, खाक्टर राधाकृष्णन रोड, मद्रास 4 (डाकुमटस्० 1076/82) ।

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

नारी**ख**ः 19-1—83

प्ररूप आई. टी. एन्. एसं.,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निर्काक्षण)

ध्रजंन रेंज-॥, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी 1983

निदेश सं० 17305—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 85 एल, है, जो एडवर्ड एलीझौट्स रोड, महास-4 में स्थित है (भौर इससे उपाबद में भौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाकुमेंट सं० 1241/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 82

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सूविधा के सिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना घाडिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-श् की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिवित व्यक्तियों, अधीन है— (1) श्रीमित पदमासानी श्रम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) रजनिकान्त जे० तुराखिया झौर श्रवर्स

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बच्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय, अधोहस्ताक्षरी के पास सिन्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उमत अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

भूमि—85 एल, एखवर्ड एलीग्रोट्स रोड, मद्रास-4 (डाकुमेंट सं० 1241/82)

> ग्रार० पी० पिल्सें सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रोज-II, मद्रास

तारी**ख**ः 19—1**--83** 

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अभीन सुचना

#### भारत स्रकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, विनांक 19 जनवरी 1983

निदेश सं० 17390----यतः, मुझे, झार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 6, है, जो वेनकटरितनम रोड, पितापुरम नगर, मद्रास-4 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैलापुर (डाकुमेंट सं० 1062/82) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने वा उड़से बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अभ या किसी भन या न्कान्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर अभिनियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था का किया जाना जाहिए था स्थिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६-- (1) श्री जें कमालम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ए० बाशा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रशासन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजधन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिश में किए जा सकेंबे।

स्वष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दों का, जो सकत श्रिका नियम के श्रद्धयाय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा जो उस अझ्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि भीर निर्माण---6, वेनकटरितनम रोड, पितापुरम नगर, मद्रास-4 (डाकुमेंट सं० 1062/82)

> ग्रार० पी० पिहलै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-∏, मद्रास

सारीख: 19-1-83

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(श्रन्तरक)

(2) श्री शोबनाथ

(1) श्री भ्रार० सरस्वती

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

भारा 269-घ (1) के अधीन सचना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-11, भद्रास

मद्रास. दिनांक 19 जनवरी 1983

निदेश सं० 17295--यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है). की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रत. से अधिक ह<sup>3</sup>

श्रीर जिसकी सं० फलैंट सं० 1, है, जो सर्वे 17, श्रहर (असन्त नगर) में स्थित है (भीर इससे उपाबद में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भलयार (डाक्सेंट र्गिस्ट्रीकरण 62/82में श्रधिनियम, (1908 का 16) के प्रधीन जुन, 1982

को पूर्वोक्स संपृत्ति को उचित् बाजार मूल्य से कम को प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है ए--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धार्य 269-व की उपधारा (1) क मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति प्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

प्लौट सं० 1, सर्वे सं० 17, भ्रहर बसन्त नगर, मद्रास (डाक्मेंट सं० 62/82)

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-II, मद्रास

तारीख : 19-1-83

प्ररूप आर्दः टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1983

निवेश सं० 17369--यतः, मुझे, फ्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट सं० 263, है, जो इन्द्रिा नगर में स्थित

है (भीर इससे उपाबद्ध में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टी-कर्ता ग्रधि हारी के कार्यालय मद्रास साऊथ (डाकुमेट सं० 1999/ 82) में भारतीय रिजस्द्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून, 82

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेशों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्री टी० एन० रामन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एस० सारमा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद भे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्ह्याः

भूमि--सर्वे सं० 51, प्लाट सं० 263 इन्द्रा नगर, मद्रास (डाकुमेंट सं० 1999/82)

> भ्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-II, मद्रास

नारीख: 25-1-83

# प्रकृत नार्ह् । टी ्र पुरु । पुरु , -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक शायक र शायुक्त (निर्दीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, विनांक 25 जनवरी 1983

निदेश सं 12143--यतः मुझे, ग्रार पी० पिहलै, भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त भश्चितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख ग्रधीन सजम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण **है** कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रत. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 26/3ए 26/1ए, 32/3, है, जो केंद्रटी, निलगिरीस में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय कूनूर (डाकुमेंट सं० 617-621/82) में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, जून, 82 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल सं, एसं दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदुदोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ं.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बुचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एंसी किमी बाय या जिसी घर या जन्य आस्तिनों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तुरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जोगी गौडर श्रौर श्रदर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरस्वती भौर श्रवसं

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप:--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्स में हितबङ्ग किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं मुर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

# **ग्रनुसूची**

भूमि सर्वे 26/3ए, 26/1ए, 32/3, केट्टी कूनूर (डाकु-मेंट सं० 617—621/82)

> भ्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-II, मद्रास

तारी**ख**: 25-1-83

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्षण) श्रर्जनरेंजु II, मद्रास

मद्रास, विनांक 25 जनवरी, 1983

निदेश सं० 12144---यतः मुझे, ग्रार०पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उंक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 4686/1 है, जो ऊट्टी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ऊट्टी (धाकुमेंट सं० 420/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, जून 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिश्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिय में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) दकशिनाम्रती

(म्रन्तरक)

(2) श्री नंजुनठयया

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भनुसुची

भूमि— प्रवें सं० 4686/1, ऊट्टी (डाक्मेंट सं० 420/82)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज II, मब्रास

तारीख: 25-1-83

प्ररूप बाहै, टी. एन. एस.------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी, 1983

निदेश सं० 12144---यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं अर्वे सं अ 465/102, 4686/2 है, जो ऊट्टी में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कट्टी (डाक्भेट सं० 418, 421/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 1908 का 16) के प्राधीन जून, 82

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उदद रेय से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/बा
- (का) एसी किसी अध्य या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वयः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-षु की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) दहशिनाम्रती

(अन्तरक)

(2) श्री कष्पिनी भौर राजन

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बयुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में वियागया है।

#### जनसङ्ख्य

भ्मि सर्वे सं० 4685/1ए2, 4686/1, ऊट्टी (डाक्मेंट सं० 418, 421/82)

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 25-1-83

प्ररूप आर्घः टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जनरोज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी 1983

निवेश सं० 12144—यतः मुझे, आर० पी० पिरुलें आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे 4685/1ए2, 46, 86/1 है, जो ऊट्टी (डाक् मेंट सं० 419/82, 432/82) में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अट्टी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) घीर घन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिति उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत सकत श्रिष्ठिनियम के प्रश्लीत कर देने के अन्तरक के लादित्व में कमी करने या समसे बचने में सुविधा के लिए; अरेर/एए
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए।

धतः धवः उक्तं अधिनियमं को धारा 269-य के धन्तरण को प्रे, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घ की उपवारा (1) के गधीन, निम्तिनिखतं व्यक्तियों, श्रयति 19-486 GL/82

(1) श्री दक शिना मूरती

(अन्तरक)

(2) श्री चिन्नप्पन रायाताल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना **वारी करने पूर्वीक्त सुंपरित के अर्जन** के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति प्रां
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितनद्ध किसी अन्य विक्तयों द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धश्रमची

भूमि सर्वे सं० 4685/1 ए० 2, 4686/1, ऊट्टी (डाकू-भेंट सं० 419, 422/82)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रजन रेंज-॥, मदास

तारी**ज**: 25~1~83

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 25 जनवरी 1983

निदेश सं ० 12147---यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 / - रह. से अधिक हैं **ग्रौ**र जिसकी सं० 22/667, 668, है जो बिग बाजार स्ट्रीट, कोयम्बट्र में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्ट (डाकुमेंट सं० 2742, 2743/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के म्रधीन जून 82 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती

(अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुक्ती बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा की लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री सी० श्रार० रामलिंगम चेट्टियार

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शनमुहसुनदरम कलामनी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसुधी

भूमि श्रौर निर्माण—22/667, 668, बिग बाजार स्ट्रीट कोयम्बटूर (शक्सेंट सं० 2742, 2743/82)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखा : 25-1-83

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जनवरी 1983

निदेश मं० 12166—यतः मुझे, श्रार० मी० पिल्लै क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है शौर जिसकी मं० सर्वे मं० 47/1, 49, है, जो चिन्नामपालयम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारों के कार्यालय पोल्लाच्ची (डाकूमेंट सं० 1684/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे एश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसो आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा धा या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुंजिधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री कन्नम्माल

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुसीला बालमीनाकशी

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**भ्रनुस्**षी

भूमि सर्वे तं० 49, 47/1, चिन्नामगालयम (**डाकुमेंट सं०** 1684/82)

> ग्रार्वार पिल्लं सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-11; मद्रास

तारीख: 28-1-83

प्ररूप आई.टी.एन्.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

्कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जनवरी 1983

निदेश सं० 12166—यतः मुझे ग्रार०पी० पिल्लैं आयकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 47/1 है, जो चिन्नमपालयम (डाक् मेंट सं० 1685/82) में स्थित है (और इसने उपाबद्ध प्रतुसूचीमें प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पोल्लाच्ची में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन जून 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उषित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत∴ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री कल्लम्माल

(धन्तरक)

(2) श्री मनगयरकरसी प्रभावती

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबष्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त घब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भिम सर्वे मं ० 47/1, चिन्नामपालयम (डाक्ट्र्मेंट सं ० 1685/82)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

ना**रीख:** 28−1<del>-</del>83

प्ररूप बाई .टी .एन . एस .-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी, 1983

निदेशसं० 17296--यतः मुझे, ग्रार०पी० पिल्लै

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रा. से अधिक है

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल के एँसे द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री हेनडिमन ईन्डस्ट्रीज (प्रा) लिमिटेड
- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री एम० स्रार० प्रमकुमार

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवांक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप;--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## ग्रनुसूची

भूमि सर्वे सं० 22/2, 14/2, प्लाट-6, कोट्टूर (डाकुमेंट सं० 46/82)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 19-1-83

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन समना

## भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 19 जनवरी, 1983

निदेश सं० 17296—यतः मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 22/2, 14/2, है, जो ग्रडयार में स्थित हैं(ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से विणितहै), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय ग्रडयार (डाक्सेंट सं० 45/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908

का 16) के प्रधान, जून 1982
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती
(अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफन, निम्नु जिल्ल उद्देश्य से उक्त बन्बरण निश्वत में वास्त्विक
कप से कथित नहीं किया गया है ध---

- (क) बन्तर्य से हुन्द किसी बाय की बाबत् । उक्क्य वीधनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दादित्व में कभी करने या उबसे बचने में सुविधा के लिए; ब्रॉड/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय अधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त क्धिनियम, या धनकर वृधिनियम, या धनकर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्भ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुप्रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नुलिखित व्वक्तियों, अधित :--

- (1) श्री हेनडिमन ईन्डस्ट्रीज (प्रा०) लिमिटेड
  - (ग्रन्तरक)
- ् (2) श्री ग्रादिसेशम्मा

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीक रणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

37

भूमि – सर्वे 22/2, 14/2, (डाकुमेंट सं० 45/82)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 19-1-83

प्रारूप बार्ड .टी .एन .एस .-----

**भायकर अ**धिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 25 जनवरी, 1983

निदेश सं० 17380-यतः मुझे ग्रार० पी ० पिल्लै

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० 31, है, जो लायडस रोड, मद्रास 14 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मैलापूर (डाकुरेंट सं० 1113/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 82

की प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस, या अन-कर अभिनियस, या अन-कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सृविधा के निए।

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के व्यक्तिन, निम्निन्यित व्यक्तियों, वर्षाद् (1) श्री सनतिया हरिनात ग्रनमेल, ग्रम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रलटाफ ग्रहमद

(ग्रन्तरिती)

नते यह सूचना बारी करके पूर्वीं कत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण—315, लायडस रोड, मङ्गास—14 (डाकू-मेंट सं० 1113/82)

> श्रारं० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख्र : 25-1-83

प्ररूप काई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीवी० रामय्यर

(भ्रन्तरक)

भाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) भारा 269-च (1) के सुधीन सूचना (2) श्रीवी० ग्रनुसुया

(ग्रन्सरिती)

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जनवरी, 1983

निदेश सं० 9835--यतः मुझे, आर० पी० पिल्लै

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

25,000/- रु. स भाषक ह श्रीर जिसकी सं०टी ० एस० 538, 539, है, जो पट्टमनगलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मयिलाठुतुरै (डाक् मेंट सं० 552/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से दक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

कार्यवाहियां गुरू करुता हूं।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के पुल्य

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुया है।

### अनुसूची:

भूमि—टी० एस० 538, 539, पट्टमनगलम (डाकू-मेंट सं० 552/82)

> श्रार० पी'० पिरूलै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (मिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मन्नाम

साराख: 27-1-83

मोद्रर :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नुलिख्त व्युक्तियों, स्थात :--- प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज- , मद्रास

मद्राप्त, दिनांक 27 जनवरी, 1983

निदेश सं० 17417—यत: मुझे, ग्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं ग्रौर जिसकी सं० 22, 22ए, है, जो मेक डोनाल इरोड, ट्रिची में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय मद्राभ (डाकुमेंट सं० 2098/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1982 को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इत्यमान प्रविक्रत के निया अवस्थित की सर्वों के नौर सक्षेत्र स्थान

की पूनाक्त सम्पादत के उच्चत बाजार मूल्य से कम के ब्रह्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिस व्यक्तियों, अर्थीत्:—— 20—486 G1/82

(1) श्री परवतवरदिनी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीं तमिलमनी

(भ्रन्तरिर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित विद्या किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण 22, 22ए मेकडोनालंड रोड, द्रिची (डाक्सेंट सं० 2098/82)

> ग्रार०र्पा० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 27-1-83

प्रस्प आर्घ. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज II, मद्राप

मद्राप्त, दिनांक 27 जनवरी 1983

निदेश लं० 17373—यतः, मृझे प्रार० पी० पिल्लै बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के लधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 6, है, जो रनजित रोड, ग्रडयार मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से बिजत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मद्रास सौत, (डाकु-मेंट सं० 2244/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कित निम्नितिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविभा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय पा किसी भन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) हो इसीन, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री विजया

(भन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मी विजयकुमार

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के वर्णन के सम्बन्ध म" कोई भी आक्षपं∴---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्थाय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियाँ को से किसी व्यक्ति दुव राः
- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींक सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्सि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सुकोंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उनक श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

# वनुसूची

भूमि—टा०एस० सं० 6, रनजित रोड, ग्र**ड**यार,मद्रास (डाकुर्मेट सं० 2244/82)

> ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 27-1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जनवरी, 1983

निदेश सं० 12141—यतः, मुझे ग्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000.

भौर जिसकी सं०टा० एस० 25/1, 25/2, है, जो इरोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), से रिजस्ट्रीकर्ता श्रिषकारी के कार्यालय इरोड (डाकुमेंट सं०2075/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठोन जून, 1982

को पूर्वोक्स संपर्तित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उथत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया ही:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्सर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए; और/
- (का) एसी किसी आयं या किसी धन अन्य आस्सियों को जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्सरण में, में गक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नसिसित व्यक्तिसर्यों, अर्थात् :— (1) श्री बो॰ रामस्वामी

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० एल० मुक्तोसन श्रौर श्रदर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्स संपर्टित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावा संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हुँ।

# अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 25/1, 25/2, ईरोड (डाकुमेंट सं० 2075/82)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

तारीच : 27-1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**बायकर अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्राप्त

मद्रास, दिनांक 27 जनवरी, 1983

निदेश सं० 12141—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है श्रीर जिसकी सं० टी० एस० मं० 25/1, 25/2, है, जो इरोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिषकारों के कार्यालय, ईरोड़ (डाकुमेंट सं० 2068-2071/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी क्ष्म या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) बीं े सेलवराज

(ग्रन्तरक)

(2) वी० घोविठराजु

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# जन्त्रजी

भूमि—टी० एस० 25/1, 25/2 ईरोड, (डाकुमेंट सं० 2078—2011/82)।

ग्नार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास ।

तारीख: 27-1-83

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आथकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज II, मद्रास मद्रास, दिनांक 27 जनवरी, 1983

तिदेश सं० 12165--प्रतः मुझे, आर०पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रा. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 1ए (2) 1 ए० (3) पी० एन० रोड है, जो तोदिटवालयम तिरुच्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारं। के कार्यालय विरुजुर (डाहुर्नेट नं ० 1203/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून 82 को पूर्विक्त सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए प्रय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :---

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित स्पक्तियों, अर्थात् :--- (1) एस० पोन्नुस्वामी घाँडर

(भ्रन्तरक)

(2) एस० देयवसिगामनी और श्रवरस

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंजीन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उसे अध्याय में दिया गया है।

# नन्त्र्या

भूमि श्रौर निर्माण—1ए (2) 1ए(3) पी० एन० रोड, तोट्टिपालयम, तिरुक्र (डाकुमेंट सं० 1203/82) ।

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)' ग्रर्जन रेंज II, मद्रासः

तारीख: 27-1-83

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-

आयुकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजैन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जनवरी 1983

निदेश सं० 17423—यतः मुझे ग्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 35, है, जो कालेज रोड मद्रास 34 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ (डाकुमेंट सं० 1912/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तथ पाय गया ग्रीन फल निम्नितिख्त स्दृश्य से उक्त अन्तर्भ निनुष्ति में वास्तिक क्ष रे का थत नहीं किया गया है:—

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की नावत, उक्त जिमिनयम के जभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्यने में सुविधा के सिए; बीह्र/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— (1) श्रीमती लीला नसवियार

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रम्मात नसीरा वजीट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप है-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो. के भीवर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# बनस्ची

भूमि और निर्माण-35, कालेज रोड मद्रास-34 (डाकुमेंट सं० 1912/82)

मार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 28-1-83

प्रकप वाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज II, मद्रास

मब्रास, दिनांक 25 जनवरी, 1983

निदेश सं० 12146 - यतः मुझे, श्रार०पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अभिक **है** 

श्रीर जिसकी सं० सैट सं० 23 है, जो को-ग्रापरेटिव बी० कालोनी सनगनूर कोयम्बट्र में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय घादिपुरम (डाकुमेंट सं० 2361/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ध्रधीन जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्वास करने का कारण है कि वथापूर्वों क्स संपरित का उचित बाबार मृत्य, उसके द्रव्यमान प्रतिफाल से, एते इत्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नवा प्रति-कल निम्नलिकित उवद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न**हीं किया ग्याह**ैंट--

- (क) अन्तर्म से इर्ह किसी भाग्की गायत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्यरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: भरि/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, बनुसरण में, में, उबत अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :---

(1) श्री ग्रार० श्रीनिवासन

(मन्तरक)

(2) श्रीपी०पी० प्रक्षिकृष्ण

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्ल सम्परित को अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

# उनक सम्पृतित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप्ड--

- (क) इब यूचना के द्राचपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 विन की अविधियातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चनाकी तामिस से 30 दिन की बविध, यो भी व्यविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिन्धित में किए जा सकोंगे।

स्युध्यक्तिरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो <del>उक्त</del> अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## नन्स्ची

भूमि ग्रौर निर्माण-23, को-ग्रापरेटिय बी० कालनी सनगन्र, कोयम्बट्र (डाकुमेंट सं० 2361/82)

> म्रार०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 25-1-83

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सृचना

#### भारत परकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 जनवरी, 1983

निवेश सं० 17367---यतः, मुझे भ्रार०पी० पिल्लै

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 41, है, जो पिल्लिपट्टु में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीकारी के कार्यालय मद्रास सौत (डाकुमेंट सं० 1947/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून, 1982

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) मृत्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः वतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अबुब्रहण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अधीत्:---

(1) श्री श्रार० जयरामन ग्रार० जगन्ननतन, श्रार० राक्षामसरम

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० एस० मेक दाबूठ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन् के चिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के गर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकती।

स्वाकारण:--इसमें प्रयुक्त पत्रों और पदों का, जो उक्त क्षिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा वक्षा हैं॥

## अमुसुची

भूमि-सर्वे सं॰ 41 पल्लिपट् (डाकुमेंट सं॰ 1947/82)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II मद्रास

तारीख: 28-1-83

मोहरः

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

आत्रकर प्रतितियम, 1961 (1961 का 43)की धारा 269व(1) के धडीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1983

निदेश सं० 9872—यतः मुझे ग्रार० पी० पिल्लें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चान् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से आधिक है ग्रीर जिसकी सं० बी० 12 है जो पिल्लें नगर नारत ईस्ट ट्रिची में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय वीरेयर (डाकुमेंट सं० 1426/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के ब्धीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; जीद/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिश्वी द्वारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 21-486 GI/82

(1) श्री श्रार० बालसुनदरम श्री श्रार० बासकरन

(ग्रन्तरक)

(2) श्री भ्रार० जोतिमलर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना गरो करके १वीं श्त ममाति के प्रजैन क जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन का प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दितबद्ध किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा श्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकरेंगे!

स्वादीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिवितयम के ग्रेड्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रंथे होगा जो उस ग्रह्याय में दिया गया है।

### अन्सूची

भूमि और निर्माण--ब्री० 12 तिल्लैनगर ट्रिची (डाकु-मेंट सं० 1426/82)

> ग्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II- मद्रास

तारीख: 31-1-83

प्ररूप बाहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के बंधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) क्रर्जन रेंज-11, मद्राम

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1983

निदेश सं० 9845—यतः मुझे श्रार० गी० पिल्लै शायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० श्रविशेकपुरम हैं जो द्रिची में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय द्रिची (डाकुमेंट सं० 3094/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन जून 1982

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया फल, निम्नसिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:-- (1) श्री पुरुशोसम भारतमुहम चेट्टियार भाषिमुबु चेट्टियार

(ग्रन्सरक)

(2) श्री भाशिगुय चेट्टियार कुमारस्वामी चेट्टियार श्री के० सृत्रमनियम्

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजएत्र में प्रकाशन की तारांक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ओं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अमुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण—श्रिबशेकपुरम द्रिची (डाकुमेंट मं॰ 3094/82)

ग्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, मद्रास

तारीख: 31-1-83

प्ररूप भाइ .टी. एन . एस . -----

,

शायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) क्रार्जन रंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी, 1983

निवेश सं० 12152—यतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त् अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकी सं० सर्वे सं० 268, हैं, जो सौरिपालयम कोयमबटूर में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप मे विजित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारों के कार्यालय कोयमबटूर (डाकुमेंट सं० 2614/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, जून 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जाचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उष्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भून या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री टी॰ वेनुगोपाल

(अन्तरक)

(2) श्री एम० के० स्थामी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्जन् के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मित् के अर्थन के संबंध में को इंभी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सस्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध जाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुमा है।

# अनुसूची

भूमि--- सर्वे सं० 268, सौरिपालयम कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2614/82)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षेम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 31-1-83

प्ररूप काई. टी. एन. एस. ------

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के भवीन मूजना

### भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-II, मद्रास

∙मब्रास, दिनांक 31 जनवरी 1983

निदेश सं० 12153—यतः मुझे घार० पी० पिल्लै आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/— इपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 30/170, 171, है, जो सुनदरम स्ट्रीट, कोयम्बटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2590, 2591/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जून 82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित् वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्त्रित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशन श्रधिक है और प्रन्तरक (ग्रम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिवियों) के बीच ऐसे ग्रम्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुबिध। के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर भिधिनियम, 1922 (1923 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उप-धारा (1) के अधीन, निम्मिलिक्त व्यक्तियों, अधीत् :— (1) श्री के० तनगम्मालश्री वी० एस० कानचना

(भ्रन्तरक)

(2) उश्री वी० कासतापन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पनि के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भो श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति दारा;
- (ख) इस यूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रपृक्त मञ्जूषे ग्रीर पर्यो का, ना उक्त प्रिविनियम के प्रश्नाय 20-क में परिभागित है वहीं ग्री दीता, ना उस प्रवस्ता रिवास्या है।

# **मनुसूची**

भूमि श्रौर निर्माण-30/170, 171, सुनदरम स्ट्रीट, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं $\circ$  2590, 2591/82)

श्रार० पी० पिरुलैं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 31-1-83

मोहर 👙

प्ररूप आहर दी. एन. एस.-----

आयक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 जनवरी, 1983

निदेश सं० 9838---यतः, मुझे श्रार० पी० पिल्लै

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5/6 है जो लेनिन स्ट्रीट पुठपालयम, पाठिचेरी में स्थित है (श्रीर इससे, उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय पाठिचेरी में (डाकुमेंट सं० 1416/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेग से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिनिकत व्यक्तियों, मुधीत् ::—

(1) श्री जी० नारायनस्वामी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी० सेलवराज

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण —-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुखी

भूमि श्रोर निर्माण—5/6, लेनिन स्ट्रीट पाडिचेरी (जाकुमेंट सं० 1416/82)

ग्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 27-1-83

# भूक्य बा<u>ष्ट्री, ट्री. एन्. एस</u> . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-ाृ1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी, 1983

निदेश सं० 12154—यतः, मुझे आर० पी० पिल्लै आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से विधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 268, है, जो कोयम्बट्र में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बट्र (डाकुमेंट सं० 2616/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन जून, 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाबार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियां) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वाग्रित्व में क्रमी करने या उससे ब्लाने में सृविधा के सिए; बाँड/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था छिपाने में स्विभा के निए;

जतः अभ उमन् अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उस्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात्:—— (1) श्री बेनुगोपाल

(अन्तरक)

(2) श्री ए० ग्रमयास्थामी

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 268, कोयम्बट्र (डाकुमेंट सं० 2616/82)

श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायंकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीखा: 31-1-83

प्रकृष आई. टरे. एन . एस . ------

आयकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आथकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II, मद्रास

मद्राम, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० 12154—यतः मुझे, श्रार० पी० पिलै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 268, है, जो सौरिपालयम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय कोयम्बट्टर (डाकुमेंट सं० 2615/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत., उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में तृत्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--

1. श्रीमती टी॰ वेनुगोपाल।

(ग्रन्तरक)

2. भीमती टी० सारदाबाय।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुणना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविधिया सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) ६स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अभूसची

भूमि — सर्वे सं० 268, सौरिपालयम, कोयम्बटूर। (डाकुमेंट सं० 2615/82)।

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारी**ख**: 31-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

श्रीमती टी० बेनुगोपाल।

(अन्तरक)

2. श्रीमती टी० सुनदराबाय।

(अन्तरिती)

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज II, मद्रास मद्रास, विनांक 31 जनवरी, 1983

निर्देश सं० 12154—यतः मृझे, ग्रार० पी० पिल्ले आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 268 है, जो सौरिपालयम, कोयम्बेट्रर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोयम्बेट्रर (डाकुमेंट सं० 2612/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; आर्/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के. अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूम<del>ि सर्वे</del> सं० 268, सौरिपालयम कोयम्बेट्र । (डाक्मेंट सं० 2614/82)

> ग्रार०पी० पिल्लै, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 31-1-83

प्रकृष भाई । टी । एन । एस ० ---

ग्रायक र प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के ग्रीमीत सूचना

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-ाा, मद्रास

मद्रास, विनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० 12154—यतः मुझे, श्रार० पी० पिल्लै प्रायक्तर अश्विनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उन्त प्रशिविषय' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन समाप प्राधिकारी की यह जिस्तास करने का कारण है कि स्पातर सम्मत्ति जिसका उचित्र बाजार मूख्य 25,000/- क्वये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 268, सौरिपालयम है, जो कोयम्बेट्रूर में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बेट्रूर (डाकुमेंट सं० 2610/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून

को पूर्वोक्त सम्पित्त के रिणत बाजार मूल्य से कमके दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि. यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत छदेश्य से उन्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण वे दूई किसी श्राप की बाबन, उक्त प्रक्षिन नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी बन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ि——
22—486 GI/82

ा. श्रीमती टी० बेनुगोपाल।

(श्रन्तरक)

श्रीमती कृष्णवल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्वर्ध्वीतरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जी सक्त स्विध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ ोगा, जो उन ग्रध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि<del> - स</del>र्वे सं० 268, सौरिपालयम कोयम्बेटूर। (डाकुमेंट सं० 2610/82)

> श्रार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायक्कर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-∐, मब्रास ।

तारी**ख** 31-1-1983 मोहर: प्ररूप आर्ड्:टी एन एस : ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० 12154---यतः मृझे, आर० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. में अधिक ही श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 268 है, जो सौरिपालयम, कोयम्बेट्र

श्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 268 है, जो सौरिपालयम, कोयम्बेट्ट् में स्थित है (श्रौर इससे उपायद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बेट्ट्र (डाकुभेंट सं० 2609/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उत्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतींग आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्वरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीनः निम्नलिणित व्यक्तियों, अर्थात् .-- 1. श्रीमती टी० वेनुगोपाल ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती टीं० सारदा बाय।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर संपतित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अमुसुधी

भूमि——सर्वे सं० 268, सौरिपालयम, कोयम्बेटूर। (डाकुमेंट सं० 2609/82)।

> श्रार० पी० पिल्लैं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास ।

तारीख्ै: 31-1-1983

प्ररूप आहर्ै, टी., एन., एस्.,------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० 12154—यतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं के सर्वे सं के 268, सौरिपालयम है, जो कोम्यम्बेट्रर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय कोयम्बेट्रर (डाकुमेंट सं के 2613/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किन निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उत्तर अधि-नियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

नृत: नव, उक्त अधिनियम, को भारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निल्बित व्यक्तियों, ब्यात्:--- 1. श्रीमती टी० वेनुगोपाल।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती वी० बालकृष्णन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए िलए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ः---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ठयवित व्यक्ति ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि सर्वे सं० 268, सौरिपालयम, कोयम्बेटूर। (डाकूमेंटसं० 2613/82)

> श्चार० पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-II, मब्रास

तारीख: 31-1-1983

प्रस्त्य आर्धः टी. एन. एस.-----

आयक<u>र</u> अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन रेंज-II, भद्रास

मद्रास, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० 12152—यतः मुझे श्रार० पी० पिल्लै, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है, कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 268, है, जो सौरिपालयम, कोयम्बेटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कोयम्बेटूर (डाकुमेंट सं० 2611/82) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए।

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिकित व्यक्तियां, अर्थात् :--- 1. श्रीमली टी० बेनुगोपाल ।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीरा० मात्तम्माल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितसद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भन्सची

भूमि—सर्वे सं० 268, सौरिपालयम, कोयम्बेटूर। (डाकुमेंट सं० 2611/82)

> श्चार०पी० पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 31-1-1983

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व् (1) के अधीन् सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  ${f श्रर्जन \ ar{f v}} {f s} - {f I}$  , मद्रास

मद्रास , दिनांक 12 जनवरी 1983

निवेश सं० एफ० नं० 108 जून/82—यतः, मुझे, श्रार० पी० पिल्लै,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सुक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/- रहः से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 13, पसट मैं मिन रोड़ सेनाम नगर मद्रास-30 है, जो मद्रास-30 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रक्षा नगर, मद्रास, डाकुमेंट सं० 11/82 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख जून 1982

को पूर्वेक्ति संपति के उचित बाजार मस्य से का के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह दिख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयुक्ती बाबतू, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंत्रिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

सतः अस्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्निसिक्त ज्यक्तियों, अधीत :---

1 श्रीमती मनोनमनी।

(अन्तरक)

2 श्री एम० ग्रार० समी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सुम्पृरितः के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन् के सम्भुन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के बें 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्छ, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्सूची

भूमि श्रीर निर्माण सं० 13, फस्ट मैगीन रोड़ सेनाम नगर मदास-30 (डाक्मेंट सं० 11/82)।

श्रार०पी० पिरुलै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 12-1-1983

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्र आयक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 जनवरी 1983

निर्देश सं० एफ० नं-30/जून/82—यतः मुझे ग्रार० पी० पित्ल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-छ. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी सं० 29, वीरग्रप्पन स्ट्रीट, मद्रास में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय छैगारपट (डाकुमैंट सं०

पी०33/82) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के फ्रधीन, तारीखं जून 1982 को पूर्वोक्त मंपित का उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके ध्रथमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वात अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उबस अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, भें, उपस अधिनियम की भाग 269-ग की उपधाग (1) के अधीन निम्नतिष्ठित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1 श्रीमती मनीबाई।

(भ्रन्तरक)

2 श्री किरन कुमार।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ्--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अयिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्दिकिरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उपस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

भूमि स्रौर निर्माण, 29 वीरस्राप्पन स्ट्रीट मद्रास (डाकुमैंट सं० पी०33/82)।

> म्रार०पी०पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास

नारी**ख**: 12-1-1983

प्रकप् बार्ड. टर्ड. युग्, युग्,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहाय्क आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज , मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 जनवरी, 1983

निर्देश सं० 100/जून/82—यतः मुझे ग्रार० जी० पिल्लै नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 39, तमबु चेटी सैठ, जारज ताबुन है जो मद्रास 105 सं 2426, श्राप्त एसं सं 3338/5, सी सिं सं 2204 मुल्तीयल पेट मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्री- कर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास (नार्थ) (डाकुमैंट सं 205/82 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलीखत उच्चेश्य से उच्त अन्तरण लिखिस में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया कमा है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यते में सुविधा के लिये; जीए/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, या धन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1 श्री सनम्गम।

(भ्रन्तरक)

2 श्री জূ০ ইাত জুংলো।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्थन के लिए कार्यवाहिक करता हो।

चक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में को**इ** भी बाक्षेप हु--

- (क) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पृषीकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

# अनुस्ची

भूमि और निर्माण, 39, तमबु चेट्टी स्ट्रीट, जारज टाउन, मद्रास-1, श्रो० एम० मं० 2426, श्रार० एस० सं० 3338/5, मी० सी० मं० 2224 मुक्तीलवेट मद्रास (डाकुमेंट सं० 205/ 82)।

> श्रार०पी०पिल्लै सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज ,मद्राम

तारीख: 11-1-1983

सोहर:

प्ररूप शाहा, ती. एन . एस . ------

🛨 श्रीमती ऐरावती।

(श्रन्तरक)

2 श्री वी० पी० मोयतीन.।

(अन्तरिती)

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

एरणाकुलम, दिनांक 5 जनवरी 1983

निर्देश सं० एल० सी० 603/82-83—यतः मुझे वी० स्रार० नायर

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या ह'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृष्य 25,000/-रा. से अधिक है

ग्रार जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो वाड़ीक्काकम में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तल्लीचेरी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, (1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4 जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिख्त उद्वर्ष से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक भूष से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जनतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण को दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के मिए; बाँद/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य ब्रास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर ब्राभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए:

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वों अत् सम्मित् के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### जनसूची

47 cents of land with a residential home in Survey No. 19/7A and T.S. No. 127 of Vadikkakam, Tellichery.

वी० ग्रार० नायर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, एरणाक्लम।

लतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

नारीखा: 5-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, एणीकुलम

एणांकुलम, दिनांक 5 जनवरी 1983 निर्वेण सं० एल० सी० 601/82-83—यतः मुझे वी० श्रार० नायर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है. जो कोजीकोड़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय कोजीकोड़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 4 जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की आशत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, गिम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :---23-486GI/82 1 श्री एम० एस० सुन्दरराजन श्रीर एम० एस० रघु-नाथन:

(ब्रन्तरक)

2 श्री भ्रार० गोपाल कुणन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये था सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### मन्स्ची

1.50 acres of land with two buildings in Survey No. 833 and 334/2 ward 16 block 16 in Kozhikode.

वी० श्रार० नायर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, एर्णाकुलम

तारीख: 5-1-193

मोहर 🙄

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रैंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० म्रार० 2/3361-1/82--यतः मुझे एस० एच० म्रब्बास म्रबिधी

आजकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 137, सी० एस० नं० 687, 688 है, सथा जो बोरिवली में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबक प्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बंबई में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 4 जुन 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1 मैसर्स प्रलोयसिग्रस विषटर मोस्कारेस

(भ्रन्तरक)

- 2 मैंसर्स दहीवाली को० भ्रा० हाउसिंग सोसायटी ली०। (भ्रन्तरिती)
- 3 को० म्रा० हार्कीसंग सोसायटी के सदस्य । (बह व्यक्ति, जिसके म्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक रो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### धनुसुची

धनुसेचित जैसा कि विलेख सं० 1841/79 श्रीर जो सब-रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा दिनांक 4 -6-1982 को रजिस्टर किया गया है।

> एस० एच० श्रब्बास श्रबिदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज 2, बम्बई

तारीख: 17-1-1983

प्ररूप आर्च. टी. एन. एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च् (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 6 जनवरी 1983

निर्देश सं० 35483/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्प्यित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 7, है, तथा जो बुल टेंपिल रोड़, बसवंगुडी, बेंगलूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय बसवंगुडी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 7 जुलाई 1982

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अर्थे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  हरीण चन्द्र के० कार्वे दिलिए हेथ कार्वे 7/1, बुल टेंपिल रोड़ बसवगुडी बेंगलूर।

(भ्रन्तरक)

 श्री के० गोपाल राव 25-III मेन रोड़, छानराजपेठ बेंगलूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सभ्यतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वास;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शुरूरों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अन्स्ची

(दस्तावेज सं० 1157 ता० 7-7-1982) 7, बुल टेंपिल रोड़, बसवंगुडी, बेंगसूर।

> (मंजू माधवन) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

**सारीख**: 6-1-1983

प्रकप बाह्र टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वुं (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 जनवरी 1983

निर्देश सं० 34923/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 256 है, तथा जो II कास, केम्बिज लेग्नाऊट सोमेंग्वरपुरम ग्रलसूर, बेंगलूर में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 15 जून 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्न्लिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व मा कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; श्रीहर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्यानं में सविधा के लिए;

अतः अभ्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—  श्री बी० टी० णंकर शास्त्री 256, II क्रास, केम्ब्रिज, केथौल सोमेश्वरपुरम बेंगलूर।

(अन्तरक)

2. डाक्टर एम० एन० एच० जवाहर 2122, तरुश्वली स्ट्रीट , मण्डी मोहल्ला मैसूर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के ताजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी धें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। गया है।

# **अनुसू**चीं

(दस्तावेज 653 ता० 15-6-82) 256, II क्रास केंब्रिज लेक्साऊट सोमेश्वर पुरम बेंगलर।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 21-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

बाय्कर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धु (1) के अधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 जनवरी 1983

निर्देश सं० 35354/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्या 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 71, है, तथा जो रिचमाण्ड रोड़ रिजमाण्ड टाऊन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय शिवाजी नगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21 जून 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिमित्यम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; आर्रिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--  श्री मिर्जा गुलाम हुसैन प्रतिनिधि करने वाले ले० कर्नल मीर सरफरज हुसैन 7, रेनियस स्ट्रीट बेंगलूर-25

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० क्वेंडर श्रडम् ए० हमीद 14, वाल्ठन रोड़ बेंगलूर-1

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन् के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत् सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

### जनसूची

(दस्तावेज 871 तारीख 21-6-82) 71, रिचमाण्ड रोड़, रिचमाण्ड टाऊन, वेंगलूर-25

> (मंजु माधवन) सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 22-1-1983

प्रकर बार्च : डी , एन : एस : ------भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के मधीन सुचना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलुर बंगलुर, विनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 477/82-83--यतः मुझे मंजू माधवन द्मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त अधिनियम' महा नया है), की घारा 269-व के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भक्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 150 है तथा जो वार्ड नं VI बीजापूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधि-कारी के कार्यालय बीजापुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, तारीख 24 ग्रगस्त 1982

को पर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उत्देश्य से उत्रत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या धम्य धारितयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, एक्त प्रधिनियम, (1922 का 11) या याधन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनाय मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागमा था या कियाजाता चाहिए पा, किपाने में सविधा के लिए।

 श्रीमती नयनाबेन बनसीलाल धरबार जम्मा मस्जजीद रोड़ मुज्जर गल्ली बीजापूर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री सुशीलेन्द्र गुंडाधार्य मंगलगी निवासी गोपालपूर गरुली बीजापुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पति के प्रजैन के संबंध में कोई भी पाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामिल से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (च) इ.स. स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्मध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1363/82-83 ता० 24-8-82) वार्ड नं VI बीजापूर में रहने वाला प्रोपर्टी सी टी । एस० नं० 150

> मंज् भाधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेज, बंगल्र

तारीख: 9-12-1982 मोहर:

**अत: अब**,, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, में डक्त अधिनियम की भारा 269-चुकी उपभारा (1) 🔹 अधीन, निस्निसिषित व्यक्तियों, वर्धाव् 🖫 --

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 नवम्बर, 1982

निर्वेश सं० 476/82-83-यतः मुझे मंजु माधवन

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पगचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- का से अधिक है और जिसकी सं० 923/82-83 है, तथा जो प्रनगोल एक्स-टेनशन बेंलगाव में रहने वाला प्रापर्टी श्रार० एस० नं० 30/1, 5/9 और मुनसीपल नं० 765/- सी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बेलगाव में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून 1982 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रातिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और

अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्रत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) -के अधीन, निम्निचित्त व्यक्तियों, अर्थात्:--

- 1 श्री सुनील दयानंद बालजेकर घार/श्रो पुणे (महाराष्ट्र स्टेट) पावर ग्राफ ग्रटोरनी होल्डर श्री सौमिक्स मंगेरा भटकल ग्रार/श्रो० तिलकवाड़ी बेलगांव। (श्रन्तरक)
  - 2. श्री दयामंद गणेश वालजेकर श्रार०/श्रो० 33/ए "हीरापन्ना" भूलाभायी देसायी रोड़ हाजी श्रली बम्बई-400026।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसूची

(दस्तावेज 923/82-83 ता०जून, 1982) श्रानगोल एक्सटेनशन बेलगांव में रहने वाला प्रोपर्टी जिसका स्रार० एस० नं० 30/1, 5/9 श्रौर म्युनिस्पल नं० 765/2 सी०।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 24-11-1982

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर ऑिंधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

### भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 475/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 66/2ए/1 एए/1/2ए2 है, तथा जो सप्तापूर धारवाड़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय धारवाड़ में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 15 जून 1982

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बंबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में किमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्द आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

- 1. (1) श्री ग्रार० कृष्णपा।
  - (2) श्री स्रार० चन्नप्पा स्रबारकर स्नार० /स्रो० सप्नापूर धारवाड़।

(श्रन्तरक)

- (1) श्री बी० रघुराम।
  - (2) श्री राम प्रकाश निवासी बेल्लट्टी टी० क्यू० सिरहट्टी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्थव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **अनुसूची**

(दस्तावेज 552/82-83 ता॰ 15-6-1982) सम्बापूर धारवाड़ में रहने वाला प्रोपर्टी नं॰ ग्रार॰ एस॰ नं॰ 66/2ए

1ए०/1ए०/2ए०-2

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 9-12-1982

# प्ररूप माई-टी-एन-एस--

मायकर ६ मिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269-च (1) के मधीन सूचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० नं० 47 4/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रषीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- व० से घषिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 1280 ए है,, तथा जो वार्ड नं० III श्रन्यटगेरी गली हुवली में स्थित है (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय हुबली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 9 श्रून 1982

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान्
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है। पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल
निम्यस्थित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में हुंबाइतिषक
रूप हे ब्यायत वहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मित्र-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उक्षते बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या ि धन या प्रत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अध्यक्तर प्रक्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः——
24 —486 GI/82

- 1. (1) श्रीमती कमलम्मा पत्नी शिरसप्पा इजारी।
  - (2) श्री शीतल प्रसाद पुत्र शिरसप्पा इजारी।
  - (3) श्री महाबीर पुत्र शिरसप्पा इजारी ग्रार/ग्रो रपनहरूली जिला बेल्लारी।

(ग्रन्तरक)

 श्री काशीनाथ भ्रतुमतसा पवार भ्रार०/भ्रो० भ्रन्यटगंरी गल्ली हुवली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीनन सम्पत्ति के धर्जन पके लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी घा :-- क्षे

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रम्य स्थक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो सकत भिवित्यम के भ्रष्टाया 20-क में परिभाषित है, बही भ्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### **मस्**ची

(बस्तावेज 585/82-83 ता० 9-6-1982) वार्ड नं० III ग्रन्यटगंरी हुबली में रहने वाला प्रोपर्टी नं० सी० टी० मास नं० 1280ए

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्गन रेंज, बंगलूर

तारीख 🥾 9-12-1982 मो**ह**र्ड 🛭

# प्र**क्ष भाई॰ टी॰ एन॰** एत•<del>---</del>

# मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० 470/82-83—यतः मुझे मजु आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रवीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरुप 25,000/- रुपये मे प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 21/2 है, तथा जो राजपूर ग्राम, तालूक ग्रीर जिला गुलबर्गा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर<sup>ह</sup> पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय गुलबर्गा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 10 जुलाई 1982 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दुरयभान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार भृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से मधिक है भीर भ्रन्तरक (अन्तरकों) और भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया दे:---

- (क) प्रश्तरण से वृर्ड किया थाय की बाबन उक्त प्रक्षि-नियम के प्रश्नीन कर केने के घन्तरक के दायित्व मैं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/वा
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य शास्तियों की, जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए।

ग्रतः गर्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनु-रण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उन-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

- 1. श्री शरणप्पा पुत्र शंकरप्पा पोलीस पाटील निवासी राजपूर ग्राम, तालूक श्रौर जिला गुलबर्गा। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री नवरोज डोमी इसबी।
  - (2) श्रीमती नंदा पत्नी श्री जी० इरानी।
  - (3) श्रीमती वीनस पत्नी नं ० इरानी।
  - (4) कुमारी नवास पुत्नी डोमी इरानी निवासी दरगा रोड़ गुलबर्गा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त मध्यों और पदों का, जो उक्त सकि-नियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं; बही सर्चे होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

# वन्स्ची

(दस्तावेज 637/82-83) ता॰ 10-7-1982)

राजपुर ग्राम, गुलबर्गा, तालूक में रहने वाला प्रोपर्टी सर्वे नं $\circ$  21/2, 12 एकड़ भीर 3 गुंठा।

मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगजूर

तारीख: 9-12-1982

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देण सं० 473/82-83—यतः मुझे मंजु माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उत्था अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,()/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 3024 भ्रौर 4575 है तथा जो वार्ड नं० 1 मराठा गली हुबली में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय हुबली में रिजस्ट्रीकरण भ्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13 श्रगस्त 1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुनिभा केलिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भाररतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री गुरप्पा बसप्पा घोडके।
  - (2) श्री देवराज गुरप्पा घोडके निवासी मराठा गली द्वबली:

(भ्रन्तरक)

 श्री विठ्ठलराव बालकृष्ण बेलमकर कला देलरस् मराठा गली हुबली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्व्हीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1183/82-83 ता० 13-8-1982) बार्ड नं० 1 मराठा गल्ली हुबली में रहने वाला प्रापर्टी नं० सी० टी० एस० नं० 3024 ग्रौर 4575।

> मंजु माधवन सक्षमं प्राधकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 9-12-1982

# प्ररूप आहे. टी. एन. एस.------

आयकरु अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० 479/82-83-यतः मुझे श्रीमती मंजू माधवन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/- रह. से **अधिक हैं** 

**भ्रौ**र जिसकी सं० सर्वे नं० 362/1, 363/पी 364/1 श्रौर 398 है, तथा जो मावीन केरे ग्राम तालूक मुडीगरे में स्थित है (भ्रौर इसमे उपावद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मुडीगेरे में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17 जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके परयमान प्रतिफल सं, एसे परयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कर निम्नलिसित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त मिनियम के मधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्रिया
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर मुभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुधा के लिए;

वतः वर्वः, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- क की उपधारा (1) के नपीन, निस्तिशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री डी॰ नेमीराजम्या पुत्र मंजप्पाय्या।
  - (2) श्रीमती इंद्र मितयम्मा पत्नी नेमीराजय्या।
  - (3) श्री वी० एन० नागपाल हेगडे।
  - (4) श्री वाई० एन० कुमारस्वामी।
  - (5) श्री वाई० एन० हरश कुमार निवासी हुवीनकेरे ग्राम कलसा होबली मुडीगेरे तालुक।

(श्रन्तरक)

- (1) श्रीमती ललीलम्मा पत्नी स्वर्गीय एच. एस. शांतराजय्या ।
  - (2) श्री एच० एस० राजेन्द्र पुत्र स्वर्गीय एच० एस० शांतराजय्या जामले, संशी ग्राम, कलसा होबली, मुडीगेरे तालूक।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सुम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अप्त्रिभ, जो भी विविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचनाको राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति रवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शक्यों आहि पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

# मपुत्रची

(दस्तावेज 240/82-83 ता॰ 17-6-1982)

सम्पत्ति सर्वे नं० 362/1 , 363/पी० 364/1 स्नौर 398 मावीनकेरे ग्राम, मुडीगेरे तालुक में उपस्थति है?।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, बंगलूर

तारी**ख**ः 10-1-1983

प्रस्थ नाइ ु टी ु,एन ु एस ु ४----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज , बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० 478/82-83--यतः मुझे श्रीमती मंजू

माधवन

नायकर अधिनिय्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यात करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित् बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 99 है, तथा जो डवो ग्राम तालूक भौर जिग्ना क्यूपेम गोवा में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय क्यूपेम गोवा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 2 जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तृतिक रूप से किथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाब्त, उक्क श्रीभित्यम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बुचने में सुद्विभा के लिए; बीट/या
- (ख) एसी किसी आय था किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कौ अनुसरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :—-

- 1. (1) श्री रत्नाकर दत्ता वेरणेकर।
  - (2) श्रीमती रीटा रत्नाकर बेरणेकर निवासी बोडा माहगांव, सालेसीट गोवा।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री थोमस जाकोब।

(2) श्री थोमस स्टेफेन निवासी वेरना, तालूक सालसीट गोवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कर, सम्मरिस को वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु वें 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों प्र सूचना की तामीन से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में त्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में बिया ग्या है।

#### जन्स्की

(दस्तावेज 77/82-83 ता० 2-6-82) संपत्ति जिसका नाम है 'बेनामोल्ला'' सर्वे नं० 99 देवो ग्राम तालूक ग्रौर जिला क्यूपेम गोवा में उपस्थति है।

> मंजु माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 10-1-1983

प्ररूप बार्द . दी . एत . एस . ------

भायकर अधिनिय्य, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

#### भारत प्रस्कार

आर्यास्य, सहायक आवकर अञ्चल (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर दिनांक 10 जनवरी 1983

सं० 480/82-83--- प्रतः सुक्ते श्रीमती मंजू माधवन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात उक्त जिधिनियम कहा गया है) की भारा 269-च के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/-रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 559 है. तथा जो खोरलीम में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्त्ता ग्रिधकारी कार्यालय बरडेस गोवा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 15-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिन्तिया गया है: ——

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयु की बाब्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: औद्व/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को एंजुन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

जतः अत्, उत्तत् अधिनियमं की धारा 269-ए के बनुसरण कों, में उत्तत् अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधन्य (1) को अधीन, निज्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री फेलिक्स लुसीयानों श्रायरस डिसौझा
- (2) श्रीमती गोम्मा श्रोरसा श्रण्णा सोल्लीस मा० सोंक्षा निवासी 8 सोनी श्रपार्टमेंट 45 हिंल रोड बांद्रा बाम्बे।

(ग्रन्तरक)

(1) श्री महादेव लक्षमन किनालकर निवासी खोरलीम मापुसा गोवा

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाधित संपत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

(दस्तावेज 468/82-83 तारीख 15-6-1982 ) रोनिकी जमीन जिसका नाम है टम्बाजो सोखो" 59355 संके मीटर मापूसा तालूक रेवन्यू भ्राफिस मान्ट्री नं 559 खोरलीम में उपस्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षरण) ग्रजैन रेंज, बंगलूर

तारीख: 10-1-1983

प्ररूप आर्ध्र.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर दिनांक 10 जनवरी, 1983

निर्देश सं० 84/82-83-शतः मुझे श्रीमती मंजू माधवन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गर्या है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बारार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं भ्रोर जिसकी सं० मृनसीपल खाता नं० 429 है, तथा जो ग्रशोक मैन रोड, सकलेशपुर में स्थित है (श्रौर इससे उपाब⊸ बद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सकलेशपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 27-9-1982। को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्इहैं और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहप्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उत्कश अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्री मा० डी० शिवग्रंकर प्लयान्टर श्रावथी हल्ली, सक्लेशपुर तालुक (ग्रन्तरक)
- (2) श्री माच मास रंग ग्रेठी एन्ड सन्स चारीटेबल ट्रस्ट, सकलेगपुर । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### सम्म स

(वस्तावेज 695/82-83 तारीख 27-9-82 ) खुल्ला जगह जिसका मुनसीपल खाता नं० 429 प्रशोक मेन रोड सकलेशपुर में उपस्थिति है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलुर

तारीख: 10-1-1983

मारत सरकार

कार्याक्षय स्हायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, अंगलूर

वंगलूर दिनांक 10 जनवरी, 1983

निदेश सं० 483/82-83--- झतः मुझे श्रीमती मंजू माधवन, **भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे** इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से प्रधिक है मुरुष ग्रौर जिसकी सं० मुनसीपल नं० 2130 है तथा जो रत्नागिरी रोड चिकमंगलूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधद ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है ), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चिकमंगलूर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन दिनांक 25-8-1982। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के **पृश्यमान प्रतिफल** के लिए अन्तरित की गई **है भौ**र मु**धे यह** विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उचित बाजार वृश्यमात प्रतिकल का तथाह प्रतिशत से प्रधिक है प्रौर मन्तरक (अन्तरकों) और भन्तिरी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण में लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उनत भग्तरण लिखित में नास्तविक रूप म कथित नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयु की बाबत उक्त अभि-नियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्व में कमी करने या धससे वचने में सुविधा के जिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या प्रन्य भास्तियों को, जिम्हें भारतीय भाय-कर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविश्वा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के समुसरण में, में उक्त श्रधिनियम की घारा 269-व की जपेशारा (1) दे सभीन निम्नुलिखित स्यक्तियों,, अर्थात् ध−− (1) श्री मास ग्रार गोविन्द राज पुत्न श्री मास ब्ही रतन स्वामी मर्चेंट ग्रौर काफी फार्मर चिकमंगलूर

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मा० पी० राघवेन्द्र पुत्र श्री मा० डी० पुट्टेगौड़ कोफी प्लाण्टर राघवेन्द्र मास्टर, पोस्ट भ्रावथी चिकमंगलूर तालुक

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वों कर सम्पृतिस के अर्थन की लिए कार्यवाहियों करता हुं।

धनत सम्पत्ति हे अर्जा के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप ।---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिएवद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रश्नोहस्ताक्षरी के पास खिलित में किये जा सकेंगे।

हराधी हरण 1--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### वनुसूची

(दस्तावेज 839/82-83 तारीख 25-8-1982 ) रत्नागिरी रोड चिकमंगलूर में उपस्थित खुली जगह मुन-सीपल नं॰ 2130।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगलुर

तारीख: 10-1-1983

मोहर ।

प्रकृष आह . ही . एन . एन . -----

बायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1983

निदेश सं ० 482/82-83--- ग्रतः मुझे, श्रीमती मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रा. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० मृनसीपल नं० 891/700/630 है, तथा जो रवी बर्मा रोड, शिमोगा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाब **ग्रनुसूची में ग्रौर** पूर्ण रूप से वर्णित है),रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, शिमोगा में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 15-10-1982। को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण बिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (का) अन्तरण से हुइं िकासी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :——
25—486 GI/82

(1) श्री माच व्ही, चन्द्रशखरण ग्रौर पुत्न, रवीवर्मा रोड, शिमोगा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री म्रार० रमेश शेठ पुत्र श्री रामचन्द्र सेठ रवीवर्मा रोड, शिमोगा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पिति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पटित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित हो किए जा सकींगे।

स्यष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

# वनस्ची

(दस्तावेज सं० 1804/82-83 तारीख 15-10-1982) संपत्ति मुनसीपल नं० 891/700/630 रवीवर्मा रोड, शिमोगा में उपस्थिति है।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर,

तारीख: 10-1-1983

प्ररूप आर्ह. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांकः 10 जनवरी 1983

निर्देश सं० 481/82-83---अतः मुझे, श्रीमती मंजू माधवन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार् 269-ख के अधीन सभग प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृल्य 25,000/-रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी संव तर्व नंव 93/15, ग्रीर 73/3 है, तथा जो मारा अप, साजीप्रेस कांडालीम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, बारडेस गोवा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिकारी के कार्यालय, बारडेस गोवा में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिकायम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 2-6-82 को पूर्वोंक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखत में नास्तिकल रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उच्चत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अघने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिही दूकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में मिवधा के निए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों. अर्थात :—-

- (1) श्री पयान्सीसको द्विन्छयाङे
- (2) श्रीमती रीटा मारीया गिटो ट्रिन्डयाडे निवासी कोरिकम मापूस गोवा ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती युगीना लिबेरट सिलवेरा निवासी सैपेम, क्यान्डोलियम गोवा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी अक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्याक्कीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुस्ची

(दस्तावेज सं० 421/82~83 तारीख 2-6~1982) संपत्ति सर्वे नं० 93/15 श्रीर 73/3, सैंपेम कांडोलाम गोवा में उपस्थति है।

> मंजू माधवन सक्षम अधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, बंगलूर

तारीख: 10-1-1983

प्रस्प रार्ड. टॉ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 10 जनवरी 1983

निदेश सं ं 485/82-83—श्रतः मुझे, श्रीमती मृंजू माधवन, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 26/1 है तथा जो भारापुर ग्राम मुधोल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मुधोल में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 24-6-1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नृजिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धिभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किशा भया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविया के जिए;

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के ब्रिधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

- (1) श्री भ्रप्यथ्याप्पा शिवप्पा रेड्डी
- (2) श्री दुडप्पा श्रप्पय्यप्पा रेडी
- (3) श्री उनमंत श्रप्पय्यप्पा रेडी निवासी बिसन कोप तालुक गोकाक

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रजन भायी पुरुषोत्तम कवडीया निवासी समीरवाडी त्तालुक मुधोक (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोइ' भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों आंर पदों का, वां उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज 527/82-83 तारीख 24/6/1982 रोनकी जिमीन जिसका सर्वे नं० 26/1 भारापुर गाम तालुक, मुघोक में उपस्थिति है।

मंजू माधवन सक्षम ऋधिकारी सहायक ऋायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, बंगल्र

तारीख: 10-1-1983

# प्रकप आईं टी• एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-च (1) के अधीन सृचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 24 जनवरी 1983

निदेश सं० सी० श्रार०नं० 62/35677/82-83—श्रतः मुझे, मंजू माधवन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य., 25,000/- रु. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० 7 ए, मैंन रोड, है तथा जो बैटफील्ड बेंगलूर स्रोत में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावड ग्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, बंगलूर सौत तालुक में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 10-6~1982

को पूर्वांक्त संपरित के उपित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृफ़े यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार्) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तुरु पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित को वास्तिक रूप से किथा गया है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी नाय की नावत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तिया को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया अन या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री टी० के० चाको श्रीमती हेलन चाको, 7 ए, मैन रोड, वैटफील्ड बंगलूर सौत तालुक

(अन्सरक)

(2) म्रल हाज ग्रैक महमूद मूसा 24/1ए बौर बैंक रोड बंगलुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्सि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- अध्य किना अध्य क्यावन दकारा अधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अन्स्ची

(वस्तावेज सं० 2275/82-83 तारीख 10-6-1982) सम्पत्ति है जिसका सं० 7 ए०, जो मन रोड वैटफील्ड बंगलूर सौत तालुक में स्थित हैं।

मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बंगलूर

सारीख: 24-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज बंगलूर

वंगलूर, विनांक 25 जनवरी 1983

निदेश गं०सी० श्रार० 62/35317/82—83—श्रतः मुझे, मंजू माधवन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ध्रार० एस नं० 1437 टी० एस० नं० 327 है, तथा जो बुन्दर वार्ड बंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिमय, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-6-1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृष्ट प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंत-रिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया एया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के सिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, गैंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, गिमनलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री के० ग्रब्दुल हमीद पुक्ष (लेट) श्री ग्रम्धल रहमान, कालीकान ग्रन्सारी रोड, बुन्दर, मंगलूर,

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स सुदरशन मिल्स श्रन्सारी रोड बुन्दर मंगलूर-575001 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उन्स संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वतरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारील से 45 दिन के भीतर उदत स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वही अर्थ होगा जो उसा अध्याया में दिया गमा है।

# अनुसूची

(दस्तावेज सं० 251/82-83 तारीख 23-6-1982 ) सम्पत्ति है जिसका सं० श्रार० एस० नं० 1437 टी० एस०नं० 327 जो बुन्दर वार्ड मंगलूर में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 25-1-1983

# प्ररूप ग्राई० टी॰ एन॰ एस॰---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 जनवरी 1983

निदेश सं० सी० ग्रार०नं० 62/35196/82-83--ग्रत: मुझे मंजू माधवन,

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नया है); को बारा 26% खंके प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यादर अभित, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- इं॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 29/ए, नया सं० है, तथा जो II कांस, जय-महल एक्स्टेशन बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्पालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 23-6-1982। को पूर्वोक्त बन्धित के उचित बाजार मूल्य में कम के बृथ्यमान श्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का का रण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रूयनान विकत में ऐसे दृश्यमान श्रतिकल का पन्द्रह प्रविशत श्रविक हे और भन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरित्थों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए उस पाया गया श्रतिकन, निम्नलिखित सहेश्य स उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के जिए; बौर/या
- (च) ऐसी किसो आउ या किसो धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती टारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिसन में सुविधा के लिए;

त्रतः अव, उन्त अधिनियम की घारा 269न्ग के अनुबरण में, में, उन्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, विम्निखिखत व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री हेच तम्मटया नं० 29/ए, नया नं० 1, II क्रास नंदीदुर्ग रोड, जयमहल, एक्स्टेनशन, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री मुसताक वाहिद पुत्र श्री हैंच ए० वाहिद नं० 26 I क्रांस जयमहल एक्स्टेनशन, बंगलूर । (श्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राचरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की अविध या तरसम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, बो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा:
- (ख) इस नूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वन्दीकरणः च-इसम प्रयुक्त शन्दों भोर पदों हा, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क परिभाषित है,वही भवं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

(दस्तावेज 10002/82-83 तारीख 23-6-1982) सम्पत्ति है जिसका सं० 29/ए, नया सं० II जो 1 क्रास नंदीदुर्ग रोड, जयमहल एक्सस्टेशन, बंगलूर-560006 में स्थित है।

> मंजू माधवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज बंगलूर

तारीख: 25-1-1983

प्रकृष बाई. टी. एम. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्<del>य</del>ना

भारत सरकार

आर्थाचय, सञ्चारक जायकर जामृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 16 दिसम्बर 1982 निदेश मं० जी० भ्राई० श्रार० एस०-254/ग्रर्जन--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

भावकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किधितियम' कहा गया है, की भारा 269- क ने अभीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० की होल्ड भूमि है तथा जो इस्लामवाडी जिला लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14~6—1982

को पूर्णिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वामान प्रितिकास के लिए अलारित की गई है और मूफ्ते यह जिस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिकत सं, एसे स्वयमान प्रतिकत का विवास का विवास की अधिक है और अल्यरक (अल्यरकों) और अल्यरिती (अल्यारितियों) के बीच एसे अल्यरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकत, निम्नीलिका उद्देश्य से उस्त ब्ल्यरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बम्तरण से हुन्दें फिसी बाय की बाबस, उक्त जिथितियस के बधीन कर दोने में अन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए;

मृतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कनूसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्निनिक्त व्यक्तियों, अभीत् :---- (1) श्री नन्रेद्र कुमार रस्तोगी।

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स सादाब सहकारी गृह निर्माण समिति लि० हारा श्री एजाज श्रहमद प्रेमीबेन्ट।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं।

#### अन्य स्थानी

भूमि फ्री होल्ड जो कि इस्लामवाडी जिला लखनऊ में स्थित है जिसका सम्पूर्ण विवरण सेलडीड व फार्म 37-जी संख्या 2375/82 में विणित है जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय, में किया जा चुका है।

> ाए० प्रसाद . सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज लखनऊ

तारीखाः: 16-12-1982

प्ररूप बार्ड. टी. एन्. एस्.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज जयपुर जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/1589--श्रतः मुझे, मोहन

सिंह, बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहलात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ल्यीन सक्षम श्रीधकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, लिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 21 जून, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया तिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गृहीं किया ग्या है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त् अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् ध—

(1) श्री कैलाश मेहता पुत्न श्री नारायण चन्द मेहता, जालौरी गेट के बाहर, जोधपुर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मारवाड़ खादी संघ, जालौरी गेट, जोधपुर,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुरे।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

### वन्स्ची

दुकान स्थित जालौरी, गेट के बाहर, जोधपुर जो गांधी अस्पताल के पास स्थित है और उप पंजीयक जोधपुर द्वारा कम संख्या 1297 दिनांक 21-6-1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन, रेंज जयपूर

तारीख: 27-1-1983

# प्रस्क नाइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज, जथपुर

जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983

ं मं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1601--श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुट. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० धुकान नं० डी-95 है तथा जो जयपुर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूत्ती में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 1 जून, 1982

को पूर्वेक्त सम्परित के उणित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रित्तफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्हें यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उणित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों। अर्थातः —— 26—486 GI/82

(1) श्री भंतर लाल एवं श्री द्वीरा लाल पुत्रान श्री शिवनारायण महेम्बरी, डी-38, सवाई मार्थामिह रोड, बनीपार्क, जयपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री निर्मल कुमार जैन पुत्र श्री नायमल जैन निवासी श्रासाम होटल, स्टेशन रोड, जयपुर,।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

#### नन्स्ची

दुकान नं० डी-95, स्थित चान्दपोल श्रनाज मंडी, जयपुर जो, उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1186 दिनांक 1 जून, 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोह्न सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 27-1-1983

# प्रारूप आहें.टी.एन.एस.-----

बायकर भीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1602—श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

भागकर त्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-इं के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत 1 जून, 1982

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के प्रयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्धास करन का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फस् निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बायुकी बाबस, उक्स बीधनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कहने या उससे ब्यूने में सुविधा के सिए; औट्र/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का अन-कर अधिनियम, का अन-कर अधिनियम, का अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

मतः अम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री विश्वानिधी सूद पुत्र श्री लक्ष्मणदास सूद, निवासी रामसिंगग्रुरा, तहसील श्रन्यगढ़, जिला श्रीगंगानगर। (ग्रन्तरक)
- (2) कर्नल सूरज सिंह पुत्र श्री फतेह सिंह, प्लाट नं । 120 डी, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्परित में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास जिख्त में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# मन्स्ची

कृषि भूमि 18 बीघा 6 विस्ता, खसरा नं० 678 स्थित ग्राम कालवाड़, तह० जयपुर, जो उप पंजीयक, जयपुर द्वारा कम संख्या 1149 दिनांक 1 जून, 1982 पर पंजी- बद्ध विक्रय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह, सञ्जम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जयपुर

तारी**ख** : 27-1-1983

1982

प्ररूप बार्षः टी. एन. एस. -----

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म् (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज, अथपुर जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० राज०/सहा० ग्रा० प्रजंन/603—ग्रात: मुझे, मोहन सिंह, बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन स्थम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी मं० भूमि है तथा जो कोटा में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कोटा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 28 जुन,

कां पूर्वाक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मनिचित उद्योदय से उक्त अंतरण दिल्ला में वास्तीवक
क्ष्म से किथत नहीं किया ग्या है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उद्यस बचने में सुविधा के सिए: और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धृत या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त गाँधनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तियों, मर्धास् :---- (1) श्री श्रोंकारलाल पुत्रं श्री माघोलाल जी नियासी कोटा।

(ब्रन्तरक)

(2) श्री हजारीलाल पुत्र श्री किशनलाल, एस० बी० बी० जे० ब्रांच सराड़ा, जिला उदयपुर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन सची

कृषि भूमि 3000 वर्गफुट स्थित तलमंडी, कोटा जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा कम संख्या 713 दिनांक 28-6-82 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 27-1-1983

ं प्रकल आई. दी. एन . एस . -----

कावकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के घडोन सूचना

#### भारत परकार

कार्याखय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर विनांक 27 जनवरी, 1983

सं० राज०/सहा० ध्रा० श्रर्जन/1604—श्रत मुझे, मोहन सिंह.

प्रायकर बिश्विनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा यया है, की धारा 269 ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्शास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका स्रवित बाजार मूल्य 25,000/- द से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कोटा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय कोटा में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 24 जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल यो, एके दृश्यमान प्रतिफल वा पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मी अखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण निम्मी का बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरकं से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुनिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाव या किसी बन या अध्य आंस्तियां को, जिम्हें मारतीय धाय-चर शिवित्यम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बंत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजीजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अत्य, उथतः अधिनियमं, की धारा 269-ग के अन्सरण अं, मंं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ज की उपधारा (1) को अधीन, निस्तिचित्र व्यक्तियों, अधितः—

- (1) श्री पांच्या पुत्र श्री ग्यारी ग्राम सोगरिया। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमसी कमलेश पाराशर पत्नी श्री महेश चन्द पाराशर, निवासी, उडवाड़ा, कोटा जंक्शन।

(म्रन्तरिती)

को याह स्वना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के निय् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त स्थानतयों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उजत स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकति।

स्पच्छीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया है।

### अन्सूची

कृषि भूमि 6 बीघा 10 बिस्या स्थित ग्राम सोगरिया जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा कम संख्या 683 दिनांक 24 जून, 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्र में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन गिह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, जयपूर

ता**रीख: 27-1-1983** 

प्रकृष् नाहा की एन एस .-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कं।यिलिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1605---ग्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पिश्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कोटा में स्थित है (ग्रीर ६ससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता घिषकारी के कार्यालय कोटा में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 24 जून 1982

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, नसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिटी (अन्तरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे नक्ने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य अस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अब, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्नितिश्वित स्पवित्यों, अभित् :--- (1) श्रीमती फातमा पत्नी श्री तिजाउद्दीन, सकतपुरा, कोटा ।

(भ्रन्तरक)

(2) 1. श्री श्रानिल कुमार पुत्र श्री डी० पी० गोयल 2. श्रीमती नीता पत्नी श्री रामकुमार एवं श्री हरीश चन्द पुत्र बंगाली-मल एवं श्रीमती कमला पत्नी श्री डी० पी० गोयल, शोपिंग सेंटर, कोटा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वों क्ल संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यब्दीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

कृषि भूमि 7 बीघा 18 बिस्वा, स्थित सकतपुरा, कोटा जो उप पंजीयक, कोटा द्वारा कम संख्या 689 दिनांक 24-6-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पव में श्रार विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, जयपुर

सारी**ख** : 27-1-1983

प्ररूप. आई. टी. एन. एस. -----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० राज०/सहा० भ्रा० श्रर्जन/1606---श्रतः मुझे मोहन सिंह,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 23 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के भ्रधीन 18 जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया वया है:--

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरतः के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूबिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिदान में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मणीराम पुत्र श्री हजारी लाल श्रग्रवाल, द्वारा दुकान नं० 23ए, धानमंडी, श्रीगंगानगर।

(अन्तरक)

(2) श्री हंस राज पुत्र श्री नेत राम जाट द्वारा मैसर्स कानीराम, दुकान नं० 23ए, धानमंडी, श्रीगंगानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जॉ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

दुकान नं० 23, स्थित धान मंडी, श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 927 दिनांक 18-6-1982 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 27-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्कत (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/1607---अतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार सृत्य 25,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 23 है जो श्रीगंगानगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीगंगानगर में, रजिस्टीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के **भ्रधी**न 8 ज्न, 1982

का पूर्वीकत संपरित के उजिल बाजार मूल्य से कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिख्यास करने का कारण है कि संधापवींक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्ताण लिमित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए।

(1) श्रीमती गारदा देवी पत्नी श्री मणीराम अग्रवाल निवासी श्रीगंगानगर ।

(2) श्री कन्हीराम पुत्र श्री रामचन्द व सजनकुमार पुत्र श्री कन्हीराम एवं श्री भगवान पुत्न श्री कन्हीराम जाट निवासी ख्यालीवाला त० श्रीगंगानगर ।

(भन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दुकान नं० 23, धान मंडी श्रीग्ंगानगर, जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 923 दिनांक 8-6-1982 पर पंजीबद्ध विकय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ध्राय्क्त (निरीक्षण) - ऋजेन रेज, जयपूर

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीख: 27-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एसं.-----

बायकर विधितयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० राज ०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/1608—ग्रतः मुझे, मोहन सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 25 जुन, 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नृलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्रीमती जोगिन्दर कौर पत्नी श्री रतन सिंह जाट सिक्ख निवासी चक 5 एम० एल० श्रीगंगानगर,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरुदीप सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी 1 ए छोटी श्रीगंगानगर।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 6 बीघा स्थित चक 5 एम०एल०, तह० श्रीगंगानगर जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 990 दिनांक 25 जून 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 27-1-1983

प्रारूप आइ<sup>1</sup>.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-धं (1) के अधीन सूचना

#### भारत सर्कार

कार्यालय, महायक म्नायकर म्नायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/1609—श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूल्य - 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 25 जून, 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुमे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्देश्य से उन्नत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 27—486 GI/82

(1) श्रो रतन सिंह पुत्र श्री रणजीत सिंह निवासी 5 एम० एल०, तह० श्रीगंगानगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बलवेब सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी श्रीगंगानगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाया। संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### **अनुस्**ची

कृषि भूमि 6 बीघा स्थित चक 5 एम० एल० तह० श्रीगंगानगर जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 998 दिनांक 25 जून, 1982 पर पंजीबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 27-1-1983

मोद्रर:

# प्रश्य भाई • टी • एन • एस ० ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ (1) के अधीन सुजना

### भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983

सं० राज०/सहा०/ ग्रा० /ग्रर्जन/1610—न्यतः मुझे मोहन सिंह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रन. में अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से यिंगत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीगंगानगर में, र्राजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 24 जून, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य के कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक कृष से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/पा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तियों की, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना भाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकिन व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री रतन सिंह पुद्य श्री रणजीत सिंह निवासी श्रीगंगानगर

(ग्रन्सरक)

(2) श्री बलदेव सिंह एवं श्री संतोष सिंह, पुत्रान श्री करतार सिंह निवासी श्रीणंगानगर

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्स संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी व ते 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदी। किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसुर्जी**

कृषि भूमि 6 बीघा स्थित चक 5 एम० एव० तहसील श्रीगंगानगर जो उप पंजीयक, श्रीगंगानगर द्वारा ऋम संख्या 997 बिनांक 24 जून, 1982 पर पंजीबद्ध विऋय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवर्राणत है।

> मोहन सिंह सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायज्ञर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, जयपुर

नारीख: 27-1-1983

प्रकृष बार्द . श्री . एन . एत . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुचीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983

निर्देश ग्रादेश संख्या राज०/सहा० ग्रा॰ ग्रार्जन/1611— ग्रत: मुझे मोहन सिंह

भावकर अधितिसम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बश्चात् 'उक्त अधितिसम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संवत्ति जिसका उचित बाबार मृज्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 22 जून, 1982

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित काकार क्रूल्य से कम के ख्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्र्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषक ख्रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरका के वासित्व में कमी करने बा उसने बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या का वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा को लिए;

वतः वन, उक्त विभिनियम् की भाषा 269-न के वन्तरण् मं, मं, उक्त विभिनिक्य की भाषा 269-म की उपभाषा (1) के अभीन, निकासित्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री भूप सिंह पुत श्री मनीराम निवासी श्रीगंगा<sup>नगर</sup> (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बजिन्द्र सिंह पुत्र श्री बसन्त सिंह निवासी श्री-गंगानगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिन करता हूं।

उक्त सम्बत्ति के अर्थन क्री सम्बन्ध में कोई भी बाक्ष्में :---

- (क) इस स्वाना को राज्यपत्र में प्रकाशन की तार्ही का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठी कर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशने की तारीष्ट सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर कंपनिए में द्वित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधितक्ताकारी के पास निस्तित में किए जा सकीये।

स्पर्कांकरण:--इसमें प्रमुक्त करूरों और पदा का, जा उन्त अधिनियम के मध्याय 20-क में प्रीरभाष्टिक हीं, नहीं अर्थ होगा को उस अध्यक्त में विवा ग्या हैं।

#### अनुसूक्षी

5 बीघा कृषि भूमि स्थित चक 4 जी श्री गंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा ऋम संख्या 953 दिनांक 22 जून, 1982 पर संजिबद्ध विक्रय पत में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 27-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983 निर्देश श्रादेश संख्या राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/ 1612—श्रत: मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रा से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 22 जून, 1982

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिबों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुसिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित को बास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वाने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्रीमित सरस्वित देवी पत्नि श्री भूप सिंह निवासी श्रीगंगानगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति सरजीत कौर पत्नि श्री बजिन्दर सिंह निवासी श्रीगंगानगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्यवाहियां शूरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्यव्ध् किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

### अनुसुची

कृषि भूमि 5 बीघा स्थित चक 4 जी, श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 942 दिनांक 22 जून, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 27-1-1983 मोहर : प्ररूप जाई. टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 27 जनवरी 1983

निर्देश ग्रादेश संख्या राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/ 1613—श्रतः मुझे मोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० कृषि भृमि है तथा जो श्रीगंगानगर ग्रनुसूची स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रीर पूर्गरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीक्रण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 19 जून 1982 को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदुदोरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अम्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब,, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अक्तरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नौलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री भूप सिंह पुत्र श्री मनी राम निवासी श्रीगंगा-नगर।
  - (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बाजिन्दर सिंह पुत्र श्री बसन्त सिंह निवासी श्रीगंगा-नगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आहरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: --इसमें प्रयानत शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अधीन अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# वन्त्रभी

कृषि भूमि 5 बीघा स्थित चक जी श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर ब्लारा क्रम संख्या 941 दिनांक 19-6-1982 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में श्रौर विस्तृत रूप मे विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 27-1-1983

प्ररूप. आइ. टी. एन. एस. -----

जायकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बुधीन सूचना

#### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 27 जनवरी 1983

निर्देश श्रादेश संख्या/राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/ 1914—श्रतः मुझे मोहन सिंह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कु के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 14 जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित थाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रौतफल को लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के शीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थास् :--- (1) श्री भूप सिंह पुत्र श्री मनी राम निवासी श्रीगं गंगा

(अन्तरक)

(2) श्री बजिन्दर सिंह पुत्र श्री बसन्त सिंह निवासी 28 बीबी तहसील रायसिंहनगर जिला श्रीगंगानगर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण:----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भूमि 5 बीघा स्थित चक 4 जी, तहसील श्रीगंगा-नगर जो उप पंजियक श्री गंगा नगर द्वारा ऋम संक्या 882 दिनांक 14-6-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में और विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहययक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज, जयपूर

दिनांक 27 जनवरी 1983 मोहर :

# प्रकप आई• टी• एव• एस•~~

आथफर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 17 जनवरी 1983

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 22 जून, 1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक कप से करित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त जीध-नियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के सायित्व के कभी करूने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया प्रकाशीय किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

बत: बब, उसत जीभीनियम की भारा 269-ग को, अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्रीमित दुर्गादेवी पत्नि श्री जैयराम श्ररोड़ा निवासी चक 6 ई छोटी, श्री गंगानगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) राज्य कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी समिति, लिमिटेड, श्रीगंगानगर द्वारा श्री रमेश चन्द शर्मा, रिहब्लीटेशन कर्लैक्टर ग्राफिसर, श्रीगंगानगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पव्यक्तिरण: -- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

कृषि भ्मि 7 बीघा स्थित चक 6 ई छोटी, श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा ऋम संख्या 951 दिनांक 22-6-1982 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में भ्रौर विस्तृत रूप से विधरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक 17-1-1983 । मोहर: ं प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

### भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी 1983

ग्रादेश संख्या : राज०/सहा० ग्रा० श्रजंन/1585—श्रतः मुझे, मोहन सिंह

बायकर मिंपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंपिनयम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रापये से अधिक हैं। श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्री गंगानगर में स्थित

है, (ग्रौर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्री गंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 18 जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह धिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हों, बैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों, अर्थात् १ —

- (1) श्री राधा राम उर्फ राधा किशन पुत्र श्री पंजू राम श्ररोड़ा निवासी मिर्जेबाला तहसील श्री गंगानगर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री महेंद्र सिंह पुत्र श्री भजन सिंह निवासी मिर्जे-वाला तहसील श्री गंगानगर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण :---इतर्ने प्रपुत्त ग्रव्हीं और पद्दीं का, जो उक्त श्रिष्ठित्वम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

#### धनुसूची

कृषि भूमि चक 10 एफ बड़ा, श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर क्वारा कम संख्या 964 दिनांक 18-6-82 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-1-1983

प्रकप भाई। टी। एन। एस।-

श्रायकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त वायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी 1983

श्रादेश संख्या राज० /सहा० श्रा० श्रर्जन 1581—श्रतः मुझे, मोहन सिंह

बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के धारीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-४० मे अधिक हैं,

द्यौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 23 जून 1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलाखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखार में बास्तविक रूप से हियत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, धक्त प्रश्नित्यम, के अधीन कर देने के प्रम्तरक के दायिक्य में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ल) ऐपी किसी आत पर किसी जन या पना प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में ध्विद्या के लिए;

अतः श्रवः, उक्त श्रविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, चक्त श्रविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— 28—486 GI/82

(1) श्री राधा राम पुत्र श्री पंजू राम श्ररोड़ा निवासी मिरजावाला तह० श्रीगंगानगर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री भजन सिंह, रामगढ़िया सिख, ढिगावाली तह० श्रीगंगानगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी शविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणु:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., ओ उक्त प्रधिनियस के भ्रष्ट्याय 20-क में परिधादित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रध्याय में दिय गया है।

# अनुसूची

कृषि भूमि स्थित चक 10 एफ बड़ा, श्री गंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 963 दिनांक 23-6-82 पर पंजिबद्ध विकय पक्ष में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-1-1983।

प्ररूप आहरे. टी. एन. एस. ------

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के स्थीन स्थना

#### भारत बुरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्काक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी 1983

श्रादेश संख्या : राज० सहा० श्रा० अर्जन/ 1582—अतः मुझे, मोहन सिंह

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं फि स्थावर सम्पृतित जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ए. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (198 का 16) के श्रधीन विनांक 23 जून 1982

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्नोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कम निम्निशित उद्देश्य से उच्च अंतरण सिश्चित में वास्तिक क्या से किथल नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली भाग की गावत जकत लिए-नियम् के अधीन कर दोने के अंतरक के वाधिस्त में कमी करने या उससे ज्याने में सुविधा के लिए और/का
- (ब) एसी जिसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या भा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के तिष्;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री राधा राम उर्फ राधािकशन पुत्र श्री पुजाराम ग्ररोड़ा निवासी मिर्जावाला तहसील श्रीगंगानगर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मलिकयत सिंह पुत्र श्री भजन सिंह निवासी मिरजेवाला।

(म्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के कुर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सविधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थल्डोकरण:--इसमें प्रयुक्त कथां और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# वन्स् भी

कृषि भूमि-स्थित चक 10 एफ बड़ा, श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 962 दिनांक 23-6-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-1-1983 ।

ं मोहर :

प्ररूप आइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी 1983

श्रादेश संख्या: राज०/सहा० मा० ग्रर्जन/ 1583—ग्रतः मुझे मोहन सिंह

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 27-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाद निम्नीसित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्त्यक कप से कथित नहीं किया ग्या है :--

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, स्वन्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के स्थीन, निक्निचिद्ध व्यक्तियों, अर्थाद्ः--- (1) श्री राघा राम उर्फ राघा किशन पुत्र श्री पंजा राम ग्ररोड़ा निवासी मिर्जेवाला तहसील श्रीगंगा-नगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) गुरूमेलसिंह पुत्र श्री भजन सिंह रामगढ़िया, निवासी ढिंगावाला तह० श्रीगंगानगर

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के तंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

# अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ज्ञक 10 एफ बड़ा, श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा ऋम संख्या 965 दिनांक 27-6-1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक: 18-1-1983।

प्रकृप आद्रं ,टी . एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च् (1) के बभीन सुचना

# शास्त्र चूरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी 1983

मादेश संख्या: राज०/सहा० म्रा० श्रर्जन/ 1584—म्रातः मुझ मोहन सिंह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- रहत से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 23 जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (चित्री सिंगू) के बीज एसे अन्तरक के लिए तय पाया ग्या प्रतिक कल, निम्निसिस उच्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तविक कप से किश्त नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त, विधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वादित्य में कमी करने या उससे बुज़ने में सुविभा के निष्; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्यार्थ अन्तिरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा ((1)) के मुधीन, विक्तिविद्य व्यक्तियों, वर्षात् ह—

- (1) श्री राधा राम उर्फ राधा कियान निवासी पंजूराम श्ररोड़ा दिवासी मिर्जावाला तह० श्रीगंगानगर (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री गजन सिंह निवासी ढिंगा-वाली तह० श्रीगंगानगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथािकत सम्मृत्ति के अर्जन के हिन्छ। कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीं से से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्ती ज्यों कतयां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

# अनुसूची

कृषि. भूमि स्थित चंक 10 एफ बड़ा श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा क्रम संख्या 966 दिनांक 23-6-82 पर पंजिबद्ध विकथ पन्न में श्रोर विस्तृत क्ष्म से विवरणिस है ।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

विनांक : 18-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

धार्यालय., सहायक आयकर आयूक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज, जयपुर जयपुर दिनांक 21 जनवरी 1983

निर्देश संख्या राज०/सहा० श्रा० श्रर्जन/ 1589—-ग्रतः मुझे मोक्ष्त सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख े अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 25,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिल्लो सं० भूमि है तथा जो तिजारा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिंधिकारी के कार्यालय तिजारा सें, रिजस्ट्रोकरण ग्रिंधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिंधीन दिनांक 2 जुलाई, 1982

को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन ग्रेर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अम्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपवारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भी लाडकीलाल पुत्र भी गौरीलाल, श्याम चरण पुत्र श्री भगवतीप्रसाद माथुर नि० तिजारा जिला ग्रलवर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रो जमना लाल पुत्र श्री भोलूराम सैनी निवासी तिजारा जि० भ्रलवर ।

(शन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से जिसी व्यक्तित द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्माष्ट्रीकरण:--इससे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

भूमि 1 बीघां 3 बिश्वा स्थित ग्राम तिजारा जिला ग्रलवर जो उप पंजियक ग्रलवर द्वारा क्रम संख्या 525 दिनांक 2-7-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, ज़यपूर

दिनांक: 21 जनवरी 1983।

प्ररूप् आई् उी., एन् ु एस .------

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मु (1) के मुभीन सुम्ना

#### भारत तुःकार

कार्याल्य, सहायक जायकार जायुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 23 जनवरी 1983

भ्रादेश संख्या राज०/सहा० भ्रा० ग्रर्जन/ 1600—श्रतः

मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो तिजारा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तिजारा में रिजस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2 जुलाई 1982

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मुलिबित उव्वदेश से उक्त जन्तरण लिखित में बास्तरिक रूप से किथान नहीं किया ग्या है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बायत, उक्त अधिनियम की जभीत कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जॉर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, डिज्याने में तृतिधा के लिए;

अत्: अय्, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के बुधीन निम्मलिकित व्यक्तियों,, अधृति १९—

- (1) श्री लाडली लाल पुत्न श्री गेरी श्राल, 2 श्याम चरण पुत्न श्री भगवती प्रसाद माथुर निवासी तिजारा (श्रन्तरक)
- (2) श्री राम प्रताप पुत्र श्री भोलू राम, तिजारा जिला म्रलवर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त संपृत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्परतीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

# अनुसूची

भूमि 2 बीघा 15 बिश्वा स्थित ग्राम सादपुर तहसील तिजारा जिला श्रालवर द्वारा कम संख्या 524 दिनिक 2 जुलाई 1982 को पंजिबद्ध क्षिक्रय पन्न में श्रौर विस्तृत रूप से विव-रणित है ।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज, जयपुर

दिनांक: 21 जनवरी 1983

प्ररूप वाहीं ही । एनं । पुष् -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सहकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 17 जनवरी 1983 श्रादेश संख्या राज०/सहा० ग्रा० श्चर्जन/ 1566—ग्रतः मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 30 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन दिनांक 19 जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित्त बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उसत अन्तरण निम्हित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की नावत उक्त अधि-निवम के स्पीन कट दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी कटने ना अससे वचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों की, ज़िन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

जत:, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री भिवचरण पुत्र श्री मूल राज जी जोयल निवासी पश्चिलक पार्क, श्रीगंगानगर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री तरसेमलाल पुष्न श्री चिमनलाल श्ररोड़ा निवासी 20 एफ ब्लाक, श्रीगंगानगर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उनत सम्परित के मुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

बुकान नं 30 स्थित गोल बाजार, श्रीगंगानगर जो उप पंजियक श्रीगंगानगर द्वारा ऋम संख्या 838 दिनांक 19-6-1982 पर पंजिबद्ध विऋय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 17-1-1983

मोहरः

प्रकृप आर्घ . दी . एन् . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-अ (1) के शधीन मुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 17 जनवरी 1983

निर्वेश संख्या राज०/महा० म्रा० म्रर्जन/ 1567—म्रतः मुझे मोहन सिष्ट्

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा '269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 30 है तथा जो श्रीगंगानगर के में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 4 जून 1982

को पृत्रों कर सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के श्रमान प्रिक्षिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वित्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रमान प्रतिकल से एसे श्रमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकक का निम्मालिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्हित में बास्तिवक खप से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त विधिनियम के नशीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तमें सचने में गृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्थारा प्रकट गर्ही किया गया था या किया जाना आहिए भा, खिपाने में अनिधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिशियत व्यक्तियों अधीतः --

(1) श्री शिवचरण पुत्न श्री मूल राज जो गोयल निवासी पब्लिक पार्क, श्रीगंगानगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित शांता कुमारी पुत्र श्री तरसेमलाल जी श्ररोड़ा निवासी 20 एफ ब्लाक, श्री गंगा नगर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्तिः के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी , अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगें।

स्यध्वीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्यों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, अही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# प्रनुसूची

दुकान नं० 30, गोल बाजार, श्रीगंगानगर जो उप पंजि-यक, श्रीगंगानगर द्वारा कम संख्या 883 दिनांक 4 जून, 82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), ध्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक : 17-1-1983

# प्ररूप बाह<sup>र</sup>ं दीः एत्. एसः -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर जयपूर विनांक 17 जनवरी 1983

निर्देश संख्या राज०/महा० श्रा० श्रर्जन/ 1568--श्रप्त:

मझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम्' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-फ. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 30 है तथा जो श्रीगंगानगर में स्थित है, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय श्रीगंगानगर में रजिस्दीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के **श्रधीन दिनांक 17-6-1982** 

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उस्के दक्मान प्रतिफल से एसे दक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्त्रक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) याउक्त अधिनियम याधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण

(1) श्री भिव चरण पुत्र श्री मूल राज जी गोयल निवासी पश्चिक पार्क श्रीगंगानगर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजकुमार पुत्र श्री तरसेमलाल ग्ररोड़ा निवासी 20 एफ ब्लाक, श्रीगंगानगर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचनाकी तामील से 30 दिन की अप्यधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्**पद्धीकरणः —-इ**समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

दुकान नं० 30, स्थित गोल बाजार, श्रीगंगानगर जो उप पंजियक, श्रीगंगानगर द्वारा ऋम संख्या 915 दिनांक 17-6-82 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रीर विस्तृत रूप से विवरणित

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 17-1-1983

पोहर :

प्ररूप बाईं. टी. एन. एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 18 जनवरी 1983

म्रादेश संख्या राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन/ 1571—यतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसँकी सँ० कृषि भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित हैं, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है)रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 21 जून 1982

कीं पूर्वेक्त संस्पिति के उसित बाजार सूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उसित बाजार सूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, जयत अधिनियम, की धारा 269-म के अनसरणा में, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति रतन देवी पत्नि श्री खीव राज, नगर मोहल्ला, महामन्दिर, जोधपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अ्रमृत गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, जोधपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

भूमि 40 बीघा 5 बिस्वा स्थित ग्राम भदवासिया, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 1535 21-6-1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 18-1-1983

प्ररूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत संरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर दिनांक 21 जनवरी 1983

स्रादेश संख्या राज०/महा० स्रा० स्रर्जन/1572--यतः मुझे, मोहन सिह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो जोधपुर में स्थित है, (ग्राँर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जोधपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 को 16) के श्रिधीन दिनांक 7 जन 1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के ख्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निकत में बास्तिक रूप से कायत नहीं किया गया है है

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के सम्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारताय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज नार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भो, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री मुनावर खां पुन्न श्री श्रब्दुल खाँ, नागारोगेट, जोधपुर ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री ग्रब्दुल रसीद पुत्र श्री हाजी गुलाम मोहम्मद, सोजतीगेट के पास, जोधपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अयिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

# वन्स्पी

भूमि 7.5 बीघा स्थित भादत्रासिया, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1379 दिनांक 7 जून, 1982 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है ।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 21 जनवरी 1982।

प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 28 दिसम्बर 1982

निर्देश संख्या आदेश संख्या राजः/सहा० आ० आर्जन/
1561—अतः मृक्षे मोहन सिंह
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य
25,000/-रः. से अधिक ही

श्रौर जिसकी सं० बी-14 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 15-6-1982

को पूर्वोक्त संपर्तित के उधित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्म्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तारण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के वायिष्य में कभी करने या उससे मचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिसित स्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) जिला एवं सैंशन कोर्ट जयपुर सिटी द्वारा श्री सतीश चन्द्र पुरोहित एडवोकेट, जयपुर वास्ते श्रीमिति कंशर देवी पत्ति श्री नन्दजालमाली, श्री राकेश पुत्न श्री नन्दलाल, श्रीमिति मोहनी देवी पत्ति श्री रतनलाल कुमारी संतोष कु० सरोज, एवं मास्टर राकेश पुत्तियां एवं पुत्न स्व० श्री श्री नन्द लालमाली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री देवी नारायण श्रग्रवाल पुत्र श्री गोरधन लाल नि० मरवा हाउस, बोरडी का रास्ता, जयपुर । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पट्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मकान नं० बी-14 'केशर भवन', ग्रानन्दपुरी जयपुर जो उपपंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1392 दिनांके 15-6-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

दिनांक: 28-12-1982

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निर्देण संख्या आदेश संख्या राज०/सहा० श्रा० अर्जन/ 1550--श्रतः सुक्षे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 1003 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (भ्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप वर्णित है)रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 1 जून 1982।

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुक् किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम सिंह पुत्र लक्ष्मीनारामण सिंह, श्रीमित शांति देनी पत्नि श्री राम सिंह, श्री भवानी सिंह एवं श्री राजेंद्र सिंह पुत्रान श्री राम/सह, निवासी नया भागवान भवन, जाट के कुबे का रास्ता, जयपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद बजीर पुत्र श्री बाबू वर्जी रूद्दोन खाँ, ताज स्कूल, रामगंज बाजार, जयपुर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

दुकान नं० 1003, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर, जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1172 दिनांक 1-6-82 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में स्रोर विस्तृत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राप्तिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जंयपुर

विनांक: 28-12-1982

प्रकृष आई. बी. एन . एस . -----

भाग कर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग (269-ब (1) की अधीन मुलना

नीरत भरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 28 दिसम्बर 1982

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ।० अर्जन/1560—अत: मुझे मोहन सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी संख्या बूकान नं. 1003 है तथा को जयपर में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध जन्मूनी में और पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयप्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1 जून 1982 को पूर्वोक्त सम्पत्तिक उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बंध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक क्रे बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (बा) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अव, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रामसिह पुत्र लक्ष्मीनारायण सिंह, श्रीमिति शांति देत्री पत्नि राम सिंह श्री भवानी सिंह एवं राजेंद्र सिंह पुतान श्री राम सिंह, नयाभागवान भवन, जाट के कुऐं का रास्ता, जयपुर ।

(म्रन्तरक)

(2) श्रीमित संयीदा बेगम पत्नि श्री मोहम्मद वजीर, ताज स्कूल, रामगंज बाजार, जयपुर ।

(अन्तरिती)

क्षे यह स्थाना भारी करके पृथालित सभ्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हो।

उक्त सम्मत्ति को अजन का सम्बन्ध मा का है भी। आदाप . ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशण की तारीं से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्वष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची।

दुकान नं० 1003, निपोलिया वाजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 1171 दिनांक 1 जून, 1982 पर पंजिबद्ध विक्रय पन्न में भीर विस्तृत रूप में विवरणित है।

> मोहन सिह, सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज, जगपूर ।

दिनांक: 28-12-1982।

प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस. ----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनांक 28 दिसम्बर 1983

म्रादेश मंख्या राज०/सहा० ग्रा० श्रर्जन/1562---ग्रतः मुझे, मोहन सिंह

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकार को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृल्य 25,000 /- रह. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० दुकान मं० 25 है तथा जो जयपुर में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रक्षिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित अव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा केलिए:

अतः अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए के असमरण में, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिखत व्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) श्रीमति कुसुम कुमारी घाषिया, पत्नि श्री सुरेण चन्द घांघिया, कृन्दीगरों के भैरव का रास्ता,

(अन्तरक)

(2) श्री टाकुरदास निबुधानं। पुत्र श्री मोट्मल जी, जे-139 म्रादर्शनगर, जयपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करमा हुएं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाग;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूखी

दुकान नं० 25, बापू बीजार, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या 1377 दिनांक 15-6-1982 पर पंजिबद्ध विऋय पन्न में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ·श्चर्जन रेंज, जयपूर

दिनांक : 28-12-1982

प्रकृप आर्च.टी.एन.एस.-----

**मायक र** अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज,-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० 1215/एसीक्यू श्रार-III/72-83--यतः मुक्षे, एम. श्राहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/ रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 91/1 है तथा जो साउदान एवेन्यू कलकत्ता में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 5-6-1982

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप में काथित नहीं किया गया है:---

- (क) त्रन्तरण सं हुड्ड किसी आय की बाबत, उक्स किपिनियम, के बुधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अमृसरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् हि—

- (1) श्री प्रादित्य नारायण चौधुरी ग्रौर दूसरा (श्रन्तरक)
- (2) दि पिरारलेस जैनारेल फाइनेंस श्रीर इनवेस्टमेंट का लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध , को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त स्थायत्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है. 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

91/1, साउदार्न एवेन्यू, कलकत्ता ।  $6\bar{n}$ , 2सीएच-5 एसक्यू० फीट जमीन पर मकान ।

एम० अहमद, नक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज III, कलकक्षा

दिनांक: 31-1-1983

प्ररूप आइ. टो. एन. एस. -----

प्रायकार प्रिवित्तिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० 1216/एमीक्यू श्रार-Ш/82—83—यतः मुझे, एम० श्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, पर विश्वाम चरने का फारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुन्य 25,000 कि में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 10 है तथा जो प्रियनाथ मिल्लिक रोड, कलकत्ता में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णारुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-6-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) ऐसी किसी भाष मा किसी धन या भ्रम्य भारितयों को, जिल्हें भारतीन आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः जव, उक्त जीभिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त जीभीनवन की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन विकासितीयत व्यक्तिस्ट्रॉ, अपूर्त ६── (1) श्री रमेन्द्र चन्द्र राय ।

(भ्रन्तरक)

(2) ग्रारपि प्रोपर्टिज प्राइवेट लि० ।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूनों क्ता सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृयों कित स्वीवत्यों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं
   45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध 
   - किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास 
   तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

10, प्रियनाथ मस्लिक रोड, कलकत्ता । 11के—12सीएच—43 एसकयु फिट जमीन पर मकान । (1/6 वां शेयर)

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक: 31-1-1983

मोहर:

30 -486 GI/82

प्रकप बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्वेश सं० 12717/एसीक्यू आर-III/82-83---यत:, मुझे, एम० श्रहमद आयकर श्रितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रितियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अश्रीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है

ग्रीर में जिसकी सं० 10 है तथा जो प्रियनाथ मिल्लिक रोड, कलकत्ता स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर, पूर्णारूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 26-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन्न के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उष्टिश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त ग्राध-नियम के भन्नीन कर देने के मन्तरक के दायिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर ग्रिविनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या धन-कर ग्रिविनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में भुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः---

(1) श्री राजेन्द्र चन्द्र राय।

(अन्तरक)

(2) श्रारपि प्रोपर्डिस प्राइवेड लि॰ ।

(भ्रन्तरिती)

को य**ह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्ज**न के लिए कार्यवा**हियाँ** करता हूं।

अन्त पन्तरति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आ**लेप**ा--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा: ।
- (ख) इस सूवना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य क्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुस्ची

10 प्रियनाथ मल्लिक रोड, कलकत्ता। 11के--12सीएच--43 स्के० फिट (1/6वां शेयर) जिसन पर मकान ।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज III, कलकत्ता

विनांक 31-1-1983। मोहरः प्ररूप आई. टी. एन. एस. ----

न. एस. ----- (1) श्री सुधिन्द्र चन्द्र राय

कार्यवाहियां करता हूं।

(ग्रन्तरक)

(2) भ्रारिप प्रोपर्टिस प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देण स० 1218/एसीक्य् ग्रार-III/82--83--यतः, मुझे, एम० श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 10 है तथा जो प्रियनाथ मिललक रोड, कलकत्ता में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णारूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 26-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात्ः---

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्छीकरण: ---इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

10, प्रियनाथ मल्लिक रोड, कलकत्ता।

11के-12सीएच-43 स्के॰ फिट (1/6वा शेयर) जिमन पर मकान ।

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, कलकत्ता

विनांक: 31-1-1983

(अन्तरक)

प्रकप माइं.टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 31 जनवरी 1983

1219/एसीक्यू श्रार-III/82-83---श्रत:, निवेश सं० मुझे, एम० ग्रहमद,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से **अधिक हैं** 

श्रौर जिसकी सं० 10 है तथा जो प्रियनाथ मल्लिक रोड, कलकत्ता में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 28-6-1982

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्सह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उबुदोस्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया ग्या है 🦫 —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (स्त) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, इक्त अधिनियम की भार 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ः --

(2) श्रार0 पी0 प्रोपराटइर्स प्राइवेट लि०। (अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके प्योमित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित मे किए जा सकों गे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पारिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया कया हैं।

#### अन्सूची

10, प्रियनाथ मस्लिक रोड, कलकत्ता।

11--12सीएच 43 स्के० फिट (1/6वाँ शेयर) जमीन पर मकान

> एम० ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज III, कलक<del>रा</del>।

दिनांक 31-1-1983 मोहर:

प्रस्प भाइ. दी. एन. एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 31 जनवरी 1983

निदेश मं० 1220/एसीक्यू ग्रार- /82 83—श्रतः, मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० 10 है तथा जो प्रियनाथ मिल्लिक रोड, कलकत्ता स्थित है स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्णारूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनांक 28-6-1982

को पृवोंकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिक्ति में बाला- विक क्य से स्थित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी शाद की बाबत उसत जिथ-पित्रण के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

नतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री कल्याण कुमार राय।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रार0 पी 0 प्रोप्राईटर्स प्राइवेट लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्य-वाहिमां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# भपुसूची

10, प्रियनाथ महिलाक रोड, कलकत्ता।
11के—12सीएच---43 स्के० फिट (1/6ठा शेयर)
जमीन पर मकान ।

एस० ग्रहभद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज III, कलकक्ता

दिनांक: 31-1-1983

प्रसम्प, आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-छ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

. निर्देश सं० 1221/एसीक्यू झार- /82—83—म्रतः मुक्ते, एम० श्रहमव

म्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिविनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से भ्रसिक है

ग्रीर जिसकी सं० 11, है तथा जो डोग्रार पार्क, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद भनुसूची में ग्रीर पूर्णें रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 22-6-1983

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अग्वरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल का पन्नह भी किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त पश्चि-नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अग्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भौजिनयम, या सनकर भाषिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए।

जतः अव, उक्त अधिनियम् की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-- (1) विनयं कुमार पाल

(ग्रन्तरक)

(2) टिनिभेलि टोटिकोरिन टी ग्रौर इनवेस्टमेंट को (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त सम्पत्ति के श्रर्भन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की प्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भ्रविध, खो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
  - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी कें पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मनसर्ची

11, डोभार पार्क, कलकत्ता । 18के---4सीएच---16 स्के० फिट जमिन पर मकान दलिल सं० 5366, ।

> एम० **अहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III, कलकक्ता

दिनांक: 31-1-1983

प्ररूप बाइं. टी. एन. एस.-----

**बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की** भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

भारत सरकार

ग्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० 1222/एसीक्य मार-III/82--83-- ग्रत:, मुझे, एम० श्रहमद

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के पधीन सबस प्राधिकारी को, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर संप्रीत, जिसका उच्चित बाजार सस्य 25,000/ . सं**अधिक है** 

श्रौर जिसकी सं० 162/60 है तथा जो लेक गार्डेनस, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जून 1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गुई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्परित का उचित बाजार मुख्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदूह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरम सेहुई किसी आय की बाबत सकत अजि-नियम के **प्रधी**त कर देने के अल्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भोर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या मन्य ग्रास्तियों की. जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर श्रक्ति-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या. छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त् अधिनिय्म की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उस्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु: ---

(1) श्री पंकज कूमार सेन

(अन्तरक)

(2) रायमित्र श्रौर को 0।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरीके पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, तो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

# अनुसूची

162/160, लेक गार्डेनस, कलकत्ता । 2के---13 सीएच---26 स्के० फिट जमीनरू।

> एम भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, III कलकत्ता

दिनोक : 31-1-1983

प्रकप माई० टी• एन•एस•---

स्रायकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के स्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलक्सा, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० 1223/क्वी० भ्रार०-—III/82-83--श्रप्तः मुझे, एम० श्रहमद

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उका पश्चितिमन' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीत सभम प्राधिकारी की, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-क्पय से अधिक है

ग्नीर जिसकी सं० 22 है तथा जो ग्राणुतोश चौधुरि एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्नीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 3-6-1982

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयज्ञान प्रतिफल के लिए अग्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अग्तरक (अग्तरकों) मौर प्रन्तरिती (प्रग्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में वास्तिक का में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण मे हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त प्रक्षि-नियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करन या उससे बचने में सुविधा के किए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी घन या ब्रास्ट बास्टियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या बन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव., उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निषित्त स्प्रक्तियों, अधीत्:— (1) श्री मुबोध चन्द्र सरकार।

(भ्रन्तरक)

(2) मिगमा प्राइवेट लि॰।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बंध में कोई भी श्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्याचर;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पळीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुस्पी

22, श्राशुतोश चौधुरि एवेन्यू, कलकत्ता। 9 के 85 सी एच जमीन पर मकान।

> एम० म्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक: 31-1-1983

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कललत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० 1224/एसीक्यू श्रार-III/82-83—श्रतः, मुझे, एम० श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 25,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं॰ 6/2 है, तथा जो पाम एवेन्यू कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रौर पूर्णरूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29-6-1983

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, जिम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ग्रा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--31 -- 486 GI/82

(1) श्री जितन्त्र नाथ टालुकदार

(ध्रन्तरक)

(2) राज कुमार कडिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर है। पूर्वे का नंगरित की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सं बंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति मों किए जा सकारी।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# **अन्**स्ची

62/2, पाम एवेन्यू, कलकला । 11के-9सीएच जमीन पर मकान ।

एम० श्रहमव सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, III कलकत्ता

दिनांक: 31-1-1983

प्ररूप आहर्र. टी. एन ् एस .-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० 1225/एसीक्यू आर-III/82-83--अतः मुझे ग्र

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 8/1 है तथा जो प्लाट नं० 3ए, गरियाहाट रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-6-1982

को पूर्वेक्ति सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री एम० एस० आगरउयाला और सन्स प्रा० लि० (अन्तरक)
- (2) श्री समरेन्द्र दास गुप्ता

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

- (क) इस स्चाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पटिकर्ण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुस्ची

प्लाट सं० 3ए, 3री फ्लोर, 18/1 गरियाहाट रोड कलकत्ता ।

एस० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज-III, कलक्ता-16

दिनांक : 31-1-1983

मोहर 🛭

# प्ररूप • धाई • टी • एन • एस •----

पायकर प्रक्रिनियम; 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ग्रश्नीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-<sup>III</sup>, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 3 फरवरी 1983

निर्देश सं० 1226/एक्बी॰ आर-III/82-83-अतः मुझे, एम॰ अहमद

थायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितं बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 3ए हैं तथा जो जदु भट्टाचार्य लेन, कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2-6-1983

को पूर्वीक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रान्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का छिषत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिष्क है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच हेते प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेन्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कवित वहीं किया बया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

नतः अब उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाग (1) के अभीन, निक्नलिखित क्यक्तियों, अर्थात् हिल्ल (1) श्रीमती प्रीतिकना दास और दूसरा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती वीनापानी चक्रवर्ती।

(अंतरितीः)

डी पर जूपना आरी करके पूर्वोका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामी का से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्तित में हिट-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यहीं अर्थ होगा, जो उस मुखाय में द्विया ग्या है।

# भनुसूची

3ए, जदु भट्टाचार्यी लेन, कलकत्ता। 2के—11छ०—22 स्के० फिट जमीन पर मकान।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

विनांक 3-2-1983। मोहर:

# भक्त कार्यः वी.एन.एस.,------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देण सं० टी॰ आर॰-118/82-83/एसएल 701/ 1 ए सी/एसीक्यू आर-I/कल॰-अतः मुझे एम॰ अहमद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमे इसके परवात् 'उक्त् भोधिनयम्' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम् प्राधिकारीं को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्टि, प्रिसका अजित बाजार मूल्य 25,000/-रुः से अधिक हैं

और जिसकी मं० 28/2ए है तथा जो हरेकृष्ण रोड एच 14 स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और, पूर्णारूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल कत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-7-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथिस नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन निम्नलि<u>क्ति व्यक्तियों अधितः—</u> (1) श्री जय प्रकाण गांगुलि

(अन्तरक)

(2) श्री के कोठारी।

(अन्तरिती)

(3) (1) मैंसार्स किशोर एंड को:, (2) एन० टी० तेवारी ।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है )।

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप्:---

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जनकि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वन्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियाँ वृश्वें कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियाँ वृश्वें कर विद्या व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियाँ वृश्वें स्व
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बबुध किसी बन्य व्यक्तित इवारा अधिहस्ताकरी के पास लिखित में किए था संखेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

#### अनुसूची

28/2ए हरेकुष्ण कोणार रांड कल-14, में अवस्थित, 6 कट्टा 3 छटांक, 10 वर्ग फिट जिमन पर एक तल्ला मकान और शेंड जो डींड नं० 569 अनुसार 30-7-1982 तारिख सब रजिस्ट्रार, सियालदह ।

एम० अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनांक 31-1-1983।

# प्रकल बाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

नायकर मधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

#### भारत सरकार

# कार्यातम, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० टी॰ आर०-159/82-83/एम॰ एल०-602 ए॰ सी॰/एसीक्यू आर-I/कल०-अतः मुझे, एम॰ अहमद,

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 64 डी है तथा जो लिस्टन स्ट्रीट, स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णाव्य से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कल सत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त बन्तरण में बास्तिक क्य से किया नदीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या चनकर अधिनियम, या चनकर अधिनियम, या चनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग-के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तिर/में अथित् :--- (1) श्री ज्योति भूषण, राय।

(अन्तरक)

(2) श्री महम्मद आरिफ एंड आदार्स ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्क सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाकीप ए---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपस्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रश्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि(नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

64 डी, लिन्टन स्ट्रीट, कल० में अवस्थित 5 कट्टा 14 छटांक, 19 वर्ग फिट, जमीन पर और शेड भी डीड नं० 4651 अनुसार 4-6-1982 तारिख में रजिस्ट्रार आफ एश्यु-रेंस के कल० दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

> एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक 31-1-1983। मोहर: प्ररूप टाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

#### भारत सुरकार

**रुार्यालय, सह**ायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज- ${
m I}$ , कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्वेश सं टी आर 158/82-83/एस एल 703 1 ए० सी ०/एसी अयू आर-1/कल० — अतः मुझे, एम० अहमद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूस्य, 25,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं 64 डी है तथा जो लिन्टन स्ट्रीट, कलकत्ता में

और जिसकी सं० 64 डी है तथा जो लिन्टन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णेरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-6-1982

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूनोंक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण प्रिवित में बास्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुद किसी जाय की वाक्स, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरण के वायित्य में कनी करने या उससे वचने में सूबिशा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्म आस्तियों को, जिन्ह भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना जाहिए था, जिल्याने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को जनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ज्योति भूषण राय

(अन्तरक)

(2) श्री आन्दुल देवान

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

# उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षीप:--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर खक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास खिहित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## जनुसूची

64 डी लिन्टन स्ट्रीट, कलकत्ता में अवस्थित 3 कट्टा, 1 छटांक, जमीन और स्ट्राकचार जो डीड नं. 4650 अनुसार 4-6-1982 तारीख में रिजस्ट्रार आफ एक्योरेंस ख के दफ्तर में रिजस्ट्री हुआ ।

एम० अहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

दिनांक 31-1-1983 मोहर: प्ररूप आहें. टी. एम. एस. -----

आयकर् अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० टी० आर०-157/82-83/एस एल 704 1 ए० सी०/एसीक्यू/आर-I/कल०---अतः मुझे, एम० अहमद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6 और 7 है तथा जो ओल्ट कोर्ट हाउस स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9 जून 1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे एर्स्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतर्तिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः। अन , उत्त जिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---- (1) भी सुधीरलाल शील ऐंड आदार्स

(अन्तरक)

(2) श्री आत्मा राम कानोरिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
  किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

6 और 7 नं० ओल्ड कोर्ट हाउस स्ट्रीट कलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति का आधा हिस्सा का 1/8 अविभक्त हिहस्सा जो डीड नं० 4878 अनुसार 9-6-82 तारीख में रजिस्ट्रार आफ एश्योरेंस का दफ्तर में रजिस्ट्रा हुआ ।

> एम० अहमद, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, कलकत्ता-16

दिनांक: 31-1-1983

मोहरः

श्रुरूपु आई., टी. एन्. एस.,- - - ...--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० टी० श्रार०-156/82-83/एस एल० 705 आई ए सी /एसीक्यू आर आई /कलकत्ता—अतः मुझे, एम० अहमद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रः से अधिक हैं

और जिसकी सं० 6 है तथा जो तिलजला रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन विनांक 24-6-1982

को पूर्वोक्त सम्मृत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल् के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मृत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) डा॰ प्रस्सुन कुमार राय एंड आदार्स

(अन्तरक)

(2) रिब प्रभा बर्मन

(अन्तरिती)

(3) बेंगल ओयारनेल को० प्रा० लि० (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के हैंसए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

6 तिलजला रोड कलकत्ता में अवस्थित 63 कट्टा 3 छटांक 20 वर्ग फिट जमीन, पर आंशिक, एक तल्ला और आंशिक दो तल्ला मकान, का 2/3 हिस्सा जो डीड नं० 5435 अनुसार 24-6-1982 तारिख में रजिस्ट्रार आफ एक्युरेंस का देपतर में रजिस्ट्रर हुआ।

एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी, [सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-I, कसकत्ता

दिनांक: 31-1-1983

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० टी० आर०-155/82-83/एस० एल० 706-आईएसी/एसीक्यूएन आर-1/कलकत्ता—यतः मुझे, एम० अहमद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्ने इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुठ से अधिक है

और जिसकी सं० 6 है तथा जो तिलजला रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णारूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-6-82

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से वृधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरणं से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जीना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——
32.—486 GI/82

(1) डा॰ प्रसुन कुमार राय ऐंड आदार्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमति सबिता बर्मण

(अन्तरिती)

(3) मेसार्स बेंगंच ओयारनेय को० लि० (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में अन्य किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दियां गया है।

# अनुसूची

6 नं० तिलजला रोड कलकत्ता में प्रबस्थित 63 कट्टा 3 छटांक, 20 वर्ग फिट जमीन पर आंशिक, एक तल और आंशिक, दो तल्ला मकान का 1/3 हिस्सा जो 24-6-1982 नारिख में डीड नं० 5436 अनुसार रजिस्ट्रार आफ एश्यू-रेंस का दफ्तर में रजिस्ट्री हुआ।

एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज- <sup>T</sup>, कलक*त्*ता

दिनांक: 31-1-1983 ।

मोहर 🎇

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 31 जनवरी 1983

निर्देश सं० टी० आर०—160/82—83/एस एल 707 आईएमी/एसीक्यूएन आर—I/कलकत्ता—यतः मुझे, एम० अहमद बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 9/1वी है तथा जो महात्मा गांधी रोड कलकत्ता में स्थित है और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्णारूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-6-1982।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथ्य नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के टायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) है प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में न्विया के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत्:—— (1) मेसार्न खन्ना ऐंड सन्स (प्रा०) लिं०। (अन्तरक)

(2) सन्जय खान ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत् सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्य्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# मन्सूची

9/1 बी॰ महात्म गांधी रोड कलकत्ता में अबस्थित, मकान का एक तल्ला का प्लाट जो डीड न॰ 5297 अनुसार 19-6-1982 तारिख में सब रजिस्ट्रार आफ एम्युरेंस कलकत्ता का दफ्तर में रजिस्ट हुआ।

> एम० अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-, कलकना

दिनांक: 31-1-1983 ।

त्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश संख्या ए० सी० 61/आर-॥/कलकता/82---83---अतः मुझे, एम० श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 241/196, एस० एन० राय रोड, है तथा जो साहापुर बेहाला कलकत्ता में स्थित है (और इसमे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्णरूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अलिर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के प्रधीन) दिनांक 29-6-1982

को पृबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उत्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्यक्ष से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) भी ओंकार प्रसाद कानइ

(अन्तरक)

(2) श्री अशोक कुमार चादा पक्षे अर्जुन चादा (अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
  'किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
  लिखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमृस्ची

क्षतः : 4 कट्टा 4 छटाक, ए इच नं० 241/196, एस० एन० राय रोड, साहापुर, थाना बेहाला कलकत्ता i

> एम० अहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) क्वीन रेंज-I, कलकत्ता

दिनांक: 7-1-1983

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सी० 62/आर 11/कल०/82-83—अतः मुझे, एम० अहमद

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० 240/195, एस० एन० राय रोड है तथा जो साहापुर बेहाला कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० अलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक हे और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित बद्देश्य से अक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना श्राहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

- (1) गनेशका इनवेस्टमेंट प्रा० लि० (अन्तरक)
- (2) रक्षा चादा पक्षे बंकित चादा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# **अनुसूच**ी

श्रेत 4 कटा 11 छटाक 30 वर्गफुट एइच नं० 240/195, एस० एन० रय रोडः साहापुर, थाना बेहाला कलकत्ता

एम० अहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, कलकत्ता

दिनांक: 7-1-1983

प्ररूप आई. ट? एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 15 जनवरी 1983

निर्देश सं० ए० सी० 65/म्रार-II/कल०/82—83— भतः मुझे, एम० ग्रहमद,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 28/2, डा० एस० पी० मुखर्जी रोड है तथा जो दमदम में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्णाक्प से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी के कार्यालय, एस० ग्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 18-6-1982

को पूर्वोंक्त संपत्ति के उषित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उन्नत अन्तरण लिखिन में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिदाने यों स्विभा के सिए;

जतः जबः. उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के प्रत्मरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मुधीन, निम्नुलिखिस, व्युक्तियों, अर्थात् ६── (1) श्री गौर मोहन साहा

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति शिबानी घोष

(अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपृत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविक्षिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और प्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रेतः 1 कट्टा, 6 छटांक, 20 वर्गफुट जमीन के मकान है तथा जो 28/2 डा० एस० पी० मोखर्जी रोड दमदम ।

एम० श्रहसद संअम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज II कलकत्ता

दिनांक 15-1-183 मोहर: प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

### कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 जनवरी 1983

निर्देश मं० ए० 66 सी०/श्रार-II/कल०/82--83--श्रत: मुझे, एम० श्रहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रौर जिसकी सं० दाग तं० 119 है तथा जो मौजा राम चन्द्रपुर थाना बेहाला, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय एस० ग्रार० ग्रिलिपुर, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 2-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :----

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- (1) श्री प्रान गोपाल वर्मन

(भ्रन्तरक)

(2) मन्टिगोमेज श्रौर श्रन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुस्पी

श्रेतः 8 कठा जिमन तथा जो मौजा रामचन्द्रपुर थाना बेहाला कलकत्ता ।

> एम० श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज , कलकक्ता

दिनांक: 15-1-1983

मोहर:

प्ररूप गाइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी०---47/ब्रार०-11/कल०/82--83----श्रतः मुझे सि० रोखामा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सुम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० 118 बी०, नारके डांगा है तथा जो नार्थ रोड, बेलेघाटा कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कारी के कार्यालय एस० श्रार० शियलदह में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) श्रधीन दिनांक 7-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:---

- '(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थान :---

(1)श्रीमति सैल बाला गराइ।

(ग्रन्तरक)

(2) जोतसना रानी घोष

(श्रन्तरिती)

को ग्रह स्वना जारी करके प्वोंक्त संपरितः के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (४) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

#### **जन्**स्ची

श्रीत: 2 कठा जमीन, 118 बी०, नारके लडांगा नार्थ रोड में है तथा जो थाना बेलेघाटा कलकत्ता।

> सि० रोखामा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज II कलकक्ता

दिनांक 9-12-1982 । मोहर: प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 9 दिसम्बर 1982

श्रर्जन रेंज, ए० सी०-48/श्रार-II/कल०/82-83—श्रत: मुझे, सी० रोखामा

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'ख़क्त, अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-अ के अधीन सुक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य' 25,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 15 बी॰, जोगीपारा बाइ लेन हैं तथा जो मानिकतला जलकत्ता में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर, पूर्णेरूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय एस॰ श्रार॰ शियलदह में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 19-6-1982 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिफल से, एसे खर्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फश निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त जंतरण लिखित में बास्तियिक रूप से बिशत नहीं किया गया है:---

- (क) अंसरण से हुई किसी आयुकी बाबत्, उक्ल अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री गुरू प्रसाद दत्त श्रौर श्रन्य
- (श्रन्तरक)

(2) महापति देवी ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ्--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

#### अनुसुची

श्रेतः 4 लटा, 4 छटांक, 12 वर्गफुट जमीन के साथ दालान है तथा जो 15 बी० जोगीपारा बाइंग्ड थाना मानिकतला, कलकत्ता-6।

> सी० रोखामा सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज II कथकत्ता-16

दिनांक - 9-12-1982 मोहर : प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-IV कलकत्ता

कलकत्ता, 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० धाई० ए० सी०/रेंज-IV/क्ल/1982-ध्रतः मुझे सि० रोखामा आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 27/1/1 है तथा जो राम कुमार गांगुली लेन स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर, पूर्ण कृप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-6-1982

को पूर्वीक्त संपत्ति के उवित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (धन्तरकों) और श्रन्तरित (धन्तरितों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त श्राधि-नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमा करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपान में सुविद्या के लिए;

भतः ग्रब, उक्त प्रविनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, तै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निक्तिसित व्यानियत्यों, वर्षात् :--- 33-486 GI/82

(1) श्री गुरूं प्रसाद बानाजीं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमिति मीरा मुखर्जी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के क्षर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्वं वं थीं व्यक्तियों पर स्वना की ताथील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेकिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उच्चत स्थावर मञ्चलि मों हित- बद्ध किसी अन्य व्यवित इताए, अभोहस्ताक्षरी के पास निष्णित मों किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन 3 काठा 8 काच्चा जसील का साथ मकान पिता—27/1/1 राम कुमार गांग्ली लेन. थाना शिबपूर, जिला हावड़ा । दिलल सं० 1982 का 1410 ।

> सी० रोखामा, गञ्जम प्राधिकारी सहायक प्रागकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीत रोज IV, कलकत्ता

दिनांक: 8-12-1982

मोहर:

श्र<u>क्ष्यु बार्ड्</u> . <u>टर्न</u> . एस . ,-----

प्रायकर पविनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प (1) के धवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० सी०  $38/\overline{\text{र्राज-IV}}$ कल०/82-83-श्रतः मुझे, सी० रोखामा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 45/46/8 है तथा जो नवीन सेनापित लेन में स्थित है भीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 30-6-1982

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल सो, ऐसे एएयमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक्ल, निम्निलिसित उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीभित्यम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थाल हि— (1) श्री शंकर लाल घोष

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मुनीति श्राइच

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हु है 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### अनुसूची

जमीन 1 काठा 14 काञ्चा 6 स्को० फि० जमीन का साथ मकान । पता 45/46/8, नबीन मेनापित लेन, थाना शिबपुर, जिला हावड़ा । दिक्षल सं०---1982का 3613।

> सि० रोखामा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज IV कलकत्ता

दिनांक 8-12-1982 मोहर:] प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की) धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं० ए० मी०  $37/\sqrt[3]{3}$  - |कल०/1982-83 - यत: मुझे, सी० रोखामा

भागकर म्भिनियम,, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 6/2 है तथा जो तुलणी चरन मित्र गार्डेन लेन में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से विणित है, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय हावड़ा में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 2-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंशरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिल्हित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, जयत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसे किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के स्थीन िम्मनित्सित व्यक्तियों, अ्थित् ः—

- (1) श्रीमित राधा रानी, मित्र, श्री तिविब कुमार **घोष** (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमति ग्रारती मुखोपाध्याय (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के मूर्वन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>5</sup>, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन: 4.46 काठा जमीन का साउथ मकान। पिता: 6/2 तुलगी चरन मित्र गार्डेन लेन, मित्रपारा, रामकृष्णपुरम, थाना शिवपुर, जिला हावड़ा। दलिल सं० 1982 का 1900।

मी० रोखामा गक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-III कलकत्ता

दिनांक : 8-12-1982

मोहर

प्ररूप माई. टी. एन. एस.-----

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 दिसम्बर 1982

निर्देश सं0 ए० सी० 35/रेंज 4/कल०/82-83— ग्रत: मुझे, सि० रोखामा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पिरवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो चुंचुड़ा, जिला पावड़ा में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णारूप से विणत है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय चुंचुड़ा में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 18-6-1982

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा- 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री कार्त्तिक, नदर, नेमाई, गोपाल मल्लिक। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री बाबू म्राल बानार्जी । (म्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खं) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, ग्रश्चोहस्ताक्षरी के पास ुलिखित में किए जा सकेंगे।

हपट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

जमीन : 4 काठा 12 काच्चा, 8 स्को० फि० जमीन का साथ मकान ।

पता : मौजा कालिहान्दा थाना चुंचुड़ा, जिला हुगली। दिल सं० 1982 का 5202।

> सि० रो० खामा सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

दिनांक 8-12-1982 मोहर : प्रारूप आईं.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, महायकं आयकार आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-, नागप्र

नागपूर, दिनांक 9 दिनम्बर 1982

निद्या सं. । ए.सी./ए.सी.क्यू./202/82-83---यतः मुक्ते, एम. व्हि. आर. प्रसाद,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रिथकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं. - है, जो शिरीन लाज कंपाउण्ड, बैरामजी टाउन, म्यून. नं. 719, वार्ड नं. 60, नागपूर में स्थित हैं (और उसके उपावद्ध अगुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागपूर (जक्रमेंट मं. ) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-6-1982

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्रित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आग्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिगती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती कमलरुख डी. कासद, वैरामजी टाउन नागपूर।

(अन्तरक)

- 2. 1. श्रीचंद्रश गोड्मल
  - 2. श्री मुरलीधर गोंडाुमल
  - 3. श्री बलराम गोंडुमल
  - 4. श्री साधुरामं गोडें मल संत्रा मार्केट, नागप्र (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शबदों प्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

गौकरों के क्वार्टर शिरीन लाज कंपाकण्य, मृनसीपल नं. 719 वार्ड नं. 60, नागपुर क्षेत्र:-10,000/-चौ. फुट

> एम . व्हि . आर . प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज , नागप्र

वारोस : 9-12-1982

मोहर:

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### New Delhi-110011, the 2nd February 1983

No. A-12019/3/80-Admn.II.—In continuation of this Office Notification of even number dated 26th November, 1982, the Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Research Assistants (Languages) of the office of Union Public Service Commission to the excadre post of Junior Research Officer (Languages) in the Commission's office on ad-hoc basis for a further period w.e.f. 5th February 1983 to 31st July 1983 or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier.

- 1. Kumari K. Bandyopadhyay
- 2. Shri M. L. Varādpande
- 3. Shri B. Ghosh
- 4. Shri S. B. Kodad
- 5. Shri A. N. Sarma

The above mentioned persons should note that their appointment to the post of Junior Research Officer (Languages) is purely on *ad-hoc* basis and will not confer upon them any title for absorption for seniority in the grade of Junior Research Officer (Languages).

Y. R. GANDHU Under Secy. (Admn.)

for Secy.

#### New Delhi-110011, the 15th January 1983

No. A. 11016/1/81-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Section Officers of the Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the office of the U.P.S.C. for the periods indicated against each or until further orders whichever is earlier:—

<b>S</b> . No.	Name				Period
S/Shri					
1. N. K.	Dhingra				5-1-83 to
					4-4-83
2. Jit Ra	m.			,	11-12-82 to
					1-2-83
3. N. M.	L. Bhatna	gar			6-12-82 to
					1-1-83

The above officers shall draw Special Pay @Rs: 75/- per month in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-C.S. (1) dated 11th December, 1975.

#### The 22nd January 1983

No. A. 32014/1/82-Admn. III.—The President is pleased to appoint the following Assistants of the Office of the Union Public Service Commission to officiate as Section Officer on adhoc basis for the period mentioned against each or until further orders whichever is earlier:—

S. No.	Name						Period for which promoted
1. Shri N	I. K. Roy	-,					4-1-83 to 4-4-83
2. Shri D	. P. Arora	•	•	•			5-1-83 to 4-4-83
3. Shri Pi	omod Behari	•	•	•	•	•	1-1-83 to 1-2-83
4. Shri G	. T. Ramnani	٠	•		-	•	1-1-83 to 31-1-83
5. Shri A	. K. Sharma		•				11-12-82 to 31-1-83

#### The 1st February 1983

No. A-32014/1/83-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri Tarsame Singh (SC) an officiating Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on a purely temporary and ad-hoc basis w.e.f. 10th January 1983 to 9th April 1983 or until further orders, whichever is carlier.

#### The 4th February 1983

No. A-32014/2/83-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Dang, a Selection Grade Personal Assistant of the CSSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Sr. P. A. (Gd. B of CSSS) in the same cadre in a purely temporary and ad-hoc capacity with effect from 10th Ianuary 1983 to 9th April 1983 or until further orders, whichever is earlier.

His appointment as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) is purely temporary and on ad-hoc basis and will not confer on him any title for absorption in Gd. B of CSSS or for seniority in that grade.

Y. R. GANDHI Under Secy. (Admn.)

#### New Delhi, the 20th January 1983

No. A-32014/4/80-Admn.II.—In continuation of this office Notification of even number dated 4th November 1982, Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints Shri R. P. Singh, a permanent Estate Supervisor of this office, to officiate as Estate Manager and Meeting Officer on ad-hoc basis for a further period of 3 months with effect from 25th January 1983 to 24th April 1983 or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri R. P. Singh should note that his ad-hoc appointment to the post of Estate Manager & Meeting Officer will not automatically entitle him for regular absorption or for seniority in the grade.

I. C. KAMBOJ Section Officer for Secv.

## ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCIIANGE REGULATION ACT

New Delhi-3, the 3rd January 1983

#### APPOINTMENT

No. A-4/23/82:—The under-mentioned Assistant/Sr. Steno-graphers of this Directorate are hereby appointed to Officiate as Enforcement Officers in the following offices of this Directorate with effect from the dates mentioned against each and until further orders:—

S. Name and Designation No.	Date of Appoint- ment as Fuforce- ment Officer	Place of posting
1 2	3	4
lS/Sh	<del></del>	- <u> </u>
1. R. K. Ajmani, Asstt.	. 13-8-82 (F.N.)	Jullundur
2. M. C. Gupta, Asstt.,	. 25-8-82 (F.N.	Hyderabad )
3. Gurbachan Singh, Asstt	. J8-11-82 (F.N.)	Jullundur
4. J. S. Luther, Sr. Steno.	13-11-82 (F.N.)	Hqrs. Office
5. A. K. Narang, Asstt, .	. 13-11-82 (F.N·)	Hors. Office
6. J. C. Mehta, Assit	. 13-11-82 (F.N.)	Delhi Zone
7. K. C. Rustogi, Assit.	. 13-11-82 (F.N.)	Hqrs. Office

1	2			3	4
8.	K. V. Ananthakrishnan, Asstt.		,	26-11-82 (F.N.)	Calicut
9.	R. N. Madan, Asstt.	-		16-11-82 (F.N.)	Delhi Zone
10.	V. P. Gogia, Asstt			13-11-82 (A.N.)	Hqrs. Office

No. A-4/24/82.—The undermentioned Enforcement Officers/ CEO on ad-hoc basis of this Directorate are appointed to officiate as Chief Enforcement Officers in the following offices of this Directorate with effect from the dates mentioned against each and until further orders:—

5. No.		d Designa	tion		Date of Appoint- ment	Place of Posting
1	<del></del>	2		······	3	4
	S/Shri					
1.	B. Bose,	CEO (Ad-	hoc)	•	13-11-82 (F.N.)	Hqrs.
2.		Madhava	Rao,		17 11 03	TTJwai
	EO		•	•	17-11-82 (F.N.)	Hyderabad
3.	A. K. M	itra, CEO	(Ad-h	nc)	6-12-82 (F.N.)	Hqrs.
4.	V. B. Su	rvasc, EO	•	-	2-12-82 (F.N.)	Bombay
5.	Gokal C	hand, EO	•	٠	29-11-82 (F,N.)	Bombay
					•	

R. N. CHOPRA Dy. Director of (Admn.)

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 8th February 1983

No. 2/22/82-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri R. K. Rchani, a permanent Personal Assistant in the Commission as Senior P.A. in the pay scale of Rs. 650—1040/- in an officiating capacity on ad-hoc basis w.e.f. 17th January 1983 to 5th March 1983 or until further orders, whichever is earlier.

K. L. MALHOTRA
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

### MINISTRY OF HOME AFFΛIRS

# DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS

#### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th February 1983

No. V-26/66-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri V. S. Dwivedi, Sr. Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation to officiate as Dy. Legal Adviser in CBI on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 31st January, 1983 and till 28th February, 1983 or till the regular appointment is made, whichever is earlier.

No. R-14/72-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Verma, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation to officiate as Sr. Public Prosecutor in CBI on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 27th January, 1983 and till 28th February 1983 or till the regular appointments are made, whichever is earlier.

No. S-32/72-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Srivastava Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation to officiate as Sr. Public Prosecutor in CBI on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 28th January 1983 and fill 28th February 1983 or till the regular appointments are made whichever is earlier.

#### The 15th February 1983

No. A-19025/1/82-AD-V.—The President in terms of para 1(ii) of the offer of appointment vide Memo. No. A-12025/1/81-AD.V dated 6th July, 1982 hereby terminates the services of Shri Zubair Hussain, Sr. Public Prosecutor, CBI, Calcutta with immediate effect.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 9th February 1983

No. O-II-1781/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Vinod Kumar as General Duty officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24th January, 1983, subject to his being declared medically fit.

No. O-JI-1783/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Srikrishna Patrulu Koka as General Duty Officer Grade-II (Deputv Superintendent of Police/Coy. Compander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24th January, 1983, subject to his being declared medically fit.

#### The 11th February 1983

No. O-II-1782/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. B. K. Rai as General Duty Officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 24th January, 1983, subject to his being declared medically fit.

#### The 14th February 1983

No. O-11-1480/80-Estt.—Consequent on the expiry of his terms of re-employment in the CRPF, Ex-Major K. L. Gandhi relinquished charge of the post of Assistant Commandant OC AWS-3, CRPF Gauhati in the afternoon of 26th January 1983.

No. O-II-1785/83-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Dhananiai Pinqua as General Duty officer Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Coy, Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 24th January, 1983, subject to his being declared medically fit.

A. K. SURT Assistant Director (Estt.)

### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA (Ad. I Section)

No. 11/43/80-Ad.I.—In continuation of this Office Notification No. 11/43/80-Ad.I dated the 28th May, 1982, the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri Dira Nath Sharma an Office Superintendent, as Assistant Director of Census Operations in the Office of the Director of Census Operations. Himachal Pradesh, Simla, for a further period upto the 28th February, 1983 under the existing terms and conditions.

2. The Headquarters of Shri Sharma will be at Simla.

#### The 9th February 1983

No. 11/100/79-Ad.I.—The President is pleased to repatriate Shri O. P. Bhardwai, an officer belonging to the Haryana Cadre of the Indian Administrative Service, who was working as Director of Census Operations, Haryana at Chandigarh, on deputation basis, to the Government of

Haryana, with effect from the forenoon of the 24th January, 1983.

P. PADMANABHA Registrar General, India

#### FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 8th February 1983

No. 8 FC 2(31)-A/82.—Consequent on his transfer from the Department of Economic Allairs, New Delhi, Shri G Ranga Rao, I.A.S. (TN: 64), Director, has been appointed as Joint Secretary in the Eighth Finance Commission in the scale of Rs. 2500—2750 with effect from the forenoon of 3rd February, 1983 and unit further orders.

S. L. MATHUR Under Secy.

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas-455003, the 9th February 1983

F. No. B.N.P./C/5/83.—In continuation of this Department's Notification of number BNP/C/5/82 dated 4-12-82, the ad-hoc appointment of following officers are hereby extended upto 31-3-83 or till the posts are restored to the grade of Assistant Works Manager and are filled on a regular basis, whichever is earlier.

S. No.	Name			Post to which ad-hoc appointment is made
S/Shri	·····			
1. V. Ven	kataramani	•	٠	Technical Officer (Printing & Platemaking)
2. R. C. A	Agrawal			Ďо,
<ol><li>Ashok</li></ol>	Joshi ∙.			Do.
4. A. D. l	Deshpande			Do.
5. S. K. S	hukla .			Do.

M, V. CHAR General Manager

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 9th February 1983

No. Admin. 1/8/32/82-83/392.—Sri N. V. Krishna Murthy Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 31st January 1983 A.N.

No. Admin. 1/8/32/82-83/397.—Sri R. V. Chakravarthy Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on 31st January 1983 A.N.

B. MASON Sr. Dy. Acct. Genl. (Admn.)

# OFFICE OF THE ACOCUNTANT GFNERAL, UTTAR PRADESH

Allahabad, the 7th February 1983

No. Admn./I/II-144/Notn./7781.—Shri R. S. Sharma, Substantive Accounts Officer, in the Office of the Accountant General III, U.P. Allahabad has retired from Government

service on attaining the age of superannuation with effect from 31st January, 1983 (A.N.).

S. J. S. AHULUWALIA Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 10th February 1983

No. 5334/A-Admn/130/82.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri R. S. Khatri, Substantive Section Officer (Audit) to officiate as Audit Officer in the Office of the Audit Officer, Defence Services, Allababad, with effect from 25th January 1983 (FN), until further orders.

B. S. TYLE Joint Director of Audit, D. S.

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110066, the 9th February 1983

No. AN/I/1172/1/Vol.I.—Reference this Department's Notification No. AN/I/J172/1/Vol. I dated 24th September, 1982, regarding appointment of Officers of the Indian Defence Accounts Service (on deputation) to officiate in Level 'II' of the Senior Administrative Grade (Scale Rs. 2250-125/2-2500) of that Service, under 'Next Below Rule'. After para 2, add para 3 as follows:—

"3. The appointment of Shri B. G. Joshi, IDAS, at Srl. No. 5 above, to officiate in Level 'II' of the SAG under the 'NBR' was initially for a period of six months only from 20th July 1982. The President is now pleased to extend the benefit of 'Next Below Rule' to Shri B. G. JOSHI, for a further period beyond 19th January 1983 until further orders but in no case beyond 31st March 1983,

No. AN/I/1175/1/Vol.-I.—The President is pleased to appoint Shri K. Shankar, an officer of the Indian Defence Accounts Service [on deputation as Director of Accounts (Fertilizers), Department of Agriculture & Co-operation, New Delhi] ot officiate in the Junior Administrative Grade (Scale Rs. 1500-60-1800-100-2000) of that Service with effect from the 21st July, 1982 (FN) upto 20th January, 1983 (AN) under "Next Below Rule".

R. K. MATHUR Addl. Controller General of Defence Accounts (Admin.)

#### MINISTRY OF DEFENCE

#### INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

#### ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 5th February 1983

No. 7/G/83.—On expiry of extension of service of six months granted w.e.f. 1st August 1982, Shri N. M. Patel, DDGOF in SAG Level-II, retired from service with effect from 31st Jan. 1983/AN.

#### The 9th February 1983

No. 11/G/83.—The President is pleased to confirm the following officers in the grade of Sr. D.A.D.G./Manager with effect from the dates shown against them:—

S. No.	Name+Trade+Designation	Date of Confirma- tion
2. B. Vi	Truter (Met.)/Dy. GM (Reid.) idyant (Met.)/Dy. GM	1st March, 1976 1st March, 1976 1st March, 1976

(1)	(2)
(1) (2)	(3)
S/Shri	
4. H. O. Gupta (Engr.)/Dy. GM . "	1st March, 1976
5. S.M.S. Sundaram (Engr./Dy. GM).	1st March, 1976
6. C. K. Kotak (Engr.)Dy. GM	1st March, 1976
7. Sudarshan Kumar (Chem.)/Dy. GM	1st March, 1976
9 A G D 1: /GIRL/12 - chair	
	1st March, 1976
9. S. K. Juneja (Engr.)/Dy. GM	1st March, 1976
10. R. S. Bindra (Engr.)/Dy. GM	1st April, 1976
11. O. S. Jhavas (Engr.)/Dy. GM .	1st April, 1976
12. R. K. Ghosh (NT)/Dy. GM (Retd.)	1st April, 1976
13. S. N. Gupta (Engr.)/Dy. GM	23rd April, 1976
14. R. N. Babu (Engr.)/Dy. GM	1st May, 1976
15. S. Ramaratnam (Engr.)/Dy. GM .	1st May, 1976
16. P. L. Bagga (Engr.)/Dy. GM	1st June, 1976
17. C. Narasimhalu (Engr.)/Dy. GM	1st Sept., 1976
18. B. K. Sarmah, (Met.)/Dy. GM	1st April, 1977
19. S. Sampath (LT)/Dy. GM , .	1st June, 1977
20. S. K. Saxena (Engr.)/Dy. GM	1st June, 1977
21. R. M. Tripathi (Engr.)/Dy. GM	1st July, 1977
22. G. K. Rao (Engr.)/Dy. GM . ,	1st July, 1977
23. G. S. Narang (Engr.)/Dy. GM	1st Sept., 1977
24. P. N. Honap (Engr.)/Dy. GM	1st Oct., 1977
25. S. Mukherjee (NT)/Dy. GM (Retd.)	
26. C.R. Gupta (LT)/Dy. GM	8th Oct., 1977
27. B. D. Biswas (Met.)/Dy. GM	8th Oct., 1977
28. K.K. Grover (Met.)/Dy. GM (Retd.)	
29. K. K. Chand (NT)/Dy. GM (Retd.)	8th Oct., 1977
<ol><li>K. K. Pappachen (NT)/Dy. GM</li></ol>	. 1st Nov. 1977
31. H. P. Asthana (NT)/Dy. GM .	1st Nov., 1977
32. M. P. Gupta (Engr.)/Dy. GM	1st Nov., 1977
33. Daya Prakash (Engr.)/Dy. GM	17th Nov., 1977
34. B. K. Sharma (Engr.)/Dy. GM .	4 . 5 4 4 6 6 7
35. V. M. Jacob (Engr.)/Dy. GM	1 4 7 1070
36. Sher Singh (Engr.)/Dy. GM	1st January, 1978
27 M. M. Wheels (Ener VID., CM.	
	• •
38. I. P. Mishra (Engr.)/Dy. GM	• •
39. M. Sarup (Engr.)/Dy. GM	1st February, 1978
40. C. R. Ghosh (Engr )/Dy. GM (Retd.	) 1st February, 1978
41. R. C. Chawla (Engr.)/Dy. GM	
(Retd .)	1st February, 1978
42. G. C. Khanna (Engr.)/Dy. GM	
(Retd)	. 1st February, 1978
43. G. F. Mascararenhas (Engr.)/Dy GM	MI.
(Retd.)	. 1st March, 1978
44. T. N. Sen (Engr.)/Dy. GM	
(Retd.)	. 1st May, 1978
45. S. R. Chakraborty (Met.)/Dy, GM	
(Retd.)	. 1st June, 1978
46. D. P. Goel (Chem.)/Dy. GM	. 1st August, 1978
47. B. Lall (Chem.)/Dy. GM .	. 1st September, 1978
48, K, R, Padmanabhan (Chem.)/Dy.	•
GM	. 1st October, 1978
49. S. Mukherjee (Met.)/Dy. GM	. 1st October, 1978
50. T. Venkataswarlu (Engr.)/Dy. GM	. 26th Nov., 1978
51. M. M. Ahmed (Engr.)/Dy. GM	•
	. 1st January, 1979
52. J. Sain (Chem.)/Dy. GM	. 15th January, 1979
53. A. K. Choubal (Chem.)/Dy. GM	. 1st February, 1979
54. K. Nanda Kumar (Chem.)/Dy. GM	
55. S. P. Mishra (Engr.)/Dy. GM.	. 1st May, 1979
56, S. P. Kulkarni (Engr.)/Dy, GM	
(Retd.)	. 13th June, 1979
57. L. N. Sriraman (Met.)/Dy. GM	. 1st July, 1979
58. Munnolal (NT)/Dy. GM .	. 31st July, 1979
59. R. C. Gupta (CT)/Dy. GM	
(Reid.)	. 31st July, 1979
60. Jit Singh (Engr.)/Dy. GM	. 1st August, 1979
61, H.P.S. Ahluwalia (Engr.)/Dy. GM	. 1st August, 1979
34—486 GI/82	

1	2		3
S/Shr:	i		
62, D	. K. Sarkar (NT)/Dy, GM .	٠	1st September, 1979
63. <b>D</b>	. K. De Sarkar (Chem.)/Dy. GM		1st Sept., 1979
64. M	I. M. Menon (NT)/Dy. GM		
(F	Retd.)		1st Sept., 1979
65. R	. Padmanabhan (Engr.)/Dy. GM		1st January, 1980
	. P. Singh (Engr.)/Dy. GM . . K. Rastogi (Engr.)/Dy. GM	:	1st February, 1980 1st Feruary, 1980
	. K. Agarwala (Chem.)/Dy. Givl		1st May, 1980
	. K. Das Gupta (Mct.)/Dy. GM		1st August, 1980
70. S	. Bancrice (Met.)/Dy. GM .		1st October, 1980
	I. M. Agarwal (Engr.)/Dy. GM		1st December, 1980

Calcutm-700069, the 3rd February 1983

No. 3/83/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Sanat Kumar Sinha, Substantive & Permanent Assistant/Offg. Assistant Staff Officer reitred from service with effect 1:om 31st January 1983 (AN).

D. R. IYER DDG/Persounel.

# MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 10th February 1983

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1232/77-ADMN(G)/976.—On attaining the age of superannuation Shri Q. A. M. J. M. Almedia, Controller of imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay, has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st December, 1982.

No. 6/1405/83-Admn(G)/977.—On attaining the age of superannuation Shri R. L. Surroach Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports Bombay has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 31st December, 1982.

#### The 11th February 1983

No. 6/1380/82-ADMN(G)/978.—On attaining the age of superannuation, Shri M. M. Khosla, a Grade IV officer of the CSS and officiating Controller of Imports and Exports in this office has been permitted to retire from Government Service with effect from 31st January, 1983 (AN).

Dy. Chief Controller of Imports and Exports.
For Chief Controller of Imports and Exports,

# DIRECTORATE GENERAL OF COMMERCIAL INTELLIGENCE AND STATISTICS

Calcutta-700 001, the 7th February 1983

No. Estt.1/1(1)83/883.—In pursuance of the Ministry of Home Affairs, Department of Personnel and Administrative Reforms letter No. 13028(33)/82-I.E.S. dated 31st December, 1982, Shri S. R. Sengupta a Grade II Officer has assumed charge of the post of Senior Deputy Director General, Grade-II, I.E.S. in the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta, on the forenoon of 1st Feb. 1983 vice Shri M. C. Mookerjee, Superannuated on the afternoon of 31st January, 1983.

#### The 9th February 1983

No. Estt.I/26(3)82/961.—Shri M. C. Mookerjee, a permanent Indian Economic Service (Grade IV) Officer and an officiating Senior Deputy Director General (I.E.S. Gr. II) in the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics, Calcutta, has retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st January 1983 on attaining the age of superannuation.

D. C. DATTA Director General

#### MINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 8th February 1983

No. A-19018(109)/73-Admn(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri V. K. R. Prabhu, Deputy Director (Electronics) in the Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Director (Grade II) (Flectronics) on Ad-hoc basis at the same office with effect from the forenoon of 22nd January 1983 until further orders.

No. A-19018(248)/76-Admn,(G).—The President is pleased to appoint Shri K. S. Govindarajan, Small Industry Promotion Officer (IMT), Small Industries Service Institute, Bangalore as Asstt. Director (Gr. I) (IMT) at Small Industries Service Institute, Indore with effect from the forenoon of 19th January 1983 until further orders.

#### The 14th February 1983

No. A-19018(169) /75-Admn.(G) Vol.II.—The President is pleased to appoint Shri R. L. Garg, Assistant Director (Gr. I) (Mechanical), Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi as Deputy Director (Mechanical) on Ad-hoc basis at the same office for a period of three months with effect from the forenoon of 14th January 1983.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

## DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 10th February 1983

No. A-1/1(892).—Shri Lokesh Prasad, permanent Junior Progress Officer and officiating Assistant Director (Gr. 11) in this Directorate General retired from Government Service with offect from 31st January 1983 (AN), on attaining the age of superannuation.

S. BALASUBRAMANIAN Deputy Director (Administration)

# ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 4th February 1983

No. 943D/A-19012(2-SKM)/75/19B.—On his being permanently absorbed in Oil & Natural Gas Commission, Dr. S. K. Misra, resigned from the post of Assit. Geophysicist in Geological Survey of India with effect from the afternoon of 30th September 1982.

No. 951D/A-19012(4-RR)/82-19B.—Sri Ram Surat Rai, L.T.A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same department on pay according

to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 16th December 1982 until further orders.

#### The 5th February 1983

No. 1192B/A-32013(AO)/80/19A.—Shri Prem Nath, Administrative Officer, Geological Survey of India retired from Government service on superannuation with effect from 31st March, 1981 Afternoon).

#### The 7th February 1983

No. 1252B/A-19012(4-RSP)/82-19B.—Sri Rama Shankar Prasad, S. T. A. (Drilling) of the Geological Survey of India is appointed as Driller in the same Department on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 23rd December, 1982, until further orders.

S. K. MUKHERJEE Director General.

#### INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 7th February 1983

No. A,19011(194)/76.-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri R. M. Umathay Permanent Junior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines, has been promoted to the post of Senior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines with effect from the forenoon of 24-1-83.

B. C. MISHRA Head of Office Indian Bureau of Mines

# DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY NATIONAL ATLAS & THEMATIC MAPPING ORGANISATION

Calcutta-19, The 7th February 1983

No. 29-8/83-Estt.—Shri K. K. Chakraborty, permanent Office Superintendent is appointed as Administrative Officer in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 2nd February, 1982, until further orders.

G. K. DUTT Jt. Director.

#### ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 7th February 1983

No. F.30-8/83-Estt/2642.—Shri T. K. Chakraborty, Senior Zoological Assistant is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group B) in the scale of Rs. 650-1200 in the Headquarters Office of the Zoological Survey of India, Calcutta, in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from the 31st December, 1982 (forenoon) until further orders.

DR. B. K. TIKADER,
Director,
Zoological Survey of India.

#### DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 4th February 1983

No. A-19020/24/79-Admn.I,—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Suri to the post of Junior Staff Surgeon (Dental) on a purely ad-hoc basis with effect from the Forenoon of 18th May, 1982 and until further orders.

T. C. JAIN Dy. Director Administration (0&M).

#### MINISTRY OF AGRICULTURE (DEPARTMENT OF FOOD) NATIONAL SUGAR INSTITUTE

Kanpur, the 22nd January 1983

No. Estt.10(1)/72-II/8632.—Shri O. S. Bhatnagar at present working as Welfare Officer on deputation at National Sugar Institute, Kanpur is transferred to the same post of Welfare Officer at the Institute with immediate effect.

N. R. KHARLAWALA Director

# MINISTRY OF RURAL DEVELOPMENT (DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION)

Faridabad, the 9th February 1983

No. A-19024/2/82-A.III.—Shri S. N. Mohindru, Senior Chemist, has been appointed to the post of Chief Chemist at Regional Agaisark Laboratory, Ghazaabad, on purely ad hor basis for a period of three months with effect from 17-12-1982 (FN) or the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

Jt. Agricultural Marketing Adviser for Agricultural Marketing Adviser

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400 085, the 8th February 1983

No. V/377/CED/Estt.II/153.—Shri Shamarao Venugopalan relinquished charge of the post of SO/Engr-Grade SD on 21-10-1982 AN consequent on voluntary retirement.

> P. N. KRISHNAMOORTHY Controller.

#### Bombay-85, the 19th January 1983

No. Ref. PA/79(4)/80-R-III.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Bhimashankar Vishwanath Bhagunde, Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer (Rs. 650-960) in the Research Centre on an ad-hoc basis for the period from 7-12-1982 (FN) to 7-1-1983 (AN).

B. C. PAL, Dy. Establishment Officer.

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 11th February 1983

No. NAPP/Adm/1(244)/82-S/1605,—Consequent on his transfer to Rajasthan Atomic Power Project, Kota Shri S. C. Bhagashra, Security Officer in this Project has relinquished charge of his post in the afternoon of Docember 28, 1982.

R. K. BALI Administrative Officer-III

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th January 1983

No. A. 32013/12/82-E.A.—The President is pleased to appoint the following officers to the grade of Senior Aerodrome Officer on a regular basis with effect from 20-9-82 or from the

date they actually take over the charge of the post whichever is later and until further orders:—

S. No.	Name			Station of posting
S/Shri				
1. A. K.	Basu .			Headquarters.
2. R. L.	Chopra			Bombay
3. P. C.	Goel .			C.A,T.C., Allahabad
4. C. N.	Prasad			Bombay
5. H. M.	Israel			Tirucharapalli
6. D. N.	Ghosh	,		Headquarters
7. D. K.	Sen .			C. A. T. C.,
				Allahabad
8. B. M.	Arora .			Deputation to Libya
9. B. K.	Duggai			Deputation to Libya
10. A. K.	Sinha .			Calcutta
				(S.A.S.C.)
11. B. S. (	Gambhir			Udaipur
12. P. A.	Raghunath	an		Mangalore
13. M. B.	Aggarwal			Delhi
14. II. L.	Gupta			Nagpur
	Kuttykrish			Bombay
16. R. C.	<del>-</del>			Delhi

#### The 3rd February 1983

No. A.19011/86/80-EL.—On attaining the age of superannuation Shri S. C. Joshi, Assistant Director, Air Routes & Aerodromes (Planning) in the Office of the Director General of Civil Aviation retired from Government service on the afternoon of 31st January, 1983.

#### The 4th February 1983

No. A.19011/20, 80-E1.—Shii S. D. Bahl, Regional Director, Delhi Region, Delhi retired voluntarily from Government service on the afternoon of 5th January, 1983 under Rule 48-A of the CCS (Pension) Rules, 1972.

Dy. Director of Administration.

#### New Delhi, the 4th February 1983

No. A.32013/7/81-EC.—In continuation of the Department's Notification No. A.32013/10/80-EC dated the 31st December, 1982, the President is pleased to appoint Shri B. P. Bhagat at present working as Sr. Communication Officer on ad-hoc basis at A.C.S., Bombay, to the grade of Sr. Comm. Officer on a regular basis w.e.f. 20-9-1982 and until further orders.

No. A. 32013/3/82-E.C.—The President is pleased to appoint the following Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on ad-hoc basis w.e.f. the date of taking over charge of the higher post for a period of six months and to post them to the stations indicated against each:

S. No.	Name		Present Station of posting	Station to which posted	Date of taking over , charge
S/	/Shri	_			<u></u>
1. A	run Kumar	•	O/o RD, New Delhi	O/o RD, New Delhi	27-9-1982 (A.N.)
2, V	. Subramanian		ACS, Madras	ACS, Madras	27-12-1982 (A.N.)

No. A.32014/2/81-EC(Pt).—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. K. Nambooditi.

Technical Assistant attached to Aeronautical Communication Station, Madras to the grade of Assistant Technical Officer on ad-hoc basis w.e.f. 4-3-1982 (FN) and to post him to Aeronautical Communication Station, Mangalore.

#### The 7th February 1983

No. A. 32014/2/82-E.C. (Vol. III).—The President is pleased to appoint the following Communication Assistants in the Civil Aviation Department to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-1200 for a period of six months with effect from the date indicated against and to post them to the stations indicated against each:—

S. No.	Name	Prosent Station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
S	/Shri			
1. N	1. V. Mulmulay	Bombay	Rajkot	30-11-82
				(F.N.)
2. K	. dgniS lagh	Delhi	DGCA	16-10-82
			(H, Qrs.)	(F.N.)
			New Delhi	
3. R	R. D. Ram .	Delhi	Varanasi	30-10-82
				(F.N.)
4. B	. M. Gulati .	Lucknow	Lucknow	28-12-82
				(F.N.)
5. J.	.H.Nair	${f Bombay}$	Trichi	30-10-82
				(F.N.)
6. Si	mt, Priti Kundu	Calcutta	Calcutta	2-11-82
				(F,N.)
7. S.	, P. Vasavada .	Bhaynagar	Vijayawada	16-1-83
_				(F,N.)
8. G	ł. Eranna	Nagpur	Nagpur	13-1-83
		·		(F.N.)
9, J.	B. Krishna .	Bombay	Bangalore	26-11-82
	G1 1	75. 11. <sup>1</sup>		(F.N.)
11. J.	Ghosh	Delhi	Amritsar	27-12-82
		CATC	CATC	(F.N.)
		C.A.T.C., Allahabad	C.A.T.C., Allahabad	12-11-82 (E.N.)
13 1/2	V Disselse was		Triyandrum	(F.N.) 20-10-82
14. K	. V. Bhaskaran .	Trivandrum	Trivanorum	(F.N.)
12 0	. B. Punna Rao .	Lindarahad	Hyderabad	19-10-82
13. 3	. Б. Гиша КаО .	riyuciabad	Tiyudaayaa	(F.N.)
14 🕏	B.L. Tyagi .	Delhi	Varanasi	8-12-82
14, 0	, D.D. I YABI .	Dom	v araması	(F.N.)

J. C. GARG Assistant Director of Admn.

#### CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

# Kanpur, the 11th February 1983 (CORRIGENDUM)

No. C. No. II(29).219-ET/G/81/5164.—The date of Joining as Superintendent Group 'B' of Shri Sushil Kumar shown in the Notification No. 1/82 dated 8-7-1982 issued under endt. C. No. II-225-ESTT/79/23235 dated 14-7-1982 may be read as 29-10-1981 Forenoon instead of 30-10-1981.

J. RAMAKRISHNAN Collector Central Excise.

### DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT, CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 9th February 1983

No. 4/83.—On his retirement on superannuation, Shri K. D. Math relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs & Central Excise at New Delhi w.e.f. 31-12-82 (after noon).

#### The 14th February 1983

No. 5/83.—On his retirement on superannuation, Shri Raminder Singh relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection and Audit, Customs and Central Excise at New Delhi w.e.f. 31-1-83 (after noon).

B. C. RASTOGI Director of Inspection.

# DIRECTORATE GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New-Delhi, the 28 January, 1983

No. 27-E.E./B. (3)/69-E.C. II.—The following officers of the Central Public Works Department on attaining the age of superannuation (58 years) have retired from Government Service with effect from 31st December, 1982 (A.N.) (31-12-1982 (A.N.):

S. No. Name of Offi	cer			Designation & Name of office from where the officer has retired.
S/Shri				
1. L. D. Bhatia .		•	•	Executive Engineer (Elect.), Airconditioning Division No. II, C.P.W.D., New Delhi.
2. V. D. Gupta .	1	٠	-	Executive Engineer (Elect.), Lucknow Costral Elect. Division, C.P.W.D., Lucknow (U.P.).
3. P. A. Chawla	•	•	-	Executive Engineer (Elect.), Safdarjung Electrical Division, CPWD, New Delhi.
4. O. P. Sharma		•	-	Executive Engineer (Civil) Construction Division No. V, CPWD, New Delhi.

NEENA GARG, Dy. Director of Administration for Director General (Works)

#### NATIONAL TEST HOUSE

#### Calcutta, the 8th February 1983

No. G-318/A.—The Director General, National Test House, Calcutta has been pleased to appoint Shri N. N. Mitra, Head Clerk, National Test House, Bombay Branch, Bombay as Asstt. Director (Admn) (Gr. II) in the same office on a regular basis w.e.f. 10-12-82 (F/N), until further orders.

Dy. Director (Admn.)
for Director General
National Test House, Calcutta.

#### MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPTT, OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Leading Chit Fund & Private Ltd.

New Delhi, the 3rd December 1982

No. 4185/22460.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Leading Chit Fund & Finance Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Himachal Metal Industries Pvi. Ltd.

New Delhi, the 17th December 1982

No. 3748/23205.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Himachal Metal Industries Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. R. L. Oberol & Co. Private Ltd.

New Delhi, the 5th January 1983

No. 2881/136.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. R. L. Oberoi & Co. Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jyoti Pharmaceutical Works P. Ltd.

New Delhi, the 16th February 1983

No. 4067/4322.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jyoti Pharmaceutical Works Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Indira Rubber Estate Private Limited Cochin-682 011, the 8th February 1983

No. 1820/Liq/560(5)|1359|82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Indira Rubber Estate Pvt. Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Cochin-682 011, the 8th February 1983

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Printing and Educational Publications Foundation Private Limited

No. 2406/Liq/560(5)|1357|82.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Printing and Educational Publications Foundation Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Commercial Transports Limited

Cochin-682 011, the 8th February 1983

No. 238/Liq/560(5)|83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies

Act, 1956, that the name of Commercial Transports Limited has this day been struck oil the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Chempumudy Estates Limited

Cochin-682 011, the 8th February 1983

No. 219/Liq/560(5)|1357|83.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Chempunudy Estates Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN, Registrar of Companies, Kerala

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Apex Commerial and Finance Company P. Ltd.

Ahmedabad-9, the 14th February 1983

No. 1669/560/CP,—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of section 560 of the Companies Act 1956 that at the expiration of three months, from the date, hereof the names of the M/s. Apex Commercial and Finance Company Pvt. Ltd. Unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Registers and the said company is dissolved.

S. B. MASTER, Asstt. Registrar of Companies, Gujarat.

#### OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Trivandrum-695033, the 23rd November 1982

- C. No. 125(1)/ADM/G/82-83.—In exercise of the powers conferred on me under sub section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (Act 43 of 1961), I, the Commissioner of Income-tax, Trivandrum, hereby abolish the C. Ward, in the Income-tax Office at Tiruvalla which was created as per order C. No. 1(209)/GL/80-81, dated 27th June, 1980 of the Commissioner of Income-tax, Kerala II, Ernakulam.
- 2. This order shall come into force with offect from 1st December, 1982.

M. R. MENON Commissioner of Income-task Trivandrum

## OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX, COCHIN

Cochin-682016, the 15th January 1983 ORDER

Sub.: Estt. Promotion to the grade of ITO Group 'B'.

- C. No. 2/ESTT/Con/82-63.—Shri A. M. Ali, Inspector of Income-tax, o/o the Commissioner of Income-tax, Cochin is promoted to officiate as an Income-tax Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650—1200/- with effect from the date on which he joins duty, as directed by the Commissioner of Income-tax, Trivandrum.
  - 2. He will be on probation for a period of two years.
- 3. The above promotion is made on a provisional basis. The promotion is liable to termination without notice. It will not conter on the promoted official any right either to retention or to seniority in the promoted grade.

#### The 24th January 1983 ORDER

Sub.: Estt. Promotion to the grade of ITO Group 'B'.

C. No. 2/ESTT/CON/82-83.—Shri R. Rajagopalan, Inspector of Income-tax, IT Office, Kottayam is promoted to offi-

ciate as an Income-tax Officer, Group 'B' in the scale of Rs. 650—1200/- with effect from 1st February 1983, or the date on which he joins duty, as directed by the Commissioner of Income-tax, Trivandrum, whichever is later.

- 2. He will be on probation for a period of two years.
- 3. The above promotion is made on a provisional basis. The promotion is liable to termination without notice. It will not confer on the promoted official any right either to retention or to seniority in the promoted grade.

G. R. PATWARDHAN Commissioner of Income-tax, Cochin

#### INCOMETAX DEPARTMENT

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ERNAKULAM RANGE,

Ernakulam, the 4th December, 1982 INCOMETAX.

SPECIAL ORDER u/s. 124 (2) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961.

No. C.R. 26 Adm./E.K.M./82-83.—Under the powers granted to me by the order C. No. 1 (9) (B)/G.L./73-74 dated 12-7-73

of the Commissioner of Income-tax, Kerala, Cochin issued u/s 124 (2) of the Incometax Act, 1981, I hereby assign the jurisdiction of the following case to the Income-tax Officer, B-Ward, Ernakulam with effect from the Forenoon of 13-12-1982.

S.I.R. No.			Name & Address of the assessee		
S. 893	•	*	Mrs. Salini Sadasivan, C/o Shri S. Ramachandran, Vanitha Jewellery, Broadway, Ernakulam, Cochin-11,		

P. J. THOMASKUTTY

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Ernakulam Range,
Ernakulam, Cochin-682016

#### FORM ITNS-

(1) Smt. Kamalrukh D. Kassad, R/o Byramji Town, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) 1. Shri Chandresh Gidumal,

Shri Murlidhar Gidumal.
 Shri Balram Gidumal.

4. Shri Sadhuram Gidumal. Santra Market, Nagpur.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 9th December 1982

No. IAC/ACQ/202/82-83.—Whereas I, M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A portion of servant quarters in Shirin Lodge Compound Municipal No. 719, C. No. 24, Ward No. 60, Byramji Town, Nagpur,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 5-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

A portion called servant's quarters in Shirin Lodge Compound having Municipal No. 719 C. No. 24 Ward No. 60 having an area of 10,000 sq. ft. at Byranji Town, Nagpur.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 9-12-1982,

#### FORM INTS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 30th November 1982

No. LAC/ $\Lambda$ CQ/203/82-83.—Whereas 1, M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Nazul Plot No. 618, Panchaoli Housing Acq. Scheme, Chalta No. 347, Sheet No. 287, C.H. No. 2269, Nagpur, Area: 15087 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 3-6-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) 1. Smt. Ramsakhi W/o Purushottam Gupta,
  - R/o 11/243 Souter Ganj, Kanpur.
     Soit. Anita W/o Dhaoshyamdas Sesariya, R o 3/199, Vishnupury, Kanpur.
     Smt. Mamta W/o Ashokkumar Agrawal,
  - R/o 254, Pandu Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ramesh and Shri Rajendra Both sons of Shri Danchand Vaswani, Jiwanjoti, Kadbichok, Nagpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Nazul Plot No. 618, Panchpaoli Housing Acq. Scheme, Chalta No. 347, Sheet No. 287, C.S. No. Area: 15087 sq. ft, 2269, Nagpur,

> M. V. R. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 30-11-1982

of :--

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE
3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 30th November 1982

No. IAC./ACO/201/82-83.—Whereas I, M. V. R. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1/2 portion of Municipal House No. 406/0-3 Ward No. 60, C. No. 24, New Colony Nagpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 5-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—35—486GI/82

 Shri Chaithram Chamandas, Hardware Merchant, Bhandra Road, Itwagi, Nagpur.

(Transferor)

(2) Smt. Sabra Begum W/o Shabir Ahmed Ansari, Near Daroga Masjid, Kamptee.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/2 portion of Municipal House No. 406/0-3, Ward No. 60, C. No. 24, New Colony, Nagpur.

M. V. R. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 30-11-82 Seal:

#### FORM I.T.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No./3907.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Guru Nanak Pura, Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of marsfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Gurcharan Singh S/o Jaswant Singh r/o House No. 14, Guru Nanak Pura, Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Kharak Singh S/o Kabul Singh R/o V. Phalahi Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As s. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 1/5 share of House No. 13, Guru Nanak Pura, Jalandhar and persons as mentioned in the registration sale Deed No. 1917 of June 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983

Scal ;

FORM I, T. N. S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No./3908.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Guru Nauak Pura, Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jalandhar in July 1982,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income seising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gurcharan Singh S/o Jaswant Singh r/o H. No. 14, Guru Nanak Pura, Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar.

(lransferor)

(2) Shrimati Swaran Kaur W/o Kharak Singh R/o H. No. 13, Guru Nanak Pura, Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar. (Transferee)

(3) As s. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 1/5 House No. 13 situated in Guru Nanak Pura, Jalandhar and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2473 of July 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No./3909.—Whereas, I, I. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

as per schedule situated of Guru Nanak Pura, Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalandhar in August 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Guru Charan Singh S/o Jaswant Singh r/o H. No. 14, Guru Nanak Pura, Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

- (2) Shri Ajit Singh, Jasvir Singh Ss/o Kharak Singh 1/0 H. No. 15, Guru Nanak Nagar, Guru Teg Bahadur Nagar, Jalandhar.
- (3) As s. No. 2 above.
- (Person in occupation of the property)

  (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property 1/5 House No. 13, Guru Nanak Pura, Jalandhar and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 3122 of August 1982 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No./3910,—Whereas, J. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Gidherbah,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gidherbah in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Karnail Kaur D/o Bhag Singh, R/o V. Gidherbah Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt. Dial Kaur Wd/o Harbans Singh R/o V. Gidherbah Distt. Faridkot.

(Transferee)

(3) As s. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 33 Kls. 10 mls, situated in V. Gidherbah and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 560 of June 1982 of the Registering Authority, Gidherbah.

I, I.. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No./3911.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000 and bearing

No. as per schedule situated at M. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Malout in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Dara Singh S/o Ujagar Singh R/o Mandi Harji Ram, Malout.

(2) Shrimati Surjit Kaur W/o Partap Singh, Truck Owner, Adarsh Nagar, Malout.

(Transferee)

(3) As s. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property House situated at Malout and persons as mentioned in the registration sale deed No. 757 of June 1982 of the Engistering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No./3912.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Mansa Kalan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Abhey Kumar S/o Shamsher Singh r/o Jain Oil Mills, Mansa.

(Transferor)

(2) Aggarwal Cotton Oil Mills,

. Tek Chand S/o Chajju Ram. 2. Sadhu Ram S o Chajju Mal.

Sarup Chand S/o Ram Parshad.
 Sansari Lal S/o Jeona Mal.
 Pardip Kumar S/o Sansari Lal.
 Smt. Chambeli W/o Gopi Chand r/o Mansa.

(3) As s. No. 2 above.

(Person in occupation of the property) (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 1/5 of, 4 Kls, 17 Mls, situated at Mansa Kalan and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2078 of June 1982 of the Registering Auhority, Mansa.

> J. J., GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No./3913.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Mansa Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 -(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mansa in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Mohinder Kumar S/o Shamsher Singh of Jain Oil Mills, Mansa.

(Transferor)

(2) Aggarwal Cotton Oil Mills.

Tek Chand s/o Chajju Ram.

- 2. Sadhu Ram S/o Chajju Mal. Sarup Chand S/o Ram Parshad. Sa isari Lol S/o Sansari Mal.
- 5. Pardip Kumar S/o Sansari Mai.6. Smt. Chambeli W/o Gopi Chand r'o Mansa.

(Transferce)

(3) As s. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 1/5 of 4 Kls. 17 Mls. situated in Mansa Kalan, and Persons as mentioned in the registration Sale deed No. 2079 of June 1982 of the Registering Authority, Mansa

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1 1983

Soal :

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No./3914.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Mansa Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-36—486GI/82

(1) Shri Joginder Kumar S/o Shamsher Singh of Jain Oil Mills, Mansa.

(Transferor)

(2) Aggarwal Cotton Oil Mills,

Tek Chand S/o Chajju Ram.
 Sadhu Ram S/o Chajju Mal.
 Sarup Chand S/o Ram Parshad.

4. Sansari Lal S/o Jeena Mal. 5. Pardip Kumar S/o Sansari Lal.

6. Smt. Chambeli W/o Gopi Chand r/o Mansa.

(Transferce)

(3) As s. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 1/5 of 4 Kls. 17 Mls. situated in Mansa Kalan and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2080 of June 1982 of the Registering Authority, Mansa.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE **JALANDHAR**

Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3915.-Whereas I, J. I., GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Mansa Kalan,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:--

- (1) Shri Surinder Kumar S/o Shamsher Singh of Jain Oil Mills, Mansa.
  - (Transferor)
- (2) Aggarwal Cotton Oil Mills.
  - 1. Tek Chand S/o Chajju Ram.

  - Sadhu Ram S/o Chajju Mal.
     Sarup Chand S/o Ram Parshad.
     Sansari Lal S/o Jeena Mal.
     Pardip Kumar S/o Sansari Lal.
     Smt. Chambeli W/o Gopi Chand, r/o Mansa.

(Transferee)

(3) As s. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 1/5 of 4 Kls. 17 Mls. situated in V. Mansa Kalan and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2081 of June 1982 of the Registering Authority

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983

#### FROM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3916.-Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. as per schedule situated at Mansa Kalan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

(1) Shri Shamsher Singh S/o Brij Lal of Jain Oll Mills, Mansa.

(Transferor)

- (2) Aggarwal Cotton Oil Mills.
  - Tek Chand S/o Chajju Ram.
     Sadhu Ram S/o Chajju Mal.

  - Sauhu Kain S/o Chajit Mai.
     Sarup Chand S/o Ram Parshad.
     Sansari Lal S/o Jeena Mal.
     Pardip Kumar S/o Sansari Lal
     Smt. Chambeli W/o Gopi Chand

r/o Mansa.

(Transferee)

- (3) As s. No. 2 above.
  - (Person in occupation of the property)

interested in the property)

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 1/5 of 4 Kls. 17 Mls, situated in V. Mansa Kalan and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2082 of June 1982 of the Registering Authority. Mansa.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983

(Transferee)

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3917.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Varinder Kaur W/o Karam Singh r/o Kot Kapura.

(2) Shri Kafa Ram S/o Karam Chand, Municipal Commissioner, Kot Kapura.

(3) As s. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Plot 9½ Sq. Yds. situated in Kot Kapura and persons as mentioned in the registration sale deed No. 1000 of June 1982 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Now. therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 27-1-1983

Scal:

FORM ITN9-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR JALANDHAR, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No./3918.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at Kotkapur

(and more fully described in the schedule nnexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

at Faridkot on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Varinder Kaur W/o Karan Singh R/o Kotkapura,

(2) Shri Chuni Lal S/o Kala Ram, Municipal Commissioner Kotkapura.

(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property plot 94 Sq. Yards situated in Kot Kapura and person as mentioned in the registration sale deed No. 1001 of June, 82 of the Registering Authority, Faridkot.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR JALANDHAR, the 27th January 1983

Ref. No. A.P. No./3919.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000-and bearing No.

as per schedule situated at Ferozepur Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Baij Nath S/o Ram Nath R/Kothi No 146-P Sant Lal Road, Ferozepur Cantt.
  - (Transferor)
- (2) Shri Kanti Lal S/o Jugal Kishore R/o Banglow No. 146, Sant Lal Road, Ferozepur Cantt.
  - (Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.
  - (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to

be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Carette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 1579 of June, 1982 of the Registering Authority, Ferozepur.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 27-1-1983.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3920.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer

at Malout on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kasturi Lal, Kashmiri Lal Kewal Krishan Ss/o Kaur Chand R/o V. Malout.

(Transferor)

(Transferce)

- Shrimati Savitti Devi W/o Jashwant Singh R/o
   Malout.
- (3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 32 Kls. 5 Mls. situated in V. Malout and Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 591 of June, 82 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983.

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3921.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

as per schedule situated at V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mukhtiar Singh S/o Vir Singh Mukhtair-ai-am of Jagroop Singh S/ Kapur Singh R/o V, Malout, (Transferor)
- (2) Shri Bakhshish Singh S/o Gurcharaniit Singh R/o V. Malout.

  (Transferee)

(3) As per Sl, No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property land 16 Kls. 16 Mls. situated in V. Malout and Persons as mentioned in the registeration sale deed No. 603 of June, 82 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983.

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3922.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—37—486G1/82

 Shri Nank Chand S/o Darbar Chand, C/o Nagpal Wool House, Malout.

(2) Shri Balbir Singh S/o Jag Singh R/o V. Malout.
(Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 8 Kls. 19 Mls, situated in V. Malout and Persons as mentioned in the Registration sale deed No. 675 of June, 82 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION' RANGE, JALANDHAR Jalundhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3923.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Danewala

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Surjit Kaur W/o Baldev Singh R/o V. Danewala Tehsil Malout, Distt. Faridkot.
- (Transferor)
  (2) Shrimati Suresh Rani W/o Dya Krishna, Raj Rani W/o Pawan Kumar, Parkash Kaur W/o Sadhu Singh R/o V. Malout.

  (Transferee)

(3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 16 Kls. situated in V. Danewala and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 740 of June, 82 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandha

Date: 28-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3924.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and

as per schedule situated at V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimeti Gurdial Katır D/o Arjan Singh R/o V Malout.
- (2) Shri Balwant Singh S/o Chand Singh R/o V. Malout.
  (Transferce)
- (3) As per SI. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 13 Kls. 4 Mls. situated in V. Malout and Persons as mentioned in the registration sale deed No. 747 of June, 82 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983.

FORM I.T.N.S.——-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3925.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Malout (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Bisso Wd/o Arjan Singh, R/o V. Malout.
  (Transferor)
- (2) Shri Balwant Singh S/o Chand Singh R/o V. Malout.
  (Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (d) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 13 Kls. 4 Mls. situated in V. Malout and persons as mentioned in the registration sale deed No. 748 of June, 82 of the Registering Authority, Malout

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983.

Scal;

# FORM ITNS.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3926.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Malout on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely:-

- (1) Shrimati Parmila W/o Mangat Ram, R/o V. Malout. (Transferor)
- (2) Shrimati Krishna Rani W/o Mithan Lal, Nirmal, Gurdip now at Raja Mithan C/o Bansal Machine Store, Malout. (Transferee)
- (3) As per Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)
(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. 3 Mls. situated in V. Malout and persons as mentioned in the registration sale deed No. 834 of June, 82 of the Registering Authority, Malout.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3927.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of th Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred t as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at V. Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malout on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jaimal Singh S/o Inder Singh R/o V. Malout.
  (Transferor)
- (2) Shri Gurcharan Singh S/o Gurbax Singh R/o Malout.

(Transferee)

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property:

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 22 Kls. 6 Mls. situated in V. Malout and persons as mentioned in the registration sale deed No. 866 of June, 82 of the Registering Authority, Malout.

J. L. GIRDHAK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jalandhan

Date: 28-1-1983.

### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3928.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on June, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Niranjan Singh S/o Bhan Singh r/o V. Muktsar.
  (Transferor)
- (2) Shri Basant Singh S/o Bhag Singh R/o V. Muklsar. (Transferee)
- (3) As Sl. No. 2 above.
  (Person in occupation of the property.)
- (4) Any other person interested in the property.

  (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property land 14 Mls. situated in V. Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 850 of June, 82 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983.

#### FORM 1.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3929.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Niranjun Singh S/o Bhan Singh R/o V. Muktsar.
  (Transferor)
- (2) Shri Jaswant Singh, Retired Colonel, Mann, S/o Sh.
  Bhag Singh R/o V. & P.O. Bham, Teh. Muktsar.
  (Transferee)
- (3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 14 Mls. situated in V. Muktsar and persons as mentioned in the registration sale deed No. 851 of June, 82 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983.

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3930.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

as per schedule situated at V. Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (1) of 1922) of the said Act or the Wealth-tax act. 1957; 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rooms, namely:—3—486GI/82

(1) Shri Harbhajan Sìngh S'/o Dhamala Through Mukhtiar-ai-am Bhupinder Singh Ahuja S/o Madan Lal R/o New Grain Market, Muktsar.

(2) Shrimati Harjeet Kaur d/o Kapur Singh R/o V. Sher Garh, Teh. Muktsar.

(Transferee)

(3) As SI. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property House situated in V. Muktsar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 722 of June, 82 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983,

(Transferee)

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONFR OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3931.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-t x Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Muktsar on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Jagjit Singh, Ranjit Singh Ss/o Mukhtiar Singh R/o V. Phagsar Teh. Muktsar.
- (2) Shri Jagdev Singh S/o Dyal Singh R/o V. Khude Ha-lal, Tch. Muktsar.

(3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property land 1 K. 13 Mls. situated in V. Muktsar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 890 of June, 1982 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983,

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3932.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed kereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Karnail Singh S/o Nikka Singh R/o V. Muktsar.
  (Transferor)
- (2) Shri Birender Singh, Sukhchain Singh, Nempal Singh Ss/o Arjan Singh, R/o V. Fatenwala Tch. Muktsar. (Transferee)
- (3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

# THE SCHEDULE

Property land 1 Kl. 12 Mls. situated in V. Muktsar and persons as mentioned in the Registeration sale deed No. 946 of June 82 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3933. -Whereas, I, J. I. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Muktsar on June 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wtalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

- (1) Shri Jangir Singh S/o Nikka Singh R/o V. Muktsar.
  (Transferor)
- (2) Shri Iqbal Singh, Gurcharan Singh Ss/o Bagh Singh R/o V. Laduwala P.O. Guru Harsahai, Distt. Ferozepur.

(3) As Sl. No. 2 above.
(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property plot 1 Kl. 13 Mls. situated in V. Muktsar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 947 of June, 82 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date : 28-1-1983.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No./3934.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Muktsar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Gurbachan Kaur Wd/o Dalip Singh R/o V. Muktsar, through Sukhbir Singh S/o Dalip Singh R/o H. No. 4233, Kot Kapura Road, Muktsar.

  (Transferor)
- ()2 Shri Gopi Ram S/o Niamat Rai R/o V. Muktsar.
  (Transferee)
- (3) As Sl. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property plot 15 Mls, situated in V. Muktsar and persons as mentioned in the registeration sale deed No. 1084 of June, 82 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar

Date: 28-1-1983.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3935.— Whereas, I, I. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heren after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at V. Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Muktsar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shrimati Gurbachan Kaur Wd/o Dalip Singh through Sukhbir Singh Sandhu S/O Dalip Singh R/O H. No. 4233, Kot Kapura Road, Muktsar.

(Transferor)

(2) Shri Roshan Lal S/O Gopi Ram R/O Nathu Ram Street, H. No. 454, Muktsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property). (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property plot situated in Muktsar & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1093 of June, 82 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

Date: 28-1-83.

# FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3936.—Whereas, J. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at V. Muktsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Sita Devi W/O Ramji Dass, Mathra Devi W/O Sham Lal, r/o V. Muktsar.

(Transferor)

(2) N. D. Ice Factory, Abohar Road, through Sh. Shagan Lal C/O M/S Sham Lal Shagan Lal, New Grain Market, Muktsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property plot situated in V. Muktsar & persons as montioned in the registration sale deed No. 1219 of June, 82 of the Registering Authority, Muktsar.

J. L. GIRDHAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 28-1-83.

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

Total Committee State State

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3937.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Muktsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muktsar on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) Shti Teja Singh S/O Bakhtawar Singh r o V, Alamgurh Teh, Muktsar,
- (Transferor)
- (2) Shrimati Sheela Devi Wd/o and Surrinder Kumar, Harish Kumar, Ravinder Kumar Ss/o Mithan Lal R/O Happy Nest, Bank Road, Muktsar,
- (Transferee) (3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property Plot 2 Kls. 7 Mls. situated in V. Muktsar & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1233 of June, 82 of the Registering Authority, Muktsar.

> J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar,

Date: 28-1-83.

### FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3938.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Jalalabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalalabad on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
39—486GI/82

(1) Shrimati Vidya Wanti Widow and Amrit Lal, Prem Chand, Vijay Kumar SS/o Sh. Munshi Ram R/o Jalalabad.

(Transferor

(2) Shri Ram Lal S/o Sh. Bihari Lal R/o Jalalabad.

(Transferee)

(3) A<sub>S</sub> S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knowns to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1032 of July, 1982 of the Registering Authority, Jalalabad.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 28-1-83.

#### FORM I.T.N.S.---

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

# 'ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 28th January 1983

Ref. No. A.P. No. 3939.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

24 per schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Phagwara on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Parkash Kaur W/o Sh. Surinder Singh R/o Moh. Satnam Pura, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Amar Singh R/o Sarka (Himachal)

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)

(4) Any other persons interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 595 of June, 1982 of the Registering Authority, Phagwara.

J. L. GIRDHAR, Competent Authority Inspecting Assistant Commission: of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 28-1-83.

# FORM NO. I.T.N.S.----

 Shri Tejbhan Chowdry s/o Chowdry, Chander Bhan r/o 252, Sector 18, Panchkula-134109.

(Transferor)

(4)

(2) Shri Pokhar Dass s/o Sri Bhajan Lal HUF 1/0 4410/15, Bagla Katra, Nai Sarak, Delhi-6.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF ¶HE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GRQUND GLOOK CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/6-82/362.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 16-C, Part-B situated at Pusa Road, Bara Bazar Marg, N.E.A. New Delfii

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property bearing No. 16-C, Part-B of Pusa Road Sant Godgi Margan of shoot of Bara Bazar Marg in Northern Extension Area, New Delhi, Mg. 420 sq. vds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-1-83

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND GLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq I/6-82/364.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Rajokri, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Phool Singh and Chain Sukh ss/o Ram Sahai r/o Vill. Rajokri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Soni Farms, E-130, Saket, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 4 Bighas and 12 Biswas Kh. Nos. 283, Vill. Rajokri, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH.
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-f,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/6-82/367.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000| and bearing

Agri. land situated at Vill. Rajokri, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Phool Singh and Chain Sukh Ss/o Ram Sahai r/o Vill. Rajokri, Teh. Mehrauli, New Delbi.

(Transferor)

(2) Mrs. Indu Soni w/o Sh. J. K. Soni r/o E-130, Saket, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 2 Bighas and 8 Biswas Kh, No. 284/2, Vill. Rajokri, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83

on June 1982

## FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-J

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC7Acq 1/SR-III/6-82/368.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

G-2/13 situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring officer at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Asha Nand s/o Kannu Ram 1/o 13/261.62 Dakshinpuri, New Delhi through attorney Ved Parkash.
  - (Transferor)
- (2) Shri Hari Chand s/o Gaila Ram r/o G-2/13, Malyiya Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. G-2/13. Malviya Nagar, New Delhi, Mg. 125 sq. yds.

NARINDAR SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi.

Ante : 25-1-83
 Seal :

FORM NO. I.T.N.S.-(1) Shri Phool Singh and Chain Sukh Ss/o Ram Sahai, r/o Vill. Rajokri, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX-ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Vaishali nternational A-52 Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA ·

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I G.13 GROUND FLOOR CR BUILDING. I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

IAC/Acq I/SR-III/6-82/369.—Wheeras, No. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Rajokri, Teh. Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of New Delhi on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 12 Bighas Kh. Nos. 289 (2-12), 292(4-16), 293 (4-12) Vill. Rajokri. Teh. Mehrauli, New Delhi.

·NARINDAR SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83

AND ADDRESS OF THE PARTY OF THE

FORM NO. I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sonu Farms B-43, Gulmohar Park.

r o Vill. Rajokri, New Delhi.

(Transferor)

New Delhi

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATF, NEW DFI HI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/6-82/370.---Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri, land Vill. Rajokri, situated at Teh. Mehrauli, 'New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(1) Phool Singh and Chain Sukh Sa/o Ram Sahai,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri, land Mg. 12 Bighas and 18 biswas Kh. Nos. 290 (3-4), 291 (7-2), 289 (2-2) Vill. Rajokri, Tch. Mehrauli, New Delhl,

NARINDAR SINGH, Competent Authority, Delhi/New Delhi. Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax Acquisition Runge-I,

Date: 25-1-83

# 4449

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (Transferor) (2) M/s. Raksha Farms, Vill. Rajokri, New Delhi.

(1) S/Shri Phool Singh and Chain Singh sons of Ram

# (Transferee)

Sahai r/o Vill. Rajokri, New Delhi.

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GROUND FLOOR CR BUILDING, IP. ESTATE NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-III/6-82/371.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Rajokri, Teh. Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—40—486GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 14 Bighas and 8 Biswas Kh. Nos. 288 (4—12), 287 (4—16), 286 (4—16), 293 (0—16) with tubewell, its motor, pipe, fitting and dixtures, Vill. Rajokri, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/ NewDelhi.

Date: 25-1-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, G-13
GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/372.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Block No. 6, Plot No. 86. situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of Officer at New Delhi on

1908) in the office of the Registering June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Krishna Kumari (Krishna Sawhney), J-9/37, Rajouri Garden, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harish Chander s/o L. Ram Lubhaya Ram, 2. Smt. Brij Suri w/o Badlev Raj Suri, 3. Smt. Usha Suri w/o Shri Harkishan Suri all r/o 80-81, Meenakshi Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Block No. 6, Plot No. 86, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi Mg. 232 Sq. yds. 21 storeyed house.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/ NewDelhi.

Date: 25-1-83. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI.

New Delbi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/382.—Whereas I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (22 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said let, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sis Ram S/o Rura R/o Vill. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sudershan Suri w/o Prem Nath Suri r/o 4 B/3, Ganga Ram Hospi'al Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesuid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri, land Mustail No. 27 Killa No. 22 (2-8) Mustai 54, Killa No. 2 (2-0), Vill. Bijwasan Teh Mehraul Delhi.

NARIND
Compete
Inspecting Assistant Commissioner c
Acquisition Range-I, Dell

Date: 25-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

\_\_\_\_\_

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/383.—Whereas INARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'asid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);
  - therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the property by the issue of this notice under subjection 269D of the said Act to the following unely:—

- (1) Shri Sis Ram s/o Rura r/o Vill, Bijwasan, New Delhi (Transferor)
- (2) Smt. Sudershan Suri w/o Prem Nath Suri r/o 4 B/3, Ganga Ram Hospital Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land. Mustatil No. 27 Killa No. 12/2 (3—12), 19 (2—8) Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi / NewDelhl.

Date: 25-1-83.

(1) Shri Sis Ram s/o Rura r/o Vill. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Nath Suri s/o Hans Raj Suri r/o 4-B/3, Ganga Ram Hospital Marg, New Delhi: (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/384.—Whereas I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property; having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land, situated at Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferer to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mustatil No. 27 Killa No. 19 (2—8), 22 (2—8), Vill. Bijawasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. FSTATE, NEW DELHI,

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq./SR-III/6-82/355.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Agri, land, situated at Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sis Ram s/o Rura r/o Vill. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Nath Suri s/o Pt. Hans Raj Suri r/o 4-B/3, Ganga Ram Hospital Marg, New Delhl. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land Mustatil No. 27 Killa No. 13 (4-16), Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83.

## FORM I.T.N.S.

(1) Shri Sis Ram s/o Rura r/o Vill. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shii Prem Nath Suri s/o Hans Raj Suri r/o 4-B/3, Ganga Ram Hospital Marg, New Delhi. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, G-13
GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. 1AC/Acq.I/SR-IU/6-82/356.—Whereas I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Agri. land, situated at Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New

Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 2 Bighas and 8 Biswas Mustatil No. 54, Killa No. 2(2-0), 3 min (0-8) Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

 Shri Malabika Roy Chowdhury, S-280, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Lawrence & Mayo (India) Pvt. Ltd., Regd office 274, Dadabhoy Naroji Road, Bombay.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TEX

ACQUISITION RANGE, G-13
GROUND FLOOR CR BUILDING. I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No IAC/Acq.I/SR-III/6-82/393.—Whereas I NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

Rs. 25,000/- and bearing No. Single storeyed house R-56, situated at Greater Kailash-I,

New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Single storeyed house R-56, Greater Kailash-I, New Delhi-48, Area 300 sq. yds. (250.83 sq. mts.)

NARINDAR SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 25-1-83,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GROUND FLOOR CR BUILDING, 1.P. ESTATF, NEW DELHI.

New Delhi, the 31st January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/394.—Whereas I. NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

I-48, Jangpura Extension, situated at New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

41-486GI/82

- (1) Shri Jagdish Mitter Bhatia s/o Late Balmukand Bhatia r/o I-48, Jangpura Extension, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Nauinder Dass Chopra s/o Late Shri Natsingh Dass Chopra & (2) Smt. Veena Chopra w/o Natinder Dass Chopra both r/o E-84, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 1-48, Jangpura Extension, New Delhi, Mg. 200 sy. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/ NewDell-i,

Date: 31-1-83.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Shri Janak Bhardwai r/o 52, Prem Milan, Nepeam Sea Road, Bombay.

(2) Shri Harbans Lal Kainth r/o E-128 Mohammadpur, Near R. K. Puram, New Delhi.

# (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, G-13
GROUND FLOOR CR BUILDING, J.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/395.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

230, Greater Kailash-II, situated at New Delhi,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. E-230, Greater Kailash-II, New Delhi. Mg. 250 Sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/ NewDelhi.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-1-83.

4459

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13
GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 29th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/397.—Whereas I NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 16 Todar Mal Road. New Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Rup Lal Makkar r/o 16, Todar Mal Road, New Delhi-1.
- (2) M/s. Pushp Construction Co. (P) Ltd. A-6, Ring Road. N.D.S.E. Part-I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 16, Todar Mal Road, New Delhi Plot area 261.87 sq. yds. Plinth area 50%.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/ NewDelhi.

Date: 29-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Shri Prem Kumar 5/0 Hari Chand r/o 2542A/21C, Chandigarh. (Transferor)

# (2) M/s. Annapurna International (P) Ltd. HS 27, Kailash Colony, New Delhi-48. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13
GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-III/6-82/398.—Whereas I NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. S-53, situated at Greater Kailash-JI, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Plot No. S-53 Greater Kailash II, New Delhi Mg. 300 sq. .vds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I Delhi / NewDelhi.

Date: 25-1-83.

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

#### COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13
GROUND LLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,
NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/396.—Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. K-3, Kailash Colony, New Delhi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) Mrs. Kailash Malik w/o Khazan Singh Malik r/o 48, Balmiki Marg, Lucknow.
- (2) M/s. Amar Associates B-47, N.D.S.E.-J, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. K-3, Kailash Colony, New Delhi Mg. 311 sq. vds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi/ NewDelhi.

Date: 25-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/418.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-1/193, situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedits for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Satwant Kaur
  w/o Shri Tarlochan Singh
  r/o CIA/13C, Janakpuri,
  New Delhi
  through attorney Shri Mangal Sain Dhingra
  s/o Shri Mohra Mal
  r/o 90/12, Malviya Nagar,
  New Delhi.
  (Transferor)
- (2) Shri Subhash Chander Kalra s/o Shri Diwan Chand r/o E-1/104, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defised in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. D-1/193, Lajpat Nagar, New Delhi Mg. 100 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

(Transferor)

(Transferee)

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mohan Exports India Pvt. Ltd., 7 Community Centre, Zamrudpur, New Delhi. GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE,

#### NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR- $\Pi$ I/6-82/419.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2½ storeyed house situated at B-107, Greater Kailash-I, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Shri H. C. Kapoor r/o B-107, Greater Kailash-I, New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2½ storeyed house measuring 1000 sq. yds. bearing No. B-107, Greater Kailash-I, New Delhi.

> NARINDAR SINGH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/421.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

19 Jor Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at New Delhion on June, 1982 \*

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Deepak Kalelkar,
 Shri Siddharth B. Kalelkar,
 GIDC Industrial Estate,
 Makarpura, Road, Vadodara-390010.

(Transferor)

(2) M/s. Save & Prosper Pvt. Ltd.,1101, New Delhi House,27 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Double storeyed House No. 19, Jor Bagh, (Block No. 172) New Delhi, Mg. 1283.3 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/6-82/424.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at New Delhi in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—42—486GI/82

Shri Bhondu
 s/o Shri Budh Ram,
 Badley, Raghbir
 ss/o Shri Vir Narain
 r/o Vill. Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Simrat Kaur w/o Shri Malvinder Singh r/o Vill. Mahal, Distt. Amritsar (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Officia Glazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

## THE SCHEDULE

9 bigha 12 biswas Mustatil No. 122, Killa No. 3(4-16) 4(4-16), Dera Mandi, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/425.--Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhondu
s/o Shri Budh Ram,
(1/3rd share)
S/Shri Badley, Raghbir
ss/o Shri Vir Narain
r/o Vill. Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Simrat Kaur w/o Shri Malvinder Singh r/o Vill. Mahal, Distt. Amritsar (Punjab).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official. Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

9 bigha 12 biswas Mustatil No. 122, Killa No. 3(4-16) 4(4-16), Dera Mandi, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

Seal;

## FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/426.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following portons, namely:—

(1) Shri Bhondu s/o Shri Budh Ram, r/o Vill. Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Simrat Kaur w/o Shri Malvinder Singh r/o Vill. Mahal, Distt, Amritsar (Punjab).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

## THE SCHEDULE

16 bighas and 4 biswas, Mustatil No. 107, Kila No. 22 min (1-16), 23(4-16), 24(4-16), 25(4-16) Dera Mandi, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

#### FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/427.—Whereas, I, NARINDAR SINGH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Vill. Dera Mandi, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on June, 1982
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sshi Bhondu
s/o Shri Budh Ram,
(1/3rd share)
S/Shri Badley, Raghbir
ss/o Shri Vir Narain
r/o Vill. Dera Mandi, New Delhi.

(Transferor)

 Mrs. Simrat Kaur w/o Shri Malvinder Singh r/o Vill. Mahal, Distt. Amritsar (Punjab).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

12 bighas and 12 biswas, Mustatil No. 107, Killa No. 20(4-16), 21(4-16), 22 min (3-0), Dera Mandi, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°C of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-1-1983

#### FORM I.T.N.S.

## NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

## ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/437.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delhi (Teh. Mehrauli)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Shri Rajveer, Rajpal and Krishan ss/o Shri Bhim Singh r/o Vill. Aya Nagar( Teh. Mehrauli, New Delhi.
- (2) M/s. Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 819, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given

## THE SCHEDULE

1/4th share in agri. land bearing khasra Nos. 1598(2-12), 1599(1-16), 1600/1(2-8), 1608(4-11), 1886/2(2-111), and 3/16th share in Kh. Nos. 1826(4-16), 1536/2(2-4) Vill. Aya Nagar, New Delhi (Teh. Mehrauli).

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

## ACQUISITION RANGE-I

G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/438.---Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, New Delbi (Teh., Mehrauli)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at New Delhi in June. 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Lakhpat s/o Shri Jora r/o Vill. Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 819, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in agri. land measuring 12 bighas and 18 biswas bearing Kh. Nos. 1598(2-12), 1599(1-16), 1600/1 (2-8), 1608(4-11), 1886/2(1-11) in Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### S/Shri Gian Chand and Raj Mal ss/o Late Brahm Singh r/o Vill. Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Commercial Co. (P) Ltd., 219, Chittranjan Avenue, Calcutta.

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13 GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/439.---Whereas, I. NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Aya Nagar, Teh., Mehrauli, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 190 8) in the office of the Registering Officer at New Delhi, in June, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in agri. land measuring 12 bighas and 18 biswas Kh. Nos. 1598(2-12), 1599 (1-16), 1600/1 (2-8), 1608(4-11), 1886/2(1-11) in Vill. Aya Nagar, Tch. Mehrauli. New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## Shri Rajveer, Rajpal and Krishan Ss/o Bhim Singh r/o Vill. Aya Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Commercial Co. (P), Ltd., 219, Chittranjan Avenue, Calcutta.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III|6-82|440.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. Iand situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

may be made in writing to the undersigned:

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land of 3/8th share in land measuring 15 bighas and 12 biswas bearing kh. Nos 1810/2(1-8), 1811(4-16), 1824/1 (3-18), 1825 (4-16), 1840/1 (0-14) in vill. Aya Nagar Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi,

Date: 25/1/1983

### FORM I.T.N.S,----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III/6-82/451.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Agri, land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--43-486GI /82

Shri Richpal S/o. Shri Munshi r/o Village Λλα Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Commercial Co. (P), Ltd. 219. Chittranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THF SCHEDULE

1/6th share in agri. land measuring 33 bighas and 9 biswas bearing Khasra Nos. 1814/2/2(1-10), 1815/2/2 (4-4), 1823 (4-5), 1824/2(0-17), 1837 (4-14), 1838 (4-9), 1839/2(2-3), 1840/2(3-8), 1841(2-3), 1891(1-9), Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi.

Date: 25/1/1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Brahm Parkash s/o Shri Munshi r/o Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Commercial Co. (P), Ltd., 219. Chittranjan Avenue, Calcutta.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III|6-82|452.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office.

at New Delhi on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; no/bas
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

 $1/6th\ share\ 'in\ agri.\ land\ measuring\ 33\ bighas\ and\ 9$  biswas bearing Khasra Nos.  $1814/2/2(1\text{-}10),\ 1815|2|2(4\text{-}4),\ 1823(4\text{-}5),\ 1824/2(08\text{-}17),\ 1837\ (4\text{-}4),\ 1838\ (4\text{-}9),\ 1839/2,\ (2\text{-}3),\ 1840/2(3\text{-}8),\ 1841(2\text{-}3),\ 1891(1\text{-}9),\ 1892(4\text{-}7),\ situated\ at\ Village\ Aya\ Nagar,\ Teh.\ Mehrauli,\ New\ Delhi.$ 

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Accuration Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 25-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III|6-82|453.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri land situated at Vill. Aya Nagar, Tch. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982

for an apparent consideration—which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shrì Sis Pal and Badley ss/o Ram Rikh r/o Village Aya Nagar, New Delhi. (Transferer)
- (2) M/s. Navrang Commercial Co. (P), Ltd. 219, Chittaranjan Avenue, Calcutta. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/6th share in agri-land measuring 33 bighas and 9 biswas bearing Khasra Nos. 1814/2/2(1-10), 1815/2/ (4-4), 1823(4-5), 1824/2(0-17), 1837 (4-14), 1838(4-9), 1839 (2-3), 1840/2(3-8), 1841(2-3), 1891(1-9), 1892(4-7), situated at Village Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

### FORM 1.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III[6-82]454.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sis Pal and Badley ss/o Ram Rikh r/o Village Aya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Navrang Commercial Co. (P), 1.td. 219, Chittaranjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/6th share in agri. land measuring 33 blghas and 9 biswas bearing Khasra Nos. 1814/2/2(1-10), 1815|2|2(4-4), 1823(4-5), 1824(0-17), 1837(4-14), 1838(4-9), 1839/2(2-3) 1840/2(3-8), 1841(2-3), 1891(1-9), 1892(4-7), situated at Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi,

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF-I G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR.III|6-82|455.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Agri. Iand situated at Vill. Aya Nagar, Tch. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at New Delhi on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sis Pal and Badley ss/o Ram Rikh r/o Village Aya Nagar, Tch. Mehrauli, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Navrang Commercial Co. (P), Itd., 219, Chittanjan Avenue, Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/6th share in agri. land measuring 33 bighas and 9 biswas bearing Khasra Nos. 1814/2/2(1-10), 1815|2|2(4-4), 1823 (4-5), 1824/2 (0-17), 1837(4-14), 1838(4-9), 1839/2-(2-3), 1840/2(3-8), 1841(2-3), 1891(1-9), 1892(4-7), situated at Vill. Ava Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR, C. R. BUILDING, LP. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III|6-82|461.—Whereas, I, NARINDAR SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill, Aya Nagar, Teh. Mehiauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section, (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Shri Bhopan S/o Bhor, Basaut Lal, s/o Chetan r/o Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi. (Trausferor)
- (2) M/s. Navrang Commercial Co. (P), 1.td. 219, Chittaranjan Avenue, Calcutta. through Shri Jaspal Singh

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land. Mg. 4 Bighas and 16 Biswas Kh. No. 1504/2 (1-0), 1535/2(3-14) Vill. Aya Nagar, Teh. Mehrauli, New Delhi

NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

FORM I.T.N.S.-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/6-82/489.--Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. XVI/10241, Plot No. 90, Block No. 6 situated at Padam Singh Road (Naiwala) W.E.A., Karol Bagh, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) (1) Smt. Sudesh Anand w/o Vidya Sagar, r/o. 3309, Ranjit Nahar, Pusa Gate, New Delhi & (2) Kanwal Krishan s/o Sada Nand r/o C/o Sagar Silk & Saree, Hardhian Singh Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Shanti Arora w/o Late Puran Chand r/o 5 Rama Park, Delhi

2. Miss. Usha Taneja

Veena Taneja
 Miss Dimple Taneja (minor)
 r/o 7, South Patel Nagar New Delhi.

5. Anil Khurana (minor) r/o L-45 West Patel Nagar New Delhi 6. Master Lalit Kumar (minor)

r/o Begam Bridge Road, Meerut, UP.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meating as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. XVI/10241, Plot No. 90. Block No. Padam Singh Road (Naiwala), W.E.A. Karol Bagh, New Delhi Mg. 230 sq. yds.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-1983

#### FÖRM ITNS-

(1) Shri Krishan S/o Risal Singh r/o Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajit Kumar Bishnoi S/o Sohan Lal Bishnoi r/o C-2/14, Vasant Vihar, New Delhi. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

New Delhi, the 25th January 1983

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III|6-82|498.—Whereas, I, NARINDAR SINGH.

Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. Bighas and 16 Biswas M. No. 120, Killa No. 7(2-8), 8(4-14), 99/1(1-12), Chai (0-2), vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-1-1983

(1) Shri Bhartu S/o Duli Chand 170. Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Anil Kumar Bishonoi S/o Late, Sohan Lal Bishnoi r/o A-6/4, Vasant Vihar, New Delhi.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III|6-82|499.—Whereas, I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Vill. Bijwasan, Tch. Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer New Delhi in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - ) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—44-486G1/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land Mg. 7 Bighas and 2 Biswas M. No. 120 Killa No. 14(4-12), 7(2-8) Vill. Bijwasan, Teh. Mehrauli. New Delhi.

NARINDAR SINGI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi,

Date: 25-1-1983

### FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE. NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/6-82/500.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ne the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S-155 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1982-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons. namely :-

(1) Smt. Shaoti Devl w/o Late Sh. Jagdish Chander Sharma r/o S-155, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Usha Khandpur w/o Sh. Sham Lal Khandpur r/o S-155, Kreater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing No. S-155, Greater Kailash-I, New Delhi Mg. 208 sq. yds.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1 Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83

(1) Smt. Moran Devi, M-253 Greater Kailash-II, New Delhi.

C/o D. B. Sahni, A-161, Nehru Nagar,

(2) Smt. Harvansh Kumari Bhasin,

Jaipur-6.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 31st January 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/6-82/502.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M-172 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. M-172, Greater Kailash-II, New Delhi. Area: 300 Sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Renge-I
Delhi/New Delhi.

Date : 31-1-83

### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/6-82/503.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Incommetax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/and bearing No.

No. S-313 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1982,

(for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chander Kanta Kainth r/o E-317, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

[PART III -SEC. 1

(2) Shri Kushal C. Surana p/o M/s Bhurmal Rajmal Surana (Jewellery Mfrs.), 1.al Katra, Jaipur-302003.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. S-313, Greater Kailash-II, New Delhi Mg. 300 sq. vds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-l
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, G-13, GROUND FLOOR OR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq 1/SR-JII/6-82/508.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

G. B. No. 1st-F/218 situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Delbi on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of t

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanwal Nain s/o Niamat Rai, 1st, E/218, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Rani Sarna w/o Sh. Gopal Krishan Sarna, 1st, F/218, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Govt, built property No. 1st-E/218, Lajpat Nagar, New Delhi. Mg. 100 sq. yds.

> NARINDAR SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83

FORM I.T.N.S.-

 Smt. Kalawati w/o Udmi r/o Rangpuri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nirender Singh s/o Jit Ram, r/o Rangpuri, New Delhi.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/6-82/511.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Malikpur Kohli alias Rangpuri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and. I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

1/3rd share in agri. land measuring 34 bighas and 14 biswas, Kh. Noz. 1189 (6-13), 1190 (4-16), 1191 (3-11), 1194/2 (3-6), 1237/2 (3-6), 1238 (4-16), 1248 (4-16), 1249 (4-16), Vill. Malikpur Kohi alias Rangpuri, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83 Seal:

## FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Smt. Kalawati w/o Udmi 1/c Panggad, New Delhi.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sh. Satvir Singh s/o Jit Ram r/o Rangpuri, New Delhi.

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13. GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/6-82/512.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Vill. Malikpur Kohi alias Rangpuri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/3rd share in agri. land measuring 34 bighas and 14 biswas Kh. Nos. 1189 (6-13), 1190 (4-16), 1191 (3-11), 1194/2 (3-6), 1237/2 (2-0), 1238 (4-16), 1248 (4-16), 1249 (4-16) vilage Malikpur Kohi alias Rangpuri, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Smt. Kelawati W/o Udmi, 1/0 Rangpun, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raj Singh s/o Jit Ram, r/o Rangpuri, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New. Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/6-82/513.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Vill. Malikpur Kohi alia; Rangpuri, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

## THE SCHEDULE

Agri. land. 1/3rd share in 34 bighas and 14 biswas, Kh. Nos. 1189 (6-13), 1190 (4-16), 1191 (3-11), 1194/2 (3-6), 1237/2 (3-6), 1258 (4-16), 1248 (4-16) 1249 (4-16) Vill. Malikpur Kohi alias Rangpuri, New Delhi.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range [
Delhi/New Delhi,

Date: 25-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Rcf. No. IAC/Acq I/SR-JII/6-82/515.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 4/5 share B-5 situated at Rajindra Park, Pusa Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

45--486G1/82

- 1. Sh. Om Parkash Gupta s/o Sh. Hub Lal Gupta and 2. Smt. Neelam Gupta w/o Om Parkash Gupta r/o B-5, Rajindra Park, Pusa Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) M/s Ashoka Builders & Constructors a partnership firm, having its registered office at 2-E/6, Jhandewalan Extn. New Delhi through its partner Smt. Sangeeta Gupta w/o Sh. Rajeev Gupta r/o 19, Banarsi Dass Estate, Timar pur, Delhi-7.

(Transferee)

4489

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

4/5 undivided share and un-specified share in the property bearing No. B-5, Rajindra Park, Pusa Road, New Delhi measuring 1000 sq. yds. out of total 1250 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 25th January 1983

Ref. No. IAC/Acq J/SR-III/6-82/516.—Whereas, I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/5th undivided and unspecified share in situated at B-5 Rajindra Park, Pusa Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following person, namely:—

- Sh. Om Parkash Gupta s/o Sh. Hub Lal Gupta and 2. Smt. Neelam Gupta w/o Om Parkash Gupta B-5, Rajindra Park, Pusa Road, New Delhi. (Transferor)
- (2) Smt. Sangecta Gupta w/o Sh. Rajeev Gupta, r/o 19, Banarsi Dass Estate, Timar Pur, Delhi-7.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th undivided and un-specified share in property bearing No. B-5, Rajindra Park, Pusa Road, New Delhi measuring 250 sq. yds. out of total 1250 sq. yds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi.

Date: 25-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE G-13, GROUND FLOOR CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI.

New Delhi, the 31st January 1983

Rcf. No. JAC/Acq I/SR-III/6-82/517.—Whereas I, NARINDAR SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. E-540, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Bhatia Appartments, A-18,
 Kailash Colony, New Delhi through its partners
 Sh. N. K. Bhatia, P. K. Bhatia, Anil Bhatia & Sunil
 Bhatia & Smt. Raj Kumari Bhatia.

(2) Smt. Alka Datta w/o Sh. V. S. Datta, E-540, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

H. No. E-540, Greater Kailash-II, New Delhi Undivided portion of land in the said plot alongwith structure of two beds, two baths, drawing dining room, kitchen and fifty per cent of ground floor Lawn.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi,

Date: 31-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GÖVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, G-13 GROUND FLOOR, CR BUILDING, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 31st January 1983

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/6-82/536.--Whereas I, NARINDAR SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-201 Plot, situated at Greater Kaliash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on June, 1982

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Ram Saran Das, r/o H. No. 33/13-14, Ramesh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Nitupnma Jain, E-482, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation:—Ine terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. S-201, Greater Kailash-II, New Delhi Mg. 300 sq. vds.

NARINDAR SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi

Date: 31-1-1983

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONE-4

Poons, the 11th January 1983

Ref. No. CA. 5/32-R/(37EE/7)/82-83.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No.

Flat No. 6,565 sq. ft. 1st floor, 'Ganga Building, Plot No. 31, S. No. 43 & 45 situated at Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1906) in the office of the Registering Officer at

1.A.C. Acquisition Range, Pune-411 004 on 10th September, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Rohit Enterprises,
 Tinwala Building, Tribhuyan Road,
 Bombay 400 004.

(Transferor)

(2) Mrs. Meherunnisa Nawab Ali Jeenak Deep 'A' Flat No. 103, Andheri (W) Bombay, 400 058.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st Floor, Ganga Building' Plot No. 31, Survey No. 43 & 45 Village Navghar, Taluka, Vasai, D ist. Thane. Area 565 sq. ft.

(As described in the agreement executed on 6th August, 1982 and which is registered in this office on 10th September, 1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 11-1-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-4

Pune-411004, the 7th January 1983

/82-83.--Whereas I, Ref. No. CA.5/R-20/ SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Hat No. 16, 3rd Floor, situated at Nilgiri Village Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

J.A.C. Acqn. Range-Pune on 10-9-1932

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) M/s. Rohit Enterprises, 11. Tinwala Building, Tribhuvan Road, Bombay-400 004.

(Transferor)

Shri Sunil Raghunath Lad, Khotachi wadi, Khanderao Chawi, R. No. 14, Bombay-400 004.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 16, 3rd Floor, Nilgiri Village Navghar, Tal. Vasai-Dist. Thane. Area 555 sq. ft.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### (1) Ms Dadhe Ruikar, Vijay Apartment, 22, Mukund Nagar, Pune-9.

(Transferor)

(2) Mrs. Snehlata Prabhakar Malvadkar, 1509, Shukrawar Peth, Pune-411 002.

(Transferee)

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Pune-411 004, the 22nd January 1983

Ref. No. CA-5/11/37EE/82-83.--Whereas, J. SHASHI-KANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shop No. 2, Gitanjali Apartment, Plot No. B-4 Parvati, S. No. 1301-CISC No. 30, situated at Pune-411 009 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on 12 November, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 2, Gitanjali Apartment, Plot No. B-4, Parvati, Pune-411 009. S. No. 1301-C.T.S. No. 30.

Area—200 sq. ft.

(As described in the agreement executed on 18th October 1982 which is registered in this office on 12 November 1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 22-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Pune-411 004, the 19th January 1983

Ref. No. CA5/9/37EE/82-83.—Whereas I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Flat No. 5, Ganga, Plot No. 31, Survey No. 45, situated at Village Navghar Vasai, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on 15-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income for any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Rohit Enterprises,
 Tinwala Building, Tribhuvan Road,
 Bombay-4.

(Transferor)

(2) Shri K. N. Krishnamurthi, 24, Murali Malavia Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the eald property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall be the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. 5, 'Ganga' Plot No. 31, Survey No. 45, Village Navghar, Taluka-Vasai, Dist. Thane. Area--720 Sq. ft.

(As described in the agreement executed on 18-8-82 which is registered in this office on 15-9-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 19-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Pune-411 004, the 19th January 1983

Ref. No. IAC/Acqn./(CA-5/10)/37EE/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 11, Saraswati, Plot 40 Survey No. 43 & 45-A Village Navghar, Tal. Vasai, situated at Dist. Thanc

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on 10-9-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—46—486GI/82

 M/s. Rohit Enterprises, 11, Tinwala Building, Tribhuvan Road, Rombay.

(Transferor)

(2) Mr. K. Rajan and Mrs. M. K. Rajan, Room No. 1, Domnic Cabral House, Sahar, Bombay-400 099.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat 11, Saraswati, Plot 40, Survey No. 43 & 45-A-Village Navghar, Taluka Vasai, Dist. Thane. Area-565 sq. ft.

(As described in the agreement executed on 18-8-82 which is registered in this office on 10-9-1982).

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 22-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, **POONA**

Pune-411 004, the 18th January 1983

171/CA-5/82-83.--Whereas I, SHASHIKANT No. KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat No. 18, 3rd floor, Saraswati Plot No. 40, Survey No. 43, 45-A. situated at Village Navghar, Tal. Vasni, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range, Pune on 30-9-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I her by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Rohit Enterprises, 11, Tinwalla Bldg., Tribhuvan Road, Bombay-400 004.

(Transferor)

(2) Mrs. Mamata Sudhakar Oltikar, C/o R. R. Keskar, 12 Yeshodhan Umakant Co-op. Housing Society, Chandavarkar Cross Road, Borivli (W), Bombay-400 092.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the eaid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd floor, 'Saraswati' Plot No. 40, Survey No. 43, 45-A, Village Navghar, Taluka Vasai-Dist. Thane.

Area—450 sq. ft.

(As described in the agreement executed on 24-7-82 which is registered in this office on 30-9-1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Dato: 18-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVÉ ROAD, POONA

Punc-411004, the 20th January 1983

Ref. No. CA-5/6/37EE/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 296B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Flat No. 7, 565 sq. ft. 1st floor, Ganga Building, Plot No. 31, S. No. 43 & 45-A,

situated at Navghar, Vasai, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acquisition Range, Pune on 10-9-82

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of ony income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) M/s. Rohit Enterprises, 11, Tinwala Bldg., Tribhuvan Road, Bombay-400 004.

(Transferor)

-1499

(2) Mrs. Meherunnisa Nawab Ali, Januk Deep 'A' Flat No. 103, Andheri (W) Bombay 400 058.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, Ganga Building, Plot No. 31, Survey No. 43 & 45-A, Navghar Village, Taluka Vasai, Dist. Thane. Area—565 sq. ft.

(As described in the agreement executed on 6-8-82 which

is registered in this office on 10-9-1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 20-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Pune-411 004, the 19th January 1983

Ref. No. CA-5/R-71/(37EE/4)/82-83.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

Flat No. 11, 'Ganga' Plot No. 31, S. No. 45, situated at Vill. Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

I.A.C. Acquisition Range, Pune on 20-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Rohit Enterprises,
 Tinwala Bldg., Tribhuvan Road,
 Bombay-400 004.

(Transferor)

Shri V. Chandrasekar,
 Navratna,
 Mogul Lane,
 S.T. Road, Mahiru,
 Bombay-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 11, 'Ganga' Plot No. 31, Survey No. 45, Village Navghar, Taluka-Vasai, Dist. Thane.

Area.—565 sq. ft.
(As described in the agreement executed on 22-8-82 which is registered in this office on 20-9-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 19-1-1983

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA

Pune-411 004, the 19th January 1983

Ref. No. CA-5/R-31/(37EE/5)/82-83.—Whereas SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 3, Ground Floor, Ganga Bldg., Plot No. 31, Survey No. 43 & 45-A, situated at Navghær, Vasai, Dist. Thane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acquisition Range Pune on 10-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) M/s. Rohit Enterprises, 11, Tinwala Bldg., Tribhuvan Road, Bombay-400 004.
  - (Transferor)
- (2) Mrs. Mehcrunnisa Nawab All Janak Deep A, Flat No. 103, Andheri (W) Bombay-400 058.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Ganga Bldg., Plot 31, Survey 43 & 45-A, Village Navghar, Vasai, Dist. Thana. Area—260 sq. ft.

(As described in the agreement executed on 6-8-1982 which is registered in this office on 10-9-1982).

SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poons

Date: 19-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD
POONA

Pune-411 004, the 20th January 1983

Ref. No. CA-5/8/37EE/82-83.—Whereas, I. SHASHIKANT KULKARNI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

Flat No. 16, 3rd floor, Saraswati, Plot No. 40, S. No. 45-A & 43 situated at Navghar, Tal. Vasai, Dist. Thane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acquisition Range Pune on 10-9-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Rohlt Enterprises, 11, Tinwalla Building, Tribhuvan Road, Bombay-400 004.

(Transferor)

(2) Shri Kiran Ranchhoddas Lakhani, 9, Vishwaji Co-op. Society Ltd., Sarojini Naidu Road, Mulund (W). Bombay-400 080.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Flat 16, 3rd Floor, Saraswati, Plot No. 40, Survey No. 45 A & 43 at Navghar, Taluka Vasai, Dist. Thanc.

Area—565 sq. ft.
(As described in the agreement executed on 26-8-1982 which is registered in this office on 10-9-1982).

SHASHIKANT KULKARNI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date: 20-1-1983

Scal:

- (1) M/s. Tropical Builders 776-A, Sadashiv Peth, Punc-30.
- (Transferor)
- (2) M/s, Pannalal N. Lunkad. 776-A, Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferee :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KARVE ROAD, PUNE-411004

Punc-411004, the 4th January 1983

Ref. No. CA-5/R-112/1/37EE/82-83.—Whereas, 1, SHASHIKANT KULKARNI

being the Competent Authority under Section 269B the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 776-A, Sadashiv Peth, R. B. Kumthekar Road,

situated at Pune-411030

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) s been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range, Pune on 24-9-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Shop at 776-A Sadashiv Peth, On R.B. Kumthekar Road, Pune-30, Area 675 Sq. ft.

> SHASHIKANT KULKARNI Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona.

Date: 4-1-1983

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1983

Ref. No. 98/June/82.--Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land & Building situated at Azhagar Kovil, North Ratha Veethy, Manamadurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras(S) Doc. No. 1891/82 on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conceaument or any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Smt. D. S. Kamaladevi, W/o Sri Subramania Raju No. 8, Kilnagar, Choolaimedu, Madras.

(Transferor)

(2) Sri M. Ramachandran, Duraisamy, and Muthiah Chr. No. 11, Mariamman Kovil St. Manamauurai. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at Azhagar Kovil, North Ratha Veethy, Manamadurai (Doc. No. 1891/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range-I, i/c Madras-600 006.

Date: 29-1-1983 Seaf:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1983

Ref. No. 89/June/82.—Whereas, I. R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 6, 16, T.S. No. 57/12 situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Madurai (Doc. No. 3291/82) on June. 1982 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

47-486GI/82

 K. R. Venkataraman, Seethanarasimhan, Door No. 6, Shanmughapuram, Palani.

(Transferor)

(2) Smt. Soundravalli Ammal, Door No. 67, Thanappa Mudali St. Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land & Building S. No. 6, 16 T.S. No. 57/12, Madurai. (Doc. No. 3291/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, i/c
Madras-600 006.

Date: 29-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACOUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1983

Ref. No. 52/June/82.-Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land & Building at Door No. 196/295, 211/296,

situated at 2nd Agraharam St. Salem

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Salem (Doc. No. 2748/82) on June, 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. S. Narayanamurthy Chr.
  - 2. Balakrishnasayi and
  - 3. Rajendra Sayi Chinnakadai St. Salem.

(Transferor)

- (2) 1. S. Varadharaju Chr.

  - 2. V. Anusuya, 3. S. V. Janarthanan and 4. S. V. Soundararajan
  - Kugai Andi Chetty St. Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at S. No. 196/295, 211/296 2nd Agraharam Street, Salem. (Doc. No. 2748/82).

> R. P. PLLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, i/c Madras-606 006.

Date: 29-1-1983

Scal:

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1. Smt. Rathinammal,
 2. C. K. Palanichamy and,
 3. C. K. Shanmugam,

 C. K. Shanmugam, Arumugha Nagar, Salem.

(Transferor)

(2) S. K. Sengkottai Gounder,

 S. Jegadhisan, and
 K. Sundaram Door No. 3/340, Salem-7.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 29th January 1983

Ref. No. 67/June/82.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Land & Building at S. No. situated at 31 & 32 Periari Village, Salem Taluk, Salem Dist. (Doc. No. 2065/82) (and more fully described in the Schedule annexed

(and more rany described in the Schedule america), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land & Building at S. No. 31 & 32 Periari Village, Salem Taluk, Salem Dist. (Doc. No. 2065/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I I/c
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 29-1-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 29th January 1983

Ref. No. 133/June/82.—Whereas, I R. P. PILLAI under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land & Building S. Nos. 248, 250, 233/2, situated at Mailpatti Village No. 46, Gudiyatham Taluk N. A. Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ambur (Doc. No. 1612/82) on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. P. Rajendran, &
 C. P. Shanmugam, No. 16, Patel Road, Coimbatore.

(Transferor)

 A. Kursheed Begum, W/o J. A. Basha No. 71, Nageswarankoil St. Ambur Town, N.A. Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land & Building S. Nos. 248, 250, 233/2 Mailpatti Village No. 46, Cudiyatham Taluk, North Arcot Dist. (Doc. No. 1612/82).

R. P. PILLAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I i/c
Madras-600 006.

Date: 29-1-1983

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 29th January 1983

Ref. No. 88/June/82.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Site and Buildings at situated at door No. 6, Nallamuthupillai Road, Madurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 3055/82 on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chelladurai alias V. N. Veema Pillai, 10, Kiruthamal River Road, Madurai.
- Shri S. S. Velu Chr. & Bros. Firm, by S. S. Sadayan Chr. & Others,
   Nallamuthu Pillai Road, Madural.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Site & Buildings at door No. 6, Nallamuthupillai Road, Madurai (Doc. No. 3055/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I i/c
Madras-600 006.

Date: 29-1-1983

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 29th January 1983

Ref. No. 28/June/82.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building at 219, situated at Ammankoil Street, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. 269/82) on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 B. Krishnakumari, W/o Narayana Reddi & Others, No. 1, Acharappa Lane, Madras-1.

(Transferor)

(2) C. Gangarathnam, W/o C. Sudhaher Reddi, Samavedam Vari Street, Tadepalligudam West Godavari District. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building at 219, Ammankoil Street, Madras-1 (Doc. No. 269/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, 1/c
Madras-600 006.

Date: 29-1-1983

#### FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006.

Madras, the 25th January 1983

Ref. No. 22/June/82.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 39, Halls Road, Kilpauk, situated at Madra-s10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 842/82) on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Louis Claude Gerard, Sinnas, No. 14, Pottery Road, Richards Town, Bangalore-5.

('Transferor)

4511

(2) Shri K. M. Sivasankaran, No. 39, Halls Road, Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Building door No. 39, Halls Road, Kilpauk, Madras-10 (Doc. No. 842/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I 1/c
Madras-600 006.

Date: 25-1-1983

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006, Madras-600 006, the 25th January 1983

Ref. No. 128/June/82.—Whereas, I R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Vacant land Door No. 43, situatel at Ritherdon Road, Purasawalkam, Madras-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Madras (N) (Doc. No. 1860/82). on June/82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri P. Basheer Ahmed, No. 16, Kumarappa Chetty St. Periamet, Madras-3.

(Transferor)

(2) Smt. N. Nishathi Mahal, W/o Janab, A. Altaf Ahmed, No. 22, Banghi Khader Basha St. Ambur, North Arcot Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as shall have the same meaning as given in shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Vacant Land door No. 43, Ritherdon Road, Purasawal-kam, Madras-7 (Doc. No. 1860/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I i/c
Madras-600 006.

Date: 25-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1983

Ref. No. 129/June/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Vacant land door No. 43, situated at Ritherdon Road, Purasawalkam, Madras-7,

and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (North) (Doc. No. 1861/82) in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
48—486GI/82

 Shri P. Basheer Ahmed, No. 16, Kumarappa Chetty St. Periamet, Madras-3.

(Transferor)

(2) Miss Nikhath Fatima, 17, Valliammal St. Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Vacant land door No. 43, Ritherdon Road, Purasawalkam, Madras-17 doc. No. 1861/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 25-1-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1983

Ref. No. 53/June/82.—Whereas, I. R. P. PILLAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Annadhanapatti, Salem situated at Salem,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Offier at Salem Doc. No. 2752/82,

in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Shankar, S/o Ramalingam, Fair Lands, Salem-4.

(Transferor)

(2) Shri R. Veeramani, S/o S. Rengasamy, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Annadhanapatti, Salem Doc. No. 1101/82.

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1983

Rcf. No. 54/June/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land at Annadhanapatti situated at Village, Salem Doc. No. 2753/82.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri R. Sekhar, S/o Ramalingam, Fair Lands, Salem-4.
- (2) Shri R. Veeramani, S/o Rengasamy, Madras-86.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land at Annadhanapatti Village, Salem Doc. No. 1102/82.

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1983

Rel. No. 55/June/82.--Whereas, I R. P. PJLLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at Annadhanapatti Village situated at Kokkampatti, Salem.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Salem Doc. No. 2768/82 in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ramalingam, S/o Chandrasckarampillai, Fair Lands, Salem-4.

(Transferor)

(2) 1. R. Vecramani. 2. R. Asaithambi,

R. Sekhar, and SR. Kumar, Kokkampatti, Dharmapuri,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Annadhanapatti Village, Kokkampatti, Salem. Doc. No. 2768/82.

R. P. PHAAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1983

Ref. No. 120/June/82.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Building at 249/6 situated at Kagithapattarai, Idasennder

Road, Vellore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Vellore (Doc. No. 2291/82), in June 1982,

for an apparent consideration which is less than the four market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection () of Section 279D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Saradambal, 4, Marathotti Kuppachari St. Saidapet, Vellore.

(Transferor)

 R. Rani Ammal, W/o C. Ranganatha Pillai, 40, Filterbed Road, Vellore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at 249/6, Kagithapattarai, Idasendder Road, Vellore. (Doc. No. 2291/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I\_ Medras-600 006

Date: 29-1-1983

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# R. Saradambal, Marathottai Kuppachari St. Suidapet, Vellore.

# (Transferor)

(2) R. Rani Ammal, 40, Filterbed Road, Vellore-1.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1983

Ref. No. 121/June/82.—Whereas, IR. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Building at door No. 249/7 situated at Kagithapattarai, Idasennder Road, Vellore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vellore (Doc. No. 2292/82) in June 1982, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at door No. 249/7, Kagithapattarai, Idasennder Road, Vellore. (Doc. No. 2292/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1, Madras-600 006

Date 29-1-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# R. Sarathambal, Marathotti Kuppachari St. Saidapet, Vellore.

(Transferor)

 C. Renganathapillai, 40, Filterbed Road, Vellore-1.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS 600 006

Madrns-600 006, the 29th January 1983

Ref. No. 122/June/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building at 249/8 situated at Kagithapattarai, Idasender Road, Vellore-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vellore (Doc. No. 2293/82), on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at door No. 249/8, Kagithapattarai, Idasender Road, Vellore-1, (Doc. No. 2293/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 29-1-1983 Seal:

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-1 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1983

Ref. No. 123/June/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

 No. Building at door No. situated at 249/9A, Kagithapattarai, Idasendder Road, Vellore-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vellore (Dec. No. 2294/82) on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) R. Sarathambal,

4, Marathotti Kuppachari St. Saidapet, Vellore-1.
(Transferor)

(2) C. Renganathapillai, Merchant, 40, Filterbed Road, Vellore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at door No. 249/9A, Kagithapattarai, Idasendder Road, Vellore-1. (Doc. No. 2294/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date 29-1-1983 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 29th January 1983

Ref. No. 124/June/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Building at door No. situated at 249/9B, Kagithapattarai, Idasendder Road, Vellore-1,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vellore-1 (Doc. No. 2295/82) on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/στ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
49—486GI/82

 Smt. R. Sarathambal, W/o S.K.G. Ramasamy Chetty, 4, Marathotti, Kuppachari St. Saidapet, Vellore-1.

(Transferor)

(2) Shri C. Renganathapillai, Merchant, 40, Filterbed Road, Vellore-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building at door No. 249/9B, Kagithapattarai, Idasendder Road, Vellore-1. (Doc. No. 2295/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madras-600 006

Date: 29-1-1983

### NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1983

Ref. No. 36/June/82.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3, Police Commissioner's situated at Office Road, Egmore-8, Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at

Periamet (Doc. No. 875/82) on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Smt. Jothi Venkatachalam, 2. P. V. Sivasubramanian, 3. P. V. Dhyameshwar, 4 Master Venkatasubramaniam, No. 4 Vepery, Madras-7. (Transferer)
- (2) Shri V. S. Nagarathinam, 26, Muthiah Street, Purasawalkam, Madras-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later-
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Building at 3, Police Commissioner's Office Road, Fgmore , Madras-7 (Doc. No. 875/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Date: 2-2-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1983

Ref. No. 71/June/82.-Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 765/4, Kuttralam Village situated at Tenkasi (Doc. No. 1022/82) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenkasi Doc. No. 1022/82 on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

P. Paulrajan,
 S/o B. Bhavanasa Nadar,
 36A, Velayutham Rastha, Sivakasi Town
 Sathur Taluk.

(Transferor)

(2) Smt. P. Prema, W/o B. Paulrajan, 36A. Velayutham Rastha, Sivakasi Town, Sathur Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at S. No. 765/4, Kuttralam Village, Tenkasi (Doc. No. 1022/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 2-2-1983

Scal:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 2nd February 1983

Ref. No. 131/June/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 73, Muthumari Chetty Street, situated at Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (North) (Doc. No. 2028/82) on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Smt. Zainabu Shabeedia,
 Sithi Maliba,
 T. A. S. Hameed Khan,
 T. A. S. Nazecr and
 T. A. S. Mashoor and
 T. A. S. Nawaz, No. 34, Mookthal Street,
 Purasawalkam, Madras-7.

(Transferee)

(2) Shri S. M. Ahamed Sahib, 2. Fathimuthu Zuhara, 64, Venkata Mastry Street, Madras-1.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land & Building at Door No. 73, Muthumari Chetty Street, Madras-1. (Doc. No. 2028/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-I
Madras-600 006

Date: 2-2-1983

#### FORM ITNS ....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 00o, the 2nd February 1983

Ref. No. 31/June/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Door No. 98, Mint Street, situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sowcarpet (Doc. No. 290/82) on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dharam Jit Jigyasu, S/o Pt. Lila Dhar, Village and P.O. Soni Dist. Present address: No. 98, Minst Street, Madras-1. (Transferor)
- (2) Smt. Champa Bai & 4 others wife and children of Sri Samrathmal, 91, St. Xavier Street, Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Building at Door No. 98, Minst Street, Madras. (Doc. No. 290/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I i/c
Madras-600 006

Date: 2-2-1983

## FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Ref. No. 9844.—Fhereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Thereinofter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10, Venkateswaranagar situated at Cuddalore-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cuddalore (Doc. No. 803/82) on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ! hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri V. N. Arunachalam
   A. Ganesamurthy
   A. Natarajan, 10. Venkateswaranagar,
   Thiruppapuliyur, Cuddalore-2.
- G. Sivaprakasam
   A, Rajambalnagar, Cuddalore-1.

(Transferor)
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and building at 10, Venkateswaranagar Thiruppa-; diyur, Cuddalore-2. (Doc. 803/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JI,
Madras-600 006

Date: 31-1-1983

Scal:

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 19th January 1983

Ref. No. 17385.—Whereus, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 86, Dr. Radhakrishnan Road, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1076/82) on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) V. Pachai, 93, Bazaar Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Rajnikanth J. Turakhia Kirankumar J. Turakhia, Mrs. Sarla R. Turakhia, Meena K. Turakhia 4, Harrington Road, Seventh Avenue, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and building at 36, Dr. Radhakrishnan Road, Madras-

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 005

Date: 19-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1983

Ref. No. 17305.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 851, Edward Elliots Road,

situated at Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore (Doc. 1241/82) on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Padmasani Ammal 105, Dr. Radhakrishnan Salai, Madras-4.

(Transferor)

(2) Rajnikanth J. Turakhia, Kirankumar J. Turakhia, Mrs. Sarla R. Turakhia Mrs. Meena K. Turakhia, 4. Harrington Road, 7th Avenue, Madras-600 031.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at 85L. Edward Elliots Road, Madras-4 (Doc. 1241/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 19-1-1983

#### FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 19th January 1983

Ref. No. 17390.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing at

 Venkatarathinam Road, situated at Pithapuram Nagar, Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Mylapore (Doc. 1062/82) on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
50—486GI/82

J. Kamalam,
 Venkatarathinam Road,
 Madras-18.

(Transferor)

(2) A. Basha, 39, Madhava Perumal Koil St., Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building at No. 6, Venkatarathinam Road, Pithapuram Nagar, Madras-4. (Doc. 1062/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 19-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006. Madras-600 006, the 19th January 1983

Ref. No. 17295.—Wheeras, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

and bearing No. Flat No. 1 situated at S. No. 17, Urur (Besant Nagar) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adayar (Doc. 62/82) on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) R. Saraswathi, P. 1/6, Besant Nagar, Madras-90.
- (Transferor)
- (2) G. M. Shobanath, M 34/1, New No. 2, 17th Cross St., Besant Nagar, Madras-90.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 1, S. No. 17, Urur, Besant Nagar, Madras. (Doc. 62/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 19-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th January 1983

Ref. No. 17369.—Wheaers I, R. P. PILLAI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing Plot No. 263, situated at Indira Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 199/82) in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) T. N. Raman, 47, Muthu Gramani St., Madras-4.

(Transferor)

4531

(2) Mrs. S. Sarama, 83, III East St., Kamaraj Nagar, Madras-41,

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 51, Plot No. 263, Indira Nagar, Madras. (Doc. 1999/82)

> R. P. PILLAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-U, Madras-600 006.

Date: 25-1-83.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th January 1983

Ref. No. 12143.—Wheelas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 - and bearing RS. No. 26/3A, 26.1A, 32/3 situated at Ketti, Nilgiris (and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. 617 to 621/82) in June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. Joghee Gowder,
 P. Bhojam, M. Gilion, M. Kongam
 Mynallai, Thummanatti The Nilgiris.
 Muthiammal, G. Nanjundan, G. Sundararaj
 G. Jayaram, Chinna Bickatti, The Nilgiris.
 (Transferor)

(2) R. Saraswathy, Chellammal, P. Vasantha,
 M. Subramaniam C/o R. Balakrishnan,
 Grace Cottage, Ooty, Nilgiris
 R. Balakrishnan, Grace Cottage, Ooty, Nilgiris.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as \are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land S. No. 26/3A, 26/1A, 32/3, Ketti, Coonoor. Doc. 617 to 621/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-1-83.

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th January 1983

Ref. No. 12144.—Wheetas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 4686/1, situated at Ooly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at

Ooty (Doc. 420/82) on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) N. Dakshinamurthy, Templeton, Ooty.

(Transferor)

(2) L. V. Nanjundiah S/o L. Venkatay Gowder, Kulishōla, Ooty.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 4686/1, Ooty. (Doc. 420/82)

R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 25-1-83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 25th January 1983

Ref. No. 12144.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing S. No. 465/1A2, 4686/2 situated at Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ooty (Doc. Nos. 418, 421/82) in June 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) N. Dakshinamurthy S/o Late K. Nanjundiah, Templeton, Ooty. (Transferor)
- T. Kappini & T. Rajan S/o N. Thimmay Gowder Kulishola, Ooty.
   (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land S. No. 4685/1A2, 4686/1, Ooty. (Doc. 418, 421/82)

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 25-1-83.

(1) N. Dakshinamurthy S/o K, Kanjundiah Templeton, Ooty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. Chinnappan, Rayathal Kulishola, Ooty.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT C )MMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1983

Ref. No. 12144.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

k. P. Fillal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4686/I, Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ooty (Doc. 419, 422/82)

Ooty (Doc. 419, 422/82)

on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not-been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 4685/1A2 and 4686/1 Ooty. (Doc. 419, 422/82).

R. P. PILLAI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) C. R. Ramalingam Chettiar 57, Sullivan St., Coimbatore.

### (Transferor)

(2) C. Shanmughasundaram S. Kalamani, Big Bazar St., Coimbatore,

(Transferee)

### **GOVERNMENT OF INDIA**

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1983

Rcf. No. 12147.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22/667, 668, situated at Big Bazar St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2742, 2743/82) on June 1983 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property by the issue of this notice under tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 22/667, 668, Big Bazar St., Coimbatore, (Doc. 2742, 2743/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th January 1983

Ref. No. 12166.—Whereas, I. R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 47/1, situated at

Chinnampalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pollachi (Doc. 1685/82) on June 82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Kannammal C/o Nallamuthu gounder Kallipalayam, Chinnampalayam, Pollachi.

(Transferor)

4537

(2) R. Mangayarkarasi 34/59, South Nadar St., Selvapuram, Coimbatore S. Premvathi C/o Sundaram Palani Gounder Thope, Uthukadu Road, Pollachi.

(Transferce)

Objections, If any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land S. No. 47/1, Chinnampalayam, (Doc. 1685/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 28-1-83

Seal:

51-486GI/82

<u>ے کے موجود کے اور ان اور ا</u>

### FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 Madras-600 006, the 28th January 1983

Ref. No. 12166.—Whereas, I, R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereniafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 47/1, 49 situated at Chinnampalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. 1684/82) on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kannammal
C/o Nallamuthu Gounder
Kallipalayam, Chinnampalayam
Pollachi Tk.

(Transferor)

(2) G. Susila,
 112, Nehru St., Ramnagar, Coimbatore
 B. Balameenakshi
 30, Devanga High School St., Coimbatore-2.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land S. No. 49 and 47/1, Chinnampalayam, (Doc. 1684/82).

R. P. PILLAI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006,

Date: 28-1-83

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1983

Ref. No. 17296.- Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 22/2 & 14/2, Plot 6, situated at Kottur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 46/82) on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Handymen Industries (P) Ltd. 47, Thiruncermalai Road, Madras-44.

(Transferor)

(2) M. R. Premkumar, Leeth Castle Road, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at Plot No. 6, S. No. 22/2 & 14/2 Kottur. (Doc. 46/82).

R. P. PILLAI

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 19-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 19th January 1983

Ref. No. 17296.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 22/2 and 14/2, situated at Adyar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar (Doc. 45/82) on June, 1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Handymen Industries (P) Ltd. 47, Thiruneermalai Road, Madras-44.

(Transferor)

(2) Mrs. Adisheshamma, Kota Village,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 22/2 and 14/2, Adyar (Doc. 45/82).

R. P. PILLAl
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 19-1-1983

FORM I.T.N.S.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1983

Ref. No. 17380.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

315, Lloyds Road, situated at Madras-14

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mylapore (Doc. 1113/82) on June, 1982

ment of transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tak Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. Santhiya Harinath Mrs. Alamelu Ammal, 315, Lloyds Road, Madras-14.

(Transferor)

(2) S. Altaf Ahmed, 36, Pooram Prakasa Rao Road Balaji Nagar, Madras-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 315, Lloyds Road, Madras-14. (Doc. 1113/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 25-1-1983

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) V. Ramayyar, 8. Mahalakshmi St., Madras-17.

(Transferor)

(2) V. Anusuya, 4, Narayana Pillai Lane, Mayuram.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th January 1983

Ref. No. 9835.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

TS 538, 539, situated at Pattamangalam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mayiladurhursi (Doc. 552/82) on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at TS 538, 539, Pattamangalam. (Doc. 552/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-1-1983

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th January 1983

Ref. No. 17417.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 22, 22A, Mecdonald, situated at Road, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras South (Doc. 2098/82) on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Parvardhavarthini
 Flat No. D, 6, Luz Church Road,
 Madras-18.

(Transferor)

(2) Tamilmani, 26, Tanjore Road, Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 22, 22A, Mecdonald Road, Trichy. (Doc. 2098/82)

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th, January 1983

Ref. No. 17373.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing TS. No. 6, situated at Ranjit Road, Adyar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South (Doc. 2244/82) on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) W. F. Vijaya, 48, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Lakshmi Vijayakumar, Poona House, 7, Lalitha Nagar, Madras-600 004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at TS. No. 6, Ranjit Road, Adyar, Madras. (Doc. 2244/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-1-1983

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th January 1983

Ref. No. 12141,—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

TS 25/1, 25/2 situated at Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Erode (Doc. 2068 to 2071/82)

on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

52—486GI/82

(1) V. L. Selvaraj, 122, Kutcheri Road, Erode.

ovindaraju, maswamy.

V. Govindaraju,
 V. Ramaswamy,
 Saraswathy,
 K. Lakshminurayanan,
 Sri Balaji Theatre,
 H. 39, Periyar Nagai,
 Erode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 25/1, 25/2, Erode. (Doc. 2068 to 2071/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-1-1983

— (1) V. Ramaswamy, 122, Kutchery St., Erode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

V. L. Murugesan
 V. L. Selvaraj,
 V. L. Ravichandran,
 122, Kutcheri St.,
 Erode.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th January 1983

Ref. No. 12141.—Whereas I, R. P. PILLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

TS. 25/1, 25/2, situated at Erode

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Erode (Doc. 2075/82)

on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 25/1, 25/2, Erode. (Doc. 2075/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th January 1983

Ref. No. 12165.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1A(2), 1A(3), P. N. Road, situated at Thottipalayam, Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur (Doc. 1203/82) on June, 1982 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which hhave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) S. Ponnuswamy Gr. S/o Chennimalai Gr. P. N. Road, Tiruppur.
  - Oživasigamani (Transferor)
- (2) S. Děivasigamani
  S. Muthuswamy
  S. Ramaswamy
  B. Melaram Santhani,
  1A(2) 1A(3), P. N. Road,
  Thottipalayam,
  Tiruppur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 1A(2), 1A(3), P. N. Road, Thottipalayam, Tiruppur. (Doc. 1203/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 27-1-1983

(1) Mrs. Leela Mambiar, 35, College Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) S.M.A.J. Ammath Nazeera, S.M.A. Vajeeda, Chairman Sadak Salai, Kilakarai, Ramanathapuram,

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 28th January 1983

Ref. No. 17423.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 35, College Road, situated at Madras-34,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering Officer at Adaras North (Doc. 1912/82) on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269Ç of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 35, College Road, Madras-34. (Doc. 1912/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 28-1-1933

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) R. Srinivasan, 23, Co-op. B Colony, Coimbatore-38.

(Transferor)

(2) P. P. Unnikrishnan, 4D, Tatabad II St., Combatore-12.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 25th January 1983

Ref. No. 12146.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 23, Co-op. B. Colony, situated at Sangnur, Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore (Doc. 2361/82) on June. 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 23, Co-Op. B Colony, Sanganur, Coimbatore. (Doc. 2361/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

(1) R. Jayaraman, R. Jagannathan, R. Ekambaram, 55, 57, 50, Bajanai Koil St., Pallipattu, Madras-20.

(Transferor)

(2) N. S. Shaik Dawood s/o Syed Rowther, Jawahar St., Athikkadai, Tanjore-613 702.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600006, the 28th January 1983

Ref. No. 17367.—Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

TS. No. 41, Pallipattu, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras South (Doc. 1947/82) on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

 (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at TS 41, Pallipattu. (Doc. 1947/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 28-1-1983

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Ref. No. 12136,-Whereas I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceding Rs. 25,000/- and bearing

TS No. 261, Pollachi, situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi (Doc. No. 1509/82) (item No. 234) (Sl. No. 8 to 27) on June 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

(1) J. Prasannan, 21, Bazar St., Pollachi.

(Transferor)

(2) 1. S. Pushpalatha 150, Dr.Rajendraprasad Road, Coimbatore.

2. S. Venkatasubramaniam 23, Ramalingam St., Mahalingapuram, Pollachi.

3. A. Krishnaswamy s/o Alagappa Gounder, Suleswaranpatti, Pollachi Tk.

4. M. Parvathy, w/o P. Marimuthu Suleswaranpatti, Pollachi Tk.

5. A. Shyamala d/o A. Alagappan, Kambar St., Mahalingapuram, Pollachi.

6. K. Rajeswaran A. 56, Vivekanandar St., Mahalingapuram, Pollachi. 7. B. K. Krishnaraj Vanavarayar

Samathur, Pollachi Tk 8. A. Shanmughasundaram, 8. Kamaraj Road, Coimbatore.

9. S. Krishnaswamy
A45, Nehru Road,
Mahalingapuram, Pollachi.

10. P. K. Ramaswamy Gr. 21, Kamaraj Road,

21, Kamaraj Road,
Mahalingapuram, Pollachi.
11. K. Vijayakumar
s/o Komaraswamy Gounder,
Singanallur, Pollachi Tk.
12. N. Maragadam,
A11, Kannaki St.,

Mahalingapuram, Pollachi.

13. R. Narayanaswamy, A11, Kannaki St., Mahalingapuram, Pollachi.

14. Pechiammal, 21, Kamaraj Road, Mahalingapuram, Pollachi.

15. M. Chokkalingam s/o P. C. Muthu Gounder, Ansari St., Udumalpet.

Udumalpet.

16. S. Perianayagi
w/o P. Sundaramahalingam,
Imamkhan St., Pollachi.

17. S. V. Palaniswamy,
s/o Venkatachala Gr.
Singanallur, Pollachi.

18. D. Muthukumaraswamy,
12. Venkatarajan Road,
Mahalingapuram, Pollachi.

10. M. Kanakavalli.

Manaimgapuram, Polachi.

19. M. Kanakavalli

12. Venkatraman Road,
Mahalingapuram, Pollachi.

Principu 20. N. Namasivayam, Principal N.G.M. College, Pollachi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at TS. No. 261, Pollachi, (Doc. 1509/82)

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 31-1-1983

### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### Smt. S. Konammal w/o (Late) T. V. Viswanatha lyer, 5, Ponnurangam Road, RS Puram, Coimbatorc-2.

# (2) Shri P. Muthuswamy, M. Govindammal, M. Dhanabal, 296, Oppanakara St., Coimbatore-1.

### (Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th January 1983

Ref. No. 12159.—Whereas, 1 R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 79, Venkataswamy Road, situated at RS Puram, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2529/82), on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given up that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 79, Venkataswamy Road, RS Puram, Coimbatore. (Doc. 2529/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-.1.83.

on June 1982,

### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th January 1983

Ref. No. 12150.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

TS 8/807, Kannuswamy Road, situated at RS Puram, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2800/82),

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said act, in
  respect of any income arising from the transfer;
   and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

53--486GJ/82

- (1) Shri M. Ramaswamy, 27/7, Kannuswamy Road, RS Puram, Colmbatore.
- (2) Shri Bhikulal, 8, Kanuswamy, RS Puram, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at TS 8/807, Kannuswamy Road, RS Puram, Coimbatore. (Doc. 2800/82).

R. P. PILLA1
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-,1.83

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-II, OF INCOME-TAX, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th January 1983

9871.—Whereas, I R. P. PILLAI, Ref. No. being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearng No.

73C, Salai Road, situated at Chinthamani, Trichy,

Woraiyur (Doc. 1427/82),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908) (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chinthamani Trichy on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri D. Dukmani Ammal, A9, A type, Thillainagar, Trichy-18.

(Transferor)

(2) M/s. Southern Mercantile Sales Corporation, A1, Salai Road, Woraiyur, Trlchy-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 73C, Salai Road, Chinthamani Trichy. (Doc. 1427/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Ref. No. 12154,—Whereas, I R P PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 268, situated at Souripalayam, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2613/82), June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) T. Venugopal, S/o. Domadaraswamy Naidu, Avinashi Road Rosc Cottage, Coimbatore.

(Transferor)
(2) V. Balakrishnan s/o Velayudhaperumal Nadar L.I.
Housing Unit, Goundampalayam, Coimbatore.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 268, Souripalayam, Coimbatore. (Doc. 2613/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31.1.83.

2ca1

### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Ref. No. 12154.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 268, Souripalayam, situated at Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2609/82)

June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) T. Venugopal s/o Damodaraswamy Naidu, Avinashi Road, Rose cottage, Coimbatore.
- (2) T. Saradabai, D/o Thangayya Nadar, 49, Karnam Subramania Iyer St., Koundampalayam, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the saide immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 268, Souripalayam, Coimbatore, (Dco. 2609/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31.1.83.

### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) T. Venugopal s/o Damodaraswamy Naidu, Avinashi Road, Rose Cottage, Coimbatore. (Transferor)

(1) Krishnavalli, 310, Housing Unit, Koundampalavam, Coimbatore.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Ref. No. 12154.--Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 268, Somipalayam, situated at Coimbatore, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2610/82) on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

land at S. No. 268, Souripalayam, Coimbatore. (Doc. 2610/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31.1.83. Seal:

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Ref. No. 12154.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 268, situated at Souripalayam, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2612/82) on

June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market

value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) T. Venugopal, s/o Damodaraswamy Naidu, Avinashi Road, Rose Cottage, Coimbatore.\_\_
- (2) T. Sundarabai D/o Deivasigamani, Unit, Koundampalayam, Coimbatore, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 268, Souripalayam, Coimbatore. (Doc. 2612/82).

R. P. PILLAt
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31.1.83.

### FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Rcf. No. 12154.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 268, situated at Souripalayam, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2615/82) on June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

57--476 GI/82

(1) T. Venugopal, s/o Damodaraswamy Naidu, Avinashi Road, Rose Cottage, Coimbatore.

(Transferor)

(2) D. Saradabai, 49, Karnam Subramania Iyer St., Kavoundampalayam, Coimbatore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 268, Souripalayam, Coimbatore. (Doc. 2615/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31.1.83.

Senl:

### FORM I.T.N.S. --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Ref. No. 12154.—Whereas, I.R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 268, situated at Souripalayam, Coimbatore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2616/82) on June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) T. Venugopal, s/o Damodaraswamy Naidu, Avinashi Road, Rose Cottage, Coimbatore.

  (Transferor)
- (2) A. Ayyaswamy, s/o Anthonipillai, C.P.S. Colony, Kavoundampalayam, Coimbatore.

  (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 268, Coimbatore. (Doc. 2616/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31.1.83.

### FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 27th January 1983

Ref. No. 9838.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed-Rs. 25,000/- and bearing No.

5/6, Lenin St., situated at Pudupalayam, Pondicherry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. 1416/82) on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 G. Narayanaswamy, 20, Peyalwar Koil St., Madras-5.

(Transferor)

(2) V. Selvaraj, 60, Thambu Naicker St., Pondicherry-1.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 5/6, Lenin St., Pondicherry. (Doc. 1416/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 27-.1.83.

Seal:

54-486GI/82

### FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) K. Thangammal, 30/170, 171, Sundaram St., Coimbatore. (Transferor)

(2) V. S. Kanchana, V. Kasthappan, 11/90, RS Puram, Light House Road, Coimbatore. (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Ref. No. 12153.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No. 30/170 and 171, situated at Sundaram St., Coimbatore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 2590, 2591/82), on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at 30/170, 171, Sundaram St., Coimbatore. (Doc. 2590, 2591/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-11, Mndras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 31,1,83.

(1) T. Venugopal, s/o Damodaraswamy Naidu, Avinashi Road, Rose Cottage, Coimbatore. (Transferor)

(2) A. Mathammal, d/o Arumughammal, 310, Housing

(Transferee)

### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Ref. No. 12152.—Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 268, Souripalayam, situated Coimbatore (Doc. 261/82),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore on June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Unit Goundampalayam, Coimbatore.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 268, Souripalayam, Coimbatore. (Doc. 2611/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31.1.83.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### (1) T. Venugopal s/o Damodaraswamy, Rose Cottage, Avinashi Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) K. Kittuswamy, S/o C. Marudappa Gr., 6, Ganapathi (PO), Nallampalayam, Coimbatore.

(Transferce)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Ref. No. 12152.—Whereas, I. R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 268, situated at Souripalayam, Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Combatore (Doc. 2614/82), on June 1982,

on June 1982, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

### THE SCHEDULE

Land at S. No. 268, Souripalayam, Coimbatore. (Doc. 2614/82).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:--

Date: 31.1.83.

### 4565

### FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 31st January 1983

Ref. No. 9845.-Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Abishekapuram, situated at Trichy on June 1982,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichy on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been we which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Purushothaman s/o Prumugham Chettiar, Achimuthu Chettiar, Purampalayam.

(Transferer)

(2) Achimuthu Chettiar, Kumarasamy Chettiar, K. Subramanian, Abishekapuram, Arichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at Abishekapuram, Trichy. (Doc. 3094/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 31.1.83.

FORM I.T.N.S. -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) R. Balasundaram, R. Baskaran, s/o S. Ramamurthy, B 12, North East Thillanagar,
  - (Transferor)
  - (2) R. Jothimalar, B 12, North East, Thillainagar.

# (Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the naid property may be made in writing to the undersigned :---

- OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006
  - Madras-600 006, the 31st January 1983
- Ref. No. 9872 .- Whereas, I R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
- B 12, Thillainagar, situated at North East, Trichy, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Woraiyur (Doc. 1426/82), on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building at B 12, Thillainagar, Trichy. (Doc. 1426/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 31.1.83.

### FORM I.T.N.S. ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th January 1983

Ref. No. 108/June/82.—Whereas, I R. P. PILLAI,

being the Competent: Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13, First Main Road, situated at Shenoy Nagar, Madras-30 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Annanagar, Madras (Doc. No. 11/82), on June 1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Manonmony Panch, D/o N. V. Viswalingam, by power agent Mr. M. Mohan, 13, Nainiappa Mudali Street, Madras-28.

(Transferor)

(2) Sri M. R. Samy, No. 5, Brahmin Street, Madras-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Land & Building No. 13, First Main Road, Shenoy Nagar, Madras-30 (Doc. No. 11/82).

R. P. PILLA1 Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 12.1.83.

Senl ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

### ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th January 1983

Ref. No. 32/June/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29, Veerappan Street, Madras situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Posistentian Act. 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sowcarpet (Doc. No. P. 33/82) Doc. No. 292/82 on June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

 Smt. Manibai, W/o Sri Nathamlii Jain 29, Veerappan St. Madras.

(Transferor)

(1) 1. Sri Kiran Kumar and

 Kirit Kumar,
 Kasi Chetty St. Madras-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein 'as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

(Land & Building at 29, Veerappan St., Madres, Doc. No. P. 33/82).

R. P. PILLAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Madray-600 006

Date: 12-1-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) S. R. M. Shanmugam S. Indrani No. 11, Ramiah Street, Aminjikarai, Madras-29.

(Transferor)

(2) K. K. Krishnan 42, Linghi Chetty Street, Madras-L.

(Transferce)

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th January 1983

Ref. No. 100/June/82.—Whereas, I, R. P. PILLAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. House & Ground 39, situated at Thambu Chetty St. George Town, Madras-1, Bearing O. S. No. 2456, R. S. No. 3338/5 C. C. No. 2204 of Muthialpet, Madras,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (North) on May, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-55--486GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Land & Building No 39, Thambu Chetty Street, George Town, Madras-1 bearing O.S. No. 2426, R.S. No. 3338/5, C. C. No. 2204 of Muthialpet, Madras-1 Doc. No. 205/82).

> R. P. PILLAI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madras-600 006

Dato: 11-1-1983

#### FORM I.1.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  Mrs. Iravathy, D/o E. K. Raghavan, Veenus Corner, Tellichery.

(Transferor)

(2) Shri V. P. Moideen, Veenus Corner, Tellichery

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZZAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 5th January 1983

Ref. L. C. 603/82-83.—Whereas I, V. R. NAIR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sy. No. as schedule situated at Vadikkakam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tellichery on 4 June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been rtuly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

47 cents of land with a residential building in survey No. 19/7A and T. S. No. 127 of Vadikkakum, Tellichery.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 5-1-1983

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, "ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZZAR, COCHIN-662 016

Cochin-662 016, the 5th January 1983

Rcf. L. C. 601/82-83.—Whereas, I, V. R. NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Kozhikode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kozhikode on 4 June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M. S. Sundarajan & M. S. Raghunathan S/o Late Shri T. Srinivasan, 11-E-2nd Street, Tatabad, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Shri R. Gopalakrishnan S/o Late R. Ramakrishna Chettiar, Annie Hall Road, Kozhikode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1.50 acres of land with the buildings in survey No. 833 and 334/2 ward 16 block 16 in Kozhikode.

V. R. NAIR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-1-1983

## FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 17th January 1983

Ref. No. A.R.-II/3361-1/82.--Whereas, I, S. H. ABBAS ABIDI.

ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 137 corresponding to C.S. No. 687 & 688 situated at Borivli

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4 June, 1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Aloysius Victor Moscarenhas

(Transferor)

(2) M/s. Dahivali Co-op. Housing Society

(Transferee)

(3) Members of Co-op. Hsg. Soty. Ltd.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the mublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Scheduled as montioned in the Registered Deed No. 1841/79 and the same is registered with Sub-Registrar, Bombay on 4-6-1982.

S. H. ABBAS ABIDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Date: 17-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001; the 6th January 1983

C.R. No. 62/35483/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

7, Bull temple Road, situated at Basavangudi, Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1980) in the Office of the Registering Officer at Basavangudi on 7-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harish Chandra K. Karve Dilip H. Karve 7/1, Bull temple Road, Basavangudi, Bangalore.

Transferor(s)

(2) Shri K. Gopal Rao 25, III Main Road, Chamarajpet, Bangalore.

Transferec(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expeanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1157 dated 7-7-82) 7, Bull temple Road, Basavangudi, Bangalore,

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 6-1-83.

## FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME, TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore, the 21st January 1983

C.R. No. 62/34923/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 256. situated at IInd Cross, Cambridge Lay-out, somes-

Ks. 25,000/- and bearing No. 256, situated at IInd Cross, Cambridge Lay-out, someswarapuram, Ulsoor, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 156-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);  Shri B. T. Shankara Sastry, No. 256, Hnd Cross, Cambirdge Lay-out, Someswarapuram, Bangalore.

(Transferor)

 Dr. M. N. H. Jawahar, 2122, Trubali Street, Mandi Mohalla, Mysore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daysfrom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning so given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 653 dated 15-6-82) 256, IInd Cross, Cambridge Lay-out, Someswarapuram, Bangalore.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 21-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560-001, the 22nd January 1983

C.R. No. 62/35354/82-83/ACQ-B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

71, situated at Richmond Road, Richmond Town, Bangalore-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar on 21-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mirza Gulam Hussain, Rep. by Lt. Col. Sarfaraz Hussain, 7, Rhenies Street, Bangalore-25.

(Transferor)

(2) A. Qader Adam, A. Hamid, 14, Weston Road, Bangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 871 dated 21-6-1982) 71, Richmond Road, Richmond Town, Bangalore-25.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 22-1-1983.

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE
Bangalore-560001, the 9th December 1982

Notice No. 477/82-83.—Whereas, I. MANJU MADHAVAN,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot bearing C.T.S. No. 150 in Ward No. VI situated at Bijapur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bijapur Under document No. 1363/82-83 on 24-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Nayanaben Bansilal Darbar, Jumma Masjid Road, Gujjar Galli, Bijapur.

(Transferor)

(2) Shri Susheelendra Gundacharya Mangalagi, R/o Gopalpur Galli, Bijapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1363/82-83 dated 24-8-1982] Open plot bearing C.T.S. No. 150 situated in Ward No VI at Bijapur.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-12-1982

FQRM 1.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 24th November 1982

Notice No. 476/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. R.S. No. 30/1, 5/9 and Municipal No. 765/2C

situated at Angel Extension, Near Ambika Tile Factory,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belgaum under document No. 923/82-83 on June 1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--56-486GI/82

(1) Shri Suneel Dayanand Balajekar R/o Pune (Maharashtra State) P.A.H. Shri Soumitra Mangesh Bhatkal, R/o Tilakwadi, Belgaum.
(2) Shri Dayanand Ganesh Balajekar

(Transferor)

R/o 33/A "Heerapanna" Bhulabai Desai Road, Haji Ali, Bombay-400026. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

-[Registered Document No. 923/82-83 dated June 1982] Property bearing R.S. No. 30/1, 5/9 and Municipal No. 765/2C, situated at Angol Extension Near Ambika Tile Factory, Belgaum.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-11-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore No. 475/82-83.-Whereas, I,

Notice No. 475/82-83.—Whereas, 1, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

bearing No. R.S. No. 66/2.A/1A/1A/2A.2

situated at Saptapur, Dharwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Dharwar Under document No. 552 on 15-6-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Shri R. Krishnappa. 2. Shri R. Channappa Ambarkar, Saptapur Dharwar.
- (2) 1. B. Raghuram. 2. M. Prakash of Bellatti, Tq. Shirhatti.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 552/82-83 dated 15-6-1982] Property bearing R.S. No. 66/2A/1A/1A/2A.2, situated at Saptapur, Dharwar.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE Bangalore-560001, the 9th December 1982

Notice No. 474/82-83,--Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. CTS No. 1280-A situated at Anchatageri Oni, Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hubli under document No. 585/82-83 on 9-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Kamalamma W/o Shirasappa Ijari, Shri Sheetulprasad S/o Shirasappa Ijari, Shri Mahaveer S/o Shirasappa Ijari, All R/o Harapanahalli, Dist.—Bellary. (Transferor)
- (2) Shri Kashinath Hanumanthasa Pawar, R/o Anchatageri Oni, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 585/82-83 dated 9-6-1982.] Property bearing CTS. No. 1280.A situated in Ward No. III Anchatageri Oni, Hubli.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-12-1982

#### FORM LT.N.S.-

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 9th December 1982

Notice No. 470/82-83.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Land, bearing S.Y. 21/2, situated at Rajapur Village, Tq. & Dist. Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gulbarga Under document No. 637/82-83 on 10-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

1. Shri Sharanappa

S/o Shankarappa Police Patil, R/o Rajapur, Tal and Dist.—Gulbarga. (Transferor)

(2) 1. Shri Navaroz Homi Irani,
2. Smt, Nanda W/o G. Irani,
3. Smt, Dinaz W/o N. Irani, 4. Miss Nawaz D/o Homi Irani.

All R/o Darga Road, Gulbarga.

(Transferce)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1183/82-83 dated 13-8-1982] Land bearing S.Y. No. 21/2 measuring 12 Acres and 3 Gunthas situated at Rajapur Village, Tq. & Dist. Gulbarga.

> MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-12-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 9th December 1982

Notice No. 473/82-83,—Wherens, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CTS No. 3024 and CTS No. 4575 situated at Maratha Galli, Hubli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Hubli under document No. 1183/82-83 on 13-8-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Gurappa Basappa Ghodake,
 Shri Devaraj Gurappa Ghodake,
 R/o Maratha Galli, Hubli,

(Transferor)

(2) Shri Vithala Rao Balakrishna Belamkar, Kala Tailors, Maratha Galli, Hubli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAT.ION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the spid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1183/82-83 dated 13-8-1982]

Property bearing CTS. No. 3024 and CTS 4575 situated in Ward No. I, Maratha Galli, Hubli.

MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 9-12-1982

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th January 1983

Notice No. 479/82-83.-Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

SY Nos. 362/1, 363/P, 364/1, & 398 situated at Huvinkere village, Mudigere Taluka,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at Mudigere Under document No. 240/82-83 on 17-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- Shri D. Nemirajaiah S/o Manjappalah,
   Smt. Indumathiamma W/o Nemirajalah.

  - Shri V. N. Nagapala Hegade.
     Shri Y. N. Kumaraswamy.
     Shri Y. N. Harshakumar, Huvinkere Village, Kalasa Hobli, Hudigere Tq.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Lalithamma W/o Late H. S. Shantharajaich. Shri H. S. Rajendra S/o Late H. S.

Shantharajalah. Jambalay, Samshi Village, Kalasa Hobli, Mudigere Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 240/82-83 dated 17-6-1982]

Property is situated at Huvinkere Village, Mudigere Tq. bearing SY. Nos. 362/1, 363/P, 364/1 & 398.

MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th January 1983

Ref. No. 478/82-83.—Whereas, I, Mrs. MANJU MALLIA-VAN,

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Sy. No. 99

situated at Village Deao, Taluka and Dist. Quepem, Goa

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Quepem under document No. 77/82-83 on 2-6-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afrocsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Ratnakar Datta Vernekar.
 Smt. Rita Ratnakar Vernekar
 R/o Borda, Margao, Salecete, Goa.

(Transferor)

(2) 1. Shri Thomas Jacob. 2. Shri Thomas Stephen,

R/o Verna, Tq. Salcete, Dist. Goa.

(Transferee)

. Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 77/82-83 dated 2-6-1982]

Property called "BENAMOLLA" Registered in the Land Registration Office Quepem, under No. 2461 of Book B3 of old Series and surveyed under Record of Rights survey number 99 of village Deao, Taluka & sub-Dist. of Dist. of Quepem, Goa.

MRS. MANJU MADHAVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

# SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 10th January 1983

Ref. No. 480/82-83,—Whereas, I, SMT. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 559 cnrolled in Taluka Revenue Office at Mapuca

situated at Khorlim

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering (at Bardez on 15-6-1982 Act. Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) (a) Shri Felix Luciana Ayres de Souza,

(2) Smt. Gomme Aurea Anna Sollis e Souza, both residing at 8 Sony Apartments, 45 Hill Rd., Bandra, Bombay,

(Transferor)

(2) Shri Mahadeva Laximan Kinalkar, Resident of Khorlim, Mapuca, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 468 dated 15-6-1982]

Portion of land of agricultural immovable property called "TEMBACHO SORVO" admeasuring 59355 sq.m. Entire property is described in Land Registration Office at Manuca under No. 1625 at Pages 368 of Book B 11 Old and enrolled in Taluka Revenue Office, Mapuca under No. 559.

> MRS. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-1-1983.

#### FORM LT.N.S.-

(1) 1. Shri A. D. Shivashankar, Planter, Athihally, Sakaleshpur Tq.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. S. Rangasetty & Sons, Charitable Trust, Sakaleshpur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, BANGALORE Bangalore-560001, the 10th January 1983

Notice No. 484/82-83.-Whereas, I, MRS. MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Khata No. 429

situated at in Ashoknagar Main Road, Sakaleshpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at

Sakleshpur under document No. 695/82-83 on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

[Registered Document No. 695/82-83. Dated 27-9-1982] Open site bearing Municipal Khata No. 429 situated in Ashok Nagar Main Road, Sakaleshpur.

> MRS. MANJU MADHAVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-1-1983.

Seal:

57-486GI/82

(1) Shri S. R. Govindraj, S/o Late Shri S. V. Rathnaswamy, Merchant and Coffee Farmer, Chikkamagalore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. P. Raghavendra, S/o Shri A. D. Puttegouda, Coffee Planter, Raghavendra Estate, Post Avathi, Chikkamagalur. TQ.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th January 1983

Notice No. 483/82-83.—Whereas, I, MANJU MADHA-VAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal No. 2130 situated at Ratnagiri Road, Chikkamagalur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkamagalore. Under document No. 839/82-83 on 25-8-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

#### (b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 839/82-83. Dated 25-8-82] Vacant site measuring  $40 \times 150$  Sft. situated at Municipal No. 2130 in Ratnagiri Road, Chikkamagalur.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Eange, Bangalore.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th January 1983

Notice No. 482/82-83.—Wheeras, I, MANJU MADHA-VAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Municipal No. 891/700/630 situated at Ravivarma Road, Shimoga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shimoga. Under decument No. 1804/82-83 on 15-10-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

 Shri H, V. Chaudrasekharappa, & his children. Ravivarma Street, Shimoga.

(Transferor)

(2) Shri R. Ramesh Shet, S/o Ramachandra Shet, Mahakavi Kalidas Road, Now Residing at Ravivarma Street, Shimoga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 1804/82-83. Dated 15-10-1982 Residential property bearing Municipal No. 891/700/630 situated at Ravivarma Road, Shimoga.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-1-1983

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# E-

#### (1) (a) Mr. Fraucisco Trindade, (b) Mrs. Rita Maria Pinto Trindade residing at Corlim Mapuca Goa. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) Mrs. Eugina Liberatt Silveira, residing at Saipem, Candelim, Goa.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th January 1983

Notice No. 481/82-83.—Wheeras, I, MANJU MADHA-VAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

93/15 & 73/3 of Marra Village situated at Saipem Candolim

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bardez on 2-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsections (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(Registered Document No. 421, Dated 2-6-1982). Land described under No. 8338 at page 39 of Book B. 22 New in the office of Land Registrar of Bardez, situated at Saipem, Candolim, Bardez, Goa—Surveyed under No. 93/15 and 73/3 of Marra Village.

MANIU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-1-1983,

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT; 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 10th January 1983

Notice No. 485/82-83.—Whereas, J, MANJU MADHA-VAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

S.Y. No. 26/1, situated at Marapur Village, TQ: Mudhol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mudhol. Under document No. 527/82-83 on 24-6-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Appayyappa Shivappa Radaratti.
  - Shri Dundappa Appayyappa Radaratti.
     Shri Hanamant Appayyappa Radaratti.
     R/o Bisankop. 'TQ: Gokak.

(Transferor)

(2) Shri Rajanbhai Purshottam Kavadia, R/o Samecrwadi, TQ: Mudhol,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Registered Document No. 527/82-83. Dated 24-6-1982] Agricultural land measuring 6 Acres 1 Gunthas bearing S.Y. No. 26/1 situated at Marapur village, TQ: Mudhol,

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 10-1-1983.

Seal.

MOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri T. K. Chacko
 Mrs. Helen Chacko,
 A Main Road, Whitefield, Bangalore South Taluk.

(Transferor)

(2) Shri Al-Haj Sheikh Mohd. Moosa, 24/1A Bore Bank Road, Bangalore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 24th January 1983

C.R. No. 62/35677-82-83 Acq. B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7A. Main Road, situated at Whitefield, Bangalore South (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bangalore South Taluk on 10-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ox
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforcsoid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2275 dated 10-6-1982) 7A Main Road, Whitefield, Bangalore South Taluk.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 24-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 25th January 1983

C.R. No. 62/35317/82-83/ACQ.B.—Whereas, I, MANJU MADHAVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

R.S. No. 1437. T.S. No. 327, situated at Bunder Ward, Mangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City under document No. 251/82-83 on 23-6-1982 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri K. Abdul Hameed, s/o late Abdul Rehman Rozikan, Ansari Road, Bunder, Mangalore.

(Transferor)

(2) Ms. Sudharshan Mills, Ansari Road, Bunder, Mangalore-575 001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(Registered Document No. 251/82-83 dt. 23-6-1984) All that property bearing R.S. No. 1437, T.S. No. 327, situated at Bunder Ward, Mangalore.

> MANJU MADHAVAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 25-1-1983.

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001.

Bangalore-560001, the 25th January 1983

CR. No. 62351/96 '82-83 'Acq. B.---Whereas, I, MANJU MADHAVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29/A, New No. I, situated at II Cross, Jayamahal Extn., Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhingar under document No. 1002/82-83 on 23-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said set, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) fácilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) H. Thammaiah, No. 29/A, New No. 1, II Cross, Nandidurg Road, Jayamahal Extn., Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri Mushtaq Wahid, S/o H. A. Wahid, No. 26, Ist Cross, Jayamahal Extn., Bangalore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(The registered document No. 1002/82-83 dated 23-6-82) All that property bearing No. 29/A, New No. 1 situated at II Cross Nandidurg Road, Jayamahal Extn., Bangalore-560006.

MANJU MADHAVAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 25-1-1983

#### FORM ITNS----

## (1) Shri Narendra Kumar Rastogi,

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Shabad Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow through Shri Fjaz Ahmad, President. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

# (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow, the 16th December 1982

publication of this notice in the Official Gazette.

G.I.R. No. S-254/Acq.—Whereas, I, A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Freehold land situated at Islambari, Pargana, Tchsii & Distt.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 14-6-1982

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer; and/or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land situate at Islambari, Pargana, Tehsil & District-Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 2375, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrat, Lucknow.

A. PRASAD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-12-1982.

Seal:

58-486GI/82

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1589.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovab-property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on May, 1982

at Jodhpur on 21-6-1982

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of !922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Kailash Metha, S/o Shri Narayanchand Metha, Outside Jalori Gate, Jodhpur. (Transferor)
- (2) Shri M/S Marwar Khadi Sangh, Jalori Gate, Jodhpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop situated at outside Jalori Gate, Jodhpur, Opp. Gandhi Hospital, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1297 dated 21-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983,

#### FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1601.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. D. 95 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration

property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Bhanwarilal (2) Sh. Hiralal, Sons of Shri Shiv Narain Maheshwari, D-38 Sawai Madho Singh Road, Bani Park, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Nirmal Kumar Jain, S/o Sh. Nathmal Jain, R/o Assam Hotel, Station Road, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. D-95, situated in Chand Pole Anaj Mandhi, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1186 dated 1-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1602.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable ' property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Agri, land situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jaipur on 1-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Vidhyanidhi Sud, S/o Shri Laxmandas, Sud, R/o, Ramsinghpura, Teh. Annopgarh, District Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Col. Suraj Singh, S/o Shri Fateh Singh, Plot No. 120-D, Kabir Marg, Bani Park, Jaipur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agrn. land measuring 18 bigha 6 biswa in Khasra 678 situated in Village Kalwar, Teh. Jaipur and more fully dsecribed the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1149 dated 1-6-82,

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 27-1-1983.

(1) Shri Onkarlal, S/o Shri Madholalji, R/o Kota (Transferor)

4597

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hazarilal, S/o Kishan Lal, SBBJ, Udaipur.

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1603.--Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agri, land situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kota on 28-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

# THE SCHEDULE

Agri. land measuring 3000 Sq. ft situated in Talmandi, Kota and more fully described in the sale deed registered by the Sub-Registrar vide registration No. 713 dated 28-6-82.

> MOHAN SINGII Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 27-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### **GOVERNMENT OF INDIA**

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1604.—Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Agri. land situated at Kota

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kota on 24-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Secion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Panchaya S/o Sh. Gyarzi, Vill. Sogaria (Transferor)

(2) Shrimati Kamlesh Parashar W/o Sh. Manesh Chand Parashar, R/o Dadawade, Kota Junction. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri, land measuring 6 bigha 10 biswa, situated in Village Sogaria and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 683 dated 24-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983.

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

# ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1605.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Kota

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 24-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Fatama W/o Sh. Sijjaudin, Sakatpura, Kota.
- (2) 1. Shri Anil Kumar, S/o Sh. D. P. Goyal, 2. Shrimati Nita W/o Sh. Ramkumar, 3. Shri Harish Chand S/o Sh. Bangalimal and 4. Smt. Kamla W/o Sh. D. P. Goyal, Shopping Centre, Kota.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agri. land measuring 7 bigha 18 biswa situated in Sakatpura, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide registration No. 689 dated the 24-6-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVFNUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/JAC(Acq.)/1606.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 23 situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 18-6-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said Act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mani Ram S/o Sh. Hazarilal Agarwal, C/o Shop No. 23-A, Dhan Mandi, Sriganganagar. (Transferor)
- (2) Shri Hanaraj S/o Sh. Netram Jat, C/o M/s Hansraj Kani Ram Shop No. 23-A. Dhan Mandi, Sriganganagar, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Shop No. 23-A, situated in Dhan Mandi, Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar vide registration No. 927 dated 18-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 28th January 1983

Ref. No. Rej/IΛC(Acq.)/1607.--Whereas, 1, MOHAN

being the Competent Authority under Section\_269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Shop No. 23 situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sriganganagar on 8-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persour, namely :-59---486GT/82

- (1) Smt. Sharda Devi W/o Shri Maniram Agarwal R/o Sriganganagar. (Transferor)
- (2) 1. Sh. Kaniram S/o Sh. Ramchand, 2. Shr. Sajankumar S/o Sh. Kaniram and 3. Sh. Bhawan S/o Sh. Kaniram R/o Khyaliwala, Sriganganagar. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 24, situated in Dhan Mandi, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the Sr. Sriganganagar, vide registration No. 923 dated 8-6-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983.

ASSISTANT COMMIS-

(1) Shrimati Joginder Kaur, W/o Shri Rattan Singh Jat Sikh, R/o Chak 5 ML, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Gurdeep Singh, S/o Shri Kartar Singh R/o 1-a-Chhoti, Sriganganager.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTA SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1608.-Whereas, I, MOHAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganegar on 25-6-1982 fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero rto pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating th econcealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 6 bigha situated at Chak 5 ML, Teh. Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar vide registration No. 990 dated 25-6-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq)/1609.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri, land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Sriganganagar on 25-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent or such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Rattan Singh, S/o Shri Ronjit Singh, R/o 5ML, Teh, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Baldev Singh, S/o Sh. Kartar Singh, R/o Sriganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Agri. land measuring 6 bigha situated at Chak 5 ML, Teh. Srigenganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar vide registration No. 998 dated 25-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1610.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 24-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rattan Singh, S/o Sh. Ranjit Singh R/o Sriganganagar. (Transferor)
- (2) 1. Sh. Baldev Singh 2. Sh. Santosh Singh Sons of Sh. Kartar Singh, R/o Sriganganagar, (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 6 bigha situated at Chak 5 ML, Teh. Sriagnganagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar vide registration No. 997 dated 24-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Renge, Jaipur

Date: 27-1-1983.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (2) Shri Bajinder Singh, S/o Sh. Basant Singh R/o Sri-

ganganagar.

#### ganganagar. (Transferce)

(1) Shri Bhoop Singh, S/o Shri Manni Ram, R/o Sri-

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1611.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), bave reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sriganganagar on 22-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 5 bigha situated at Chak 4-G, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar vide registration No. 953 dated 22-6-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983.

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1612.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sriganganagar on 22-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsections (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shrimati Sarswati Devi, W/o, Shri Bhoop Singh, R/o Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shrimati Sarjit Kaur, W/o, Shri Bajinder Singh R/o Sriganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Agri land measuring 5 bigha situated at Chak 4-G, Srlganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar vide registration No. 942 dated 22-6-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983.

FORM NO. I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1613.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 19-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Bhoop Singh, S/o Shri Manni Ram R/o Sriganganagar, (Transferor)
- (2) Shri Bajinder Singh, S/o Shri Basant Singh, R/o Sriganganagar. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 5 bigha situated at Chak 4-G, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar vide registration No. 941 dated 19-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983.

Seal;

#### MOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 27th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1614.—Whereas, I, MOHAN SINGH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 14-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhoop Singh, S/o Shri Manni Ram, R/o Sri-ganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Bajinder Singh, S/o Sh. Basant Singh, R/o 28BB, Teh. Raisinghnagar, Distt, Sriganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land measuring 5 bigha situated at Chak 4-G, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar vide registration No. 882 dated 14-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 27-1-1983.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING, STATUE CIRCLE, JAIPUR

Jaipur, the 17th January 1983

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/1581.+Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 'as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri, land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 22-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Setion 269C of the said At, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—60—486GI/82

 Shrimati Durga Devi, W/o Shri Jairam Arora R/o Chak 6 E Chhoti, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Rajya Karamchari Grah Nirman Sahkari Samiti Ltd. Sriganganagar through Sh. Ramesh Chand Sharma, Rehabilitation, Collector Office.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Agri. land measuring 7 bigha situated at Chak No. 6-E, Chhoti, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Sriganganagar vide registration No. 951 dated 22-6-82.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income Tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 17-1-1983.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1585.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter-referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Sriganganagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 18-6-1982 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay fax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Radha Ram Alias Radha Kishan S/o Sh. Panjuram Arora, R/o Mirzewala, Teh. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Mahendra Singh, S/o Sh. Bhajan Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land situated at Chak 10 F Bada, Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 964 Jated 18-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-1-1983

#### FORM I.T.N.S.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1581.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Agri. Jand situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sriganganagar on 23-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Shri Radha Ram
 S/o Sh. Panjuram Arora,
 R/o Mirzewala, Teh. Sriganganagar.

(Transferor)

Shri Sukhdev Singh
 S/o Sh. Bhajan Singh
 Ramgadhia Sikh
 R/o Dhinganwali
 Teh. Sriganganagar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri, land situated at Chak 10 F Bada, Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 963 dated 23-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-1-1983

Send:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1582.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Siiganganagar on 23-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Radha Ram Alias Radha Kishan S/o Sh. Panjuram Arora, R/o Mirzewala, Teh. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Malkiyat Singh S/o Sh. Bhajan Singh, R/o Mirjewala.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land situated at Chak 10 + Bada, Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 962 dated 23-6-83,

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-1-1983

Scal :

#### FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1583.—hWereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri, land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Sriganganagar on 27-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing

persons, namely :-

 Radha Ram Alias Radha Kishan S/o Sh. Panjuram Arora, R/o Mirzewala, Teh. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Gurmal Singh S/o Shri Bhajan Singh, R/o Sriganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property near be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land situated at Chak 10 F Bada, Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 965 dated 27-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-1-1983

Sctal:

#### FORM IINS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1584.—Whereas, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No. Agri. land situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 23-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-~

 Shri Radha Ram Alias Radha Kishan S/o Sh. Panjuram Arora, R/o Mirzewala, Teh. Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Sukhdev Singh S/o Shri Gajan Singh, R/o Dhanjawali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Agri. land situated at Chak 10 F Bada, Sriganganagar, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 966 dated 23-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Jaipur

Date: 18-1-1983

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd January 1983

Ref. No. Rej/JAC (Acq.)/1599.--Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I and situated at Tijara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tijara on 2-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :

(1) 1. Shri Ladlilal S/o Sh. Gorilal, 2. Sh. Shyam Saran S/o Sh. Bhagwati Prasad Mathur, R/o Tijara.

(Transferor)

(2) Shri Jhamanlal S/o Sh. Bheram Saini, R/o Tijara.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha 3 biswa situated in village Sadpur, and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Tijara, Distt. Alwar vide registration No. 525 dated 2-7-1982.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-iax Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-1-1983 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

S/o Sh. Gorillal,
2. Sh. Shyam Saran
S/o Sh. Bhagwati Prasad Mathur,
R/o Tijara.

(Transferor)

(2) Shri Ram Pratap S/o Sh. Bholuram, R/o Tijara,

(1) 1, Shri Ladlilal

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd January 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1600.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated at Tijara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tijara on 2-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 2 bigha 14 biswn situated in Village Sadpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Tijara, Distt. Alwar vide registration No. 524 dated 2-7-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 22-1-1983

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT-COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1566.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 30 situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sriganganagar on 19-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:—61—486GI/82

Shri Shiv Charan
 S/o Sh. Mool Raji Croya
 Ryo Public Pork, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Tarsemal S/o Sh. Chiman Lal Arora, R/o 20 F Block, Sriganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 30, situated at Gole Bazar, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 938 dated 19-6-1982.

MOHAN SINGII Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1983

Rcf. No. Rej/IAC (Acq.)/1567.--Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 30 situated at Srigonganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sriganganagar on 4-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Shiv Charan
 S/o Sh. Mool Raji Goyal,
 R/o Public Park, Sriganganagar.

('Fransferor)

(2) Smt Shanta Kumari D/o Sh. Tarsemal Arora, R/o 20 F Block, Sriganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 30, situated at Gole Bazar, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 883 dated 4-6-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 19-1-1983

Settl :

#### NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 19th January 1983

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1568.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 30 situated at Sriganganagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shriganganagar on 17-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ln

the S 1 of 957 Shri Shiv Charan
 S/o Sh. Mool Raji Goyal,
 R/o Public Park, Sriganganagar.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar S/o Sh. Tarsemal Arora, R/o 20 F Block Sriganganagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 30, situated at Gole Bazar, Sriganganagar and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Sriganganagar vide registration No. 915 dated 17-6-1982.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 19-1-1983

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 18th January 1983

Rej/IAC (Acq.)/1571.---Whereas, I, MOHAN Ref. No. SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agri. land situated at Jodhpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jodhpur on 21-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Ratan Devi W/o Sh. Khivraj. R/o Nagar Mohalla, Mahamandir, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Amrit Gralı Nirman Sahkari Samiti Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHPDULE

Land measuring 40 bigha 5 biswa situated near Bhdwasia Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jodhpur vide registration No. 1535 dated 21-6-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date : 18-1-1983 Seol :

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### (2) Shri Abdul Rashid S/o Sh. Hazi Gulam Mohd.,

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 22nd January 1983

Rcf. No. Rej/IAC (Acq.)/1572,---Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 7-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

R/o Inside Setaji Gate, Jodhpur.

(1) Shri Munawar Khan S/o Sh. Abdul Khan, R/o Nagauri Gate, Jodhpur.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (5) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land measuring 7 bigha near Bhadwasia, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1379 dated 7-6-1982.

> MOHAN SINGIT Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur

Date : 22-1-1983 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1561.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-14 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Distt. Session Court, Jaipur City through Sh. Satish Chandra Purohit, Advocate Jaipur,

1. Smt. Kesardevi,

W/o. Sh. Nandlul Mali 2. Sh. Rakesh.

2. Sh. Rakesh, S/o Nandlal Mali 3. Smt. Mohini Devi,

W/o Sh. Ratanlalji & Others.

(Transferor)

(2) Shri Devi Narain Agarwal, S/o Sh. Gordhandas, R/o Marwa House Bardika

R/o Marwa House, Bardika Rasta, Kishanpole Bazar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

B-14, Kesar Bhawan situated at Anandpuri, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S. R. Jaipur vide registration No. 1392 dated 15-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1982

Ref. No. Rej/lAC (Acq.)/1559.—Whereas, I, MOHAN SINGH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Shop No. 1003 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1. Shri Ram Singh, S/o Sh. Laxini Narain Singh,

2. Smt. Shanti Devi

W/o Sh. Ram Singh, 3. Sh. Bhawtani Singh S/o Sh. Ram Singh, 4. Sh. Rajendra Singh,

S/o Ram Singh, R/o New Bhahwan, Jaipur.

(Transferor)

(2) Mohd. Wazir S/o Sh. Babu Wazirdudin R/o Taj School, Ramganj, Juipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULF

Shop No. 1003, situated at Tripolia Bazar, Juipur more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1172 dated 1-6-82.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jaipur

Date: 28-12-1982

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th December 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1560.--Whereus, I. MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No.

Shop No. 1003 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 1-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 I. Shri Ram Singh, S/o Sh. Laxmi Narain Singh, Smt. Shanti Devi W/o Sh. Ram Singh,

(1) Sh. Bhawani Singh, (2) Sh. Rajendra Singh, S/o Shri Ram Singh, New Bhagwan Bhawan, Jat ka Koa ke Rasta, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shrimati Sayeeda Begum
 W/o Shri Mohd, Wazir,
 R/o Taj School, Ramganj Bazar, Jaipur.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 1003, situated at Tripolia Bazar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide registration No. 1171 dated 1-6-82.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 28-12-1982

Scul:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### Shrimati Kusum Kumari Dhandhia, W/o Sh. Suresh Chand Dhandhia, Kundigaron Ka Bharonji Ka Rasta Jaipur.

Jaipur. (Transferor)

(2) Shri Thakurdee Nibuwani,S/o Shri Motumalji.J, 139, Adarsh Nagar, Jaipur.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th Deember 1982

Ref. No. Rej/IAC (Acq.)/1562.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Corapetent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 25 situated at Jaipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 15-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

62-486GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested, in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 25 situated at Bapu Buzar, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R., Jaipur vide registration No. 1377 dated 15-6-82.

MOHAN SINGH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Date: 28-12-1982

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. 1215/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

91/1, situated at Southern Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 5-6-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- ' (1) 1. Sri Pradiptya Narayan Chowdhury,
  - 2. Sri Satyaki Narayan Chowdhury.
  - 3. Smt. Anita Chowdhury.

(Transferor)
(2) The Peerless General Finance & Investment Co. Ltd.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that three storied brick built building lying in and situated at the piece and parcel of land measuring 6K—2 Ch—5 Sq. ft. being premises at 91/1, Southern Avenue, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-1-1983

(1) Sri Ramendra Chandra Ray.

(Transferor)

(2) Appee Properties Private Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. 1216/Acq. R-HI/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10, situated at Priya Nath Mullick Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1980) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-6-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th Part or share of 2 storied brick built house with piece or parcel of land measuring 11 K—12 Ch—43 Sq. ft. being premises No. 10, Priya Nath Mullick Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri Rajendra Chandra Ray.

(Transferor)

(2) Arpee Properties Private Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. 1217/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 26-6-82,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lamovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10 situated at Priya Nath Mullick Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th Part or share of 2 storied brick built house with piece or parcel of land measuring 11 K—12 Ch—43 Sq. ft. being premises No. 10, Priya Nath Mullick Road, Calcutta.

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-1-1983

#### FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Sudhindra Chandra Ray.

(Transferor)

4629

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Arpee Properties Private Ltd.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. 1218/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 10 situated at Priya Nath Mullick Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-6-82.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th Part or share of 2 storled brick built house with piece or parcel of land measuring 11 K—12 Ch.—43 Sq. ft. being premises No. 10, Priya Nath Mullick Roud, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 31-1-1983 Seal:

œui.

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. 1219/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 10, situated at Priya Nath Mullick Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-6-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Kalyan Kr. Roy.

(Transferor)

(2) Arpee Properties Private Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th part of share of 2 storied brick built house with piece or parcel of land measuring 11 K—12 Ch—43 Sq. ft. being premises No. 10, Priya Nath Mullick Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-1-1983

Scal:

(1) Sri Kalyan Kr. Roy,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Arpee Properties Private Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. 1220/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10, situated at Priya Nath Mullick Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 28-6-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
   of the transferor to pay tax under the said act, in
   respect of any income arising from the transfer;
   and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that undivided 1/6th Part or share of 2 storied brick built house with piece or parcel of land measuring 11K—12 Ch—43 Sq. ft. being premises No. 10, Priya Nath Mullick Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-1-1983

(1) Sri Benov Kumar Paul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tinnevelly Tuticorin Tea and Investment Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. 1221/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11, situated at Dover Park, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-6-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 18 K-4 Ch-16 Sq. ft. with building being premises No. 11, Dover Park, Calcutta

> M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-1-1983

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following person, namely: --

(1) Sri Pankaj Kumar Sen.

(Transferor)

(2) M/s. Roy Mitra & Co. 12C, Camac Street, Calcutta.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. 1222/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 162/160, situated at Lake garden, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on June 1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

section (1) of Section 269D of the said Act, to the persons, namely:—
63—486GI/82

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

Objections, if any, to the acquisition of the said property

in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2 K-13 Ch-26 Sq. ft. being situated at 162/160, Lake Garden, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-1-1983

#### PORM ITNS----

(1) Sri Subodh Chandra Sarkar.

(Transferor)

(2) M/s. Migma Private Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. 1223/Acq. R-III/82-83.—Whereas, 1, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 22, situated at Ashutosh Choudhury Avenue, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 3-6-1982,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 9.85 cottahs with building being premises No. 22, Ashutosh Choudhury Avenue, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-1-1983

Seal

FORM I.T.N.S .----

(1) Sri Jatindra Nath Talukdar.

(Transferor)

(2) Sri Raj Kumar Kedia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. 1224/Acg. R-JII/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6/2 situated at Palm Avenue, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 29-6-82,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 11 K-9 Ch with building being premises No. 6/2, Palm Avenue, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-1-1983

Scal:

#### FORM ITNS----

(1) M/s. M. S. Agarwala & Sons Private Ltd.

(Transferor)

(2) Sri Somavendra Das Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. 1225/Acq. R-llI/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 18/1, Flat No. A3, situated at Gariahat Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 25-6-1982.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that flat No. 3A, on the 3rd floor, being premises No. 18/1, Gariahat Road, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-1-1983

Scal:

#### FORM I.T.N.S.———

(1) Smt. Priti Kana Das & others.

(Transferor)

(2) Smt. Binapani Chakraborty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 3rd February 1983

Ref. No. 1226/Acq. R-III/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 3A, situated at Jadu Bhattacharjee Lane, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 2-6-1983,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 2K—11 Ch—22 Sq. ft. with building being premises No. 3A, Jadu Bhattacharjee Lane, Calcutta.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 3-2-1983

FORM I.T.N.S.

(1) Sri Joy Prakash Gangooly.

(Transferor)

(2) Sri Kirit Kothari.

(Transferee)

(3) 1. M/s. P. Kishore & Co. Pvt. Ltd. 2. Sri N. T. Kothari,

(Persons in ocupation)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. TR-118/82-83/Sl. 701/IAC/Acqn,-R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 28/2A, situated at Harekrishna Konar Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Scaldah on 30-7-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

One storied building and shed with land measuring 6K—3 Ch.—10 Sq. ft. at 28/2A, Harekrishna Konar Road, Calcutta-14, Registered before the Sub-Registrar, Sealdah vide deed No. 569 dated 30-7-1982.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Date: 31-1-1983

FORM I.T.N.S.---

(1) Dr. Jyoti Bhusan Roy. (2) Md. Arif & 7 Ors.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. TR-159/82-83/Sl. 702 IAC/Acqn.R.-I/Cal.--Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing No.

64D, situated at Linton Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta on 4-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

5K-14Ch-19Sq. ft. of land with sheds at premises No. 64D. Linton Street, Calcutta Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 4651 dated 4-6-82.

M. AHMAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 31-1-83 Seal:

FORM IINS-

(1) Dr. Jyoti Bhusan Roy.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Dayan.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. TR-158/82-83/Si. 703 JAC/Acqn. R-I/Cal.-

whereas, I, M. AHMAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 64D, situated at

Linton Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at R.A., Calcutta on 4-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

3K-1Ch of land with structure at 64D, Linton Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 4650 dated 4-6-82.

M. AHMAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 31-1-83

#### FORM I.T.N.S.—

(1) Sudhirlal Seal & Ors.

(2) Sri Atmaram Kanoria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) 5 tenants.

(Transferee)
(Persons in occupation)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. TR-157/82-83/Sl. 704 I AC/Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/8th share of undivided 1/2 share situated at 6 & 7, Old Court House Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta on 9-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—64—486GI/82

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/8th share of undivided 1/2 share of total land 2 Bigha-6 Chittaks-20 Sq. ft, and of buildings at 6 & 7, Old Court House Street. Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 4874 dated 9-6-1982.

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Calcutta.

Date: 31-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutte, the 31st January 1983

Ref. No. TR-156/82-83/Sl. 705 IAC/Acqn. R-I/Cal.—Whereas, I, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 6, situated at

Tiliala Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908) (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at R.A., Calcutta on 24-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for;
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Dr. Prasun Kumar Roy & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Ravi Probha Burman.

(Transferee)

(3) M/s Bengal Wirerall Co. Pvt. Ltd.

(Persons in occupation)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dys from the date of publicatio nof this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

2/3rd undivided share of land 63K-3Ch-20S. Ft. and of partly one and partly two storied building and tin shed at 6, Tiljala Road, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 5435 dated 24-6-82.

M. AHMAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Calcutta.

Date: 31-1-83

Sist

(1) Dr. Prasun Kumar Roy & Ors.

(Transferor)

(2) Smt. Sabita Burman.

(Transferce)

(3) M/s. Bengal Wirenail Co. Pvt. Ltd. (Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. TR-155/82-83/Sl. 706 IAC/Acqn.R-I/Cal.--Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imnovable property, havin Rs. 25,000/- and bearing having a fair market value exceeding

No. 6, situated at Tiljala Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

R.A., Calcutta on 24 6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided 1/3rd share of land 63K-3Ch-20S. Ft. and of partly one and partly two storied building & tin shed at 6, Tiljala Road, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide deed no. 5436 dated 24-6-82.

> M. AHMAD, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Calcutta. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Seal:

Date: 31-1-83

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 31st January 1983

Ref. No. TR-160/82-83/Sl. 707 IAC/Acqn.R.-I/Cal.—Whereas, f, M. AHMAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. A flat covering the entire 1st floor situated at 9/1B, Mahatma Gandhi Road, Calcutta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R., Calcutta on 19-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this potice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s Khanna & Sons (P) Ltd.
- (2) Sri Sanjoy Khanna.

(Transferor)

(3) Public Service Commission Govt. of West Bengal.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

A flat covering the entire first floor of premises No. 9/1B, Mahatma Gandhi Road, Calcutta-9. Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide deed No. 5297 dated 19-6-82.

M. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Range-I, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 31-1-83

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Onkar Prasad Kanoi, Block-'H' New-Alipore, 24-Pgs.

(Transferor)

 Ashok Kr. Chadha, on behalf of Arjun Chadha, J-215, New-Alipore, Cal.-53.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1983

Ref. No. AC-61//R-IJ/Cal/82-83.—Whereas, I. M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 241/196, S. N. Roy Road, situated at Sahapur, P.S. Behala, Cal.

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R., Alipore, on 29-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or ovasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other porson interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: 4K. 4ch. being H/No. 241/196, S. N. Roy Road, Sahapur, P.S. Behala Cal. More particularly described in deed no. 3162 of S.R. Alipore of 1982.

M. AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta-54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 7-1-1983

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Sri Ganeshka Investment Pvt. Ltd., 20, Rajendra N. Mukherjee Road, Calcutta. (Transferor)

## (2) Raksha Chadha, on behalf of Bankim Chadha,2, Russel St., Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1983

Ref. No. Ac-62/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I. M. AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 240/195, S. N. koy Road, situated at Sahapur, P.S. Behala, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Alipore, on 29-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said, Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: -4K. 11ch.30 sq. ft. being H/No. 240/195, S.N. Roy Road, Sahapur P.S. Behala, Cal. More particularly described in deed No. 3158 of S.R. Alipore of 1982.

M. AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 7-1-1983

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 15th January 1983

Ref. No. AC-66/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD.

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

28/2, S. P. Mukherjee Road, Calcutta-28, situated at P.S. Dum-Dum, Calcutta-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Alipore, Cal. on 18-6-82

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Pran Gopal Barman, 11/5, Panchannantola Road, Cal.-41. (Transferor)
- (2) Manti Gomej & 3 Ors, 10/1, Brehalal Road, Entally, Cal.-14. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which here period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: 8k, situated at Mouza Ram Chandrapur, P.S. Behala Cal. More particularly described in deed No. 2502 of June, 1982.

A. AHMAD,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 15-1-83

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA Calcutta, the 15th January 1983

Ref. No. AC-65/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, M. AHMAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 28/2, Dr. S. P. Mukherjee Road, Cal.-28 situated at P.S. Dum-Dum, Cal.-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.A. Cal. on 18-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Gour Mohan Saha,
 Dr. S. P. Mukherjee Road, Cal.-28.
 (Transferor)

(2) Smt. Shibani Ghosh, 60/1. Rishi Bankim Chandra Road, Calcutta-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: 1k.5ch.20sq.ft. (with building) being Pre. 28/2, Dr. S. P. Mukherjee Road, P.S. Dum-Dum, Cal.-28. More particularly described in deed No. 5198 of June. 1982.

A. AHMAD,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 15-1-83

Seal

#### FORM NO. I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-

# TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1982

Ref. No. AC-47/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

118B, Narkeldanga North Road, Belinghata, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R. Scaldah on 7-6-82

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--65--486GI/82

(1) Smt. Saila Bala Garai, 118/B, Narkeldanga North Road, Beliaghata, 24-Pargs.

(Transferor)

(2) Smt. Jyotsna Rani Ghosh 7/3, Ramnath Biswas Lane, (Shaha House), Calcutta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

#### THE SCHEDULE

Area: 2K at 118B, Narkeldanga North Road, P.S. Beliaghata, 24-Pargs. More particularly described in deed No. 457 of S.R. Sealdah of 1982,

C. ROKHAMA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta-700016.

Date: 9-12-1982

#### FORM I.T.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 9th December 1982

Ref. No. AC-48/R-II/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|-and bearing No.

15B, Jagipara bye Lane, Calcutta-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Sealdah on 19-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Guruprasad Datta & Ors., 82, Ramkrishnapur Lano, Howrah.

(Transferor)

(1) Smt. Mahapati Dovi, 15B, Jugipara by Lane, Calcutta-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: 4K-Ch-21 sq. ft. (with building) 15B, Jugipara by Lane, Maniktola, Calcutta-6. More particularly described in deed No. 496 of S.R. Sealdah of 1982.

C. ROKHAMA, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Calcutta-700016.

Date: 9-12-1982

#### FROM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1982

Ref. No. AC-39/Acqn.R-IV/Cal/82-83.—Whereas, I, C, ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 27/1/1/ situated at Ram Kumar Ganguly lane

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 2-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Sri Guru Prosad Banerjee—90/3, Khetra Banerjee lane, Shibpur, Dist. Howrah.
- (2) Smt. Mira Mukherjee—46, Bharpara Road, P.S. Shibpur, Dist. Howrah.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 3 Cottahs 8 Chataks 37 Sq. Et. with Building. Address: 27/1/1, Ram Kumar Ganguly Lane, P.S. Shibpur, Dist: Howrah. Deed No. 1410 of 1982.

> C. ROKHAMA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1982

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV

Calcutta, the 8th December 1982

Ref. No. AC-38/Acqn. R-IV/Cal/82-83,—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

45/46/8 situated at Nabin Senapati Lane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Howrsh on 30-6-1982

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Sankar Lal Ghosh—10, Ganga Mani Ghosh Lane, Shibpur, Dist, Howrah.

(Transferor)

(2) Smt. Sunity Aich—W/o Sri Himangshu Aich 44. Chandra Kumar Banerjee lane, Shibpur, Dist. Howreh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peroid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 1 Cottah 14 Chataks 6 Sft. with building. Address: 45/46/8, Nabin Senapati Lane, P.S. Shibpur, Dist. Howrah. Deed No. 3613 of 1982.

C. ROKHAMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1982

#### FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 8th December 1982

Ref. No. AC-37/Acqn.R-1V/Cal/82-83.—Whereas, I, C. ROKHAMA,

being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 6/2 situated at

Tulsi Charan Mitra Garden Lane,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 2-6-82

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Radha Rani Mitra 48, Nil Kamal Kundu Lane, Shibpur Howrah.
 Sri Tarib Kumar Ghos Vill P.S. Domjur, Dist. Howrah.

(Transferor)

(2) Smt. Arati Mukhopadhaya, 2. Prasanna Kumar Dutta Lane, Shibpur, Dist. Howrah.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land: 4.46 Cottahs with building. Address: 6/2, Tulsi Charan Mitra Garden Lane, Mitrapara, Ramkrishnapur, P.S. Shibpur, Dist. Howrah. Deed No. 2900 of 1982.

C. ROKHAMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Calcutta-700016.

Date: 8-12-1982